

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

१० १३] नई विल्सी, शनिवार, मार्च 27, 1976 (चंत्र 7, 1898)
No. 13] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 27, 1976 (CHAITRA 7, 1898)

इस भाग में विभिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

नोटिस NOTICE

नीचे लिखे भारत के असाधारण राजपत्र 21 फरवरी 1976 तक प्रकाशित किए गए हैं:—

The undermentioned *Gazettes of India Extraordinary* were published up to the 21st February 1976 :—

बंक Issue No.	संख्या और तिथि No. and Date	द्वारा जारी किया गया Issued by	विषय Subject
	सं० प्रतिग्रदायगी/पी० एन० - 20/76 दिनांक 17 फरवरी, 1976	वित्त मंत्रालय	सार्वजनिक सूचना सं० प्रति ग्रदायगी /पी० एन० 1, दिनांक 15 प्रकृतूबर, 1971 में प्रकाशित सारणी में संशोधन।
43.	No. Drawback/PN-20/76, dated the 17th February, 1976.	Ministry of Finance	Amendments in the Table published in the Public Notice No. Drawback/PN-1 dated the 15th October, 1971.
	सं० प्रतिग्रदायगी/पी० एन० - 21/76, दिनांक 17 फरवरी, 1976	—तदैव—	सार्वजनिक सूचना सं० प्रतिग्रदायगी /पी० एन०-18/76 दिनांक 9 फरवरी, 1976 में शुद्धियां।
	No. Drawback/PN-21/76, dated the 17th February, 1976.	Do.	Corrections to the Public Notice No. Drawback/PN-18/76 dated the 9th February, 1976.
	सं० प्रतिग्रदायगी /पी० एन० -22/76। दिनांक 17 फरवरी, 1976	—तदैव—	सार्वजनिक सूचना सं० प्रतिग्रदायगी /पी० एन० -1, दिनांक 15 प्रकृतूबर, 1971 पर शित सारणी में संशोधन।
	No. Drawback/PN-22/76, dated the 17th February, 1976.	Do.	

संख्या Issue No.	संख्या और तिथि No. and date	द्वारा जारी किया गया Issued by	विषय Subject
	सं० प्रतिप्रदायगी /पी० एन०-23/76, दिनांक 18 फरवरी, 1976	वित्त मंत्रालय	सार्वजनिक सूचना सं० प्रतिप्रदायगी /पी० एन० -1, दिनांक 15 अक्टूबर, 1971 में प्रकाशित सारणी में संशोधन ।
44.	No. Drawback/PN-23/76, dated the 18th February, 1976.	Ministry of Finance	Amendments in the Tables published in the Public Notice No. Drawback/PN-1, dated the 15th October, 1971.
	सं० 20-आई० टी० सी० (पी० एन०)/76 वाणिज्य मंत्रालय दिनांक 20 फरवरी, 1976		बंगला देश के साथ व्यापार ।
45.	No. 20-ITC(PN)/76, dated the 20th February, 1976.	Ministry of Commerce	Trade with Bangladesh.
	सं० प्रतिप्रदायगी/पी० एन० -24/76, दिनांक 21 फरवरी, 1976	वित्त मंत्रालय	सार्वजनिक सूचना सं० प्रतिप्रदायगी / पी० एन० 1, दिनांक 15 अक्टूबर, 1971 में प्रकाशित सारणी में संशोधन ।
46	No. Drawback/PN-24/76, dated the 21st February, 1976.	Ministry of Finance	Amendments in the Table published in the Public Notice No. Drawback /PN-1, dated the 15th October, 1971.
	सं० प्रतिप्रदायगी/पी० एन० 25/76, दिनांक 21 फरवरी, 1976	—तदैव—	सार्वजनिक सूचना सं० प्रतिप्रदायगी / पी० एन०-1, दिनांक 15 अक्टूबर, 1971 में प्रकाशित सारणी में संशोधन ।
	No. Drawback/PN-25/76, dated the 21st February, 1976.	Do.	Amendments in the Table published in the Public Notice No. Drawback/PN-1, dated the 15th October, 1971.

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतिक्रीया, प्रकाशन नियन्त्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम मांग-पत्र भेजने पर भेज दी जाएंगी । मांग पत्र नियन्त्रक के पास इन राजपत्रों के जारी होने की तिथि से दस दिन के भीतर पहुंच जाने चाहिए ।

Copies of the *Gazettes Extraordinary* mentioned above will be supplied on indent to the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Controller within ten days of the date of issue of these *Gazettes*.

विषय-सूची

भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकलनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	पृष्ठ 223	भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकलनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	पृष्ठ 813
भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	—	भाग II—खंड 3—उपखंड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के प्रत्यर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं	पृष्ठ 1335
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकलनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	—	भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश	पृष्ठ 75
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	387	भाग III—खंड 1—महालेखा परीक्षक, संघ लोक-सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के ग्रन्थीन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	पृष्ठ 2607
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	—	भाग III—खंड 2—एकस्व कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस	पृष्ठ 269
भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों संबंधी प्रबन्ध समितियों की रिपोर्टें	—	भाग III—खंड 3—मुख्य ग्राम्यकर्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं	—
भाग II—खंड 3—उपखंड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गये विधि के अन्तर्गत बनाए और	—	भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विधिक अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	पृष्ठ 1311
भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस	—	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस	पृष्ठ 49

CONTENTS

PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	PAGE 223
PART I—SECTION 2.—Notification regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	—
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence	523
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	—
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations	387
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills	—
PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (i).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India	—

(other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	PAGE 813
PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	1335
PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence ..	75
PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Court and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India ..	2607
PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..	269
PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners ..	—
PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies ..	—
PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies ..	—

भाग I—खंड 1
PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम स्थायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा वारेंसों और संकलनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

मंत्रिमण्डल सचिवालय
 कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग

नई दिल्ली-110001, दिनांक 27 मार्च 1976

नियम

सं० 12/18/75-के० से०-II—सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान (परीक्षा स्कंध) द्वारा 1976 में केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड-II तथा भारतीय विदेश सेवा (ख) के आशुलिपिकों के उप संवर्ग के ग्रेड-II और सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड-II के लिये प्रबंध सूची में सम्मिलित करने के लिये सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा के नियम सर्व साधारण की सूचना के लिये प्रकाशित किये जाते हैं।

2. प्रबंध सूची में सम्मिलित किये जाने वाले व्यक्तियों की संख्या संस्थान द्वारा जारी किये गये नोटिस में बता दी जाएंगी।

केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा में भरी जाने वाली रिक्तियों में, जो कि सरकार द्वारा निर्धारित की जाएंगी, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवार के लिए आरक्षण किये जाएंगे।

अनुसूचित जातियों/ आदिम जातियों से अभिप्राय, बम्बई, पुनर्गठन अधिनियम 1960 और पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित [आदिम जाति आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1956 संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश 1956, संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जाति आदेश, 1959 संविधान (दादर और नागर हैवेली) अनुसूचित जाति आदेश, 1962 संविधान (दादर और नागर हैवेली) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1962 संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जाति आदेश 1964 संविधान (अनुसूचित आदिम जाति) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967 संविधान (गोआ-दमन और दीव) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1958 और संविधान (नांगालेंड) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1970 के साथ गठित अनुसूचित जाति/आदिम जाति सूचियां (संशोधन) आदेश, 1956 में उल्लिखित जातियों/आदिम जातियों में से किसी एक

लालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान (परीक्षा परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट में निर्धारी है)।

किस तारीख को और किन किन स्थानों पर परीक्षा ली जाएंगी, इसका निर्धारण संस्थान करेगा।

4. पात्रता की शर्तें —केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा/ भारतीय विदेश सेवा (ख) के आशुलिपिकों के उप संवर्ग/सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा का नियमित रूप से नियुक्त कोई भी ऐसा स्थायी अधिकारी, जो निम्नलिखित शर्त पूरी करता हो, परीक्षा में बैठने और अपनी सेवा को रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता करने का पात्र होगा अर्थात् केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड-III के आशुलिपिक उस सेवा के ग्रेड-I की रिक्तियों के लिए पात्र होंगे और भारतीय विदेश सेवा (बी) के आशुलिपिक भारतीय विदेश सेवा (बी) के आशुलिपिकों के उप संवर्ग के ग्रेड-II की रिक्तियों के लिये पात्र होंगे तथा सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड-III के आशुलिपिक सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड-II की रिक्तियों के लिए पात्र होंगे।

(क) सेवा की अवधि—इस सेवा के ग्रेड-III में नियमित तारीख, अर्थात् 1-1-1976 को उसकी कम से कम तीन वर्ष की अनुमोदित और निरन्तर सेवा होनी चाहिए।

टिप्पणी :—ग्रेड-III के बे अधिकारी जो सक्षम अधिकारी के अनुमोदन से संवर्ग बहुत पदों पर प्रतिनियुक्त परहों, और जिनका केन्द्रीय सचिवालय, आशुलिपिक सेवा/ भारतीय विदेश सेवा (बी०) के आशुलिपिकों के उप संवर्ग/सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड-III में धारणाधिकार है, यदि अन्यथा पात्र हों तो इस परीक्षा में बैठ सकेंगे।

(ख) आयु —उसकी आयु पहली जनवरी, 1976 को 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। अर्थात्, वह 2 जनवरी, 1931 से पहले फैदा नहीं हुआ हो।

(i) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक,

(ii) यदि उम्मीदवार बंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) से आया हुआ हो वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद (लोकतंत्र 25 मार्च, 1971 से पहले) प्रव्रजन करके भारत में आया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक।

(iii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति/अनुसूचित आदिम जाति का हो और बंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) से आया हुआ हो और वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और पहली जनवरी, 1964 को या उसके बाद (लेकिन 25 मार्च, 1971 से पहले) प्रवाजन करके भारत में आया हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक,

(iv) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से आया हुआ वास्तविक देश प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो और अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन पहली नवम्बर, 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से भारत में प्रवाजन हुआ हो तो अधिकतम तीन वर्ष तक,

(v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से संबंधित हो तथा श्रीलंका से आया हुआ वास्तविक देश-प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो और अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन पहली नवम्बर, 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से भारत में प्रवाजित हुआ हो तो अधिकतम आठ वर्ष तक,

(vi) यदि उम्मीदवार संघ राज्य थ्रेव गोवा दमन और दीव का निवासी हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,

(vii) यदि उम्मीदवार भारतीय मूल का हो और केन्या उगांडा और संयुक्त तंजानिया गणराज्य (भूतपूर्व टंगानिका और जंजीबार) से प्रवाजित हो तो अधिकतम 3 वर्ष,

(viii) यदि उम्मीदवार बर्मा से आया हुआ वास्तविक देश प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो और पहली जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रवाजित हुआ हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,

(ix) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से संबंधित हो तथा बर्मा से आया हुआ वास्तविक देश प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो और पहली जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रवाजित हुआ हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक,

(x) किसी दूसरे देश से संघर्ष के दौरान अथवा उपद्रवग्रस्त इलाकों में फौजी कार्यवाहियों को करते समय अशक्त हुए तथा उसके परिणामस्वरूप नौकरी से निर्मुक्त रक्षा सेवा कार्मिकी के मामलों में अधिकतम तीन वर्ष और,

(xi) किसी दूसरे देश से संघर्ष के दौरान अथवा उपद्रवग्रस्त इलाकों में फौजी कार्यवाहियों करते समय अशक्त हुए तथा उसके परिणामस्वरूप नौकरी

से निर्मुक्त अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों से संबंधित रक्षा सेवा कार्मिकों के मामलों में अधिकतम 8 वर्ष तक।

(xii) 1971 में हुए भारत पाक संघर्ष के दौरान फौजी कार्यवाहियों में विकलांग हुए तथा उसके फलस्वरूप निर्मुक्त किए गए सीमा सुरक्षा बल के कार्मिकों के मामलों में अधिकतम तीन वर्ष तक,

(xiii) 1971 में हुए भारत पाक संघर्ष के दौरान फौजी कार्यवाहियों में विकलांग हुए तथा उसके फलस्वरूप निर्मुक्त किए गए सीमा सुरक्षा बल के ऐसे कार्मिकों के मामलों में अधिकतम 8 वर्ष तक जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित आदिम जातियों के हों।

उपर्युक्त बातों के प्रलापा ऊपर निर्धारित आयु सीमा में और किसी हालत में छूट नहीं दी जाएगी।

(g) आशुलिपिक परीक्षा—जब तक कि केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा भारतीय विदेश सेवा (बी) के आशुलिपिकों के उपसंवर्ग/सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड-3 में स्थायीकरण, बने रहने के प्रयोजन के लिए संस्थान की आशुलिपिक परीक्षा उत्तीर्ण करने से छूट न मिल गई हो, उसने परीक्षा को अधिसूचना की तारीख को या उससे पूर्व यह परीक्षा उत्तीर्ण करली होनी चाहिए।

टिप्पणी :—ग्रेड-3 के जो आशुलिपिक सक्षम अधिकारी के अनुमोदन से संवर्ग बाह्य पदों पर प्रतिनियुक्त पर हैं और जिनका इस सेवा के ग्रेड-3 में धारणाधिकारी हैं, यदि अन्यथा पात्र हों, की परीक्षा में सम्मिलित किए जाने के पाव्र होंगे तथा यह बात ग्रेड-3 के उन आशुलिपिकों पर लागू नहीं होती जो स्थानान्तरित रूप में संवर्ग बाह्य पदों पर या अन्य सेवा में नियुक्त किये गये हों और केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा भारतीय विदेश सेवा (बी) के आशुलिपिकों के उपसंवर्ग/सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड-3 में धारणाधिकार न रखते हों।

5. परीक्षा में बैठने के लिये उम्मीदवार की पात्रता या अपातकता के बारे में संस्थान का निर्णय अन्तिम होगा।

6. यदि किसी उम्मीदवार के पास संस्थान का प्रवेश पत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमिशन) न होगा तो उसे परीक्षा में नहीं बैठने दिया जायेगा।

7. उम्मीदवारों को संस्थान की विज्ञप्ति के पैरा 5 में निर्धारित शुल्क देना होगा।

8. यदि किसी उम्मीदवार को संस्थान द्वारा अपराधी घोषित कर दिया जाता है या कर दिया गया हो कि उसने :—

- (i) किसी भी प्रकार से अपने उम्मीदवार के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (ii) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (iii) किसी अन्य व्यक्ति से छदम् रूप में कार्य साधन कराया है, अथवा
- (iv) जाली प्रमाण पत्र या ऐसे प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए हैं जिन में तथ्यों को बिगड़ा गया हो, अथवा
- (v) गलत या झूठे वक्तव्य दिए हैं या किसी महत्व-पूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (vi) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (vii) परीक्षा भवन में अनुचित तरीके अपनाये हैं, अथवा
- (viii) परीक्षा भवन में अनुचित आचरण किया है, अथवा
- (ix) उपर्युक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को अवप्रेरित करने का प्रयत्न किया है, तो उस पर आपराधिक अभियोग (फिरिनल प्रोसीक्यूशन) चलाया जा सकता है, और उसके साथ ही उसे :—
 - (a) संस्थान द्वारा उस परीक्षा से, जिसका वह उम्मीदवार है, बैठने के लिए अप्रोग्राम ठहराया जा सकता है, अथवा
 - (b) उसे अस्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए
- (i) संस्थान द्वारा, जी जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिए,
- (ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा, अधीन किसी भी नौकरी से वारित किया जा सकता है, और
- (g) उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

(10) परीक्षा के पश्चात्, प्रत्येक उम्मीदवार द्वारा अन्तिम रूप से प्राप्त अंकों के आधार पर संस्थान द्वारा उनकी योग्यता क्रम से तीन अलग सूचियां बनाई जायेंगी और उसी क्रम के अनुसार संस्थान उस परीक्षा में जितने उम्मीदवारों को सफलता प्राप्त समझेगा, उनके नाम अपेक्षित संख्या तक, केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा, भारतीय विदेश

सेवा (बी) के आशुलिपिकों के उप संबंध और सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड-II की चयन सूची में सम्मिलित करने के लिए सिफारिश करेगा।

परन्तु यहकि यदि अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों के लिए केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा में आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक समान मानक के आधार पर रिक्तियां न भरी जा सकें तो संस्थान द्वारा अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों की आरक्षित कोटि में कमी को पूरा करने के लिए मानक में ढील देकर सिफारिश की जा सकती है चाहे परीक्षा की योग्यता सूची में उनका कोई भी रैक क्यों न हो, वशतः कि उम्मीदवार केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड-II की चयन सूची में शामिल करने के लिए योग्य हो।

टिप्पणी :—उम्मीदवारों को अच्छी तरह से समझ लेना चाहिए कि यह प्रतियोगिता परीक्षा है न कि अर्द्ध परीक्षा (क्वालीफाइंग एजामिनेशन) इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा/भारतीय विदेश सेवा (बी) के आशुलिपिकों के उप संबंध के ग्रेड-II और सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड-II की प्रबरण सूची में कितने उम्मीदवारों के नाम शामिल किये जाए, इसका निर्णय करने के लिए सरकार पूरी तरह सक्षम है। इस लिए कोई भी उम्मीदवार अधिकार के तौर पर इस बात का कोई दावा नहीं कर सकेगा कि उसके द्वारा परीक्षा में दिए गए निष्पादन के आधार पर उसका नाम प्रबरण सूची में शामिल किया हो जाये।

11 हर एक उम्मीदवार के परीक्षाफल की सूचना किस रूप में तथा किस प्रकार दी जाय, इसका निर्णय संस्थान अपने विवेकानुसार करेगा और संस्थान के परिणामों के बारे में उनसे कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा।

12 परीक्षा में उत्तीर्ण हो जाने मात्र से ही चुनाव का अधिकार नहीं मिलता जब तक कि सरकार आवश्यक जांच के बाद संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार चुनाव के लिये हर प्रकार से पात्र और उपयुक्त है।

13 जो उम्मीदवार इस परीक्षा में बैठने के लिये आवेदन पत्र देने के बाद या परीक्षा में बैठ जाने के बाद केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा/भारतीय विदेश सेवा (बी) के आशुलिपिकों के उप संबंध और सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा के अपने पद से त्याग पत्र दे देगा अथवा अन्य किसी प्रकार से उस सेवा

को छोड़ देगा या उससे अपना संबंध विच्छेद कर देगा / या जिसकी सेवाएं उसके विभाग द्वारा समाप्त कर दी गई हो या किसी निःसंकर्गीय पद या दूसरी सेवा 'स्थानान्तरण' द्वारा नियुक्त किया जा चुका हो और केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा/भारतीय विदेश सेवा (बी) के आशुलिपिकों के उपसंचार के प्रेड-III में धारणाधिकारी न हो, वह इस परीक्षा में परिणाम के आधार पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा । तथापि यह प्रेड III के आशुलिपिकों पर लागू नहीं होगा, जो सक्रम प्राधिकारी के अनुमोदन से किसी निःसंवर्ग पद पर प्रतिनियुक्ति के रूप में नियुक्त किया जा चुका हो ।

के० बी० नायर, अवर सचिव

परिशिष्ट

1. लिखित परीक्षा के विषय, तथा प्रत्येक विषय के लिये दिया गया समय तथा पूर्णांक इस प्रकार होंगे ।

भाग क लिखित परीक्षा

विषय	दिया गया समय	पूर्णांक
(I) सामान्य अंग्रेजी	1½ घंटे	50
(II) निबन्ध	1½ घंटे	50
(III) सामान्य ज्ञान	3 घंटे	100
भाग-ब हिन्दी या अंग्रेजी आशुलिपिक परीक्षा (लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण) होने वालों के लिये		200 अंक

टिप्पणी :—उम्मीदवारों को अपने आशुलिपि नोट टंकण मर्शिन से लिपियंतरित करने होंगे, और प्रयोजन के लिये उन्हें अपनी टंकण मर्शिन लानी होगी ।

भाग-ग ऐसे उम्मीदवारों के सेवा अभिलेख का मूल्यांकन जो संस्थान द्वारा अपने विवेकानुसार निर्णीत किए जाएंगे, अधिकतम 100 अंक ।

2. लिखित परीक्षा के लिये पाठ्य विवरण तथा आशुलिपि की परीक्षाओं की योजना इस परिशिष्ट की संलग्न अनुसूची में दिए गए अनुसार होगी ।

3. उम्मीदवारों को प्रश्न पत्र (II) निबन्ध और (III) सामान्य ज्ञान का उत्तर हिन्दी या अंग्रेजी में देने की छूट है और उपर्युक्त दोनों प्रश्न पत्रों के लिए एक ही माध्यम (अर्थात् हिन्दी या अंग्रेजी) को चुनना होगा । जो उम्मीदवार इन दोनों प्रश्न पत्रों का उत्तर हिन्दी में लिखने का विकल्प लेंगे उन्हें आशुलिपि की परीक्षा भी केवल हिन्दी में ही देनी होगी और जो उम्मीदवार प्रश्न पत्रों को अंग्रेजी में लिखने का विकल्प लेंगे उन्हें आशुलिपि की परीक्षा भी केवल अंग्रेजी में ही देनी होगी । सभी उम्मीदवारों को प्रश्न पत्र (I) सामान्य अंग्रेजी का उत्तर अंग्रेजी में देना होगा ।

प्रश्न पत्र के बाल अंग्रेजी में तैयार किए जाएंगे । परन्तु निबन्ध के प्रश्न पत्र में निबन्धों के अंग्रेजी शीर्षकों के साथ साथ

हिन्दी रूपान्तर भी दिए जाएंगे ।

टिप्पणी 1 :—जो उम्मीदवार सिविल परीक्षा में (II) निबन्ध तथा (III) सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्रों का उत्तर तथा आशुलिपि की परीक्षाओं में हिन्दी में लिखने के इच्छुक हों, में यह विकल्प आवेदन पत्र के कालम 6 में लिखें । अन्यथा यह माना जायेगा कि उम्मीदवार लिखित परीक्षा तथा आशुलिपि की परीक्षाओं में अंग्रेजी में लिखेंगे ।

एक बाप का विकल्प अंतिम समझा जायेगा, और उक्य कालम में कोई परिवर्तन करने का अनुरोध असाधारणतया स्वीका नहीं किया जाएगा ।

टिप्पणी 2 :—ऐसे उम्मीदवारों को अपनी नियुक्ति के बाद जो आशुलिपि की परीक्षा हिन्दी में देने का विकल्प लेंगे, अंग्रेजी आशुलिपिक और जो आशुलिपिक की परीक्षा अंग्रेजी में देने का विकल्प लेंगे उन्हें हिन्दी आशुलिपि आवश्यक रूप से सीखनी पड़ेगी ।

टिप्पणी 3 :—जो उम्मीदवार उपर्युक्त पत्र 3 के अनुसार विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों में परीक्षा देना चाहते हैं, और (II) निबन्ध तथा (III) सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्रों का उत्तर तथा आशुलिपिक की परीक्षाओं में हिन्दी में लिखना चाहते हैं । उन्हें अपने निजी व्यय पर आशुलिपि की परीक्षाएं देने के लिये विदेश में किसी ऐसे भारतीय मिशनों में जहां ऐसी परीक्षा देने के आवश्यक प्रबंध हों, जाना पड़ सकता है ।

टिप्पणी 4 :—उम्मीदवार ने जिस भाषा का विकल्प दिया है उस के अलावा अन्य किसी भाषा में उत्तर लिखने अथवा आशुलिपिक की परीक्षा देने पर कोई मान्यता नहीं दी जाएगी ।

4. जो उम्मीदवार 120 शब्द प्रति मिनट वाले डिक्टेशन में न्यूनतम योग्यता प्राप्त कर लेंगे वे 100 शब्द प्रति मिनट वाले डिक्टेशन में वही स्तर प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों से कम में ऊपर होंगे । प्रत्येक वर्ग में उम्मीदवारों को प्रत्येक उम्मीदवार को दिए गए कुल अंकों के अनुसार, पारस्पारिक प्रवरता अनुबाद रखा जाएगा (निम्नलिखित अनुसूची का भाग (ब) को देखें) ।

5. उम्मीदवारों को सभी उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे किसी भी हालत में उन्हें उत्तर लिखने के लिये अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी ।

6. संस्थान अपने विवेकानुसार परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्हक (क्वालीफाइंग) अंक निर्धारित करेगा ।

7. केवल उन्हीं उम्मीदवारों को आशुलिपिक परीक्षा के लिये बुलाया जायेगा जो संस्थान द्वारा अपने विवेकानुसार नियत किए गए न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेंगे ।

8. केवल सबही ज्ञान के लिये कोई अंक नहीं दिए जाएंगे ।

9. अस्पष्ट लिखावट के कारण, लिखित विषयों को अधिकतम अंकों के 5 प्रतिशत अंक तक काट लिये जाएंगे ।

10. परीक्षा के सभी विषयों में इस बात को विशेषतया लाभ दिया जाएगा कि भाषाभिभवित आवश्यकतानुसार कम से कम शब्दों में क्रमबद्ध तथा प्रभावपूर्ण हंग से और ठीक ठीक की गई हैं।

अनुसूची
(भाग क)

परीक्षा का स्तर और पाठ्य विवरण

टिप्पणी :—भाग 'क' के प्रश्न पत्रों का स्तर लगभग वही होगा जो किसी भारतीय विश्वविद्यालय की 'मैट्रीकुलेशन' परीक्षा का होता है।

अंग्रेजी :— यह प्रश्न पत्र इस रूप से तैयार किया जाएगा, जिससे उम्मीदवारों के अंग्रेजी व्याकरण और निबंध रचना के ज्ञान की तथा अंग्रेजी भाषा को समझने और शुद्ध अंग्रेजी लिखने की उत्की योग्यता की जांच हो जाए। शंक देते समय वाक्य विवास/सामान्य अभिव्यक्ति और भाषा कौशल को ध्यान में रखा जाएगा। इस प्रश्न पत्र में निबंध लेखन, सार लेखन, मसौदा, लेखन शब्दों का शुद्ध प्रयोग आसान मुहावरों और उपर्युक्त (पेयीजीशन) डायरेक्ट और इन डायरेक्ट स्पीष्ट आदि शामिल किए जा सकते हैं।

निबंध :— कई निर्धारित विषयों में से किसी एक पर निबंध लिखना होगा।

सामान्य ज्ञान :— निम्नलिखित विषयों का कुछ ज्ञान —

भारत का संविधान, पंचवर्षीय योजनाएं, भारतीय इतिहास और संस्कृति, भारत का समान्य और आर्थिक भूगोल, सामान्य घटनाएं, सामान्य विज्ञान तथा दिन प्रति दिन नजर आने वाली ऐसी बातें जिनकी जानकारी पढ़े लिखे अवक्ति को होनी चाहिए। उम्मीदवारों के उत्तर से यह प्रकट होना चाहिए कि उन्होंने प्रश्नों को अच्छी तरह समझा है। उनके उत्तरों से किसी पाठ्य पुस्तक के ब्यौरे-बार ज्ञान की अपेक्षा नहीं की जाती है।

भाग-ख

आशुलिपिक परीक्षाओं की योजना

अंग्रेजी में आशुलिपि की परीक्षाओं में दो डिक्टेशन परीक्षाएं होंगी एक 120 शब्द प्रति मिनट की गति से सात मिनट के लिये और दूसरी 100 शब्द प्रति मिनट की गति से दस मिनट के लिये जो उम्मीदवारों को क्रमशः 45 तथा 50 मिनटों में लिप्यंतर करने होंगे।

हिन्दी में आशुलिपि की परीक्षाओं में दो डिक्टेशन परीक्षाएं होंगी एक 120 शब्द प्रति मिनट की गति से सात मिनट के लिये और दूसरी 100 शब्द प्रति मिनट की गति से दस मिनट के लिये उम्मीदवारों को क्रमशः 60 तथा 65 मिनटों में लिप्यंतर करने होंगे।

नियम

नई दिल्ली, दिनांक 27 मार्च, 1976

सं० 13018/1/76-अ० भा० से० (I)—निम्नलिखित सेवाओं/पदों में रिक्तियों को भरने के लिए 1976 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली प्रतियोगिता-परीक्षा के नियम, संबंधित मंत्रालयों और भारतीय लेखा-परीक्षा और लेखा सेवा के संबंध में भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की सहमति से, आम जानकारी के सिए प्रकाशित किए जा रहे हैं :—

वर्ग-I

- (1) भारतीय प्रशासन सेवा, और
- (2) भारतीय विदेश सेवा

वर्ग-II

- (1) भारतीय पुलिस सेवा
- (2) दिल्ली, अंडमान तथा निकोबार, द्वीप समूह पुलिस समूह का सेवा-2 तथा
- (3) रेलवे सुरक्षा बल में समूह ख के सहायक सुरक्षा अधिकारी/सहायक कमांडेट/एंजूटेंट के पद।

वर्ग-III

- (क) समूह क की सेवाएँ :—
 - (1) भारतीय डाक तथा तार लेखा तथा वित्त सेवा,
 - (2) भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा,
 - (3) भारतीय सीमा ग्रुप्प और केन्द्रीय उत्पाद ग्रुप्प सेवा,
 - (4) भारतीय रक्षा लेखा सेवा,
 - (5) भारतीय आय कर सेवा (समूह-क)
 - (6) भारतीय आयुध कारबाजा सेवा, (समूह-क) (सहायक प्रबंधक गैर-तकनीकी ,
 - (7) भारतीय डाक सेवा,
 - (8) भारतीय रेलवे लेखा सेवा,
 - (9) भारतीय यातायात सेवा, और
 - (10) सैन्य भूमि तथा सैन्य छावनी सेवा समूह-क

(ख) समूह-ख की सेवाएँ :—

- (1) केन्द्रीय सचिवालय सेवा अनुभाग अधिकारी ग्रेड, समूह ख
- (2) भारतीय विदेश सेवा, ब्राच 'ख' केन्द्रीय संवर्ग के समेकित ग्रेड II तथा III (अनुभाग अधिकारी ग्रेड),
- (3) सशस्त्र सेवा मुख्यालय सिविल सेवा सहायक सिविल स्टाफ अधिकारी ग्रेड समूह ख
- (4) सीमा ग्रुप्प निरूपक (एप्रेजर) सेवा समूह-ख
- (5) दिल्ली तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह सिविल सेवा समूह ख।

1. उम्मीदवार, उपर्युक्त वर्गों की किसी एक अथवा एक से प्रधिक सेवाओं/पदों के लिए प्रतियोगिता में बैठ सकता है (कृपया देखें नियम 4)। उसे अपने आवेदन-पत्र में स्पष्टतः संबंधित वर्ग/वर्गों के अन्तर्गत आने वाली उन सेवाओं का उल्लेख कर देना चाहिए जिनके लिए वह वरीयता के त्रैम में विचार कराये जाने का इच्छुक है।

भारतीय प्रशासन सेवा/भारतीय पुलिस सेवा के लिए प्रतियोगिता कर रहे अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति के उम्मीदवार अथवा महिला उम्मीदवार को भारतीय प्रशासन सेवा/भारतीय पुलिस सेवा में चयन किए जाने की स्थिति में आवेदन पत्र में राज्य संवर्ग के लिए अपने वरीयता त्रैम को स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट कर देना चाहिए।

भारतीय प्रशासन सेवा/भारतीय पुलिस सेवा के लिए प्रतियोगिता में भाग ले रहे अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति के उस उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र में स्पष्ट रूप से यह उल्लेख कर देना चाहिए कि क्या वह भारतीय प्रशासन सेवा/भारतीय पुलिस सेवा के लिए चयन किए जाने की स्थिति में उस राज्य में आवंटन के लिए विचार कराया जाना पसंद करेगा जिस राज्य का वह है।

जिन वर्ग/वर्गों के अन्तर्गत आने वाली सेवाओं, जिनके लिए उम्मीदवार प्रतियोगिता कर रहा है, उनके सम्बन्ध में उसके द्वारा दी गई वरीयताओं में, अथवा जिन राज्य संवर्गों के लिए वह आवंटन कराया जाना पसंद करेगा उनके सम्बन्ध में परिवर्तन के लिए किसी भी अनुरोध पर जब तक कि ऐसा अनुरोध सिखित परीक्षा के परिणामों की घोषणा की तारीख के 15 दिनों भीतर संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त नहीं हो जाता उस पर विचार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्र भेजने के पश्चात् उनको कोई भी पत्र आयोग या भारत सरकार की ओर से नहीं भेजा जाएगा जिसमें कि उनसे बहुत से संवर्गों/सेवाओं के लिए अपनी संशोधित वरीयताओं, यदि कोई हो, बताए जाने के लिए कहा जाए। संशोधित वरीयताएं, यदि कोई हो, भेजने के लिए, उम्मीदवारों को अपवेदन-पत्र के साथ वही कार्म प्रयोग में लाना चाहिए जिन्हें कालम 21 तथा 22 में दिया गया है।

किन्तु शर्त यह है कि जब कोई अनुरोध उपर्युक्त प्रबंधि के समाप्त होने के बावजूद प्राप्त हो, तो मन्त्रिमण्डल संविवालय, (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) यदि इस बात से सन्तुष्ट हो कि उम्मीदवार को उस सेवा में रहने से अनुचित कठिनाई होगी जिसके लिए उसने अपनी वरीयता निर्दिष्ट की है तो वह संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से ऐसे अनुरोध पर विचार कर सकता है।

2—511GI/75

2. उक्त परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किए गए नोटिस में निर्दिष्ट की जाएगी। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए रिक्तियों का आरक्षण भारत सरकार द्वारा यथा निर्धारित विधि से किया जाएगा।

अनुसूचित जातियों/आदिम जातियों से अभिप्राय संबिधान में उल्लिखित जातियों/आदिम जातियों में से किसी एक से है: संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित आदिम जाति) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951 संविधान (अनुसूचित आदिम जाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951, (अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित आदिम जाति सूचियां (संशोधन) आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 तथा उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम 1971 द्वारा यथा संशोधित)। संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश, 1956, संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1959 संविधान (दादर और नागर हवेली) अनुसूचित जाति आदेश, 1962, संविधान (दादर, और नागर हवेली) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1962, संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जाति, 1964 तथा संविधान (अनुसूचित आदिम जाति) उत्तर प्रदेश, 1967। संविधान (गोआ, दमन और दीवा) अनुसूचित जाति आदेश, 1968 और संविधान (गोआ, दमन और दीवा) आदिम जाति आदेश, 1968 तथा संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित आदिम जातियां आदेश, 1970।

3. संघ लोक सेवा आयोग यह परीक्षा नियमों के परिणाम-2 में निर्धारित विधि से लेगा।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

4. भारतीय प्रशासन सेवा आदि में भर्ती के लिए ली जाने वाली सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा की इन तीन वर्गों की सेवाओं/पदों को, यानी, (1) भारतीय प्रशासन सेवा और भारतीय विवेश सेवा, (2) भारतीय पुलिस सेवा, दिल्ली तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह पुलिस सेवा और रेलवे सुरक्षा बल में समूह-ब के सहायक सुरक्षा अधिकारी/सहायक समादेष्टा/एडजूटेन्ट के पद, (3) केन्द्रीय सेवाएं, दिल्ली तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह सिविल सेवा के लिए अलग-अलग तीन परीक्षाएं समझा जाएगा।

5. जो उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का न हो या कीनिया, उगान्डा, संयुक्त गणराज्य तंजानिया से न आया हो तो उसे ऊपर नियम 4 में उल्लिखित तीन वर्गों में से प्रत्येक की सेवाओं/

पदों के लिए प्रतियोगिता परीक्षा में अधिक से अधिक तीन बार सम्मिलित होने दिया जाएगा, परन्तु यह प्रतिबन्ध 1961 की परीक्षा से लागू है।

नोट 1—यदि कोई उम्मीदवार किसी एक प्रथवा अधिक विषयों में वस्तुतः परीक्षा देता है तो उसे सेवा/पदों की प्रत्येक श्रेणी की परीक्षा में बैठा समझा जाएगा जिसमें आयोग द्वारा उसे प्रविष्ट किया जाता है।

नोट 2—उक्त परीक्षा की वर्तमान योजना विभिन्न विषयों की पाठ्यचर्या तथा उक्त परीक्षा में कोई उम्मीदवार कितनी बार प्रतियोगिता में बैठ सकता है, इन्हें वर्ष, 1976 के बाद ली जाने वाली परीक्षाओं के लिए संशोधित किया जा सकता है।

6. (1) भारतीय प्रशासन सेवा और भारतीय पुलिस सेवा का उम्मीदवार भारत का नागरिक अवश्य हो।

(2) अन्य सेवा के उम्मीदवार को या तो—

- (क) भारत का नागरिक होना चाहिए, या
- (ख) नेपाल की प्रजा, या
- (ग) भूटान की प्रजा, या
- (घ) ऐसा तिब्बती गणराज्य जो भारत में अस्थायी रूप से रहने की इच्छा से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो, या

(ङ) मूल रूप से ऐसा भारतीय व्यक्ति हो, जो भारत में अस्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और पूर्वी अफ्रीका के कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व टांगानिका और जंजीबार) देशों से आया हो।

परन्तु ऊपर की (ख), (ग) और (घ) तथा (ङ) कोटियों के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा दिया गया पात्रता (एलिजिबिलिटी) प्रमाण-पत्र होना चाहिए।

एक और शर्त यह भी है कि उपर्युक्त (ख), (ग) और (घ) कोटियों के उम्मीदवार भारतीय विदेश सेवा में नियुक्ति के पात्र नहीं माने जाएंगे।

परीक्षा में उस उम्मीदवार को भी बैठने दिया जा सकता है जिसके लिए पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो और उसे सरकार द्वारा आवश्यक प्रमाण-पत्र दिए जाने की शर्त के साथ, अनन्तिम (प्रोविजनल) रूप से नियुक्त भी किया जा सकता है।

7. (i) (क) भारतीय प्रशासन सेवा, भारतीय विदेश सेवा और बाकी सभी सेवाओं के लिए सिवाय ऊपर के पैरा (I) में उल्लिखित भारतीय पुलिस सेवा और दिल्ली डमान और निकोबार द्वीप समूह पुलिस सेवा तथा रेलवे सुरक्षा बल में समूह ख के सहायक सुरक्षा अधिकारी/सहायक कमांडेन्ट एड्जूटेंट के पदों को छोड़कर बाकी सभी सेवाओं में उम्मीदवार के लिए यह आवश्यक है कि उसकी आयु 1 अगस्त, 1976 को 21 वर्ष पूरी हो गई हो किन्तु 26 वर्ष की न हुई हो, अर्थात् उसका जन्म 2 अगस्त, 1950 से पहले हो और 1 अगस्त, 1955 के बाद नहीं हुआ हो।

(ii) भारतीय पुलिस सेवा और दिल्ली तथा डम्डमान और निकोबार द्वीप समूह पुलिस सेवा तथा रेलवे सुरक्षा बल में समूह-ख के सहायक सुरक्षा अधिकारी/सहायक कमांडेन्ट/एड्जूटेंट के पदों के उम्मीदवार के लिए यह आवश्यक है कि उसकी आयु 1 अगस्त, 1976 को पूरे 20 साल की हो गई हो किन्तु 26 साल की न हई हो, अर्थात् उसका जन्म 2 अगस्त, 1950 से पहले हो और 1 अगस्त, 1956 के बाद न हुआ हो।

(ख) ऊपर निर्धारित ऊपरी आयु में और भी छूट दी जा सकती है:—

(i) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष,

(ii) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद लेकिन 25 मार्च, 1971 से पहले भारत में आया वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष,

(iii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति का हो और वह 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद लेकिन 25 मार्च, 1971 से पहले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से आया वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष,

(iv) यदि उम्मीदवार अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से वास्तव में प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष,

(v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित आदिम जाति का हो और साथ ही

अनुसूचर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के प्रधीन, 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष,

(vi) यदि उम्मीदवार कीनिया, उगाड़ां तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया से आया हुआ मूल रूप से भारतीय हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष,

(vii) यदि उम्मीदवार 1 जून, 1963 या उसके बाद, बर्मा से वास्तव में प्रत्यावर्तित होकर, भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष,

(viii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति का हो और साथ ही 1 जून, 1963 को या उसके बाद, बर्मा से प्रत्यावर्तित होकर, भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष,

(ix) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिकतम तीन वर्ष तक जो किसी विदेशी शब्द देश के साथ संबंध में अथवा अंशान्तिप्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग हुए तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए और अनुसूचित जातियों या अनुसूचित आदिम जातियों के हैं,

(x) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिकतम आठ वर्ष तक जो किसी विदेशी शब्द देश के साथ संबंध में अथवा अंशान्तिप्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग हुए तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए और अनुसूचित जातियों या अनुसूचित आदिम जातियों के हैं,

(xi) सीमा सुरक्षा दल के उन कर्मचारियों के मामले में अधिकतम तीन वर्ष तक जो सन् 1971 के भारत पाक संघर्ष में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग हुए और उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए और अनुसूचित जातियों या अनुसूचित आदिम जातियों के हैं,

(xii) सीमा सुरक्षा दल के उन कर्मचारियों के मामलों में अधिकतम आठ वर्ष तक जो सन् 1971 के भारत पाक संघर्ष में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग हुए और उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए और अनुसूचित जातियों या अनुसूचित आदिम जातियों के हैं,

उपर्युक्त परिस्थितियों को छोड़कर निर्धारित आयु सीमा में किसी भी सूरत में छूट नहीं दी जाएगी।

8. उम्मीदवार के पास परिशिष्ट 1 में उल्लिखित विद्यालयों में से किसी एक की कोई उपाधि होनी आहिए अथवा उसके पास परिशिष्ट 1-क में उल्लिखित अहंताओं में से कोई एक अहंता होनी चाहिए।

नोट 1—कोई भी उम्मीदवार जिसने ऐसी कोई परीक्षा दे दी है, जिसके पास करने पर वह आयोग की परीक्षा में बैठने का शैक्षिक दृष्टि से पाल होगा परन्तु उसे परीक्षाफल की सूचना नहीं मिली है तथा ऐसा उम्मीदवार जो ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठने का इच्छुक है, आयोग की परीक्षा में प्रवेश पाने का पाल नहीं होगा।

नोट 2—विशेष परिस्थितियों में, संघ लोक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश का पाल सान सकता है जिसके पास उपर्युक्त अहंताओं में से कोई न हो बश्यत कि उस उम्मीदवार ने अन्य संस्थाओं द्वारा संचालित कोई ऐसी परीक्षाएं पास की हों जिनके स्तर को देखते हुए आयोग उसको परीक्षा में प्रवेश देना उचित समझे।

नोट 3—यदि कोई उम्मीदवार अन्यथा परीक्षा में प्रवेश का पाल हो किन्तु उसने ऐसे विदेशी विश्वविद्यालय से उपाधि ली हो जो परिशिष्ट-1 में सम्मिलित न हो तो वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और आयोग, यदि उचित समझे तो उसे परीक्षा में प्रवेश दे सकता है।

9. यदि किसी पिछली परीक्षा के परिणाम के आधार पर किसी उम्मीदवार की नियुक्ति वर्ग I (भारतीय प्रशासन सेवा या भारतीय विदेश सेवा) की किसी सेवा में हो जाती है तो वह उल्लिखित किसी सेवा में हो जाती है तो वह केवल उन्हीं सेवाओं के लिए इस परीक्षा में बैठने का पाल होगा जो उक्त सेवा के सामने नीचे स्तम्भ (iii) में उल्लिखित है:—

क्रम	जिस सेवा में नियुक्ति सं०	जिन सेवाओं के लिए परीक्षा द्वारा बैठने का पाल है
------	------------------------------	---

i	ii	iii
---	----	-----

1. भारतीय पुलिस सेवा	(i) वर्ग I (भारतीय प्रशासन सेवा और भारतीय विदेश सेवा)
	(ii) वर्ग III में, केन्द्रीय सेवाएं समूह-क

i	ii	iii
2. केन्द्रीय सेवाएं, समूह-क	(i) वर्ग I (भारतीय प्रशासन सेवा और भारतीय विदेश सेवा)	
	(ii) वर्ग II में भारतीय पुलिस सेवा	
3. केन्द्रीय सेवाएं, समूह-ब्ब (जिसमें संघ राज्य क्षेत्रों की सिविल तथा पुलिस सेवाएं शामिल हैं)	(i) वर्ग I (भारतीय प्रशासन सेवा और भारतीय विदेश सेवा)	(ii) वर्ग II में भारतीय पुलिस सेवा
		(iii) वर्ग III में केन्द्रीय सेवाएं, समूह-क

10. उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस के परिशिष्ट I में निर्धारित फीस अवश्य देनी होगी।

11. जो उम्मीदवार स्थायी या अस्थायी रूप में पहले से ही सरकारी सेवा करता हो या वर्क-चार्ज कर्मचारी हो, किन्तु अनियत न हो अथवा दिहाड़ी पर रखा हुआ न हो, उसे अपने आवेदन-पत्र विभाग अध्यक्ष या संबंधित कार्यालय के माध्यम से प्रस्तुत करने चाहिए जो उन्हें आयोग को भेजने से पूर्व आवेदन-पत्र के आखिर में पृष्ठीकम की पूर्ति करेंगे। ऐसे उम्मीदवारों को अपने हित में अपने आवेदन-पत्रों की अग्रिम प्रतिर्या सीधे आयोग को भेज देनी चाहिए। यदि इन्हें निर्धारित शुल्क के साथ भेजा जाए तो उन पर अनन्तिम रूप से विचार किया जाएगा, किन्तु मूल आवेदन-पत्र सामान्यतः अनन्तिम तारीख के बाद एक पक्ष के भीतर पहुंच जाना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति सरकारी सेवा में है और अपने आवेदन-पत्र की अग्रिम प्रति निर्धारित शुल्क के सहित न भेजे और यदि उसके द्वारा भेजी गई अग्रिम प्रति अनन्तिम तारीख को अथवा उसके पहले आयोग के कार्यालय में न पहुंचे तो उसके विभाग अध्यक्ष अथवा कार्यालय के माध्यम से भेजा गया आवेदन-पत्र यदि आयोग के कार्यालय में अनन्तिम तारीख के बाद प्राप्त हो तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा।

12. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अंतिम होगा।

13. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा, जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमिशन) नहीं होगा।

14. यदि किसी उम्मीदवार को आयोग द्वारा निम्न-लिखित बातों के लिए दोषी घोषित कर दिया जाता है या कर दिया गया हो कि उसने—

(i) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा

(ii) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा

(iii) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप में कार्य साधन कराया है, अथवा

(iv) जाली प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किए हैं, जिनमें तथ्यों को बिगाड़ा गया हो, अथवा

(v) गलत या सूठे वक्तव्य दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा

(vi) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा

(vii) परीक्षा भवन में अनुचित तरीके अपनाए हैं, अथवा

(viii) परीक्षा भवन में अनुचित आचरण किया है, अथवा

(ix) उपर्युक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को अव-प्रेरित करने का प्रयत्न किया है तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रासीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे—

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा, जिसका वह उम्मीदवार है बैठने के लिए आयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा

(ख) उसे अस्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए

(i) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा घयन के लिए,

(ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा उसके अधीन किसी भी नौकरी से बारित किया जा सकता है, और

(ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

15. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में उतने न्यूनतम अर्हता अंक (ब्लालीफाइंग मार्क्स) प्राप्त कर लेगा जितने आयोग अपने निर्णय से निश्चित करे, तो उसे आयोग व्यक्तित्व परीक्षा (परसनेलिटी टैस्ट) इंटरव्यू के लिए बुलाएगा

परन्तु शर्त यह है कि यदि आयोग की यह राय हो कि अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए सामान्य मानक के आधार पर व्यक्तित्व परीक्षा हेतु साक्षात्कार के लिए इन जातियों के पर्याप्त संख्या में उम्मीदवारों के बुलाए जाने की सम्भावना नहीं है, तो आयोग द्वारा मानकों में छूट देकर व्यक्तित्व परीक्षा के लिए इन जातियों के उम्मीदवारों को बुलाया जा सकता है।

16. परीक्षा के बाद, आयोग उम्मीदवारों के द्वारा प्राप्त कुल अंकों के आधार पर योग्यताक्रम से उनकी सूची बनाएगा और क्रम से उन उम्मीदवारों में से जितने लोगों को आयोग परीक्षा के आधार पर योग्य समझेगा, उनकी उन आरक्षित रिक्तियों पर नियुक्ति करने के लिए सिफारिश करेगा जो इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाएगी।

बशर्ते कि अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की उस संख्या तक जो सामान्य मानक के आधार पर न भरी जा सकती हों, आरक्षित कोटा की कमी को पूरा करने के लिए शिथिल किए गए मानक द्वारा इन सेवाओं में नियुक्ति के लिए इन उम्मीदवारों की योग्यता के आधार पर आयोग द्वारा संस्तुत किए जा सकेंगे, ऐसा करते समय परीक्षा में योग्यता क्रम से उनके स्थान का ध्यान नहीं रखा जायेगा।

17. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा। आयोग परीक्षाफल के बारे में किसी भी उम्मीदवार से पताचार नहीं करेगा।

18. उम्मीदवार द्वारा अपने आवेदन-पत्र के समय, विभिन्न सेवाओं के लिए दी गई तरजीह पर परीक्षाफल के आधार पर नियुक्तियों करते समय उचित ध्यान दिया जाएगा।

लेकिन शर्त यह है कि यदि किसी उम्मीदवार को किसी पिछली परीक्षा के आधार पर वर्ग 1 (भा० प्र० स० अथवा भा० वि० स०) के अन्तर्गत आने वाली किसी सेवा में नियुक्त किया गया है, इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर किसी अन्य सेवा में उसकी नियुक्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

एक अन्य शर्त यह है कि यदि किसी उम्मीदवार को किसी पिछली परीक्षा के परिणाम के आधार पर नीचे के कालम (ii) में उल्लिखित किसी एन सेवा में नियुक्त किया गया है तो इस परीक्षा परिणाम के आधार पर उसकी

नियुक्ति केवल उन्हीं सेवाओं में की जा सकेगी, जो उस सेवा के सामने कालम (iii) में दी गई है :—

क्रम सेवा जिसमें नियुक्ति सेवा जिसमें नियुक्ति के लिए सं० की गई विचार किया जा सकेगा

i ii iii

1. भारतीय पुलिस सेवा (i) वर्ग I (भारतीय प्रशासन सेवा तथा भारतीय विदेश सेवा)

(ii) वर्ग III में दी गई समूह-क केन्द्रीय सेवाएं

2. केन्द्रीय सेवाएं, समूह-क (i) वर्ग I (भारतीय प्रशासन सेवा तथा भारतीय पुलिस सेवा)

(ii) वर्ग II में दी गई भारतीय पुलिस सेवा

3. केन्द्रीय सेवाएं, समूह-ब (i) वर्ग I (भारतीय प्रशासन सेवा तथा भारतीय पुलिस सेवा)

(ii) वर्ग II में दी गई भारतीय पुलिस सेवा

(iii) वर्ग III में दी गई समूह-क, केन्द्रीय सेवाएं।

19. परीक्षा में पास हो जाने से नियुक्ति का अधिकार तब तक नहीं मिलता, जब तक कि सरकार आवश्यक जांच के बाद संतुष्ट न हो जाए, कि उम्मीदवार सेवा में नियुक्ति के लिए अपने अरित तथा पूर्ववृत्त के सम्बन्ध में हर प्रकार से योग्य है।

20. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए, और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए, जिससे वह संवंधित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्य को कुशलता पूर्वक न निभा सके। यदि सरकार या सभी प्रधिकारी द्वारा निर्धारित डाक्टरी परीक्षा के बीच किसी उम्मीदवार के बारे में यह जात हो कि वह इन आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। आयोग द्वारा व्यक्तित्व परीक्षा के लिए बुलाए गए उम्मीदवार की डाक्टरी परीक्षा करवाई जा सकती है। डाक्टरी परीक्षा के लिए उम्मीदवार द्वारा चिकित्सा बोर्ड को कोई फ्रीम नहीं दी जाएगी।

नोट—बाद में निराश न होना पड़े इससिए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में प्रबोध के लिए आवेदनपत्र भेजने से पहले सिक्किल सर्जन के स्तर के सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी जांच करवा लें, नियुक्ति से पहले उम्मीदवारों की किस प्रकार की डाक्टरी जांच होगी। और उसके लिए स्वास्थ्य का स्तर किस प्रकार का होना चाहिए, इसके बारे इन नियमों के परिशिष्ट 4 में दिए गए हैं। रक्षा सेवाओं के भूतपूर्व चिकित्सा सैनिकों तथा 1971 के भारत तथा पाकिस्तान के संघर्ष के दौरान चिकित्सा दुए तथा चिकित्सा होने के फलस्वरूप नियुक्त किए गए सीमा सुरक्षा बल के सैनिकों की सेवा(ओं) की आवश्यकताओं के अनुरूप डाक्टरी जांच के स्तर में छूट दी जाएगी।

21. (क) जिसने ऐसी महिला/ऐसे पुरुष से विवाह करने का करार किया हो अथवा विवाह कर लिया हो जिसका पति/जिसकी पत्नी जीवित हो, अथवा

(ख) जिसने जीवित पत्नी/पति के होते हुए किसी अन्य व्यक्ति के साथ विवाह करने का करार किया हो अथवा विवाह कर लिया हो वह उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा/होगी।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि ऐसा विवाह उस व्यक्ति पर अथवा (जिससे विवाह किया गया हो उस पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अधीन अनुशेय हैं और ऐसा करने के अन्य कारण हैं तो ऐसे व्यक्ति को ऐसे कानून से छूट दे सकती है।

22. उम्मीदवारों को सूचित किया जाता है कि सेवा में भर्ती होने से पहले ही हिन्दी का कुछ ज्ञान होना उन विभागीय परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने की वृद्धि से साधारणक होगा जो उम्मीदवारों की सेवा में भर्ती होने के बाद देनी पड़ती है।

23. इस परीक्षा के आधार पर जिन सेवाओं में भर्ती की जानी है उनके संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट III में दिए गए हैं।

भारतेन्द्र सिंह बसवान, अवर सचिव

परिशिष्ट I

भारत सरकार द्वारा अनुमोदित विश्वविद्यालयों की सूची

(नियम 8 के अनुसार)

भारतीय विश्वविद्यालय

कोई भी ऐसा विश्वविद्यालय जो भारत के केन्द्रीय या राज्य विधान मण्डल के अधिनियम से निर्गमित किया गया हो और अन्य शिक्षा संस्थाएं जो संसद के अधिनियम से स्थापित की गयी हों। अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अन्तर्गत विश्वविद्यालय मान लिये जाने की घोषणा हो चुकी हो।

यमा के विश्वविद्यालय

रंगून विश्वविद्यालय।

माओले विश्वविद्यालय।

इंगलैण्ड और वैल्स के विश्वविद्यालय

बमिंगम ब्रिस्टल, कम्ब्रिज, डर्हम, लीड्स, लिवरपूल, लंदन, मैचेस्टर, आक्सफोर्ड, रोडिंग शफील्ड और वैल्स के विश्वविद्यालय।

स्काटलैण्ड के विश्वविद्यालय

एडरबीन, एडिनबरा, गलासो, और सेट एंड न्युज विश्वविद्यालय।

आयरलैण्ड के विश्वविद्यालय

डलब्रिन विश्वविद्यालय (ट्रिनिटी कालेज)।

तेशनल यूनिवर्सिटी, आयरलैण्ड।

क्वीन्स यूनिवर्सिटी, ब्रेलफास्ट।

पाकिस्तान के विश्वविद्यालय

पंजाब विश्वविद्यालय।

सिध विश्वविद्यालय।

भंगला देश के विश्वविद्यालय

दाका विश्वविद्यालय।

राजशाही विश्वविद्यालय।

नेपाल के विश्वविद्यालय

तिभुवन विश्वविद्यालय, काठमाडू।

परिशिष्ट I-क

भारत सरकार ने निम्नलिखित योग्यताओं को उनमें से प्रत्येक के सामने लिखी डिग्रियों के समरूप भाग्यता प्रदान की है—

परीक्षा में प्रबोध पाने के लिए अनुमोदित योग्यताओं की सूची
(नियम 8 के अनुसार)

1. शास्त्री, काशी विद्यापीठ, वाराणसी।

2. फांसीसी परीक्षा (propedentique)।

3. उच्च ग्राम शिक्षा की राष्ट्रीय परिषद (नेशनल कौंसिल आफ रूरल हायर एजूकेशन) से ग्राम सेवाओं में डिप्लोमा।

4. विष्वभारतीय विश्वविद्यालय का उच्च ग्राम सेवाओं में डिप्लोमा।

5. अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (आल इंडिया कौंसिल फार टेक्निकल एजूकेशन) वाणिज्य में राष्ट्रीय डिप्लोमा।

6. केन्द्रीय सरकार के अधीन वरिष्ठ सेवाओं और पदों पर भर्ती के लिये सरकार से मान्यता अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद का इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी में राष्ट्रीय डिप्लोमा।

7. श्री अरविंद अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केंद्र, पांडुचेरी का “उच्च पाठ्यक्रम” यदि “पूर्व छात्र” (फुल स्टूडेंट) के रूप में यह पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया हो।

8. भारतीय खान विद्यालय, धनबाद के खनन इंजीनियरी में डिप्लोमा ।

9. मानविकी और प्राकृतिक विज्ञानों के क्षेत्र में उपाधि-पत्र यू० एस० एस० आर० में उच्च राष्ट्रीय स्थापना में प्रनु-प्रमाणित उपाधि-ग्रहण बिना प्रथम वैज्ञानिक परीक्षा प्रबन्ध का पक्ष लिये हुये परन्तु राज्य की परीक्षायें पास की हों ।

10. शास्त्री (अंग्रेजी विषय के साथ) या पुराना शास्त्री या अंग्रेजी सहित अतिरिक्त विषयों में विशेष परीक्षा सहित सम्पूर्ण शास्त्री परीक्षा अर्थात् वाराणसेय संस्कृत विषय-विद्यालय, वाराणसी की विरच्छ शास्त्री परीक्षा ।

11. गुरुकुल विश्वविद्यालय, कांगड़ी, हरिद्वार की अलंकार डिप्लोमा ।

12. अमेरिकन यूनिवर्सिटी आफ बेरुत, लेबनान द्वारा प्रदान की जाने वाली बैचलर आफ आर्ट्स (बी० ए०) तथा बैचलर आफ साईंस (बी० एस० सी०) की डिप्लोमां ।

13. कैटरबरी, इंग्लैंड के केन्ट विश्वविद्यालय से बी० ए०/बी० एस० सी० और बी० ए० (आनर्स)/बी० एस० सी० (आनर्स) की डिप्लोमा ।

14. कॉमेंटर सिह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा से नवीन आचार्य (शास्त्री स्तर पर अंग्रेजी के साथ) परीक्षा ।

परिशिष्ट II

खण्ड-I

लिखित परीक्षा की रूपरेखा

लिखित परीक्षा के विषय :—

(क) लिखित परीक्षा

(i) तीन अनिवार्य विषय (सभी सेवाओं/पदों के लिये) निबन्ध, सामान्य अंग्रेजी और सामान्य ज्ञान, प्रत्येक विषय के पूर्णांक 150 होंगे । [नीचे खण्ड-II का उपखण्ड (अ) देखें] ।

(ii) निम्नलिखित खण्ड-II के उपखण्ड (ब) में दिये गए एकांकिक विषयों में से चुने गये विषय। सेवा/पदों के श्रेणी-II को छोड़ (नियम 1 और 4 देखें) योष सभी सेवाओं के उम्मीदवार उस उप-खण्ड के उपबन्ध के अधीन, कुल 600 अंक तक के एकांकिक विषय ले सकते हैं । भारतीय पुस्तिकाल दिल्ली और हिमाचल प्रदेश पुस्तिकाल श्रेणी-I के लिए उम्मीदवार कुल 400 अंकों तक के एकांकिक विषय ले सकते हैं । इन प्रश्न-पत्रों का स्तर किसी भारतीय विश्वविद्यालय की आनंद डिप्लोमा की परीक्षा के स्तर के लगभग होगा ; और

(iii) निम्नलिखित खण्ड-II के उपखण्ड (स) में दिए गए अतिरिक्त विषयों में से चुने गए विषय । उस उप-खण्ड के उपबन्ध के अधीन उम्मीदवार भारतीय प्रशासनिक सेवा और

भारतीय विदेश सेवा (श्रेणीI) के लिए कुल 400 अंकों तक के अतिरिक्त विषय ले सकते हैं । इन प्रश्न-पत्रों का स्तर एकांकिक विषय के लिए उपखण्ड (क-V) में विहित स्तर से ऊचा होगा ।

(ख) ऐसे उम्मीदवार जो आयोग द्वारा अक्षितव्य परीक्षा के साक्षात्कार के लिए [इस परिशिष्ट की सूची के भाग () के अनुसार बुलाए जाएंगे] उसके लिए नीचे लिखे नम्बर होंगे :—

श्रेणी-I

	पूर्णांक
भारतीय प्रशासनिक सेवा	300
भारतीय विदेश सेवा	400
श्रेणी-II तथा III सभी सेवायें/पदों	200

खण्ड II

परीक्षा के विषय

[दिखिये ऊपर खण्ड (I) का उपखण्ड (क II)]	
निबन्ध	150
सामान्य अंग्रेजी	150
सामान्य-ज्ञान	150
टिप्पणी :—ऊपर लिखे विषयों का पाठ्य-विवरण इस परिशिष्ट की अनुसूची के भाग 'क' में दिया गया है ।	

(ब) एकांकिक विषय ।

[दिखिये ऊपर खण्ड (I) का उपखण्ड (क II)]

सेवा श्रेणी-II (नियम 1 और 4 देखें) के उम्मीदवार निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं दो विषयों को और अन्य सभी सेवाओं के उम्मीदवार किन्हीं विषयों को चुन सकते हैं :—

विषय	कोड	अधिकतम सं०	अंक
गुद गणित	01	200	
अनुप्रयुक्त गणित	02	200	
सांख्यिकी	03	200	
भौतिकी	04	200	
रसायन	05	200	
वनस्पति-विज्ञान	06	200	
प्राणी विज्ञान	07	200	
भू-विज्ञान	08	200	
भूगोल	09	200	
अंग्रेजी साहित्य	10	200	

विषय	कोड	प्रधिकरण
	संख्या	अंक
नीचे दी हुई में से एक :—		
आसामी	11	200
बंगाली	12	200
गुजराती	13	200
हिन्दी	14	200
कश्मीरी	15	200
कश्मीरी	16	200
मलयालम	17	200
मराठी	18	200
उड़िया	19	200
पंजाबी	20	200
(क) सिंधी-देवनागरी	21	200
(ख) सिंधी-भरूजी	22	200
तमिल	23	200
तेलुगु	24	200
उर्दू	25	200
नीचे दी हुई में से एक :—		
अरबी	26	200
चीनी	27	200
फ्रांसीसी	28	200
जर्मन	29	200
पाली	30	200
फारसी	31	200
रुसी	32	200
संस्कृत	33	200
भारतीय इतिहास	34	200
जिटिश इतिहास	35	200
यूरोपीय इतिहास	36	200
विश्व इतिहास	37	200
सामान्य अर्थशास्त्र	38	200
राजनीति विज्ञान	39	200
दर्शन-शास्त्र	40	200
मनोविज्ञान	41	200
विधि I	42	200
विधि II	43	200
विधि III	44	200
अनुप्रयुक्त मान्त्रिकी	45	200
समाज शास्त्र	46	200

शर्त यह कि विशेष विषयों पर निम्नलिखित पांचदिया लागू होंगी :—

- (1) किसी भी सेवा/पदों के बर्ग के लिए कोड 1, कोड 2, तथा कोड 3 के सहित विषयों में से दो से अधिक विषय नहीं चुने जा सकते।
- (2) भारतीय विदेश सेवा के अतिरिक्त अन्य सेवाओं के उम्मीदवार ऊपर कोड 26-30 के सहित दी गई भाषाओं में से एक से अधिक न चुनें। केवल भारतीय विदेश सेवा के लिए उम्मीदवारों को इन भाषाओं में से कोई दो को चुनने की अनुमति है लेकिन किसी भी उम्मीदवार को कोड 30 और संस्कृत कोड 36 दोनों चुनने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
- (3) किसी भी सेवा/पदों के बर्ग के लिए इतिहास के विषयों कोड 34, 35, 36 तथा 37 के सहित में से अधिक नहीं चुने जा सकते। लेकिन किसी भी उम्मीदवार को विषय इतिहास कोड 37 और यूरोपीय इतिहास कोड 36 दोनों चुनने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
- (4) कोड 40 और 41 में उल्लिखित विषयों में से एक सेवा/पदों के बर्ग के लिए केवल एक ही विषय लिया जा सकता है।
- (5) किसी भी सेवा-बर्ग के लिए विधि के विषयों कोड 42, 43 और 44 में से दो से ज्यादा नहीं चुने जा सकते।
- (6) सेवा/पदों के श्रेणी-II के लिए कोड 45 विषय न चुना जाए।

टिप्पणी :—ऊपर लिखे विषयों का पाठ्य विवरण इस परिशिष्ट के अमूसुची के भाग-ख में दिया गया है।

(ग) अतिरिक्त विषय [देखिए ऊपर खंड-I का उप-खंड (क-III)]

भारतीय प्रशासन सेवा/भारतीय विदेश सेवा (श्रेणी-I) की प्रतियोगिता में बैठने वाले उम्मीदवार को निम्नलिखित विषयों में से कोई दो विषय भी लेने होंगे :—

विषय	कोड	प्रधिकरण
	संख्या	अंक
उच्च गणित	50	200
गणित		
उच्च अनुप्रयुक्त गणित	51	200
उच्च भौतिकी	52	200
उच्च रासायन	53	200
उच्च बनस्पति विज्ञान	54	200
उच्च प्राणी विज्ञान	55	200
उच्च भू-विज्ञान	56	200
उच्च भूगोल	57	200

विषय	कोड	अधिकतम अंक
	सं०	
अंग्रेजी साहित्य (1798-1935)	58	200
भारतीय इतिहास I (चन्द्रगुप्त मौर्य से हर्ष तक)	59	200
भारतीय इतिहास II (महान् मुगल समाट (1526-1707))	60	200
अथवा		
भारतीय इतिहास III (1772-1950)	61	200
अथवा		
फ्रिटिश संवैधानिक इतिहास (1603-1950 तक)	62	200
अथवा		
यूरोपियन इतिहास (1871-1945 तक)	63	200
उच्चतर अर्थशास्त्र	64	200
अथवा		
उच्चतर भारतीय अर्थशास्त्र हाइज से आज तक का राजनीतिक सिद्धांत	65	200
अथवा		
राजनीतिक संगठन और लोक प्रशासन	66	200
अथवा		
अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध उच्चतर तत्त्वमासा जिसमें ज्ञान-मीमांसा भी शामिल है	68	200
अथवा		
उच्चतर मनोविज्ञान जिसमें प्रायोगिक मनोविज्ञान भी शामिल है	69	200
अथवा		
उच्चतर मनोविज्ञान जिसमें प्रायोगिक मनोविज्ञान भी शामिल है	70	200
भारतीय संविधान विधि	71	200
अथवा		
विधि शास्त्र	72	200
अर्थवी साहित्य में प्रतिबिम्बित मध्ययुगीन सम्भता (570-1650 ईस्वी)	73	200
अथवा		
फारसी साहित्य में प्रतिबिम्बित मध्ययुगीन सम्भता (570-1650)	74	200
अथवा		
प्राचीन भारतीय सम्भता और दर्शन शास्त्र	75	200
मानव विज्ञान	76	200
उच्चतर समाज विज्ञान	77	200

विशिष्ट अतिरिक्त विषयों के बारे में निम्नलिखित प्रतिवर्ध लागू किए जाएंगे:—

- (1) किसी भी उम्मीदवार को भारतीय इतिहास कोड 39 तथा प्राचीन भारतीय सम्भता और दर्शन कोड 75 दोनों ही विषयों को एक साथ लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
- (2) किसी भी उम्मीदवार को यूरोपीय इतिहास कोड 63 तथा अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध कोड 68 दोनों विषयों को एक साथ लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

टिप्पणी:—ऊपर दिए गए विषयों का पाठ्य-विवरण इस परिशिष्ट की अनुसूची के भाग 'ग' में दिया गया है।

खण्ड-III

सामान्य

1. (क) ऊपर के खण्ड-II के उप-खण्ड (क) की मदों में क्रमशः (1) और (3) के अनुसार 'निबन्ध' तथा 'सामान्य ज्ञान' के प्रश्न-पत्रों के उत्तर अंग्रेजी अथवा संविधान की आठवीं अनुसूची में उल्लिखित किसी भाषा में दिए जा सकते हैं, अर्थात् असमिया, बंगला, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, कश्मीरी, मलयालम, मराठी, उडिया, पंजाबी, संस्कृत, सिंधी, तामिल, तेलुगु तथा उर्दू। अंग्रेजी के अतिरिक्त विकल्प रूप से किसी अन्य भाषा में ऊतर देने वाले उम्मीदवारों को वही भाषा दोनों पत्रों के लिए चुननी होगी। विकल्प सम्पूर्ण पत्र के लिए लागू होगा न कि उसके किसी अंश के लिए।

(ख) ऊपर के खण्ड-II के उप-खण्ड (ख) की कोड (11) से 33 तक के अनुसार भाषाओं के प्रश्न-पत्र को छोड़कर अन्य सभी विषयों के प्रश्न-पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में दिए जाने चाहिए। यदि तक कि प्रश्न-पत्र में प्रत्यथा विशिष्ट रूप से दूसरी भाषा में लिखना अपेक्षित न हो, उन भाषाओं के प्रश्न-पत्रों, के ऊतर अंग्रेजी में अथवा संबंधित भाषा में दिए जा सकते हैं।

टिप्पणी-I—ऊपर दिए पैरा-I (क) में अंग्रेजी के अतिरिक्त किसी भाषा में प्रश्न-पत्र (ओं) के ऊतर देने के इच्छुक उम्मीदवार को आवेदन पत्र के कालम 12 में संबंधित भाषा की कोड संख्या संबंधित प्रश्न-पत्र (प्रश्न-पत्रों) के सामने देना चाहिए। यदि दिए हुए कालमों में एक या दोनों प्रश्न-पत्रों के संबंध में कोई अन्दराज नहीं किया जाता है तो यह समझ जाएगा कि प्रश्न-पत्र/प्रश्न-पत्रों के ऊतर अंग्रेजी में दिए जाएंगे। एक बार दिया गया विकल्प अंतिम समझ जाएगा, और परिवर्तन अथवा परिवर्धन के लिए कोई अनुरोध नहीं माना जाएगा।

टिप्पणी-II—ऊपर दिए गए पैरा 1 (क) में संविधान की आठवीं अनुसूची में दी गई किसी भाषा में विकल्प रूप

से प्रश्न-पत्र (प्रश्न-पत्रों) के उत्तर देने वाले उम्मीदवार अपने उत्तर क्रमशः निम्नलिखित लिपि में देंगे :—

भाषा	लिपि	कोड
असमिया	असमिया	11
बंगला	बंगला	12
गुजराती	गुजराती	13
हिन्दी	देवनागरी	14
कन्नड़	कन्नड़	15
कश्मीरी	फारसी	16
मलयालम	मलयालम	17
मराठी	देवनागरी	18
उड़िया	उड़िया	19
पंजाबी	गुरमुखी	20
संस्कृत	देवनागरी	33
*(क) सिंधी	देवनागरी	21
*(ख) सिंधी	अरबी	22
तमिल	तमिल	23
तेलुगु	तेलुगु	24
उर्दू	फारसी	25

*उपर पैरा 1 (क) में दिये गये प्रश्न (प्रश्न पत्रों) के उत्तर देने के लिये सिंधी का विकल्प देने वाले उम्मीदवारों को आवेदन पत्र के कालम 8 में उस विशेष लिपि (कोड 21 या कोड 22) का नाम लिखना चाहिए जिसमें वे उत्तर लिखेंगे ।

2. उपरोक्त धारा II की उपधारा (क), (ख) और (ग) में दिये पत्रों के उत्तर के लिये 3 घंटे का समय दिया जाएगा ।

3. उम्मीदवार को प्रश्न का उत्तर अपने हाथ से लिखना होगा । उन्हें किसी भी हालत में उनकी ओर से उत्तर लिखने के लिए किसी अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी ।

4. आयोग अपने निर्णय से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के आर्हक नम्बर (क्वालिफाईंग मार्क्स) निर्धारित कर सकता है ।

5. भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय विदेश सेवा बग्न-I के लिए केवल उन्हीं उम्मीदवारों के दो अतिरिक्त प्रश्न पत्रों की जांच और अंकित किया जाएगा जो लिखित परीक्षा के अन्य सभी विषयों में एक निश्चित अल्पाधिकतम स्तर प्राप्त करेंगे जैसा कि आयोग द्वारा अपने निर्णय से निर्धारित किया जाएगा ।

6. यदि किसी उम्मीदवार की लिखावट आसानी से पढ़ने लायक नहीं होगी तो उसे अन्यथा मिलने वाले कुल नंबर में से कुछ नम्बर काट लिए जाएंगे ।

7. अनावश्यक ज्ञान के लिए नम्बर नहीं दिए जाएंगे ।

8. परीक्षा के सभी विषयों में इस बात का विशेष ध्यान रखा जाएगा कि अभिव्यक्ति कम-से-कम शब्दों में क्रमबद्ध तथा प्रभावपूर्ण ढंग से और ठीक-ठीक की गई है ।

9. उम्मीदवारों से तोल और माप की सीटिक प्रणाली की जानकारी की आशा की जाती है । प्रश्नों के उत्तर में जहां कहीं ऐसा आवश्यक हो, तोल और माप की सीटिक प्रणाली का ही उपयोग किया जाए ।

अनुसूची

भाग-क

[परिशिष्ट II की धारा II की उपधारा (क) के अनुसार]

निवन्ध

उम्मीदवारों से अंग्रेजी में एक निवन्ध लिखने की अपेक्षा की जाएगी । चुनाव के लिए कई विषय दिए जाएंगे । उनसे आशा की जाएगी कि वे निवन्ध के विषय की परिधि में ही अपने विचारों को क्रम से व्यवस्थित करें और संक्षेप में लिखें । प्रभावपूर्ण और ठीक-ठीक भावाभिव्यक्ति को प्रश्न मिल दिया जाएगा ।

सामान्य अंग्रेजी

प्रश्न इस प्रकार के होंगे जिनसे उम्मीदवारों के अंग्रेजी भाषा के ज्ञान तथा शब्दों के सुन्दर उपयोग की सामर्थ्य का पता चले । कुछ प्रश्न इस प्रकार के भी रखे जाएंगे जिससे उनकी तर्कशक्ति, उनकी निहितार्थ को ग्रहण कर सकने की सामर्थ्य तथा महत्वपूर्ण और कम महत्व वाले कार्य में अन्तर समझ सकने में योग्यता की परीक्षा ही सके । जैसा कि आमतौर पर होता है संक्षेप सार लेखन के लिए लेखांक दिए जाएंगे । संक्षिप्त एवं प्रभावपूर्ण अभिव्यक्ति के लिए श्रेय दिया जाएगा ।

सामान्य ज्ञान

सामायिक घटनाओं के, और ऐसी बाँतें जो प्रतिदिन देखते और अनुभव करते हैं, उसके वैज्ञानिक दृष्टि से ज्ञान सहित जिसकी किसी ऐसे शिक्षित व्यक्ति से आशा की जा सकती है जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न किया हो । इस प्रश्न पत्र में भारत के इतिहास और भूगोल के ऐसे प्रश्न भी होंगे जिनका उत्तर उम्मीदवारों को विशेष अध्ययन के बिना ही आना चाहिए । इस प्रश्न पत्र में महात्मा गांधी के उपदेशों से संबंधित प्रश्न भी होंगे ।

भाग-ख

[परिशिष्ट II के भाग II के उपभाग (ख) के अनुसार]

शुद्ध गणित

1. शुद्ध गणित (कोड 01) :—सम्मिलित विषय होंगे (1) बीजगणित, (2) अनन्त अनुक्रम और श्रेणियों, (3) त्रिकोण मिति, (4) समिकरण के सिद्धांत, (5) दो या तीन परिमापों के विश्लेषणात्मक रेखा गणित, विश्लेषण, और (7) अवकल समीकरण ।

(2) बीजगणित :—समुच्चयों, संघ प्रतिलिपेदन, गुणों के अंतर और कोटिपूरक । बेन आरेखों । घनात्मक पूर्ण संख्याओं के गुण वास्तविक संख्या और दशमलव द्वारा उनका निरूपण । सम्मिश्रण संख्या । आरंग आरेख । कार्त्ति गुणनफल, सम्बन्ध, मानचिक्रण । मानचिक्रण के रूप में कार्य । तुल्यता संबंध । वर्गों, वर्गों की एक क समाकारिता । उपवर्गों, प्रासामान्य उपवर्गों । लगरेंज का प्रमेय । फो वेनियस प्रमेह ।

रिमों और फोल्डों की परिभाषाएं और उदाहरण। गून्य और होमोरफिज्मों के विभाजन। वेक्टर स्थानों।

सारणिकों (जोड़, घटाना, गुण और मैट्रिक्स का प्रतिलोमन रेखित समघात और असमघात समीकरण। केले-हेमिल्टन प्रमेय)।

असमताएं। समानान्तर और गुण्यन्तर माध्यमों (कोची, स्वंवार्ज, होल्डर और मिनकोस्की की असमताएं)।

(2) अनन्त अनुक्रम और श्रेणियों:—धारणा की सीमा। अनंत श्रेणियां। अमिसारी, अपसारी और दौलनी श्रेणियां। कोचीके अभिसरणों का सिद्धान्त। तुलना और अनुपात के परीक्षण। गोज की जांच। निरपेक्ष अभिसरण और श्रेणियों का उपविन्यास।

(3) त्रिकोण मिति:—परिमेय सूची और उसके अनु-प्रयोग के लिए डिमोशाइर का प्रमेय। प्रतिलोभ गतीय और अतिपर-ब्लियक फलन। त्रिकोणमिति श्रेणियों के प्रसार और संकलन। अनन्त गुणनफलों के सम्बन्ध में साइन और को-साइन के लिए व्यंजक।

(4) समीकरण के सिद्धांत:—बहुपद समीकरणों के सामान्य गण। समीकरणों के रूपान्तरण। धनाकृति और चतुधारते के मूलों की प्रकृति। धनाकृति का गार्डन का हल। संकल्प के चतुधारत को वर्ग भिन्नों में। मूलों के स्थनन और न्यूनतम का विभाजकों का छंग।

(5) दो और तीन धारों की वैश्लेषिक रेखागणित:—सरल रेखाओं, रेखाओं का जोड़, वृत्त, वृत्तों की प्रणाली, वीर्घ वृत्त। पेराबोला, हाइपरबोला, दूसरी श्रेणी के समीकरण का स्तर फाम में घटाना।

मैदानों, सरल रेखाओं, गोला, कोन, शाकवक्रों और उनके स्पर्श रेखा और प्रसामान्य, गुणों (वेक्टर तरीकों के प्रयोग की आज्ञा है)।

(6) विश्लेषण:—धारणा की सीमा। सांतत्वय, व्युत्पत्ति एक वास्तविक अन्तर के कार्य का अवकलन। सांतत्वय, कार्यों के गुण असांतत्य के गुण। समांतर मान प्रमेयों। अपरिमित फोर्मों का मूल्यांकन। लांगरेज और कोची के सारण फार्मों के साथ टेलर और मैक्लोरियन के प्रमेय। एक अंतर के कार्य के न्यूनतम और अधिकतम समतलवक्रों, विचित्र बिंदु बक्रता, बक्र अनुरेखण। आवरणों। श्रौतिक विभेदन। एक से अधिक वास्तविक अंतर के काम का अवकलन।

समाकलन के स्तर के तरीके। सांतत्य कार्य की स्तप्त समकालन रीमैन की परिभाषा। समाकलन गणित के मूल प्रमेय। समाकलन गणित के प्रथम समांतर मान प्रमेय। चापकलन, थेव्रकलन, परिक्रमण। ठोसों के आयतजा और आधारों और उनके प्रयोगों।

(7) अवकलन समीकरणों:—साधारण अवकलन समीकरण का बनना। क्रम और याकार। रेखागणित सम्बन्धी डी० वाई० एफ० (एक्स० वाई००) के लिए प्रमेय के पास जाने का प्रदर्शन। प्रथम क्रम रेखाकार और बिना रेखाकार समीकरण। विचित्र बिन्दुओं। विचित्र हलों। रेखाकार अवकल समीकरणों और उनके विशेष गुणों। रेखाकार अवकल समीकरण लगातार गुणांकों के साथ कोची गूलर प्रकार के समीकरणों। यथार्थ अवेकल

समीकरणों धौरसामकलन-गुणक को प्रयोग कराने वाले समीकरणों, द्वितीय क्रम के समीकरणों। परखंतव्यरों और स्वतंत्रव्यरों का बदलना। हल जब कि एक समाकल ज्ञात हो। प्राचलों का विचरण।

अनुप्रयुक्त गणित (कोड-02)

इसमें निम्नलिखित विषय सम्मिलित किए जाएंगे:—

- (1) वेक्टर विश्लेषण
- (2) स्थिति विज्ञान
- (3) गति विज्ञान तथा
- (4) द्रव्यस्थैतिकी

1. वेक्टर विश्लेषण:—वेक्टर बीजगणित अविश्वाचर (Scaler Variable) के वेक्टर फलन का अवकलन। भेड़िएण कार्तीय में अपसरण तथा कर्ल बेलनाकार तथा गोलीय निर्देशांक तथा उनकी प्राकृतिक व्याख्याएं उच्चतर धात व्युत्पन वेक्टर सर्वसमिकाएं तथा वेक्टर समीकरण। गाउस तथा स्ट्रोक प्रमेय।

(2) स्थैतिकी:—न्यूटन की यांत्रिकी के मूल नियम। विभीष्य प्रमेय। समतलीय स्थैतिकी। कण-निकाय में संतुलन। कार्य तथा स्थिति ऊर्जा। द्रव्यमान केन्द्र तथा गुरुत्व केन्द्र। घर्षण सामान्य कैटिनरी। कल्पित कार्य का सिद्धांत। संतुलन का स्थायित्व तीन विमाओं का बल संतुलन। शलाकाओं में आवर्षण तथा स्थितिज ऊर्जा आयताकार तथा वृत्ताकार यड्स्क, गोलीय कोग, गोल। समस्थितिज पृष्ठ उनके गुण। स्थितिजों के गुण। ग्रीन का समान स्तर। लौपले तथा पोद्वशन के समीकरण।

(3) गति विज्ञान:—वर्ग वेक्टर। आपक्षिक वेग त्वरण। कोलीय वेग। स्वतंत्रता की कोटि तथा प्रतिबंध। सरल रेखात्मक मति। सरल आवर्त मति। स्थचन में गति। प्रक्षयों। प्रतिबंधित गति। कार्य तजाऊर्जा आवेगी बलों के आधीन गति। कैम्लर के नियम केन्द्रीय बलों के अधीन कक्षाएं। परिवर्ती द्रव्यमान की गति। प्रतिरोध के अधीन गति। जड़त्व के आधारों और गुणनफलों। परिभित और आवेगी बलों के अधीन दृढ़पिंड की दो विमीय गतियां। पिंड लोक।

(4) द्रव्यस्थनिकी:—भारी तललों के दाब की गई पद्धति के बदों के अधीन परलों का संतलन दाब का केन्द्र। बक्रपृष्ठों का पर प्रणोद प्लावभवन पिंड का संतुलन। स्थायित्व का संतुलन। गैसों की दाब तथा वायु मंडल के संबंधित समस्याएं।

सांख्यिकी (कोड-03)

प्रायिकता:—प्रायिकता की चिर सम्मत और सांख्यिकीय परिभाषाएं। उदाहरणों के साथ प्रायिकता पर सरल प्रमेय। प्रतिबंधी प्रायिकता और सांख्यिकीय स्वतंत्रता। वेयका प्रमेयाय। संयोगिक विचरणों—असंतत और संतत विचारों में प्रायिकता वितरणों, गणितीय प्रत्याशाएं। टेक्वाइचेक की असमती। वृहत संख्याओं का सप्ताह नियम। केन्द्रीय सीमा प्रमेय का सरल फर्म।

II सांख्यिकीय तरीके:—संकलन, वर्गीकरण सारणीयत और विभिन्न प्रकार के सांख्यिकीय आंकड़ों का आरेखी निरूपण।

सांख्यिकीय जा संख्या की धारण, और आवृत्ति वक्र। केन्द्रीय प्रवृत्ति और विभेदण के माप। आधूर्णी और संचयी। व्रश्य और कुकुदत्ता। अधूर्ण—जनक फलन।

स्तर प्रायिकता बंटनों का अध्ययन :—द्विपद, विष, हाई-परिज्या-मैट्रिक, प्रशामान्य कण द्विपद, आयातकार और लॉग सामान्य बंटनों । पियर सोनियन वक्रों की पद्धति का सामान्य विवरण ।

द्विचर बंटन द्विचर प्रशामान्य बंटन के सामान्य गुणों साहचर्य और आसांग के माप । दो या अधिक चरों से संबंधित सहसंबंध और एकधात समाश्रयण । सहसंबंध अनुपात । अन्तर्वाग सह-संबंध कोटि सहसंबंध । प्रेरेखीय समाश्रण । विश्लेषण ।

स्वतंत्र हस्तावक्रों के तारीखों द्वारा वक्रशासंजन गतिमान, माध्यों, वर्ग माध्यों, न्यूनतम वर्गों और आधूरों । लाविस बहुपदों और उनके प्रयोग ।

III प्रतिवर्शी बंटन और सांख्यिकीय अनुमान

आदृच्छिक प्रतिदर्शी, सांख्यिक, प्रतिचमन बंटन और मानक त्रुटि की धारणाएं ।

स्वतंत्र प्रशामान्य विचारों के माध्यम के प्रतिदर्शी बंटन का व्युत्पन्न, एक्स² (X²) । टी² (T²) और एफ० (F) सांख्यिक उनके गुणों और प्रयोगों । प्रतिदर्शी मान्यों के प्रतिदर्शी बंटनों का व्युत्पन्न, प्रसरणों और सहसंबंध गुणवंध द्विचर प्रशामान्य जनसंख्या से । व्युत्पन्न, (बड़े प्रतिदर्शी में) और वियर सोनियन एक्स² (X²) के प्रयोगों ।

आकलन का सिद्धांत :—अच्छे आकलन की आवश्यकताएं—अनमिनतता, संगति, दक्षता तथा पर्याप्तता । आकलनों के प्रसरण का फ्रेमर—राज निम्नपरिबंध । सर्वोत्तम एकधात अनमिनत आकलनों ।

आकलन के तरीके :—गाधूपों के तरीकों के सामान्य विवरणों अधिकतम संभाविता का तरीका, न्यूनतम वर्गों के तरीके और अधिकतम संभावित आगणकों के बिना प्रमाण के न्यूनतम गुणों का तरीका । विश्वास्ता अंतरालों का सिद्धांत—विश्वास्ता सीमाएं, अस्तमन की सरल समस्याएं ।

परिकल्पनाओं की जांच का सिद्धांत :—सरल और संयुक्त परिकल्पनाएं सांख्यिकीय जांचों और संशय क्षेत्रों । दो प्रकार की त्रुटियों, सार्थकता का स्तर और परिरक्षण की क्षमता ।

सरल पकिल्पना से एक परिमापी से संबंधित के लिए अनु-कुलतम संशय क्षेत्रों । प्रशामान्यतः जनसंख्या से संबंधित सरल परिकल्पनाओं के लिए इस प्रकार के क्षेत्रों की रचना ।

संभावित अनुपात परीक्षणों । माध्यम संबंधी परीक्षणों प्रसरण सहसंबंध तथा एकचर और द्विचर प्रशामान्य जासंख्याओं में सहसंबंध तथा सामाश्रयण गुणों को सरल अपरिमापीय परीक्षणों चिह्न, रन, माध्यम, कोटि और आदृच्छिक की करण परीक्षणों ।

सरल वैकल्पिक (बिनाव्युत्पन्न) के विश्लेषण सरल परिकल्पनाओं का अनुक्रमिक परीक्षण ।

प्रतिदर्शी तकनीकी

प्रतिदर्शी प्रति पूरण गणना प्रतिदर्शी के सिद्धांत । फ्रेमों और प्रतिदर्शी एक के । प्रतिदर्शी और अप्रतिदर्शी त्रुटियां । कमबद्ध प्रतिचयन । बहुक्रम और बहुकला प्रतिचयन । आकलन के अनुपात

और समाश्रयण के तरीके । भवरत में अभी हाल ही में बड़े पैमाने पर किए गए सर्वेक्षण के संदर्भ में प्रतिवर्शी सर्वेक्षणों की अभिकल्पना ।

प्रयोगों के अभिकल्प

कोशों में निरीक्षणों के विचारों का रूपांतरण । प्रयोगात्मक अभिकल्पों के सिद्धांत । पूर्णतः आदृच्छिक यादृच्छिक खण्ड तथा लातीनी वर्गाकार अभिकल्प । अप्राप्त भूखण्ड तकनीक 12 S S—2 (1) 5 (3² 3³) तथा 3 अभिकल्पों के बीच भ्रम पर पुणतखण्डनात्मक प्रयोग । खण्डित भूखण्ड अभिकल्प । संतुलित अपूर्ण, अपूर्ण अभिकल्प तथा सरल चालक ।

भौतिकी (कोड-04)

पदार्थ और यांत्रिक के सामान्य गुणः—एकक तथा आयाम । परिभ्रमण गति तथा जड़ता विभ्रमिषा । स्वाकृष्टि तथा अभ्याकर्षण, ग्रहीय गति । भ्रव्यास्थायल तथा आयास सहसंबंध प्रत्यास्थ आपरिवर्तक तथा उनके पारस्परिक संबंध । तल-आतलि, केशालत्व । असंपीड़य द्रव्यों का प्रहरण तरल तथा वांति द्रव्यों का आलगत्व ।

ध्वनि :—क्लोत्पावित आवेपन प्रतिरूपन । तरंग गति । आवेदनांक परिवर्तन । दोरक तथा वायुस्तम्भ-आवेपन । वारं वारतामापन ध्वनि का प्रवेश तथा चुम्बकन । स्वर ग्राम । प्रशाल ध्वनि विज्ञान । पार स्वनिकी ।

ऊष्मा तथा ऊष्मा प्रवैगिकी :—वातियों का गतिवाद आडन का गतिवाद । वान डेर थलिका स्थिति का समीकार । तापमान की भाष आपेक्षित तथा संबाही ऊष्मा । जूल थामसन वातियों का प्रभाव तथा तरलन । ऊष्मा प्रवैगिकी नियम । ऊष्मा यंत्र । काल काय विकरण ।

प्रकाश :—रेखाकीय काशिकी तथा साधारण काशिक सहित दूरेश तथा अण्वीक्ष । चाक्षुष प्रतिविम्ब में दोष तथा उनका सुधार प्रकाश तथा तरंग सिद्धांत । प्रकाश । प्रवेश की माप । प्रकाश में बाधक, व्याख्या तथा अभिस्पदन । साधारण मियोधट्ट मरंगावलीक्षा के तत्व रमन प्रभाव ।

विद्युत तथा चुम्बक

साधारण मामलों के क्षेत्र में तथा शब्द की गणना । गौस प्रमेय । विद्युत्मान । पदार्थ के विद्युतीय तथा चुम्बकीय गुण और उनकी माप । विद्युत प्रवाह के धारण चुम्बकीय क्षेत्र चुम्बक विद्युत के वेग तथा मात्रा की माप । शक्तमान । रोच, प्रोत्तरत तथा धारता; तथा उनका मापन । तामविद्युत । आवर्ती विद्युदाह के तत्व । विद्युज्जितिवा तथा विद्युद्वित्र । विद्युदंशन । विद्युच्चु-मिक तरंगें । नमोवणी कपाव दीप तथा उनके द्वारा वित्तु तरंगों की साधारण प्रयुक्ति, पारर्षण आदान । द्रवीक्षण ।

आधुनिक भौतिकी के तत्व :—विद्युदण्ड प्राणु तथा क्लीवाणु के प्राथमिक तत्व । किया ऊर्जान्युस्थराक । परमाणु का ग्रहबत परमाणु सिद्धांत । क्षरश्मिचां तथा उनके गुण । तेजोद्विरेता के तत्व तथा आकार एवं अवर्ण रश्मियों के गुण । परमाणुओं की व्याप्ति । सापेक्षता पुज्ज तथा ऊर्जा के विशेष सिद्धांत के तत्व । विद्युद्वित्र तथा द्राव । ब्रह्मांड रश्मियाँ ।

रसायन (कोड-05)

श्रकार्बनिक रसायन :—परमाणु की संरचना । रेडियो-राकिटवता समस्थानिक । तत्वों का क्रतिम तत्वांतरण । नाभिकीय विष्वांडन । रासायनिक बन्धों की प्रकृति । वायु मंडल की श्रिक्य गैसें । अपेक्षाकृत श्रधिक सामान्य और उपयोगी तत्वों तथा उनके योगिकों का रसायन । दुर्लभ मुद्रा तत्व । हाइड्रोइड आपसाइड, आकर्सी अम्ल । पर-अम्ल और पर-लवण तथा काबैश्ल । श्रकार्बनिक संकर । रासायनिक विश्लेषण का मूलभूत सिद्धांत ।

कार्बनिक रसायन :—पैट्रोलियम और पैट्रोलियम उत्पाद । एलिफिटिक यौगिकों के निम्नलिखित वर्गों का रसायन; संतृप्त और असंतृप्त हाइड्रोकार्बन, एल्कोहाल, ईथर, एल्डहाइड, कीटोन मोनो और डाई-कार्बोक्सीलिक अम्ल, ईस्टर, प्रतिस्थापित कार्बो-क्सीलिक अम्ल । थायो, नाइट्रो और सायनों यौगिक । ऐमीग यूरिया यूरीआइड, कार्ब-धात्विक यौगिक, मोनोसेकराइड (संरचना सहित), कार्बोहाइड्राट और प्रोटीन (सामान्य परिचय) सरल एलिचकीय यौगिक । विकृति सिद्धांत ।

एरोमेटिक :—बैंजीन, नैफ्येलीन और ऐन्थासीन तथा उनके मुख्य व्युत्पन्न, कोलतार, आवसन, फिनोल, एरोमेटिक, एल्कोहाल, एल्डहाइड, कीटोन । एरोमेटिक अम्ल और हाइड्रोक्सी अम्ल । निविमविन्यासी बाधा । एरिल-एमीन, डाइएजो एजो और हाइड्राजों यौगिक । क्लिनोन । विषय-चक्रीय यौगिक । पाइरोल, पिरिडीन, क्लिनोलीन, इन्डोल और नील । एजो, ट्राइफ्निल मेथेन और पथेलीन रंजक ।

सरल आपाविक पुनर्विन्यास, समावयता, निविम समावयकता और चलावयतवपा । बहूलकीणह ।

भौतिक रसायन :—श्रणुगति सिद्धांत गैसों के गुणधर्म, अवस्था-समीकरण, (सानडें-वाल, का, डाइट्रिसाइ) आन्तिक अवस्था, गैसों का व्यवण । रसायनिक संघटन के सापेक्ष द्रवों के भौतिक गुणधर्म । पारंभिक किस्टलिकी ।

क्षमागतिकी का पहला और दूसरा नियम और इन नियमों का सरल भौतिक तथा रसायनिक प्रक्रमों में अनुप्रयोग । रासायनिक साम्य और द्रव्य-अनुपाती क्रिया का नियम । ला-शाते लिए का नियम । प्रोवस्था-नियम और डसका एक-घटके तत्वों तथा लोह-कार्बन तंत्र में अनुप्रयोग ।

श्रभिक्रिया की क्षर और कोटि । प्रथम और द्वितीय कोटि की श्रभिक्रियाएं । श्रंखला श्रभिक्रियाएं । प्रकाश रासायनिक श्रभिक्रियाएं । उत्तरण । अधिशोषण ।

विद्युत-अपघटनी वियोजन । आयनिक साम्य । अम्ल-धारिक साम्य और सूक्षक । विद्युत-अपघटनी चालकता और उसके अनु-प्रयोग । इलैक्ट्रोड-विभव । सैल का विद्युत वाहक बल । विद्युत-वाहक बल के माप और उनके अनुप्रयोग ।

वनस्पति विज्ञान (कोड-06)

क्रिटोगैम (वैक्टोरिया और वाइस सहित) तथा फनेरोगैन, विशेषकर भारतीय क्रिटोगैस और पैनरमेन, के विभिन्न समूहों और उपसमूहों अथवा कुलों और उपकुलों महत्वपूर्ण निरूपकों

के रूप, संरचना, प्रकृति आर्थिक, महत्व, जीवनवृत्त और परस्पर संबंध ।

पादम-फिजोपोलज के मूल सिद्धांत और प्रक्रम ।

भारत में मिलने वाले भस्य-पौधों के महत्वपूर्ण रोगों का सामान्य ज्ञान और उन रोगों का नियंत्रण तथा उन्मूलन ।

परिस्थिति की और पादन भूगोल, विशेषतः भारतीय वनस्पति-समूह और भारत के नवनस्पति के क्षेत्रों से संबंधित मूलभूत तथ्य ।

विकास, कोशिका-विज्ञान और आनुवंशिकी और पादम प्रजनन का मूल ज्ञान ।

मानव कल्याण के लिए और विशेषकर, खाद्यान्नों, बालों, फलों, शर्कराओं, स्टार्चों, तेलबीजों, मसालों, पेयों, तन्तुओं, लकड़ियों, रबर, औषधियों और सुगंध तेलों जैसे वनस्पति उत्पादों में पौधों, विशेषतः पुष्टि पौधों के आर्थिक उपयोग ।

वनस्पति विज्ञान से संबंधित के विकास का सामान्य परिचय ।

7. प्राणिविज्ञान (कोड-07)

विशेषकर भारतीय संदर्भ आकर्डेंटों और कार्डेंटों का वर्गीकरण, जीव-परिस्थितिकी, श्रकारिकी, जीवन वृत्त और संबंध ।

श्रधावरण, ग्रंतःकंकाल, चलन, भरण, रुधिर, परिसंचरण, इवतन, आस्मो-न्यूलेशन, तंत्रिका-तंत्र, ग्रहियों और पुतरुत्पादन की क्रियात्मक आकारिकी (रूप, संरचना और कार्य) । कशेरुकी भ्रण विज्ञान के तत्व ।

विकास :—प्रमाण-वाद और उनकी आधुनिक व्याख्याएं । मेन्डेलीय आनुवांशिकता, म्युटेशन । प्राणी-कोशिका की संरचना । कोशिका-विज्ञान और आनुवंशिकी के मूलभूत सिद्धांत । अनुकूलन और वितरण ।

भूविज्ञान (कोड-08)

भौतिक, भूविज्ञान और भूआकृति विज्ञान :—पृथ्वी का उद्भव । संरचन, गर्भ तथा आयु । भू-अधिनति और पहाड़ । समस्थिति । महाद्वीपों और महासागरों का सद्भाव । महाद्वीपीय विस्थापन भूकंप-विज्ञान । ज्वालामुखी-विज्ञान । पृष्ठ एजेन्सियों की भू-वैज्ञानिक क्रिया ।

संरचना तथा क्षेत्र भू-विज्ञान :—प्राग्नेय अवसादी और कायांतरित शैली की सामान्य संरचनाएं । चलन, भ्रंश, विष्य विन्यासों, संविधियों और क्षेत्रों का अध्ययन । भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण और भू-मापन की विधियों की प्रारम्भिक जानकारी ।

क्रिस्टल विज्ञान और खनिज विज्ञान :—क्रिस्टल रूप और नमिति के तत्व, क्रिस्टल-विज्ञान के नियम, क्रिस्टल तंत्र और वर्ग, क्रिस्टल प्रकृति, यमनलन । विधि प्रक्षेप । खनिजों की भौतिक, रासायनिक और प्रकाशित गुणधर्म । अधिक महत्वपूर्ण शैलकर तथा आर्थिक खनिजों का इनके रासायनिक और भौतिक गुणधर्मों, क्रिस्टल संरचनात्मक और प्रकाशित लक्षणों, परिवर्तनों प्राप्ति, और व्यावसायिक उपयोगों के संबंध में अध्ययन ।

स्तरित शैल-विज्ञान और जीवाश्य विज्ञान :—स्तरित शैल-विज्ञान के नियम। भारतीय स्तरित शैल-विज्ञान। भूवैज्ञानिक अभिलेखों के अध्ययन-वैज्ञानिक और कलानुक्रम प्रविभाव। जीवाश्य प्रकृति और परिरक्षण का दुःङ्ग; जैव विकास पर प्रभाव। अक्षेष्णकी तथा पादप जीवाश्य।

आर्थिक भूविज्ञान :—आयस्क उत्पत्ति के सिद्धान्त, वर्गीकरण, भूविज्ञान, प्राप्ति, भारत के प्रमुख धार्तिक और अधार्तिक खनियों के ज्ञेय तथा स्रोत। भारत में खनिज उद्योग। भूभौतिकीय पूर्वेक्षण और आयस्क-प्रसाधन के नियम।

शैलविज्ञान :—आग्नेय, आवासादी और कायांतरित शैलों का उद्भव, रचना, संरचना और वर्गीकरण। सामान्य भारतीय शैल प्रकारों का अध्ययन।

भूगोल (कोड-09)

संसार, विशेषतः भारत का प्राकृतिक और मानव भूगोल। प्राकृतिक भूगोल के नियम, जिसमें स्थलमंडल, जलमंडल और वायुमंडल का विस्तृत अध्ययन करना शामिल है चक्र-संकल्पनाओं समस्थिति, पर्वत विरचन के प्रक्रमों, मौसम घटनाओं, महासागरजल की बहिस्तलीय और अधस्तलीय गति, आदि के संबंध में आधुनिक विचारों का ज्ञान भी हो।

मानव भूगोल के नियम, जिसमें संस्कृति, प्रजापति, धर्म आदि के आधार पर जिन वितरण, बातावरण और जीवन-प्रणाली, जन-संख्या उपनिति, जनसंख्या की आवाजाही का विस्तृत अध्ययन करना भी शामिल है।

उम्मीदवारों से आशा की जाती है कि उन्हें भारत के प्राकृतिक, मानव और आर्थिक भूगोल का विस्तृत ज्ञान हो।

अंग्रेजी साहित्य (कोड-10)

उम्मीदवारों से आशा की जाएगी कि उन्हें चौसर से लेकर महारानी विक्टोरिया के शासन के अन्त तक अंग्रेजी साहित्य के इतिहास का सामान्य ज्ञान हो तथा निम्नलिखित रचनाओं की कृतियों का विशेष ज्ञान हो।

शेक्सपीयर, मिल्टन, ड्राइडन, जानसन, बर्डसवर्थ, कोट्स, डिकन्स, टेनिसन, आर्नेल्ड तथा हार्ड।

स्थायं पुस्तकों पढ़ने का प्रमाण अपेक्षित होना।

प्रश्न पत्र इस प्रकार से बनाए जाएंगे, जिससे उम्मीदवारों की आलोचनात्मक योग्यता की जांच की जा सके।

11. असमी (कोड-11), बंगला (कोड-12), गुजराती (कोड-13), हिन्दी (कोड-14), कश्मीरी (कोड-15), कश्मीरी (कोड-16), मलयालम (कोड-17), मराठी (कोड-18), उड़या (कोड-19), पंजाबी (कोड-20), सिंधी (कोड-21 या 22), तमिल (कोड-23), तेलुगु (कोड-24) तथा उर्दू (कोड-25) :—उम्मीदवारों से यह प्रश्नाशास्त्र की जाएगी कि भाषा के ज्ञान और उसके साहित्य को दर्शा सके। जिन कृतियों से वे संबंध रखते हैं, उनमें से जो सर्वोत्तम समझी जाती है उनका उन्हें प्रत्यक्ष ज्ञान होना अनिवार्य है, यद्यपि प्रश्न कम श्रावशक्ति कृत्यों पर भी तैयार किए जा सकते हैं। उनसे

यह भी प्रत्याशा की जाएगी कि ऐतिहासिक तथा सांस्कृतिक, बौद्धिक तथा कलात्मक आंदोलनों की पृष्ठभूमि का ऐसा ज्ञान रखते हों तथा भाषा-विषयक विकासों का जिससे उनको साहित्य को समझन में सहायता मिलगी। प्रश्न साहित्य इतिहास और भाषा के ऊपर तैयार किए जा सकते हैं। उम्मीदवारों को अनुवाद, वाच्या करनी होगी तथा परिच्छेदों पर टिप्पणी के लिए कहा जा सकता है।

टिप्पणी : कोड 11 से 25 तक ऊपर दिए गए विषयों में से किसी विषय को लेने वाले उम्मीदवार को संबंधित भाषा में कुछ अथवा सभी प्रश्नों के उत्तर देने अपेक्षित होंगे। इन भाषाओं के लिए प्रयोग की जाने वाली लिपियां निम्नलिखित हैं :—

भाषा	लिपि
असमी	असमी
बंगला	बंगला
गुजराती	गुजराती
हिन्दी	देवनागरी
कश्मीरी	कश्मीरी
मलयालम	मलयालम
मराठी	देवनागरी
उड़या	उड़या
पंजाबी	गुरुमुखी
सिंधी	देवनागरी अथवा अरबी
तमिल	तमिल
तेलुगु	तेलुगु
उर्दू	फारसी

अरबी (कोड-26), चीनी (कोड-27), फांसीसी (कोड-28), जर्मन (कोड-29), पाली (कोड-30), फारसी (कोड-31), रूसी (कोड-32) तथा संस्कृत (कोड-33) :—उम्मीदवारों को प्रमुख परिनिष्ठित साहित्य-

कारों का ज्ञान होना अपेक्षित है और उनमें उस भाषा में रचना करने और उससे अनुवाद करने की योग्यता होनी चाहिए।

टिप्पणी :—प्रब्रह्मी, फारसी और संस्कृत लेने वाले उम्मीदवारों से कुछ प्रश्नों के उत्तर, यथास्थिति, प्रब्रह्मी, फारसी या संस्कृत में देने की अपेक्षा की जा सकती है। संस्कृत में लिखे जाने के लिए उत्तर देवनागरी लिपि में लिखे जाने चाहिए।

भारतीय इतिहास (कोड-34)

चन्द्रगुप्त मौर्य के शासनकाल से लेकर भारतीय गणतंत्र की स्थापना तक।

प्रश्नपत्र में राजनीतिक, संविधानिक, आर्थिक तथा सांस्कृतिक विकास पर भी प्रश्न होंगे।

ब्रिटिश इतिहास (कोड—35)

अध्याधीन अवधि 1485 से 1945 तक होगी। प्रश्न-पत्र में राजनीतिक संविधानिक आर्थिक तथा सांस्कृतिक विकास भी पर प्रश्न होंगे।

पूरोप का इतिहास (कोड—36)

अध्याधीन अवधि सन् 1789 से 1945 तक होगी।

प्रश्न-पत्र में राजनीतिक, राजनियिक आर्थिक और सांस्कृतिक विकास पर प्रश्न शामिल होंगे।

विश्व इतिहास 1789 से 1945 तक (कोड—37)

उम्मीदवारों से आशा की जाएगी कि उन्हें विश्व के राजनीतिक और आर्थिक विकास विशेषतयः पूरोप, अमेरिका, सुदूरपूर्व, मध्यपूर्व तथा अफ़्रीकी महाद्वीप के बारे में गहन ज्ञान हो। सार्वभौमिक महत्व की अन्तर्राष्ट्रीय घटनाओं पर विशेष बल दिया जाएगा।

उम्मीदवारों से यह भी आशा की जाएगी कि उन्हें विज्ञान, साहित्य तथा कला के क्षेत्रों में प्रदर्शित सम्पूर्ण सम्यता के योगदान में प्रतिरिवित सांस्कृतिक विकास का ज्ञान हो।

सामाज्य अर्थशास्त्र (कोड—38)

उम्मीदवारों से आशा की जाएगी कि उन्हें निम्नलिखित विषयों का सामान्य ज्ञान हो :

(क) आर्थिक विश्लेषण के सिद्धांत, तथा

(ख) आर्थिक मन्त्रव्यों का इतिहास।

उनमें अपने सैद्धांतिक ज्ञान को वर्तमान भारतीय आर्थिक समस्याओं के विश्लेषण के लिए प्रयोग करने की अयोग्यता होनी चाहिए।

राजनीतिक विज्ञान (कोड—39) :—उम्मीदवारों से राजनीतिक सिद्धांत और उसके इतिहास का ज्ञान अपेक्षित है। राजनीतिक सिद्धांत का तात्पर्य केवल विधान-सिद्धांत से ही नहीं है अपितु सामान्य राज्य सिद्धांत से भी है। संविधानिक रूपों (प्रतिनिधि सरकार, संघवाद आदि) और केन्द्रीय स्थानीय तथा लोक प्रशासन सम्बन्धी प्रश्न भी पूछे जा सकते हैं। उम्मीदवारों को वर्तमान संस्थाओं की उत्पत्ति और विकास का ज्ञान भी होना चाहिए।

दर्शन शास्त्र (कोड—40) :—उम्मीदवारों से आशा की जाती है कि उन्हें निम्नलिखित के विशेष संदर्भ सहित पूर्व और पश्चिम के नीति शास्त्र के इतिहास और सिद्धांत की जानकारी होगी। नैतिक स्तर और उसके अन्तर्योग की समस्याएं नैतिक निष्चय, नित्यवाद और स्वतन्त्र इच्छाशक्ति, नैतिक, व्यवस्था और प्रगति, व्यक्ति समाज और राज्य के बीच सम्बन्ध, अपराध और दण्ड के मिद्दान तथा नीतिशास्त्र का धर्म से सम्बन्ध।

उनमें यह भी आशा की जाती है कि वे निम्नलिखित के विशेष संदर्भ सहित पश्चिमी दर्शनशास्त्र के इतिहास की जानकारी खोंगे। दर्शनशास्त्र की प्रकृति और उसका विज्ञान

तथा धर्म का सम्बन्ध, पदार्थ एवं श्रात्मा, स्थान एवं समय, कारणता एवं विकास तथा मूल्य एवं ईश्वर के सिद्धांत और ईश्वर, श्रात्मा एवं मुक्ति, एवं कारणता, विकास एवं प्रतीति के सिद्धांतों के विशेष संदर्भ सहित भारतीय दर्शन (धर्मनिष्ठ और धर्म विरोधी प्रणालियों सहित) का इतिहास।

मनोविज्ञान (कोड—41)

मनोविज्ञान :—उसका स्वभाव, क्षेत्र एवं अध्ययन की विधियां, मनोविज्ञान में प्रयोगिक विधियां।

मानवीय विकास के कारक :—आनुवेशिक की एवं परिवर्त्तन।

अभिप्रेरणा भावनाएं एवं संवेग, उनका स्वभाव एवं विकास, संवेगों के सिद्धांत, चरित्र का विकास।

संज्ञानात्मक प्रक्रियाएं, संवेदन, प्रत्यक्ष ज्ञान, अधिगम, स्मरण शक्ति तथा विस्मरण और मनन।

प्रज्ञा एवं योग्यताएं :—संकल्पना और माप व्यक्तित्व-स्वभाव निर्धारक तत्व, सिद्धांत और मूल्यांकन।

दलगत प्रक्रियाएं एवं दलगत प्रभाव, समूह गत व्यवहार, नेतृत्व एवं मनोबल, अभिवृत्ति एवं अपकृति, सामाजिक-परिवर्तन।

अपसामान्यतया की संकल्पना, मतःस्ताप और मनोविधिपूर्ण विकारों के मुख्य रूपों की पहचान एवं कारण, सामाजिक विकृति विज्ञान और बाल-अपराध—कारण और उपाय चिकित्सा विधियां के मुख्य रूप।

विधि (कोड—42)

- विधि शास्त्र :विधि संकलन : विधि के प्रकार ; सकारात्मक विधि, न्याय प्रशासन। विधि के स्रोत ; विधि के तल जिनमें विधिक प्रधिकार और कर्तव्य शामिल हैं, दायिताएं स्वामित्व कब्जा विधिक व्यक्तित्व ; सम्पत्ति।
- संविधान विधि :भारत की संविधान विधि जिसमें प्रशासनिक विधि शामिल है, ब्रिटिश संविधान के मूल सिद्धांत।
- टाट्स विधि जिसमें टाट्स के लिए राज्य की वायिता शामिल है।
- दाइक विधि (भारतीय इंड संहिता)।
- साक्ष्य विधि :सुसंगति और प्रकल्प : साक्ष्य के प्रकार मौखिक और लेख साक्ष्य प्राथमिक और माध्यमिक साक्ष्य : प्रमाण-भार विवरण, अदालती नोटिस।

विधि (कोड—43)

- संविधा विधि के सामान्य सिद्धांत (भारतीय संविधा अधिनियम की धारा 1 से 75 तक)।
- भारतीय संविधा अधिनियम के विशेष संदर्भ में क्षति पूर्ण विधि गारंटी गिरवी और एजेंसी।

3. भारतीय विधि के विशेष संदर्भ में सामान विक्री विधि, साक्षेदारी विधि पराक्रमय उपकरण तथा बैंकिंग (सामान्य सिद्धान्त) ।

4. समवाय विधि ।

विधि III (कोड—44)

अन्तर्राष्ट्रीय विधि की कृति और स्रोत । अन्तर्राष्ट्रीय विधि का इतिहास अन्तर्राष्ट्रीय विधि का संप्रदाय अन्तर्राष्ट्रीय विधि और देश विधि ।

अन्तर्राष्ट्रीय विधि में व्यक्तियों के रूप में राज्य/अन्तर्राष्ट्रीय व्यक्तित्व का अधिग्रहण और हानि । राज्य मान्यता । राज्य उत्तराधिकार ।

राज्य के अधिकार और कर्तव्य समानता का सिद्धांत । राज्यों का क्षेत्राधिकार ।

संधियां ।

अन्तर्राष्ट्रीय संवर्ग के एजेंट/राजनयिक एजेंटों के विशेषाधिकार और उन्मुक्ति व्यक्ति और अन्तर्राष्ट्रीय विधि । अन्य देशीय निवासी राष्ट्रिकता । देशीकरण । राष्ट्रहीनता । प्रत्यर्पण युद्ध अपराधी ।

अन्तर्राष्ट्रीय विश्वादों को तय करने का ढंग ।

युद्ध/घोषणा/प्रभाव ।

स्थल जल और वायु-युद्ध के नियम ।

आत्म रक्षा के लिए युद्ध : सामूहिक सुरक्षा । क्षेत्रीय समझौते । युद्ध को अवैध घोषित करना युद्धकारी दबल के नियम । युद्धकारिता और राज्य प्रतिरोध ।

युद्ध के ढंग । युद्ध-कंदी । निरीक्षण और तलाशी का अधिकार ।

नौजितमाल न्यायालय

नाकाबन्दी और विनिषिद्ध ।

तटस्थिता और तटस्थीकरण । युद्ध में तटस्थ देशों के अधिकार और कर्तव्य । अतटस्थ सेवा । संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के अधीन तटस्थिता ।

संयुक्त राष्ट्र का चार्टर और राष्ट्र संघ का प्रतिशोपान संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख अंग । विशिष्ट अन्तर्राष्ट्रीय संगठन ।

उम्मीदवारों से आशा की जाती है कि वे अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय में दिए गए फैसले सहित मामलों की जानकारी दे सकेंगे ।

अनुप्रयुक्त धारिकी (कोड—45)

निर्माण

छतकैची के सम्मिलन में प्रयुक्त सामग्री पर विचार ।

इस्पात और इमारत लकड़ी । छतकैचियों के प्रतिथल का विभिन्न पद्धतियों से निर्धारण । अचल भार और वायु दाव क्षेत्र और कार्बोकारी प्रतिबल के घटक ।

छतकैचियों का डिजाइन : विभिन्न प्रकार के छतकैचियों और छतादान कालरवीम और प्रधगोल कैचियां । स्तम्भों के डिजाइन में यूलर गोरडन रेकिंग फिलर जास्तन और सरल रेखा के सूत्रों का उपयोग स्तम्भों का बहकावकार विभिन्न सूत्रों से प्राप्त स्तम्भों की तुलनात्मक सामार्थ्य को दर्शाने वाले ब्रॉकेटों के कार का चयन । इस्पाती कार्य की परिसरजा जोड़ एंड-बैरिंगों का डिजाइन सिरों को जमाने के सहारे देने की पद्धतियां ।

संतचनाश्रों के डिजाइनों में प्रतिफल के बूतों और दीर्घवृत्तों तथा फ्लेयप्रान प्रमेय का अनुप्रयोग ।

ड्ले लोहे और इस्पात के स्तम्भ : इस्पाती स्तम्भों के साथ प्लेज और ब्रेव कनेक्शन : टौपियों आधार स्तम्भों का तिरंक तान ।

नींब : सुरक्षित दाब स्तम्भों की नींब । पटिया नींब, बाहुधरन नींब, क्षनीरीदार नींब । कूप स्थूणा ।

पुश्ता दीवार और मिट्टी के दाब : रेकिंग सिद्धांत, वेज सिद्धांत, विकर और ड्लाई की ग्राफीय रचनाएं, संशोधनों सहित । चिनाई में विभिन्न प्रकार की पुश्ता दीवारों का डिजाइन ।

ऊंची विमाई और इस्पाती चिमनिया : सिद्धांत और डिजाइन ।

इस्पाती और पक्के जलशयों का डिजाइन : वायु दाब के विचार से ।

ढांचेदार संतचनाश्रों के विकास और अतिरिक्तांगी ढांचों में प्रतिबल आदि का अवधारण ।

कैचियों आबद्ध धरनों और तीन पिनी परबलयिक, अर्ध-वृत्ताकार तथा अर्ध वृत्ताकार डाटों पर सामान रूप से वितरित और अनियमित भार के बड़ल घूर्णन और कर्तन के प्रभाव-आरेख गुम्बद डिजाइन के सामान्य सिद्धांत ।

निर्माण, डिजाइन के सिद्धांत, निर्माणों पर भार का विचार इस्पात, कर्म गर्डर आदि ।

पुल

ऊपरी ढांचे का डिजाइन । अरभारों और वायु दावों के कारण हुए वंकंत धूर्णन का ग्राफीय और वैश्लेषिक पद्धतियों से निर्धारण । पक्के पुलों और पुलियों का डिजाइन ।

प्लेट ब्रेव गर्डर । प्रतिबलों का विश्लेषण ।

बारेन और जालदार गर्डर ।

तीन पिनी डाट दो पिनी और दूड़ डाट ।

शूला, बाहुधारन और नलिकाकार पुलों के डिजाइन पर सामान्य विचार इस्पाती डाटदार पुल ।

शूलना पुल ।

प्रबलित कंक्रीट

कर्तन, बंध और विकर्ण तनाव, इसका स्वरूप, प्रबलन का मूल्यांकन और स्थान ।

सरल और दोहरी प्रबलित धरन और अनुकालित धरन का डिजाइन ।

प्रबलित कंक्रीट स्तम्भों और स्थिताश्रों का सिद्धांत और डिजाइन ।

पटियां निवों का डिजाइन।

सरल बाटुधरन और पुस्तेदार धारक दीवारों का डिजाइन प्रबलित कंक्रीट कारों के लिए तुल्य जड़ता-धरण।

प्रत्यास्थ विकल्प का सिद्धांत और प्रबलित कंक्रीट डाटों में प्रतिबलों के अन्वेषण की रूप-रेखा।

सामान्य

प्रतिबल विश्लेषण विकृति प्रत्यास्थता सीमा और चरम सामर्थ्य का विश्लेषण: प्रत्यास्थ स्थिराकों में परस्पर संबंध। किसी संरचना अवयव में कायकारी प्रतिबलों के लिए लानहार्ट-नेरोध सूल और उसके अनुप्रस्थ काट के क्षेत्र का अवधारण। प्रतिबलों पुनरावृति। अचल मारों के लिए बंकन धूर्णन और कर्तन-बल के आरेख ढांचों में प्रतिबलों का ग्राफीय अवधारण वायुदाव का प्रभाव, कांटों की पद्धति। बंकन (M/I-F/V-E/h) के कारण धरन की अनुप्रस्थ काट में प्रतिबल, मिजित और संयुक्त प्रतिबल। मिट्टी के दाव का रैकीन सिद्धांत, नीवों को गहराई खासकों की सामर्थ्य अंक्षरीदार नीव, मिट्टी के दाव का क्लाम सिद्धांत रेबान के कारण परिवर्तन।

चलभारों के लिए बंकन धूर्णन कर्तन बल के आरेख। समान और समान रूप से बदलते हुए प्रतिबल का विश्लेषण धरनों के बंकन का प्रत्यास्थता-सिद्धांत धरनों में बंकन और कर्तन प्रतिबल, काट का मापांक और तुल्य क्षेत्र। उत्केन्द्र भारत के कारण जोड़ में अधिकतम और न्यूनतम प्रतिबल। बांधों और चिमनियों में प्रतिबल: छलैक की स्थिरता, कार्य संरचनायें। वाघिव खोलों में प्रतिबलों और रिवेटदार जोड़ों का डिजाइन: थाम के संबंध में आयलर का सिद्धांत, रैकिन, गाडर और अन्य सिद्धांत के कारण परिवर्तन ऐंठन, संयुक्त ऐंठन और संकन विक्षेप। आबद्ध धरने, अनेकालंब धरने और त्रिपूर्ण प्रमेय। डाटों का प्रत्यास्थता-सिद्धांत, पक्की डाटे।

समाज शास्त्र (कोड-46)

समाज शास्त्र का स्वरूप, विषय क्षेत्र तथा पूर्ववृत्त—समाज शास्त्र तथा अन्य सामाजिक विज्ञानों के साथ संबंध।

जाति तथा समाज-भौगोलिक बातावरण तथा "समाज—जन-संख्या तथा समाज—संस्कृति, धारणा, उसका महत्व तथा समाज और व्यक्तित्व के साथ संबंध।

समाजशास्त्र की मूल धारणाएँ: समूह—प्राथमिक, माध्यमिक और संदर्भ समूह—भूमिका—सामाजिक—संरचना सामाजिक कार्य—सामाजिक संगठन—मानदंड तथा मान्यताएँ—

समाजीकरण—सामाजिक नियंत्रण—सामाजिक दण्ड—विधान।

मूल सामाजिक संस्थान: परिवार और संघोत्तरा—संयुक्त परिवार—आधिक, राजनीतिक, धार्मिक तथा कानूनी संस्थान।

सामाजिक स्तरीकरण: जाति, सम्पदा तथा वर्ग—सामाजिक प्रक्रियाएँ—सहकारिता तथा प्रतिद्वन्द्व।

समितियों की किस्में:—असम्भव तथा सम्भव—सरल तथा जटिल—परम्परागत तथा आधुनिक।

सामाजिक परिवर्तन: सामाजिक परिवर्तन के सिद्धांत—प्रायोजित सामाजिक परिवर्तन—सामाजिक विकास।

4—511GI/75

ग्राम्य और शहरी समुदाय—शहरीकरण।

नोट:—उम्मीदवारों से यह अपेक्षा की जायेगी कि वे तथ्यों द्वारा सिद्धांतों का निरूपण करें तथा सिद्धांतों की सहायता से समस्याओं का विश्लेषण करें। उनसे भारतीय समस्याओं की विशेष जानकारी अपेक्षित होगी।

भाग—ग

परिशिष्ट II के भाग II के उप भाग (ग) के अनुसार

उच्चतर विशुद्ध गणित (कोड-50)

- (1) आधुनिक बीजगणित तथा स्थेत्र विज्ञान।
- (2) वास्तविक चरों के फलनों का विश्लेषण।
- (3) सम्मिश्र चरों के फलन।
- (4) ज्यामिति तथा
- (5) अवकल समीकरण।

(1) आधुनिक बीजगणित—समूहों, जयसमूहों, प्रसामान्य उपसमूहों। खंड समूहों। समरूपता तथा एक समाकारिता। एक समाकारिता पर प्रमेय। क्रमय असमूहों। रूपान्तरण समूहों। स्वसमाकृतिकता के समूहों। आंतरिक स्वसमाकृतिकता। प्रासामान्यकर्ता, केन्द्र तथा दिक् परिवर्तक। केले और सोलों के प्रमेय। परिमितीय जनक आवेली ग्रुपों के लिए वियोजन प्रमेय। निश्चरों। प्रसामान्य श्रेणी, संयोजक श्रेणी, आर्डन—होल्डर प्रमेय। रिंग पूर्णकाय डोमेन। विभाजन रिंग। क्षेत्रों। आदर्श, प्रारंभिक तथा मधिसमल आदर्श, आदर्श के धनराशि तथा गुणनफल। भागफल रिंग। रिंगों, के लिये एक समाकारिता प्रमेय। पणीकीय डोमेन के भागलों का क्षेत्र। यीविलडी डोमेन। मुख्य आदर्श डोमेन। अद्वितीय गुणनखंडमूल्डोमेन। रिक परिवर्पित रिंग के ऊपर बहुपद रिंग अद्वितीय गुणनफल डोमेन के बहुपद गणांकों सहित। नियोग्य-स्मिन रिंग। वेक्टर स्थानों। वेक्टर स्थान का आधार विपच। लांबिकता। आदेशगुणनफल। आर्थर्निर्मलि आधार।

क्षेत्र विस्तार। विभाजकफील्ड। पृथक होने योग्य और प्रथम न होने योग्य विस्तार। परिमित विस्तारों का गोलोद्देस का प्रमेय। करणी द्वारा समीकरणों के हल का अनुप्रयोग। परिमित क्षेत्र।

स्थान वैज्ञानिक स्थान। मानचिंद्रों तथा आस-पास, बंद-समुच्चय, स्वांतर समुच्चय स्थान वैज्ञानिक स्थान के लिए आधार उपस्थान, पागफल, स्थान। स्थान विज्ञान तथा विज्ञानों के सामर्थ्य की परिभाषा के विभिन्न तरीके। मैट्रिक स्थान, यीविलडी स्थान तथा मैट्रिक स्थानों के अन्य उदाहरण। दो स्थान वैज्ञानिक स्थानों के संयोजकों कार्तीय गुणनफल, स्थानीय संयोजन। पथ के अनुसार संयोजन। संहित स्थान के संहित स्थानों के गुणनफल, स्थानीय संहित स्थानों। पार्थव्य-अभिगहीत। हाइड्रोफ, प्रसामान्य तथा नियमित स्थान।

(2) वास्तविक चरों के फलनों का विश्लेषण

वास्तविक संख्याओं का डेकोइल्ड का प्रमेय। परिवर्बन्ध और सीमाएँ। अनुक्रैमों। संतत तथा एक समान संतत। अवकालनीयता अस्पष्ट फलनों। फलनों के अधिकतम और न्यूनतम। रीमन समाचे

कलन। माध्यमान प्रमेयों? अनुचित पूर्णकीयों रेखा, समतल तथा गणांक पूर्णकीयों। रेखा समतल तथा गुणांक पूर्णकीय ग्रीन और स्टकों के प्रमेय।

एक समान अभिसारी श्रेणियों के एक समान अभिसरण की श्रेणियों और गुण। अपरिमित गुणनफलों का अभिकरण। समुच्चय के फलनों के आर्थिनामीलटी तथा सम्मूर्णता। फूरिये श्रेणियों तथा फूरिये प्रमेय। वायरस्ट्रास सेनिगटन प्रमेय। लवंस्यु का भाष प्रबंधित फलनों के मापीय फलन तथा लेवेस्यु पूर्णकीय।

(3) मिश्रितधर के फलन—उस के समतल और रीमेन के गोला परसंभित्र संख्याओं का निरूपण। द्विचरएकधाती रूपांतरणों विश्लेषिक फलनों। कौची का प्रमेय तथा उसका विलोम। कौची का पूर्णकीय सूत्र। टेलर तथा लारेंट की श्रेणियां। वियोड़-बाइल का प्रमेय। विजिवताएं शून्यों/अवशेषों का प्रमेय तथा पूर्णकीय के मूल्योकन के लिए इसका अनुप्रयोग। बीजगणित का मूल प्रमेय तथा बीजगणित के समीकरणों के मूल। अनुकोण निरूपण। विश्लेषिक संगत। मिटेगलेयर का प्रमेय। वाइरेस्ट्रास का गुणनखंड का प्रमेय अधिकतम मापांक सिद्धांत। हैडामाई का त्रिवृतीय प्रमेय।

(4) ज्यामिति :—समतल परिच्छेदों तथा द्विधातियों की जन रेखायें द्विधाती पृष्ठ तथा इसका विश्लेषण। संतामि द्विधाती। द्विधाती की पैसिलों का प्रारंभिक प्रमेय। सोला में वक्र/वक्रता तथा ऐठन। फ्रेमेट के सूत्र। आवरण विकास योग्य समतल। विकास योग्य वक्र से संयुक्त, रेखजपृष्ठ। पृष्ठों की वक्रता। वक्रता की रेखाएं संयुक्ती रेखायें। उपगमी रेखायें। अल्पांतरी।

(5) अवकल समीकरण

सामान्यअवध अवकल समीकरण :—पिकार्ड का अस्तित्व प्रमेय। प्रारंभिक तथा सीमांत प्रतिबंध। चरणांकों के साथ रेखाकार अवकल समीकरण। श्रेणियों में समाकलन वेसिन तथा लेंगेंडर फलन। संपूर्ण तथा युगपत अवकल समीकरण।

आंशिक अवकल समीकरण

आंशिक अवकल समीकरणों की वनावट। आंशिक अवकल समीकरणों के पूर्णकीय के प्रकार। प्रथम क्रम के आंशिक अवकल समीकरण चारपट का तरीका। अचर गुणकों के साथ आंशिक अवकल समीकरण। मांगे का तरीका। डिटीय अम के आंशिक अवकल समीकरणों का वर्गीकरण। आप्लेस समीकरण तथा इसकी सीमांतमान समस्यायें। तरंग समीकरण तथा ऊर्मानालन के समीकरण का हल।

उच्चतर अनुपयुक्त गणित (कोड-51)

शामिल विषय ये होंगे :—

- (1) गति विज्ञान
- (2) द्विवर्गति विज्ञान
- (3) प्रत्यास्थता
- (4) विद्युत तथा चुंबकत्व
- (5) आपेक्षित का विषय प्रमेय।

(1) गति-विज्ञान :—कण तथा ऊर्जा। भूगतिमान से संबंधित गति। कौकालट का लोकक। जनक निष्ट्रेशांक। होलोनोमिक तथा

अहोलोनोमिक प्रणालियां। लोटे दोलन। यूलर के ज्यामिती तथा गतिक समीकरण। लूइकी गति। न्यूनतम कर्मका हैमिल्टन का सिद्धांत। हैमिल्टन के विहिट समीकरण तथा उनके समाकल निश्चर। संस्पर्स रूपांतरण।

(2) द्विवर्गति विज्ञान

सामान्य :—सांतत्य का समीकरण संवैग तथा ऊर्जा।

इस्प्रिसिड प्रवाह प्रमेय :—द्विविभगति। प्रवाही गति। रुट तथा श्रमिगति। प्रतिविम्ब के तरीके तथा इसके अनुप्रयोग तरल में बेलन तथा गोला की गति। श्रमिलगति। तरंगें।

विस्कोस प्रवाह प्रमेय :—प्रतिबल तथा विकृति विश्लेषण। नेवियरबेसेट-स्टोकेल समीकरण श्रमिता। अर्जांक्षय। समानांतर पद्धिकाओं के बीच प्रवाह। नली में होकर प्रवाह गोला के पार धार्मी प्रवाह गति। सीमांतस्तर संकल्पना-विकिम प्रवाहों के लिए। सीमांतस्तर। पद्धिका के साथ सीमांतस्तर। समरूपता हल। संवर्ग तथा ऊर्जा समाकल। करमत तथा पोहलौसेन का तरीका।

(3) प्रत्यास्थता :—कातीर्य टेसर। प्रतिबल तथा विकृति विश्लेषण कार्य तथा ऊर्जा। सट बेनेन्ट का सिद्धांत। दंड और पथिकाओं का मोड़ना। एटन।

(4) विद्युत तथा चुम्बकत्व :—स्थिर वैद्युत चालक तथा संधारित चालकों की प्रणालियों। परावैद्युत। संकल्पनाओं के तरीके तथा इनके अनुप्रयोग। जालों में विद्युत धाराओं के प्रवाह चुंबकत्व। चुंबकत्व वैद्युत। प्ररेण। प्रत्यावर्ती धारायें मेक्सबल के समीकरण दोलानी परिपथ।

(5) आपेक्षितता का विशेष प्रमेय :—गलीलियन सिद्धांत। माइकलसन-मोरलेय प्रयोग। आपेक्षितका के प्रमेय के सिद्धांत। लोरेज रूपांतरण तथा इसके परपद। मैक्सेल के समीकरणों में लोरेज निश्चयर। निर्वात का विद्युत गारेक। द्रस तथा ऊर्जा।

उच्च भौतिकी (कोड-52)

ब्रह्म और ध्वनि के सामान्य गुण धर्म :—विश्लेषण पिडों की यांत्रिकी। कुंडलिनी कमानी केणिका घटनायें। ध्वनि भाषन पराश्रव्यिकी।

ऊष्मा और ऊष्मागतिकी :—ग्राउनी गति। गैसों का अणुगति सिद्धांत। निम्न द्राव पर गैसों में मिलने वाली अभिगमन-धृतनाएं ऊष्मागतिक कार्य और उनके अनुप्रयोगधृतन। कुतियों और गैसों की विशिष्ट ऊष्मा। निम्न तापमान लाना और उन्हें भाषन। विकिरण और ऊर्जा वितरण का पलैक नियम।

प्रकाश विज्ञान :—समाक्ष सममित प्रकाशित तंत्रों का सिद्धांत प्रायोगक स्पेक्ट्रम-विज्ञान। विद्युत चुम्बकीय सिद्धांत प्रकाश प्रकीर्ण। रामन-प्रभाव। ध्रुवण।

विद्युत और चुम्बकत्व :—गाउस-प्रमेय। विद्युतमापी चुम्बकीय ग्रैथिल्य। स्थायी चम्बकों का सिद्धांत। वैद्युत राशियों का भाषन। प्रत्यावर्ती धारा सिद्धांत। साइक्लोट्रान और उच्च वोल्टता के उत्पादन की अन्य विधियां। बेतार तरंगों का प्रेषण और अभिग्रहण। देवीविजन।

३. आधुनिकता भौतिक :—प्रायेक्षिकता का विशेष सिद्धांत । प्रकाश और द्रव्यों की द्वैत प्रकृति । शरोद्दृष्टिजर समीकरण और साधारण मामलों में उनके हल । हाइड्रोजन और हीलियम स्पैक्ट्रा जीमन और स्टार्क प्रभाव । पोली नियम और तत्वों का आवर्ती वर्गीकरण । एक्स किरण और एक्स-किरण स्पैक्ट्रम-विज्ञान । कॉम्पटन प्रभाव । ध्रातुओं में चालन । अतिचालकता । तापायनिकी तापीय आयनन परमाणु नाभिकों के गुणधर्म । द्रव्यमान स्पैक्ट्रम-विज्ञान । मूलकण और उसके गुणधर्म । नाभिकीय अभिप्रियायें । अंतरिक्ष-किरणें । नाभिकीय विखंडन और संलयन ।

उच्च रसायन (कोड-53)

अकार्बनिक रसायन:—परमाणु संरचना । रेडियोऐक्टिवता, प्राकृतिक एवं कृदिम । नाभिकों का विखण्डन और संवयन । सायास्थनिक । रेडियोऐक्टिवमूचक । रेडियोऐक्टिव श्रेणियां । परायुरेनियम तत्व तत्वों और उनके मुख्य यौगिकों, विशेषतः, Be, W, TI, V, MO, HF, ZV तथा दुर्लभ मूदा तत्वों और उनके मुख्य यौगिकों, का रसायन ।

उपसहस्रयोगिता-यौगिक । अंतराग्रावासी तथा अतत्व-योगमितीय यौगिक । मूक्त मूलक । विश्लेषण की पगत भौतिक रासायनिक विधियां ।

कार्बनिक रसायन:—अनुवाद तथा हाइड्रोजनबन्ध विरचन सहित कार्बनिक रसायन के सिद्धांत । महत्वपूर्ण कार्बनिक अभिक्रियाओं की क्रियाविधि समनुरूपण सहित विन्यास-रसायन ।

विभिन्न कार्बनिक यौगिकों के बगाँ, विशेषतः निम्नलिखित बगाँ का रसायन: बहु-शर्कराइड, टर्पीन, प्राकृतिक रंजक द्रव्य ऐलेक्साइड, विटामिनइ महत्वपूर्ण हामोन, मलेरिया रोधक, क्लोरीन कीट-नाशी, मुख्य पातिजैविक, तथा संश्लिष्ट बहुलक ।

भौतिक रसायन:—अणगतिक सिद्धांत, ऊप्सागति की विज्ञान; के तीन नियम तथा भौतिक रसायनिक प्रक्रमों में उनका अनुप्रयोग आणविक संरचना से संबंधित तथा उसका सपष्टीकरण करने वाले भौतिक-रासायनिक गुणधर्म । क्वन्टम-सिद्धांत तथा रसायन में इसका अनुप्रयोग ।

रासायनिक तथा प्रकाश रासायनिक अभिक्रियाओं की विक्रया विधि तथा बलागति की । उत्प्रेरण । अधिलोषण । पृष्ठरसायन । कोलायड । विद्युत-रसायन ।

उच्च वनस्पति शास्त्र (कोड-54)

उम्मीदवारों को भारतीय वनस्पति समूह पर विशेष ध्यान देते हुए, वर्तमान और विलुप्त ज्ञानों प्रकार के वनस्पति जगत के मुख्य समूहों (अर्थात् शेवाल, कवक, ब्रोफाइटा, टेरिडो-फाइटा, जिन्मोस्पर्मे और एजिओस्पर्मे) का उच्च ज्ञान हीना चाहिए ।

वर्गीकरण वनस्पति विज्ञान:—एजियोस्पर्मयू के महत्वपूर्ण समूहों का सामान्य ज्ञान तथा उनके वर्गीकरण के सिद्धांत ।

शारीर:—पादऊपकों का उद्भव, स्वरूप, और विकास और पारस्थितिक तथा कार्यिकीय दृष्टि से उनका वितरण ।

पारस्थितिकी:—भारत की वनस्पति के मुख्य प्रकार, उनका वितरण और वनस्पतिक अध्ययन का महत्व । पादप भूगोल के सिद्धांत ।

कार्यिकी:—पादप कार्य के महत्वपूर्ण कार्यमकाय प्रक्रम का उच्च ज्ञान । इसमें पादप जीव रसायन ज्ञान भी शामिल है ।

पादप रोग विज्ञान:—जीवाणु, कवक, विषाणु द्वारा होने वाले महत्वपूर्ण पादप रोगों तथा आर्थिकी रोगों और उनके नियन्त्रण की विधियों का उच्च ज्ञान ।

आर्थिक वनस्पति विज्ञान:—आर्थिक दृष्टि से उच्चक एवं उपोष्णक ज्ञेयों के विशेष रूप से भारत के महत्वपूर्ण पौधों का अध्ययन ।

सामान्य जीव विज्ञान:—विभिन्नता, आनुवंशिकता क्रम विकास कोशिका—विज्ञान तथा आनुवंशिकी के मूल तत्वों और आधुनिक विकास एवं पादप प्रजनन के सिद्धांतों का ज्ञान ।

उच्च प्राणिविज्ञान (कोड-55)

आकाडटों और कार्डेटों, विशेषकर भारतीय प्राणि समूहों, का वर्गीकरण, जीवपरिस्थिति की, आकारिकी, जीवनवृत्त तथा संबंध ।

अंग-तंत्र का क्रियात्मक आकृतिविज्ञान (रूप संरचना तथा कार्य) । काशेस्ट्रकी भूषणविज्ञान की रूपरेखा ।

प्राणियों का वर्गीकरण, व्यक्तिवृत्त, अनकली समाभिरूपता तथा विषाभिरूपता, पशु, परिस्थिति की, प्रवास तथा रंजन ।

विकास: प्रमाण, वाद और उनकी आधुनिक व्याख्याएं । अनुकूलन, अंतरिक्ष में प्राणियों का वितरण ।

कोशिका, कोशिका-विज्ञान, आनुवंशिकी, लिंग-निर्धारण तथा अंतीं: सक-विज्ञान के ज्ञान में नवीन प्रगतियां ।

भौतिक रसायनिक तथा जैविक कारकों के सामिश्र के रूप में वातावरण तथा व्यक्ति, जनसंख्या और समुदाय के रूप में जीवों की आधुनिक संकल्पना ।

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर निबंध : प्रोटोजोआ तथा रोग, कीट तथा मानव, परजीवी, विज्ञान, अलवण जल तथा समुद्री जीव विज्ञान, सरोवर-विज्ञान तथा मत्स्य-जीवविज्ञान, ज्ञान तथा सभ्यता के लिए महान जीव-वैज्ञानिकों को योगदान ।

उच्च भूविज्ञान (कोड-56)

सामान्य भूविज्ञान :—भूविज्ञान का इतिहास तथा विकास हसकी विभिन्न शाखाएं तथा विज्ञान की अन्य शाखाओं से इसका संबंध । पृथ्वी का उद्भव, विकास, संरचना, रचना, गर्भ तथा आयु । भूप्राकृति-विज्ञान । रेडियोरूबक्टवता तथा भूविज्ञान, भूकंप, विज्ञान, ज्यालामुखी-विज्ञान, भूग्रिभिन्नतियों समास्थितियों में उनका अनुप्रयोग । महाद्वीपों तथा महासागर द्रोणियों का विकास । पृष्ठ एजेन्सियों और अन्तःभूमिका एजेन्सियों की भूवैज्ञानिक क्रिया महाद्वीपीय विस्थापन ।

संरचना तथा क्षेत्र भूविज्ञान-पद्धति विकल्प—रीश विकल्प पर्वतों का उद्भव, स्थल-आकृति तथा खनन सम्बन्धी संरचनाएं । भारत का विवर्तनिक इतिहास । भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण एवं भूमापन की विधियां ।

स्तरिता-शैलविज्ञान तथा जीवाश्म विज्ञान—स्तरित शैल विज्ञान के नियम तथा सह सम्बन्ध । भारतीय स्तरिय शैल विज्ञान का विस्तृत अध्ययन तथा विश्व स्तरित शैल विज्ञान की रूपरेखा

विभिन्न कालों में पृथ्वी, समूद्र, प्राणी समूहों तथा वनस्पति समूहों का विभाजन। जैव-विकास के सिद्धांत। जीवाश्म—उनका महत्व। प्रतिलिपी इलेक्स जीवाश्म तथा सह सम्बन्ध, भारत विशेष संदर्भ में अक्षेत्रिकों का विस्तृत अध्ययन और भूवैज्ञानिक इतिहास।

क्रिस्टल विज्ञान तथा खनिज विज्ञान :—क्रिस्टल आकारिकी क्रिस्टल-विज्ञान के नियम, क्रिस्टल तंत्र तथा वर्ग, प्रकृति यमलन क्रिस्टलों का कोपामापी तथा ऐक्स-क्रियन अध्ययन। परिमाण संरचना। शैल कर तथा आर्थिक खनिजों का भारत में उनके अस्तित्व के विशेष संदर्भ में विस्तृत अध्ययन।

शैल-विज्ञान :—ग्रनेय अवसादी तथा कायन्तरित शैलों का उद्भव और विकास संरचना खनिज घटक, गठन तथा वर्गीकरण का यांत्रण सहित शैलजनन शैलरसायन/उल्का पिण्डों का अध्ययन/मुद्य भारतीय शैल प्रकारे।

आर्थिक भूविज्ञान :—अयस्क उत्पत्ति, आर्थिक खनिजों का वर्गीकरण तथा अयस्क-स्थान निर्धारण। भारत के विशेष संदर्भ में आर्थिक खनिज विक्षेपों का भूविज्ञान। खनिज उद्योगों का स्थान-निर्धारण (1) गुणधर्मों का मूल्यांकन खनिज अर्थशास्त्र खनिजों का संरक्षण तथा उपयोग। राष्ट्रीय खनिज नीति स्ट्रेटेजिक खनिज भूवैज्ञानिक भूभौतिकीय तथा भूरासायनिक पूर्वोक्त तकनीकें तथा उनके अनुप्रयोग। खनन प्रतिचयन अमस्कप्रसाधन तथा अयस्क सज्जीकरण की मुख्य विधियां। भूमि तथा भौमि जल। सामान्य इंजीनियरी समस्याओं में भूविज्ञान का अनुप्रयोग।

उच्च भूगोल (कोड 57)

पर्वतों के दो भाग होंगे:—पहले भाग के अन्तर्गत भारत के विशेष संदर्भ में भौतिक मानव तथा आर्थिक भूगोल का प्रगत अध्ययन होगा।

दूसरे भाग में निम्नलिखित विशेष विषयों का प्रगत अध्ययन शामिल होगा और उम्मीदवार से ग्राशा की जाती है कि उसे कम-रो-कम दो विषयों का ज्ञान होगा:—

भू-आकृति विज्ञान। जलवायु विज्ञान (मौसम के पूर्वानुभान तथा विश्लेषण की नई विधियों सहित) मानविक्तकला (समकोणीय गोलीय त्रीकोण के हूल, थियोडोलाइट के उपयोग, तियर्क विभूष्य आल जैसे प्रगत प्रक्रिये, आदि सहित)। ऐतिहासिक भूगोल। राजनीतिक भूगोल। भौगोलिक विचार तथा खोजों का इतिहास।

अंग्रेजी साहित्य (कोड 58)

प्रश्न पत्र अंग्रेजी साहित्य (1798-1935) के अध्ययन पर आधारित होगा, जिसमें निम्नलिखित रचनाकारों का विशेषाध्ययन अपेक्षित होगा:—

वर्द्धस्वर्थ, कोलरिज, पौली, कीटस, लम्ब, जैन, ग्रीस्टन, कारलाइल, रस्कन, थैकरे, राबर्ट ब्राउनिंग, जार्ज इलियट, जी० एम० हौपिकन्स, शां० डब्ल्यू० बी० यीट्स, गालसबार्डी, जे० एम० सिज, ई० एम० फोस्टर तथा टी० एम० इलियट। स्वयं पुस्तकों पढ़ने का प्रमाण अपेक्षित होगा।

प्रश्न पत्र इस प्रकार बनाए जायेंगे जिससे इन अवधियों की प्रमुख साहित्यिक धाराओं का ज्ञान ही नहीं, प्रपितु उनके भालो-

चनात्मक मूल्यांकन की जांच भी की जा सके। इसमें उस अवधि, की सामाजिक तथा सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से संबंधित प्रश्न भी शामिल किये जा सकते हैं।

भारतीय इतिहास (कोड 59) :—(चन्द्रगुप्त मौर्य से हर्ष तक) मौर्य वंश—साम्राज्य का अभ्युदय तथा दृढ़ीकरण। प्रशासन तथा अर्थ व्यवस्था। साम्राज्य का पतन।

भगद्ध का पतन

शंग तथा कण्व वंश—शौल, चेर तथा पाण्ड्य।

पश्चिम से संपर्क उत्तर भारत—भारत यूनान।

दक्षिण भारत-रोमन व्यापार।

मध्य एशिया तथा भारत।

शक वंश। कुशान वंश।

शत्र्वानक वंश।

एणियाई देशों से भारत का संपर्क—बौद्ध मत का प्रसार।

गुप्त साम्राज्य

भारतीय शास्त्रीय संस्कृति का निर्माण। भारत के और समुद्रपारीय संपर्क। गुप्त वंश का पतन/हृष्ण जाति।

उत्तर भारत बदली हुई अर्थ व्यवस्थाएं तथा राजनीति पर उनका प्रभाव।

वाष्टक तथा चालोक्य वंशों का अभ्युदय।

पल्लवों का अभ्युदय। हर्षवर्धन।

हर्षवर्धन

भारतीय इतिहास (मुगल साम्राज्य 1526—1707 राजनीति इतिहास—(कोड 60)

भारत में मुगल साम्राज्य की स्थापना, इसका दृढ़ीकरण तथा विस्तार। सूर राज्यान्तराव। मुगल साम्राज्य का चरमोत्कर्ष। अकबर, जहांगीर और शाहजहां। मुगलों के फारस तथा मध्य एशिया से संबंध। प्रशासनिक पद्धति का विकास। मुगल दरबार में यूरोप के लोग, प्रारम्भिक पूर्तगाली, फ़ासीसी तथा अंग्रेजी बस्तियां पतन का प्रारम्भ। औरंगजेब, उनके युद्ध तथा नीतियां।

सांस्कृतिक, धार्मिक तथा सामाजिक जीवन --

सांस्कृतिक जीवन तथा कला का विकास, वास्तुकला तथा साहित्य।

धार्मिक आन्दोलन: भक्ति ग्रान्डोलन, सूफीमत, दीने-इलाही। मुगल बादशाहों की धार्मिक नीति।

आर्थिक जीवन, कृषि जीवन। भूधारण पद्धतियां। उद्योग। वाणिज्य तथा अवसाय। आयतन तथा निर्यात परिवहन व्यवस्था। भारत का एक्षर्य।

सामाजिक जीवन: दरबारी जीवन, नागरिक जीवन, ग्रामीण जीवन। वेषभूषा। रीति-रिवाज, खाद्य तथा पेय, मनोरंजन तथा मल, त्योहार, स्त्रियों की सामाजिक स्थिति।

२ भारतीय इतिहास III/1772 से 1950 (कोड 61)

बंगाल तथा दक्षिण भारत में ब्रिटिश सत्ता का दृढ़ीकरण भारत में ब्रिटिश सत्ता का विकास। ईस्ट इण्डिया कम्पनी तथा ब्रिटिश राज्य/सिविल सर्विस, न्याय पद्धति पुलिस तथा सेना का विकास। नई भूमिकर पद्धति तथा भूधारण पद्धति का विकास। ब्रिटिश अवसाय नीति। भारत में ब्रिटिश राज्य का आर्थिक प्रभाव। 1857 का विद्रोह। भारतीय राज्यों के साथ सम्बन्ध विदेश नीति, तथा ब्रह्मा व अफगानिस्तान के साथ सम्बन्ध। आधुनिक उद्योग तथा संचार साधनों का विकास। आधुनिक शिक्षा का विकास, प्रेस का विकास।

भारतीय पुनः आगृति —राजा राम मोहन राय, ब्रह्मसमाज और विद्यासागर, आर्य समाज, यियोसोफिस्ट, रामकृष्ण तथा विवेकानन्द, सैयद अहमद खां सामाजिक सुधार आधुनिक भारतीय साहित्य का विकास।

भारत के राष्ट्रीय आनंदोलन का अस्थुदय : इण्डियन नेशनल कांग्रेस (1885 से 1905) दादाभाई नारोजी, राणाडे, गोखले उग्र राष्ट्रवाद का विकास, विभाजन विरोधी आनंदोलन, स्वदेशी तथा बायकाट आनंदोलन, तिलक व अरबिन्द धोष, होमरूल लीग तथा लखनऊ समझौता।

सांविधानिक विकास—1861 तथा 1862 के अधिनियम, मिन्टो मार्ले सुधार, मौट फोर्ड सुधार, 1935 का अधिनियम।

महात्मा गांधी का राजनीति में प्रवेश तथा स्वतन्त्रता संग्राम। सत्ता-हस्तान्तरण : क्रिप्स मिशन, कैबीनेट मिशन, स्वतन्त्रता अधिनियम तथा विभाजन। 1950 का संविधान। स्वतन्त्र भारत विदेश नीति तटस्थता धर्मनिरपेक्षता की योजना।

ब्रिटिश संविधान का इतिहास (1603 से 1950 तक)। (कोड 62)

ताज बनाम संसदः—

जम्स तथा संसद के बीच सम्बन्ध। अधिकारयाचिका। चार्टर्स तथा परमाधिकार बनाम सामान्य कानून। (गृह युद्ध)।

संविधान प्रवर्तनक—

लांग संसद की सरकार। लिट्स संसद। प्रोटैक्टोरेट। पुनः स्थापन। म्लोरियम रिवॉल्यूशन। बिल आफ एंड्यूस।

ताज, कार्यपालिका तथा संसद।

राजा तथा उनके मंत्री। ताज का प्रभावाधिकार। मन्त्रिमंडल तथा संसद 1936 का राजतन्त्रीय आपातकाल।

संसद का सुधार

सुधार अधिनियम तथा हाऊस आफ कामन्स। हाऊस आफ कामन्स तथा हाऊस आफ लार्ड्स। हाऊस आफ लार्ड्स का सुधार।

कामनवैल्य (राष्ट्रमंडल)

कामनवैल्य का उद्गम तथा विकास। बैसिस्टर का परिनियम कामनवैल्य सहयोग का कार्यान्वयन। कामनवैल्य में ताज की स्थिति।

पूरोपिय इतिहास (1871—1945) (कोड 63)

पूरोप का आध्योगिक विकास—राष्ट्रवाद तथा लोक कांदिक और समाजवादी आनंदोलन का विकास।

जर्मन सामाज्य, “तृतीय फासीसी गणराज्य”, हैन्सवर्ग, राजवंश राजतन्त्री रूप। संघियों और मंत्रियों की नीति।

पूर्व संबंधी (ईस्टर्न) प्रश्न।

सामाज्यवाद का उत्थान तथा निकट पूर्व, मध्यपूर्व अफीका और सुदूरपूर्व में पूरोप के सामाज्यवादी हित।

प्रथम विश्वयुद्ध का उद्गम तथा परिणाम।

रूस की क्राति तथा उसके परिणाम।

वसाई समझौता, राष्ट्रसंघ (लीग आफ नेशंज), विश्व व्यापी निरस्त्रीकारण के प्रयत्न, सुरक्षा की खोज, फासिजम तथा नाजिजम का उदय और उसके अंतर्राष्ट्रीय परिणाम।

द्वितीय विश्व युद्ध।

उच्च अर्थशास्त्र (कोड 64)

आर्थिक विश्लेषण के कृत्य।

मूल्य का सिद्धांत। खपत और मोर्च का सिद्धांत। उत्पादन का संगठन। एकाधिकार का सिद्धांत। एकाधिकार का नियंत्रण।

वितरण का सिद्धांत। किराया। पूंजी का सिद्धांत। धन तथा ध्याज का सिद्धांत। बचत तथा विनियोजन। बैंकिंग तथा उद्यार सम्बन्धी नियम। मजदूरी तथा नियोजन सम्बन्धी सिद्धांत। सामूहिक सौदाबाजी तथा आध्योगिक शान्ति।

राष्ट्रीय ग्राम। आर्थिक प्रगति तथा वितरणास्मक स्थाय।

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का सिद्धांत। विदेशमुद्रा। अदायगियों का शेष।

व्यापारिक चक्र तथा उनका नियन्त्रण। सरकार का आर्थिक योग। आर्थिक कल्याण। लोक (हित) के साधन मूल्यांकन तथा नियमन।

कराधान के सिद्धांत :—कराधान का प्रभाव क्षेत्र, सरकारी कर और व्यय के प्रभाव, घाटे का ग्रथ्य प्रबन्ध और मुद्रान्स्कीति आर्थिक विकास आयोजन।

उच्च भारतीय अर्थशास्त्र (कोड 65)

युद्धकालीन तथा योद्धोत्तर अवधि में आर्थिक विकास प्रारूपिति का साधन सामाजिक संस्थाएं। कृषि उत्पादन तथा वित्त। अन्न संग्रह कृषि उत्पादन का मूल्य निर्धारण तथा वितरण। भूमि सुधार। किसी विकासमयी अर्थ-व्यवस्था में कुटीर तथा लघु उद्योगों का स्थान आधुनिक संगठित उद्योग का विकास। लोक कम्पनियों का नियमन। आध्योगिक सम्बन्ध तथा श्रम (दल) की समस्याएं। समिक्षित ग्रथ्य व्यवस्था। सार्वजनिक क्षेत्र का आधिकार, क्षेत्र तथा दक्षता। भारतीय पूंजी तथा प्रन्यय पद्धति। रिजर्व बैंक का योगदान। जन-संस्थाएं तथा जनसंस्था सम्बन्धी नीति। बेरोजगारी तथा अपूर्ण रोजगारी। भारतीय राष्ट्रीय ग्राम का निर्धारण। विवेशी

व्यापार का नियमन। अदायगियों का शेष भारतीय करारोपण पद्धति संबंधी वित्त। श्राधिक विकास के लिए योजना। कमबद्ध योजनाओं का आकार तथा दांचा। स्वोत तथा कायन्त्रियन की समस्याएं।

हृषस से लेकर आज तक के राजनीतिक सिद्धांत (कोड 66)

ठेका (कान्ट्रैक्ट) तथा प्राकृतिक अधिकारों के सिद्धांत-हाम्स, लोक, हस्सों। प्रभुता के मन्तव्य का विकास। दृतिहासकार-बीको मॉन्टेस्क तथा बर्क। उपयोगितावादी। विकासवादी। आदर्शवादी कॉट, हेगल, ग्रीन, ब्राडले तथा बोसंक वे। रुद्धिवाद तथा उदारवाद। माक्सवाद तथा समाजवाद व साम्यवाद की धाराएं। बहलवाद फासिज्म। मनोविज्ञान का प्रभावी क्षेत्र। पूर्वी देशों में बीसवीं शताब्दी की विचारधाराएं।

राजनीतिक तथा लोक प्रशासन (कोड 67)

राजनीतिक संस्थाएं—आधुनिक राष्ट्रों का विकास संसदीय तथा राष्ट्रपति सहित सरकारें। एक सत्ता तथा संघीय सरकारें। विधानांग कार्यपालिका तथा न्यायपालिका। प्रतिनिधित्व के प्रचार साम्यवादी तथा एक सत्ताधारी सरकारें।

लोक प्रशासन—आधुनिक सरकार में लोक प्रशासन। नीति निर्धारित तथा उच्चतर नियंत्रण न्यायपालिका तथा कार्यपालिका। संगठन, प्रबन्ध, प्रकार तथा माध्यम। नियामक आयोग तथा लोक निगम। कर्मचारी वर्ग प्रशासन-सिविल सेवा तथा इसकी समस्याएं बजट तथा वित्तीय प्रशासन। प्रशासनिक अधिकार। न्यायालयों द्वारा नियंत्रण। लोक सेवा तथा जनता।

अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध (कोड 68)

भाग 1

राष्ट्रीय शक्ति के आधार और सीमाएं।

अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों में शक्ति सिद्धांत तथा नैतिक का स्थान।

अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों में अन्तर्राष्ट्रीय विधि का स्थान।

विदेश नीति के निर्धारण में राष्ट्रीय हित का योग।

शक्ति संतुलन का सिद्धांत।

अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों का स्वरूप और उनके कार्य।

संयुक्त राष्ट्र संघ, उद्देश्य, संरचना और कार्य प्रणाली।

भाग 2

प्रथम विषयुद्ध के मूल कारण तथा शांति “समझौते” का स्वरूप।

राष्ट्रसंघ (लीग आफ नेशंज) तथा दोनों युद्धों के बीच के वर्षों में सामूहिक सुरक्षा प्रणाली की स्थापना के लिए किए गए प्रयत्न।

द्वितीय विश्व युद्ध के मूल कारण।

परमाणु युग तथा परंपरागत अन्तर्राष्ट्रीय संबंध पर इसके प्रभाव।

“शीत युद्ध” तथा विश्व राजनीति पर इसके प्रभाव।

नए राष्ट्रों का अम्बुदय तथा अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों पर प्रतिमान में परिवर्तन।

संयुक्त राज्य अमेरिका, सोवियत संघ, चीन, भारत तथा निम्नलिखित में से किसी एक देश की विदेश नीति:—
ग्रेट ब्रिटेन, जापान, जर्मनी तथा फ्रांस।

उच्च अमूर्त विषय विभाग (ज्ञान-नामांसा सहित) (कोड-69)

उम्मीदवारों से यह आशा की जाएगी कि वे कान्ट से लेकर आज तक के प्रमुख दार्शनिकों (नामतः कान्ट, हीगल, ब्राउले, रायस, कोचे, मूर, यसल, जेम्स, शिल्लर, ड्यूई, वगसन एलेव्साप्टर, हार्डिंग, विटगनस्थाईन, अयर हार्मडगर तथा फार्मुला।

निम्नलिखित विषयों में से किसी पर भी प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

ज्ञान के स्रोत, तत्व, भिन्न-भिन्न रूप। उसकी सीमाएं मापदण्ड तथा समाजविज्ञान।

सत्य, मिथ्या, मूल।

वास्तविकता के सिद्धांत। वास्तविकता। जीवन और श्री अस्तित्व। एकत्रवाद, द्वैतवाद, बहुलवाद, प्रकृतिवाद, अनीश्वरवाद, ईश्वरवाद, मोक्षवाद और रहस्यवाद। हेगलोत्तर आदर्शवाद। नवीन यथात्वाद। मौलिकवाद, अनुभूतिवाद। उपयोगितावाद।

उपकरणवाद। मानववाद-प्रकृतिवादी और धार्मिक।

तार्किक प्रत्यक्षवाद, अस्तित्ववाद, अनीश्वरवादी और ईश्वरवादी। आगमन की समस्याएं, प्राकृतिक नियम, सापेक्षावाद ईश्वर और अनिश्वरवाद के सम्बन्ध में दर्शन के क्षेत्र में नवीन विचार-धाराएं।

उच्च मनोविज्ञान प्रयोगात्मक मनोविज्ञान सहित (कोड 70)

मनोविज्ञान की विषय-बस्तु, क्षेत्र और पद्धतियां, अन्य विज्ञानों से इसका सम्बन्ध।

आनुवंशिकता और परिवेश सम्बन्धी विद्यावाद मानव के विकास पर इन दोनों के सापेक्षिक प्रभाव सम्बन्धी प्रयोगात्मक अध्ययन।

अभिप्रेरण एवं संवेग की समस्याएं। कुंठा और विग्रह; विग्रहों के प्रकार। आत्मरक्षात्त्व—अभिव्यंजक गतिविधियों से संबंधित अध्ययन; मनोधारानुक्रिया (PGR) असत्य परिचय।

संबोधना और अनुभूति—मनोवैज्ञानिक पद्धतियां, देश-प्रत्यक्ष ज्ञान, शाश्वत, संगठन के कारक; गत्यात्मक, व्यक्तित्व तथा सामाजिक कारकों का योग; अन्तर्बोक्तिक अनुभूति।

अधिगम स्मृति, विस्मरण और चित्तन के अध्ययन की प्रायोगिक पद्धतियां—अधिगम और सिद्धांत—अर्थ का स्वभाव।

व्यक्तित्व मनोविज्ञान—निर्धारित तत्व, गृण, किस्म, परिमाप, और सिद्धांत, व्यक्तित्व का मूल्यांकन—व्यक्तित्व के आचरण मूलक माप-क्रम निर्धारण मान, नाम-निर्देशक तकनीकें प्रश्नावलियां तथा तालिकाएं, अभिवृति मान, प्रक्षेपीय परीक्षण।

व्यक्तिगत भेद—प्रज्ञा और अभिवृत्तियों का स्वभाव एवं नाप। परीक्षण विच्छास-इकाई विश्लेषण। परीक्षण मान और मानक मापों की विश्वसनीयता और वैद्यता-कारक विश्लेषण-सिद्धांत।

मनोविज्ञान के मत और संहृतियां—मनोविज्ञान के परंपरावादी मत और मुख्य समवालीन संज्ञियां, फायडवादी, नव-फायडवादी नव-प्राच्र-श्रावणवादी, पूर्णकार (गेस्टल) और प्रयोग-जोनीय सिद्धान्त ।

भारत की संविधान विधि (कोड 71)

ऐतिहासिक पूष्टभूगि—भारत के संविधान का विकास जिसमें 1861 के इंडियन काउंसिल एकट से 1950 तक के भारतीय संविधान में प्रतिनिधि तथा उत्तरदायी सरकार के विकास का विशेष रूप से प्रश्न होंगे ।

सामान्य तत्व; कल्याणकारी राज्य का आदर्श भारतीय संविधान का प्राकृत्यन तथा राज्य की नौति के मार्ग दर्शन सिद्धान्त, केन्द्रवर्ती तथा संघात्मक शासन पद्धतियों की मान्यताएं मंत्रिमंडलीय पद्धति, विधिनियम की यथावत् पद्धति, न्यायिक पुनरेक्षण, संविधानिक प्रधान, भारतीय संविधान के प्रमुख तत्वों का संयुक्तगण राज्य, संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा तथा आस्ट्रेलिया के संविधानों से तुलना ।

अधिकारों का विभाजन, अधिकारों का पार्शक्य का सिद्धान्त ।

विधानांग

विधायी कार्य-विधि, विधानांग को विशेषाधिकार, विधायी अधिकारों का प्रत्यायोजन ।

कार्यपालिका :—अध्यक्षीय तथा संसदीय, कार्यपालिका, सेवाओं तथा लोक-सेवा आयोगों से संबंधित प्रावधान, विधिशासक का सिद्धान्त ।

न्यायपालिका :—प्रशासनिक एवं अर्थ-न्यायिक प्राधिकारियों का न्यायपालिका द्वारा नियंत्रण-रिट के अधिकार-क्षेत्र की व्यापि स्वतन्त्रता न्यायपालिका ।

विधायी अधिकारों का विभाजन, द्विटी पावर के विशेष परिवेश में अधिकारों के विभाजन के सिद्धान्त, कर लगाने का अधिकार; संविधानी (संविधान संशोधन) अधिकार; अवधिकार, अधिकारों के विभाजन संबंधी न्यायिक मिद्दान्त ;

मूलभूत अधिकार—संविधान में प्रत्याभूत विधिश मूलभूत अधिकारों का रूप तथा उनका प्रभाव विस्तार ।

नोट :—उम्मीदवारों से प्रत्याशा की जाती है कि उन्हें भारत के संविधान का पाठ्य-चान, संविधान के संषेधनों का तथा सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों का कुण्ठन ज्ञान है ।

विधिशास्त्र (कोड 72)

विधिशास्त्र—परिभाषा तथा क्षेत्र, विधिशास्त्र के विभिन्न मतवाद । विधिनियम, विधिनियम तथा आदर्श, विधिनियमों का विकास, प्राकृतिक नियम राज्य के विधिनियम; विधिनियम की अनुलंघनीयता का सिद्धान्त; विधिनियम नी समाजकातावादी सिद्धान्त; विधिनियम के प्रकार; सिविल विधिनियम; दंडविधि नियम; स्थायी तथा प्रक्रिया संबंधी विधिनियम व्यक्तिगत विधि-नियम तथा सामाजिक विधिनियम, अंतर्राष्ट्रीय विधिनियम; विधिनियम तथा न्याय विधिनियम तथा समानता, विधिनियम

के अनुसार, न्याय; न्याय-प्रशासन प्रभुत के बारे में मान्यताएं तथा सिद्धान्त ।

प्रथा, न्यायिक पूर्व निर्णय, विधान संहृताकरण विधि के तत्व न्यायिक मान्यताओं का विश्लेषण तथा वर्गीकरण; व्यक्तित्व; अधिकारी कर्त्तव्य, स्वतन्त्रता शक्ति उन्मुक्ति; अयोग्यता, स्तर, कब्जा, स्वामित्व; पट्टा न्यास, सुविधाधिकार, सुरक्षा हानि, उत्तर-दायित्व, दायित्व, अधिनियम, नीयत, उद्देश्य, लापरवाही; स्वत्व, निरभोगाधिकार, उत्तराधिकार तथा वसीयतें । विधिनियम संबंधी मान्यताओं का विकास, संविदा का विकास, जिह्वा, अपराध सम्पत्ति, तथा वसीयत, न्यायिक विचारधारा में वर्तमान विचार धारा ।

अरबी साहित्य में प्रतिबिम्बित मध्ययुगीन सभ्यता (570 ई०—1650 ई०) (कोड : 73)

इस प्रश्न पत्र में उम्मीदवारों के भूगोल, इतिहास और सामाजिक राजनीतिक तथा धार्मिक क्रम-विकास और प्रगति विषयक ज्ञान की जांच की जाएगी ।

फारसी साहित्य में प्रतिबिम्बित मध्ययुगीन सभ्यता (570 ई० 1650 ई०) (कोड 74)

इस प्रश्न पत्र में उम्मीदवारों के भूगोल, इतिहास, और सामाजिक राजनीति तथा धार्मिक क्रम-विकास और प्रगति विषयक ज्ञान की जांच की जाएगी ।

प्राचीन भारतीय सभ्यता और वर्षन शास्त्र (कोड 75)

2000 ई० प्र०—1200 ई० तक भारतीय सभ्यता दर्शन और विचार धारा का इतिहास ।

टिप्पणी :—इस प्रश्नपत्र में उम्मीदवारों के भूगोल, इतिहास और सामाजिक राजनीतिक तथा धार्मिक क्रम-विकास और प्रगति विषयक ज्ञान की परीक्षा की जाएगी । ऐसे प्रश्न भी पूछे जा सकते हैं जिन में पुरातत्व सम्बन्धी खोजों की जानकारी अपेक्षित हो ।

मानक विज्ञान (कोड 76)

(क) भौतिक मानव विज्ञान :—इसकी परिभाषा और क्षेत्र। भौतिक मानव विज्ञान का अन्य विज्ञानों से सम्बन्ध । मानवजाति का क्रम विकास, वानरणों में मानव का स्थान—उसका पैरेनियैकस से लगाकर आस्ट्रा लार्टिक्यैकस तक प्रीहृष्टमैन तथा प्रोटोलूमैन जातियों से सम्बन्ध-पैलैग्रान्धार्मिक मानव पिथैन्हैन्सोपस तथा नीन्थ्रोपिक । मानव—ओमैगनन, ग्रिमालडी तथा चान्सेलेड-होमसेपिग्रन्स ।

मानव में जातिगत अन्तर तथा जातीय वर्गीकरण-शरीर रखना सम्बन्धी, रक्त वर्गीय तथा वानुवंशिक /जातियों के निर्माण में श्रानुवंशिकता तथा परिवेश का प्रभाव । मानव की उत्पत्ति के सिद्धान्त—मैडेलियन नियम जैसे कि वे मानव पर लागू होते हैं ।

मानव का शरीर विज्ञान :—आहार-पोषण, अन्तः प्रजनन तथा वर्ण संकरीकरण के प्रभाव पाषाणकाल से सिंधुधारी सभ्यता

तथा मध्य और दक्षिण भारत की महापाषाण संस्कृतियों तक भारत में मानव के प्रसार का इतिहास। जातीय वर्ग और भारत में उनका वितरण।

(ख) सामाजिक (सांस्कृतिक) मानव विज्ञान :—क्षेत्र तथा कार्य। समाज शास्त्र, सामाजिक मनोविज्ञान तथा पुरातत्वशास्त्र से सम्बन्ध। सांस्कृतिक, मानव-विज्ञान के विभिन्न मत—विकास-वादी, ऐतिहासिक कार्यात्मक और सांस्कृतिक। मानव समाज का गठन तथा विकास।

आर्थिक संगठन :—प्रारंभिक शिकार तथा खाद्य संग्रह की अवस्था, पशुपालन, कृषि, परवर्ती कृषि, सघन कृषि, औजारों का प्रयोग।

राजनीतिक संगठन :—दल, जनजातियों तथा दुहरा संगठन, जनजाति-परिषदें, मुख्यियों के कार्य।

सामाजिक संगठन :—विवाह तथा परिवारिक रचना के प्रकार, मातृसत्ताक, पितृसत्ताक, बहुपत्नीव, बहुपतित्व, अर्हिजातीय विवाह तथा संग्रीवविवाह, स्त्रियों की स्थिति, उत्तराधिकारी तथा तलाक;

आद्य धर्म :—टोटमपाद, निषेध, गर्भाधान के अधिकार, नर-हस्त्या तथा नर बलि।

कथा, संगीत, लोक नृत्य तथा खेलकूद। दलगत सम्बन्ध, विवाह निर्णय, न्याय तथा दण्ड-सम्बन्धी मान्यताएं।

बौद्धिक विकास का स्तर, विशेष रुचियों और योग्यताएं, आदि मानव के आचरण और प्रान्तपालों के केन्द्रीयतावाद की पृष्ठभूमि में भावनारेमक आवश्यकताएं।

व्यक्तित्व का निर्माण तथा व्यक्तित्व और आदिम समाज में उसके योगदान का विकास।

आदिम जातियों का संस्कार तथा सम्पर्क का उन पर प्रभाव बस्तियों का उजड़ना और उसके कारण। आर्थिक तथा मनोविज्ञानिक कुण्ठन। अमरीका, अफ्रीका तथा श्रीशियाना में आदिम जनजातियों का ह्रास। भारतीय जनजातियों में जन-संख्या का ह्रास तथा उसको रोकने के उपाय।

(ग) जातित्व के आधार पर भारतीय जनजातियों में से किसी एक का गहन अध्ययन

1. भारत की उत्तर-पूर्वी सीमान्त वासी आदिम जनजातियां।
2. नागा पहाड़ियों—तैवान सांग क्षेत्र की जनजातियां।
3. आसाम की स्वायत्ता प्राप्त जनजातियां—खासियां, गारो, मिक्रि तथा लुशाई।
4. छोटा नागपुर तथा मध्य भारत की आर्थिक जनजातियां।
5. दक्षिण भारत की, नीलगिरि पर्वत निवासी जनजातियां सहित, जनजातियां।
6. अन्धमान तथा निकोबार द्वीप समूह की जनजातियां।

टिप्पणी :—उम्मीदवारों को भाग (ग) तथा (क) अथवा (ख) में से पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

उच्च समाज शास्त्र (कोड 77)

समाज शास्त्र के स्वरूप, विस्तार तथा प्रणाली के संबंध में विभिन्न विचार।

समाजशास्त्रीय विचारक-मार्क्स, बेवर, डर्लहम तथा उनके आधुनिक द्वार्थ्याता।

सामाजिक संरचना तथा कार्य के सम्बन्ध में सिद्धान्त—प्रगति, विकास तथा परिवर्तन—अन्तर्दृन्द तथा एकीकरण स्तर, भूमिका, भूमिका विरूपण तथा भूमिका अन्तर्दृन्द—सामाजिक—तत्त्व—सामाजिक मानक, नियंत्रण, अनुसमर्थन तथा विचलन पुरस्कार तथा दण्ड।

मुख्य सामाजिक संरचनाएं तथा संस्थाएं, परिवार तथा संग्रोहता।

आर्थिक, राजनीतिक, विधिसम्मत, तथा धार्मिक संस्थाएं—शिक्षा अधिकारी वर्ग—सामाजिक स्तरीकरण (जिसमें जाति, वर्ग तथा विशिष्ट वर्ग शामिल हैं)।

समाजशास्त्र में अनुसंधान प्रणाली, सर्वेक्षण, प्रश्नपत्रक तथा साक्षात्कार—निवाप तथा अनुमाप तकनीक—साक्षेदार तथा गेर-साक्षेदार पर्यावरण—सूक्ष्म तथा बहुत प्रणालियां—समाजशास्त्र में प्रयोग—लघु समूह अनुसंधान प्रणाली।

सामाजिक परिवर्तन में समाजशास्त्रियों की भूमिका।
भारत का समाजशास्त्र

परिवार संगोष्ठी तथा विवाह—जाति—राजनीति में जाति की भूमिका—ग्रामीण तथा नगरीय समुदाय—राष्ट्रीय एकीकरण की समस्यायें : प्रादेशिकता, भाषावाद, साम्प्रदायिकता तथा राष्ट्रीयता।

अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन जातियों तथा पिछड़े वर्ग।
असमानता की समस्या।

आर्थिक विकास के सामाजिक पहलू, योजना औद्योगीकरण तथा नगरीयकरण।

पंचायत्राज तथा स्थानीय राजनीति।

आधुनिक भारत में सामाजिक आन्दोलन : सामाजिक सुधार आन्दोलन, पिछड़े वर्गों का आन्दोलन, भूदान तथा ग्रामदान और “पुनरुद्धार-वृत्ति” आन्दोलन भूमि संबंधी तथा विद्यार्थी-श्रशान्ति।

टिप्पणी :—उम्मीदवारों से अपेक्षा वी जाएगी कि वे तथ्यों द्वारा सिद्धांतों का निरूपण करें तथा सिद्धांतों की सहायता से समस्याओं का विश्लेषण करें। उनसे भारतीय समस्याओं की विशेष जानकारी अपेक्षित होगी।

खण्ड (घ)

[परिशिष्ट 2 की धारा 1 की उपधारा (ख) के अन्तरार]

व्यक्तित्व परीक्षा :—एक बोर्ड उम्मीदवार का इंटरव्यू लेगा। इस बोर्ड के सामने उम्मीदवार के कैरियर का वृत्त होगा। उससे सामान्य रुचि की बातों पर प्रश्न पूछे जायेंगे। यह इन्टरव्यू इस

उद्देश्य से होगा कि सक्षम और निष्पक्ष प्रेक्षकों वा बोर्ड यह जान सके कि जिस सेवा या सेवाओं के लिए उम्मीदवारों ने आवेदन-पत्र दिया है, उसके/उसके लिए वह व्यक्तित्व की दृष्टि से उपयुक्त है या नहीं/यह परीक्षा उम्मीदवार की मानसिक क्षमता को जांचने के अधिप्राय से की जाती है। मोटे तौर पर इस परीक्षा का प्रयोग जन बास्तव में न केवल उसके वैधिक गुणों अपितु उसके सामाजिक लक्षणों और सामाजिक घटनाओं में उसकी रुचि का भी मूल्यांकन करना है। इसमें उम्मीदवार की मानसिक सतर्कता, आलोचनात्मक ग्रहण-शक्ति, स्पष्ट और तर्कसंगत प्रतिवादन करने की शक्ति, संतुलित निर्णय की शक्ति, रुचि की विधिता और गहराई, नेतृत्व और सामाजिक संगठन की योग्यता, बौद्धिक और नैतिक ईमानदारी आदि की भी जांच की जाती है।

2. इंटरव्यू में पूरी तरह से परीक्षा (Cross-Examinations) की प्रणाली नहीं अपनाई जाती। उसमें स्वाभाविक वार्तालाप के माध्यम से उम्मीदवार के मानसिक गुणों का उद्घाटन करने का प्रयत्न किया जाता है, परन्तु यह वार्तालाप एक विशेष दिशा में और एक विशेष प्रयोजन से किया जाता है।

3. व्यक्तित्व परीक्षा उम्मीदवारों के विशेष या सामान्य ज्ञान की जांच करने के प्रयोजन से नहीं की जाती, क्योंकि इसकी जांच तो लिखित प्रश्न पत्रों में पहले ही हो जाती है। उम्मीदवारों से आशा की जाती है कि वे केवल अपने विद्याध्ययन के विशेष विषयों में ही समझ-सूझ के साथ रुचि न लें, परन्तु वे उन घटनाओं में भी जो उसके चारों ओर अपने राज्य या देश के भीतर और बाहर घट रही हैं, तथा आधुनिक विचाराधाराओं में भी उन नई खोजों में भी रुचि लें जोकि एक सुशिक्षित युवक में जिज्ञासा उत्पन्न करती है।

परिशिद्ध 3

आई० ए० एस० आदि परीक्षा के द्वारा जिन सेवाओं में भर्ती की जा रही है उसका सक्षिप्त व्यारा :—

1. भारतीय प्रशासन सेवा—(क) नियुक्तियां परख पर की जाएंगी जिसकी अवधि दो वर्ष की होगी परन्तु शर्त यह है कि कुछ शर्तों के अनुसार उसे बढ़ाया भी जा सकेगा। सफल उम्मीदवार को परख की अवधि में, भारत सरकार के निर्णय के अनुसार निश्चित स्थान पर और निश्चित रीति से कार्य करना होगा और निश्चित परीक्षाएं पास करनी होंगी।

(ख) यदि सरकार की राय में, किसी परखाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्य-कुशल होने की संभावना न हो, तो सरकार उसे तत्काल सेवामुक्त कर सकती है।

(ग) परख अवधि के समाप्त होने पर, सरकार अधिकारी को सेवा में स्थायी कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवामुक्त कर सकती है या उसकी परख-अवधि को, जितना उचित समझे, तो कुछ शर्तों के अनुसार बढ़ा सकती है।

(घ) भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी, से केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के अन्तर्गत भारत में या विदेश में किसी भी स्थान पर सेवाएं ली जा सकती है।

(ङ) वेतनमान :—

जूनियर :—रु 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300।

बरिष्ठ वेतनमान :—

(i) समय वेतनमान :—

रु 1200 (छठे वर्ष या उसके पहले)-50-1300-60-1600-द० रो०-60-1900-100-2000

(ii) चयन प्रेडः

रु 2000-125/2-2250।

इनके अतिरिक्त अधिसमय-मान पद भी होते हैं जिनका वेतन रु 2500 से रु 3500 तक होता है और जिन पर भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की पदोन्नति हो सकती है।

मंहगाई भत्ता अखिल भारतीय सेवाएं (मंहगाई भत्ता) नियम, 1972 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार मिलेगा।

परखाधीन अधिकारियों की सेवा जूनियर समय में प्रारंभ होगी और उन्हें परख पर बताई गई अवधि को समय-मान में वेतन बृद्धि छुट्टी या पेंशन के लिए गिनते की अनुमति होगी।

(च) भविष्य निधि :—भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी, अखिल भारतीय सेवा (भविष्यनिधि) नियमावली, 1955 से शासित होते हैं।

(छ) छुट्टी :—भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी अखिल भारतीय सेवा (छुट्टी) नियमावली, 1955 से शासित होते हैं।

(ज) डाक्टरी परिचर्या :—भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को अखिल भारतीय सेवा (डाक्टरी परिचर्या) नियमावली, 1964 के अन्तर्गत अनुमात्य डाक्टरी परिचर्या की सुविधाएं पाने का हक है।

(झ) सेवा निवृत्त लाभ :—प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर नियुक्त किए गए भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी अखिल भारतीय सेवा (मृत्यु व. सेवा निवृत्ति लाभ 71) नियमावली, 1958 द्वारा शासित होते हैं।

2. भारतीय विवेश सेवा :—(क) नियुक्ति परख पर की जाएंगी जिसकी अवधि पर 2 वर्ष होगी जिसे बढ़ाया जा सकता है। सफल उम्मीदवारों को भारत में लगभग 2 मास तक रहना होगा। इसके बाद उन्हें तृतीय सचिव या उप-कॉर्सुल बनाकर उन भारतीय मिशनों में भेज दिया जाएगा जिनकी भाषाएं उनके लिए अनिवार्य भाषाओं के रूप में नियत की गई हो। प्रशिक्षण की अवधि में परखाधीन अधिकारियों को एक या अधिक विभागीय परीक्षाएं पास करनी होगी, इसके बाद ही वे सेवा में पक्के हो सकेंगे।

(ख) सरकार के लिए संतोषजनक रूप से परख-अवधि के समाप्त होने और निर्धारित परीक्षाएं पास करने पर ही परखाधीन अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर पक्का किया जाएगा। परन्तु

यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे सेवा मुक्त कर सकती है या परख अधिकारी को, जितना उचित समझे, बदा सकती है या यदि उसका कोई मूल पद (सबर्टेटिव पोस्ट) हो तो उस पर वापस भेज सकती है।

(ग) यदि सरकार की राय में किसी परखाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो तो या उसे देखते हुए उसके विदेश सेवा के लिए उपयुक्त होने की संभावना न हो तो सरकार उसे तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है या यदि उसका कोई मूल पद हो तो उस पर वापस भेज सकती है।

(घ) वेतन मात्र :—

कनिष्ठ वेतनमात्र : रु० 700-40-900-द० रो० 40-1100
50-1300

वरिष्ठ वेतनमात्र —रु० 1200 (छठे वर्ष या उससे पहले)
50-1300-50-1600-द० रो० 60-1900-100-2000

इनके अतिरिक्त अधिसमय-मान पद भी होते हैं जिनका वेतन रु० 2000 से रु० 3500 तक होता है और जिन पर भारतीय विदेश सेवा अधिकारियों की पदोन्नति हो सकती है।

(ङ) परख अवधि में परखाधीन अधिकारी को इस प्रकार वेतन मिलेगा :—

पहले वर्ष—रु० 700 प्रति मास।

दूसरे वर्ष—रु० 740 प्रति मास।

तीसरे वर्ष—रु० 780 प्रति मास।

टिप्पणी 1—परखाधीन अधिकारी को परख पर बिताई गई अवधि, समय-मान, में वेतन-बूँदि, छुट्टी या पैंशन के लिए गिनने की अनुमति होगी।

टिप्पणी 2—परखाधीन अधिकारी की परख-अवधि में वार्षिक वेतन-बूँदि तभी मिलेगी जबकि वह निर्धारित परीक्षाएं (यदि कोई हों) पास कर लेगा और सरकार को संतोषप्रद-प्रगति करके दिखाएगा। विभागीय परीक्षाएं पास करके अग्रिम वेतन बूँदियां भी अंजित की जा सकती हैं।

टिप्पणी 3—परिवीक्षाधीन के तौर पर नियुक्ति से पूर्व सावधि पद के अतिरिक्त मूल रूप से स्थायी पद पर रहने वाले सरकारी कर्मचारी का वेतन एफ० आर० 22-बी० (1) के अधीन दिया जाएगा।

(च) भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी से भारत में या भारत के बाहर किसी भी स्थान पर सेवाएं की जा सकती हैं।

(छ) विदेश में सेवा करते समय, भारतीय विदेश सेवा के अधिकारियों को उनकी हैसियत (Status) के अनुसार विवेश-भत्ते मिलेंगे जिससे कि वे नौकर-चाकरों और जीवन-निवाह के खर्च को पूरा कर सकें, और अधिक्षय (एन्टरटेनमेंट) सम्बन्धी अपनी विशेष जिम्मेदारियों को भी निभा सकें। इसके अतिरिक्त, विवेश में सेवा करते समय, भारतीय विदेश सेवा के अधिकारियों को निम्नलिखित रियायतें भी मिलेंगी :—

(1) हैसियत के अनुसार मुफ्त सुसज्जित मकान।

(ii) सहायता प्राप्त डाक्टरी परिचर्या योजना (Assisted) Medical Attendance Scheme के अन्तर्गत डाक्टरी परिचर्या की सुविधाएं।

(iii) भारत आने के लिए वापसी हवाई यात्रा का किराया जो अधिक से अधिक दो बार और विशेष आपाती स्थितियों, (emergencies) में ही दिया जाएगा, (जैसे—भारत में स्थित किसी निकटतम सम्बन्धी की मर्त्य या सख्त बीमारी अवश्य पुक्ती का विवाह)।

(iv) भारत में पहले वाले 8 से 21 वर्ष तक की आयु वाले बच्चों के लिए वर्ष में एक बार वापसी हवाई यात्रा का किराया, ताकि वे लम्बी छुट्टियों में भासा-पिता से मिल सकें। परन्तु इस रियायत पर कुछ शर्तें लागू होंगी।

(v) 5 से 18 वर्ष तक की आयु वाले अधिक से अधिक दो बच्चों के लिए समय-समय पर सरकार द्वारा निर्धारित दरों पर शिक्षा भत्ता।

(vi) विदेश में प्रशिक्षण के लिए जाते समय और सेवा में पक्का होने पर सज्जा भत्ता (out fit allowance) अधिकारी के सेवाकाल को विभिन्न अवस्थाओं में भी निर्धारित नियमों के अनुसार दिया जाता है। साधारण सज्जा भत्ते के अतिरिक्त, विशेष सज्जा भत्ता भी उन अधिकारियों को दिया जा सकता है जिन्हें असाधारण रूप से कठोर जलवाया वाले देशों में तैनात किया जाए।

(vii) विदेश में कम से कम दो वर्ष सेवा करने के बाद, अधिकारियों, उनके परिवारों और नौकरों के लिए छुट्टी पर घर जाने का किराया।

(ज) समय-समय पर संशोधित पुनरीक्षित छुट्टी नियमावली 1933 कुछ तरमीमों के साथ इस सेवा के सदस्यों पर लागू होगी। विदेशों में की गई सेवा के लिए भारतीय विदेश सेवा अधिकारियों को, भारतीय विदेश सेवा (PLCA) नियमावली, 1961 के अन्तर्गत अतिरिक्त छुट्टियां मिलेंगी, जो पुनरीक्षित छुट्टी नियमावली के अन्तर्गत मिलने वाले छुट्टी के 50 प्रतिशत तक होंगी।

(झ) भविष्य निधि:—भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी सामान्य भविष्यनिधि/(केन्द्रीय सरकार) नियमावली, 1960 द्वारा शासित होते हैं।

(ञ) सेवा निवृत्त स्थान—प्रतियोगिता परीक्षा के प्राप्तार पर नियुक्त किए गए भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी उदारीकृत (Liberalised) पैंशन नियमावली, 1950 द्वारा शासित होते हैं।

(ट) भारत में रहते समय, अधिकारियों को वही रियायतें मिलेंगी जो उनके समक्ष या समान हैसियत (Status) वाले सरकारी कर्मचारियों को मिल सकती हैं।

2. भारतीय पुलिस सेवा—(क) नियुक्ति परख पर की जाएगी जिसकी अवधि दो वर्ष की होगी और उसे बदाया भी जा सकेगा। सफल उम्मीदवारों को परख की अवधि में भारत सरकार

के निर्णय के अनुसार निश्चित स्थान पर और निश्चित रीति से कार्य करना होगा और निश्चित परीक्षाएं पास करनी होंगी।

(ख) जैसा कि भारतीय प्रशासनिक सेवा के खण्ड (ख)
(ग) और (ग) में दिया गया है।

(घ) भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी से केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के अन्तर्गत, भारत में या विदेश में किसी भी स्थान पर सेवाएँ ली जा सकती हैं।

(ङ) वेतनभास :—

कनिष्ठ वेतनमान—रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300।

वरिष्ठ वेतनमान—रु० 1200 (छठे वर्ष या उससे पहले) 50-1700।

चयन ग्रेड—रु० 1800

पुलिस उप महानिरीक्षक—रु० 2000-125/2-2250।

पुलिस कमिशनर, कलकत्ता और बम्बई—रु० 2250-125/2-2500।

पुलिस महानिरीक्षक—रु० 2500-125/2-2750।

निदेशक, खुफिया ब्यूरो—रु० 3500।

मंहगाई भत्ता अखिल भारतीय सेवा (मंहगाई भत्ता) नियम, 1972 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अदेशों के अनुसार मिलेगा।

(च)

(छ) जैसा कि भारतीय प्रशासनिक सेवा के खण्ड (ज) (च), (छ), (ज) और (झ) में दिया गया है।

(झ)

4. दिल्ली और अण्डमान, मिकोबार द्वीप समूह पुलिस सेवा, समूह ख

(क) नियुक्तियां दो वर्ष के लिए परिवीक्षाधीन रहेंगी जो, सक्षम प्राधिकारियों के निर्णय के अनुसार बदाई भी जा सकती है परख पर नियुक्त उम्मीदवार को केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण लेना होगा और विभागीय परीक्षाएं देनी होंगी।

(ख) यदि सरकार की राय में, किसी परखाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्यकुशल होने की सम्भावना न हो, तो सरकार उसे तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है।

(ग) जब यह घोषित कर दिया जाएगा कि अमुक अधिकारी ने संतोषजनक रूप से अपनी परख-प्रबंधि समाप्त कर ली है तो उसे सेवा में पक्का कर दिया जाएगा। यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवा-मुक्त कर सकती है या उसकी परख-प्रबंधि को, जितना उचित समझे बढ़ा सकती है।

(घ) वेतनमान :—

ग्रेड I (चयन ग्रेड)—रु० 1100-50-1500।

ग्रेड II समयमान—रु० 650-30-740-35-8 10-द० रो० 35-8 0-40-1000-द० रो०-40-1200।

किसी प्रतियोगिता परीक्षा के परिणामों के आधार पर भर्ती किए जाने वाले व्यक्ति को सेवा में नियुक्ति पर समय वेतनमान का न्यूनतम वेतन प्राप्त होगा, बशर्ते यदि वह सेवा में नियुक्ति से पहले मूल रूप से सावधिक पद के अतिरिक्त स्थायी पद पर कार्य करता था, सेवा में परिवीक्षा की प्रबंधि में उसका वेतन मूल-नियम 22-ख (1) के परन्तुके अधीन विनियमित किया जाएगा सेवा में नियुक्ति किए गए अन्य व्यक्तियों के लिए वेतन और वेतन बृद्धियां मूल नियमों के अनुसार विनियमित होंगी।

(च) सेवा के अधिकारियों को परिशोधित केन्द्रीय वेतन मान प्राप्त करने वाले कर्मचारियों पर लागू केन्द्रीय सरकार की दरों पर मंहगाई भत्ता प्राप्त करने का हक होगा।

(छ) मंहगाई भत्ता और मंहगाई वेतन के अतिरिक्त इस सेवा के अधिकारियों को, प्रतिकर (नगर) भत्ता मकान किराया भत्ता और पहाड़ी स्थानों तथा सुदूर स्थानों में रहन-सहन के बड़े खर्च को पूरा करने के लिए अन्य भत्ते दिए जाएंगे, यदि उन्हें ड्यूटी पर या प्रशिक्षण के लिए एसे स्थानों पर भेजा जाएगा और उन स्थानों के लिए ये भत्ते अनुमत्य होंगे।

(ज) इस सेवा के अधिकारी दिल्ली, अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह पुलिस सेवा नियमावली, 1971 और इस नियमावली को लागू करने के प्रयोजन से केन्द्रीय सरकार द्वारा दी जाने वाली हिवायतें अथवा बनाए जाने वाले अन्य विनियम लागू होंगे। जो मामले विशिष्ट रूप से उक्त नियमों या विनियमों प्रथवा उनके अन्तर्गत दिए गए आदेशों या विशेष आदेशों के अन्तर्गत नहीं आते, उनमें ये अधिकारी उस नियमों, विनियमों और आदेशों द्वारा शासित होंगे जो संघ के कार्योंसे सम्बन्धित सेवा करने वाले तदनुरूप (corresponding) अधिकारियों पर लागू होते हैं।

5. रेल सुरक्षा बल में समूह ख में सहायक सुरक्षा अधिकारी/सहायक समावेष्टा/एडजूटेट के पद

(क) रेल सुरक्षा बल (उच्च अधिकारी) निम्न प्रकार हैं :

*वेतनभास

(I) उप मुख्य सुरक्षा अधिकारी—रु० 1300-60-1600
(II) सहायक महा निरीक्षक सुरक्षा अधिकारी समावेष्टा—रु० 1100 (छठे वर्ष या उससे पहले)-50-1600
(III) सहायक सुरक्षा अधिकारी, सहायक समावेष्टा, एडजूटेट समूह ख रु० 650-30-740-35-8 10-द० रो०-35-8 0-40-1000 द० रो०-40-1200

*उच्च वेतन आयोग की सिफारिश के अनुसार वेतनमान को संशोधित किए जाने की की संभावना है।

(ख) 2 वर्ष की अवधि के लिये परिवीक्षा के आधार पर नियुक्ति की जाएगी जिसके दौरान प्रत्येक और से तीन महीने के नोटिस पर सेवा समाप्त की जा सकेगी। यदि परिवीक्षाधीन अधिकारी स्थायीकरण के लिए निर्धारित विभागीय अथवा अन्य परीक्षाएं पास न करें तो यह अवधि बढ़ाई जा सकेगी, चयन किए गए उम्मीदवारों को परिवीक्षा की अवधि के दौरान सरकार द्वारा निर्धारित स्थान तथा रीति से प्रशिक्षण लेना होगा तथा परीक्षाएं देनी होंगी।

(ग) जिस अधिकारी की अपनी परिवीक्षा की अवधि संतोष-पूर्वक समाप्त की गई घोषित कर दी जाए उसे स्थायी किया जा सकेगा। परन्तु यदि, सरकार की राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य अथवा आचरण असंतोषजनक हो अथवा ऐसा प्रतीत हो कि उसका सक्षम होना असंभव होतो सरकार उसे तुरन्त सेवामुक्त कर सकेगी अथवा जितना वह उचित समझे उसकी परिवीक्षा की अवधि बढ़ा सकेगी।

(घ) इस प्रकार भर्ती किए गए किसी भी अधिकारी को रेल सेवा में किसी भी स्थान पर सेवा करनी पड़ेगी।

(ङ) इस प्रकार भर्ती किए गए अधिकारियों को

(i) रेल पेंशन नियमों द्वारा शासित किया जाएगा,

(ii) रेल भविष्य निधि समय समय पर संशोधित नियमों के अधीन रेल भविष्य निधि (गैर-प्रांशुदायी) में अंशदान करना होगा;

(iii) रेल भविष्य निधि अधिनियम, 1957 तथा रेल भविष्य निधि नियम 1957 में दी गई व्यवस्थाओं के द्वारा शासित किया जाएगा, और

(iv) उक्त अधिनियम तथा नियमों के अधीन बल के उच्च अधिकारियों में निहित शक्तियों का योग करना होगा।

(च) यदि कोई परिवीक्षाधीन किसी ऐसे कारण से जिस पर वह नियन्त्रण कर सकता है प्रशिक्षण लेना अथवा परिवीक्षा में रहना नहीं चाहे तो उसे प्रशिक्षण पर हुआ सम्पूर्ण व्यय तथा उसकी परिवीक्षा की अवधि में उसे दिया गया कोई भी अन्य धन वापिस करना होगा।

(छ) यदि सरकार की राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य अथवा आचरण संतोषजनक न हो अथवा ऐसा प्रतीत हो कि उसके सक्षम बनने की संभावना न हो तो सरकार उसे तुरन्त सेवामुक्त कर सकेगी।

(ज) समूह ख के अधिकारी इस सम्बन्ध में समय-समय पर लागू किए गए नियमों के अनुसार सुरक्षा अधिकारी/समादेष्टा/सहायक महानियोगी के पद पर पदोन्नत किए जाने के पात्र होंगे।

(झ) अधिकारियों की सेवा क्रमिक वेतनमान में उसके अनुनाद से आरम्भ होगी और यह वार्षिक वेतन वृद्धि के लिए पद ग्रहण करने की तारीख से गिनी जाएगी।

(ञ) अधिकारियों को उन सभी मामलों में जिन्हें विशेष स्पष्ट से इसमें नहीं दिया गया है, भारतीय रेल स्थापना संहिता की

व्यवस्थाओं तथा समय-समय पर संशोधित/जारी किए गए वर्तमान अदेशों द्वारा शासित किया जाएगा।

भारतीय डाक व तार सेवा तथा वित्त सेवा

(क) नियुक्ति परख पर की जाएगी जिसकी अवधि 2 वर्ष की होगी परन्तु यह अवधि बढ़ाई भी जा सकती है, यदि परिवीक्षाधीन अधिकारी ने निर्धारित विभागीय परीक्षा पास करके अपने को स्थायी किए जाने के योग्य सिद्ध न किया हो। यदि कोई अधिकारी तीन वर्ष की अवधि में विभागीय परीक्षाएं पास करने में लगातार असफल होता रहा तो उसकी नियुक्ति समाप्त कर दी जाएगी।

(ख) यदि सरकार की राय में परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण, असंतोषजनक हो या उसे देखते हुए उसके कार्यकृति होने की संभावना न हो तो सरकार उसे तत्काल सेवामुक्त कर सकती है।

(ग) परिवीक्षा की अवधि के समाप्त होने पर सरकार अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर स्थायी कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण असंतोषजनक रहा हो तो उसे या तो सेवा से मुक्त कर सकती है या उसकी परख अवधि को जितना उचित समझे बढ़ा सकती है।

(घ) भारतीय डाक व तार लेखा तथा वित्त सेवा पर भारत के किसी भी भाग में सेवा का एक निश्चित उत्तरदायित्व है।

भारतीय डाक व तार तथा वित्त सेवा का वेतनमान

(i) कनिष्ठ वेतनमान—रु० 700-40-900 रु० रो० 40-1100-50-1300।

(ii) वरिष्ठ वेतनमान—रु० 1100-50-1600।

(iii) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड—रु० 1500-60-1800-100-2000।

(iv) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (लेवल 2)-रु० 2250-125/2-2500।

(v) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड—(लेवल 1) रु० 2500-125/2-2750।

टिप्पणी 1:—परिवीक्षाधीन अधिकारियों की सेवा कनिष्ठ समय वेतनमान में कम से कम वेतन से आरम्भ होगी और वेतन वृद्धि के प्रयोजन से उसकी सेवा कार्य ग्रहण की तारीख से गिनी जाएगी।

2. परिवीक्षाधीन अधिकारियों को 400 रु० से ऊपर का वेतन तब तक नहीं मिलेगा, जब तक कि वे समय-समय पर विहित किए जाने वाले नियमों के अनुसार विभागीय परीक्षाएं पास नहीं कर लेंगे।

3. यदि कोई परिवीक्षाधीन अधिकारी लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय शासनिक अकादमी, भूसूरी की पाठ्यक्रमान्तर परीक्षा पास नहीं करता तो उसकी 450 रु० तक ले जाने वाली वेतनवृद्धि एक साल के लिए उसकी वेतन वृद्धि की तारीख स्थगित कर दी जाएगी अथवा विभागीय नियमों के अनुसार उसकी दूसरी वेतनवृद्धि जब पड़ने वाली हो और इन दोनों में से जो पहले पड़े तब तक वेतन वृद्धि स्थगित रहेगी।

4. जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षा के आधार पर नियुक्ति से पूर्व, मौलिक आधार पर सावधिक पद के अन्तरिक्त किसी स्थायी पद पर नियुक्त था उसका वेतन मूल नियम 22-व्य (1) की व्यवस्थाओं के अधीन विनियमित होगा ।

6. भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा

7. भारतीय सीमा शुल्क कर केन्द्रीय उत्पादन शुल्क सेवा

8. भारतीय रक्षा लेखा सेवा

(क) नियुक्ति परख पर की जाएगी जिसकी अवधि 2 वर्ष की होगी । परन्तु यह अवधि बढ़ाई भी जा सकती है यदि परखाधीन अधिकारी न निर्धारित विभागीय परीक्षाएं पास करके, अपने को पक्का किए जाने (Confirmation) के योग्य सिद्ध न किया हो । यदि कोई अधिकारी तीन वर्ष की अवधि में विभागीय परीक्षाएं पास करने में लगातार असफल होता रहा तो उसकी नियुक्ति खत्म कर दी जाएगी ।

(ख) यदि यथास्थिति, सरकार या नियन्त्रक और महालेखा परीक्षक की राय में, परखाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण सन्तोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्यकुशल होने की सम्भावना न हो तो सरकार उसे तत्काल सेवामुक्त कर सकती है ।

(ग) परिवीक्षा अवधि के समाप्त होने पर, यथास्थिति, सरकार या नियन्त्रक और महालेखा परीक्षक अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर पक्का कर सकती/सकता है या यदि यथास्थिति, सरकार या नियन्त्रक और महालेखा परीक्षक की राय में उसका कार्य या आचरण असन्तोषजनक रहा हो तो उसे या तो सेवा से मुक्त कर सकती/सकता है या उसकी परख-अवधि को, जितना उचित समझे, बढ़ा सकती/सकता है, परन्तु अस्थायी रूप से खाली जगहों पर की गई नियुक्तियों के संबंध में पक्का करने का दावा नहीं किया जा सकेगा ।

(घ) लेखा परीक्षा के लेखा सेवा में अलग किए, जाने की संभावना को ध्यान में रखते हुए, भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा में परिवर्तन हो सकते हैं और कोई उम्मीदवार जो इस सेवा के लिए चुना जाये इस परिवर्तन से होने वाले परिणाम के आधार पर कोई दवा नहीं करेगा और उसे अलग किये गये केन्द्रीय और राज्य सरकार और नियन्त्रक और महालेखा परीक्षक के अन्तर्गत सांविधिक लेखा परीक्षा कार्यालय में काम करना पड़ेगा और केन्द्रीय तथा राज्य सरकारों के अन्तर्गत अलग किए गए लेखा कार्यालयों के संवर्ग में अन्तिम रूप से रहना पड़ेगा ।

(ङ) भारतीय रक्षा लेखा सेवा के अधिकारियों से भारत में कहीं भी सेवा ली जा सकती है और उन्हें शेक्स-सेवा (फील्ड-सर्विस) पर भारत में या भारत के बाहर भी भेजा जा सकता है ।

भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा का वेतनमान

1. कनिष्ठ वेतनमान—रु 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 ।

2. वरिष्ठ वेतनमान—1100 (छठे वर्ष या उससे पहले) 50-1600 ।

3. कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड—रु 1500-60-1800-100-2000 ।

4. महालेखापाल (1) रु 2500-125/2-2750 (पद का 50 प्रतिशत)। (2) रु 2250-125/2-2500 (पदों का 50 प्रतिशत) ।

5. अपर उपनियंत्रक और महालेखा परीक्षक—रु 2500-125/2-3000 ।

6. भारतीय उप नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक—रु 3000-100-3500 ।

नोट 1—परखाधीन अधिकारियों की सेवा, भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा के समय-मान में कम-से-कम वेतन से प्रारम्भ होगी और वेतन-वृद्धि के प्रयोजन से, उसकी सेवा कार्यग्रहण की तारीख से गिनी जाएगी ।

नोट 2—परखाधीन अधिकारियों को 700 रु से ऊपर का वेतन तब तक नहीं मिलेगा जब तक कि वे समय-समय पर विहित नियमों के अनुसार विभागीय परीक्षाएं पास नहीं कर लेंगे ।

नोट 3—यदि कोई परखाधीन अधिकारी लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी मसूरी की पाठ्यक्रमान्तर परीक्षा पास नहीं करता तो उसकी 740 तक ले जाने वाली वेतनवृद्धि भारत सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार दी जाएगी ।

नोट 4—जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षा के आधार पर नियुक्ति से पूर्व, मौलिक आधार पर सावधिक पद के अन्तरिक्त किसी स्थायी पद पर नियुक्त था उसका वेतन मूल नियम 22-व्य (1) की व्यवस्थाओं के अधीन विनियमित होगा ।

भारतीय सीमा शुल्क और केन्द्रीय शुल्क सेवा

अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, सहायक कलेक्टर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और/अथवा सीमा-शुल्क (कनिष्ठ वेतनमान)—रु 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 ।

सहायक कलेक्टर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और/अथवा सीमा-शुल्क (वरिष्ठ वेतनमान)—रु 1100 (छठे वर्ष अथवा उससे कम) -50-1600 ।

उप कलेक्टर सीमा शुल्क और/अथवा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, अपर कलेक्टर सीमा शुल्क और/अथवा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क—रु 1500-60-1900-100-2000 ।

अपिलेट कलेक्टर सीमा शुल्क अथवा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ।

सीमा शुल्क कलेक्टर तथा/अथवा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ।

नियोक्ति के नियमित

नारकोटिक्स आयुक्त

प्रशिक्षण निदेशक

आसूचना तथा सांख्यिकी निदेशक

(I) रु 2250-125/2-2500 (पदों का 50 प्रतिशत) ।

(II) रु 2500-125/2-2750 (पदों का 50 प्रतिशत)।

(क) नियुक्तियां 2 वर्ष के लिए परिवीक्षा के आधार पर की जाएंगी, किन्तु यदि परिवीक्षाधीन अधिकारी निर्धारित विभागीय परीक्षा एं उत्तीर्ण कर के स्थायी-करण का हकदार नहीं हो जाता तो उक्त अवधि को बढ़ाया भी जा सकता है। तीन वर्ष की अवधि में विभागीय प्रतियोगिताओं की उत्तीर्ण न कर लेने पर नियुक्त रह भी की जा सकती है।

(ख) यदि सरकार की राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य अथवा आचरण संतोषजनक नहीं है अथवा उसके सक्षम अधिकारी बनने की संभावना नहीं है तो सरकार उसे तुरन्त सेवामुक्त कर सकती है।

(ग) परिवीक्षाधीन अधिकारी का परिवीक्षाकाल पूर्ण होने पर सरकार उसकी नियुक्ति को स्थायी कर सकती है अथवा यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक नहीं रहा है तो सरकार या तो उसे सेवामुक्त कर सकती है अथवा उसके परिवीक्षाकाल में अपनी इच्छानुसार वृद्धि कर सकती है किन्तु स्थायी रिक्तियों पर नियुक्ति किए जाने पर स्थाई-करण सम्बन्धी उसका कोई दावा नहीं स्वीकार किया जाएगा।

(घ) भारतीय सीमाशुल्क तथा उत्पादन शुल्क सेवा, समूहक के अधिकारी को भारत के किसी भी भाग में सेवा करनी होगी तथा भारत में ही 'फील्ड सर्विस' भी करनी होगी।

नोट 1—एक परिवीक्षाधीन अधिकारी को प्रारम्भ में रु 700-40-900-द० रो 40-1100-50-1300 के समय बेतन में न्यूनतम बेतन मिलेगा तथा वार्षिक वृद्धि के लिए अपने सेवाकाल को वह कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से मानेगा।

नोट 2—जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षा के आधार पर भारतीय सीमाशुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन कर सेवा समूहक में नियुक्ति से पूर्व मौलिक आधार पर सार्वाधिक पद के अतिरिक्त स्थाई पद पर नियुक्त था उसका बेतन मूल नियम 22-ख (1) की व्यवस्थाओं के अधीन विनियमित होगा।

नोट 3—परिवीक्षा की अवधि में अधिकारी को प्रशिक्षण निदेशालय (सीमा-शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क), नई दिल्ली में विभागीय प्रशिक्षण तथा लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में बुनियादी पाठ्यक्रम प्रशिक्षण लेना होगा। मसूरी में प्रशिक्षण समाप्त कर लेने पर उसे "पाठ्यक्रम संपूर्ण परीक्षा" उत्तीर्ण करनी होगी उसे विभागीय परीक्षा के खण्ड I और खण्ड II में भी सफलता प्राप्त करनी होगी।

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी मसूरी की पाठ्य-क्रमान्त परीक्षा तथा विभागीय परीक्षा के एक भाग को पास कर लेने पर बेतन बढ़ाकर रु 740 कर दिया जाएगा।

सम्पूर्ण विभागीय परीक्षा पास कर लेने पर बेतन बढ़ा कर रु 780 कर दिया जाएगा। जब तक कि वह अधिकारी अन्य आ आवश्यक शर्तों के प्रधीन 3 वर्ष की सेवा पूरी नहीं कर लेता है तब तक उसे रु 780 से अधिक बेतन नहीं दिया जाएगा। यदि वह अकादमी की 'पाठ्य क्रमान्त' परीक्षा पास नहीं कर लेता है तो उसकी प्रथम बेतन वृद्धि एक वर्ष के लिए उस तारीख से स्थगित कर दी जाएगी जिसको वह इसे प्राप्त करता अथवा उस तारीख तक जिस विभागीय अधिनियमों के अधीन दूसरी बेतन वृद्धि पड़ती हो इनमें जो भी पहले हो स्थगित कर दी जाएगी।

नोट 4—परिवीक्षाधीन अधिकारियों को यह अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि उनकी नियुक्ति भारतीय सीमाशुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क सेवा समूहक के गठन में समय-समय पर भारत सरकार द्वारा आवश्यक समझ कर किए जाने वाले प्रत्येक परिवर्तन के अधीन होगी और इस प्रकार के परिवर्तनों के फलस्वरूप उन्हें किसी प्रकार का मुश्किल नहीं दिया जाएगा।

भारतीय रक्षा लेखा सेवा

कनिष्ठ समय बेतनमान—रु 700-40-900-द० रो 40-1100-50-1300।

वरिष्ठ समय बेतनमान—रु 1100 (छटे वर्ष या उससे कम) 50-1600।

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड—रु 1500-60-1800-100-2000

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (लेवल II) —रु 2250-125/2-2500।

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (लेवल I) —रु 2500-125/2-2750।

रक्षा लेखा महानियंत्रक—रु 3000 (नियम)।

नोट 1—परिवीक्षाधीन अधिकारियों की सेवा, कनिष्ठ समय-मान में कम-से-कम बेतन से प्रारम्भ होगी और बेतन-वृद्धि के प्रयोजन से, उनकी कार्यग्रहण की तारीख से गिनी जाएगी।

जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षा के आधार पर नियुक्ति से पूर्व मौलिक आधार पर सार्वाधिक पद के अतिरिक्त किसी स्थाई पद पर नियुक्त था उसका बेतन मूल नियम 22-ख(1) की व्यवस्थाओं के अधीन विनियमित होगी।

नोट 2—परिवीक्षाधीन अधिकारियों को 700 रु से ऊपर का बेतन तब तक नहीं मिलेगा, जब तक कि वे समय-समय पर निर्धारित होने वाले नियमों के अनुसार विभागीय परीक्षा पास नहीं कर लेते।

नोट 3—यदि कोई भी परिवीक्षाधीन अधिकारी लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक एकादमी मसूरी की पाठ्य-क्रमान्त परीक्षा पास नहीं करता है तो 740 रु तक के उनके बेतन के लिए पहली बेतन वृद्धि उन अनुदेशों के अनुसार दी जाएगी जो भारत सरकार द्वारा जारी किए जाए। असफल उम्मीदवारों को फिर से परीक्षा में बैठने की आवश्यकता नहीं होगी।

१०. भारतीय आयकर सेवा समूह क

(क) नियुक्ति परख पर की जाएगी जिसकी अवधि २ वर्ष की होगी। परन्तु यह अवधि बढ़ाई भी जा सकती है, यदि परखाधीन अधिकारी, निर्धारित विभागीय परीक्षाएं पास करके अपने आप को पक्का किए जाने (Confirmation) के योग्य सिद्धन कर सके। यदि कोई अधिकारी तीन वर्ष की अवधि में विभागीय परीक्षाएं पास करने में लगातार असफल होता रहा तो उसकी नियुक्ति खत्म कर दी जाएगी।

(ख) यदि सरकार की राय में, परखाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण असंतोषजनक हो या उसे देखते हुए उसके कार्यकुशल होने की संभावना न हो तो सरकार उसे तत्काल सेवामुक्त कर सकती है।

(ग) परख-अवधि के समाप्त होने पर, सरकारी अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर पक्का कर सकती है, या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण असंतोषजनक रहा हो तो उसे या तो सेवा से मुक्त कर सकती है या उसकी परख-अवधि को, जितना उचित समझे बढ़ा सकती है; परन्तु अस्थाई रूप से खाली जगहों पर की गई नियुक्तियों के सम्बन्ध में, पक्का करने का दावा नहीं किया जा सकेगा।

(घ) यदि सरकार ने सेवा में नियुक्तियां करने को अपनी शक्ति किसी अधिकारी को सौंप रखी है तो वह अधिकारी ऊपर के खण्डों में उल्लिखित सरकार की कोई भी शक्ति का प्रयोग कर सकता है।

(इ) वेतनमान :—

आयकर अधिकारी समूह क

(i) कनिष्ठ वेतनमान ₹० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300

(ii) वरिष्ठ वेतनमान ₹० 1100-50-1600

आयकर सहायक आयुक्त ₹० 1150-60-1800-100-2000

आयकर आयुक्त (i) ₹० 2250-125/2-2500
(लेवल II)

(ii) ₹० 2500-125/2-2750
(लेवल I)

(च) परखाधीन अवधि में अधिकारी को लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक एकादमी मसूरी तथा आयकर प्रशिक्षण कालेज नागपुर में प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा। मसूरी में प्रशिक्षण समाप्त होने पर उसे पाठ्य-क्रमान्त परीक्षा पास करनी होगी। इसके अतिरिक्त परखाधीन अवधि में विभागीय परीक्षा खण्ड I और खण्ड II भी पास करने होंगे। पाठ्य-क्रमान्त परीक्षा तथा विभागीय परीक्षा खण्ड I पास करने पर वेतन बढ़ाकर 740 रु० कर दिया जाएगा। विभागीय परीक्षा खण्ड II पास करने पर वेतन बढ़ा कर ₹० 780 कर लिया जाएगा। ₹० 780 के स्तर के ऊपर वेतन तब तक नहीं दिया जाएगा। जब तक कि उस अधिकारी की सेवा ३ वर्ष पूरी नहीं हो चुकी हो या दूसरी ऐसी शर्तों के अधीन होगा जो आवश्यक समझा जाए।

यदि वह एकादमी की पाठ्य-क्रमान्त परीक्षा पास नहीं कर लेता तो एक वर्ष के लिए उसकी वेतन वृद्धि स्थगित कर दी जाएगी अथवा उस तारीख तक जब तक कि विभागीय नियमों के अन्तर्गत उसे दूसरी वेतन वृद्धि मिलने वाली हो और इन दोनों में से जो भी अवधि पहले पड़े तक तक स्थगित रहेगी।

नोट १—परखाधीन अधिकारियों को भली भांति समझ लेना चाहिए कि उनकी नियुक्ति भारत सरकार द्वारा आयकर सेवा समूह क-१ के गठन में किए जाने वाले किसी भी ऐसे परिवर्तन से प्रभावित हो सकेंगी जो कि समय-समय पर उचित समझे जाने के बाद भारत सरकार द्वारा किया जाएगा और वे उस प्रकार के परिवर्तनों के फलस्वरूप प्रतिकर का दावा नहीं कर सकेंगे।

११. भारतीय-आयुध कारखाना सेवा, समूह क

(अतिकर्तीकी संवर्ग)

(क) चुने गए उम्मीदवारों को सहायक प्रबन्धकों (परिवीक्षा पर), के रूप में नियुक्त किया जाएगा। परिवीक्षा की अवधि दो वर्ष की होगी। इस अवधि को आयुध कारखानों के महानिदेशक की सिफारिश से सरकार द्वारा घटाया या बढ़ाया जा सकता है। सहायक प्रबन्धक (परिवीक्षा पर) सरकार द्वारा दिया जाने वाला प्रशिक्षण प्राप्त करेगा और उसे सरकार द्वारा निर्धारित विभागीय तथा भाषा परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होंगी। भाषा परीक्षाओं में एक परीक्षा हिन्दी की होगी।

अधिकारी की परिवीक्षा की अवधि के समाप्त होने पर सरकार उसको उसकी नियुक्ति पर स्थाई करेगी, परन्तु यदि परिवीक्षा की अवधि में अथवा अन्त में उसका काम या आचरण, सरकार की राय में, असंतोषजनक रहा है तो सरकार या तो उसको कार्यमुक्त कर सकती है या उसकी परिवीक्षा की अवधि उतने समय के लिए और बढ़ा सकती है जितना वह उचित समझे, परन्तु शर्त यह है कि कार्यमुक्त करने के आदेश देने से पहले अधिकारी की सक्षम प्राधिकारी द्वारा उन बातों से अवगत कराया जाएगा जिनके आधार पर उसको कार्यमुक्त किया जाने वाला है और उसको उस पर लगाए गए दोषों के कारण बताने का अवसर दिया जाएगा।

(ख) भारतीय आयुध कारखाने में सहायक प्रबन्धक (परिवीक्षा पर) को ₹० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 के निर्धारित वेतनमान में वेतन मिलेगा। परिवीक्षा की अवधि के समय उनको विभाग की विभिन्न शाखाओं में और लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन एकादमी मसूरी में प्रशिक्षण के आधारभूत पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण लेना होगा।

(1) चुने गए उम्मीदवारों को आवश्यकता होने पर कम-से-कम चार वर्ष की अवधि के लिए सशस्त्र सेनाओं में कमीशन प्राप्त अधिकारियों के रूप में काम करना होगा। इस अवधि में

प्रशिक्षण की अवधि भी, यदि हो तो, शामिल होगी, परन्तु शर्त यह है कि ऐसे अधिकारी के लिए (i) उसकी नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष के बाद कमीशन प्राप्त अधिकारी के रूप में सेवा करना आवश्यक नहीं होगा और (ii) चालीस वर्ष की आयु हो जाने के बाद आम-तौर से कमीशन-प्राप्त अधिकारी के रूप में काम करना आवश्यक नहीं होगा।

(2) तारीख 9-3-1957 के साठ निः आठ सं 92 के अधीन प्रकाशित, रक्षा सेना में असैनिक व्यक्ति (क्षेत्रीय सेवा दायिता) नियम, 1957 इन उम्मीदवारों पर भी लाग् होंगे। उन नियमों में निर्धारित स्वास्थ्य-स्तर के अनुसार इनकी स्वास्थ्य परीक्षा की जाएगी।

(घ) स्वीकार्य वेतन की दरें निम्नलिखित हैं:—

सहायक प्रबन्धक तकनीकी कनिष्ठ वेतनमान :

स्टाफ अधिकारी	रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300
उप-प्रबन्धक/उप-सहायक	रु० 1100 (छठे वर्ष या उससे कम) -50-1600
महानिदेशक, आयुध कारखाना	रु० 1100-50-1400
प्रबन्धक/वरिष्ठ उप-सहायक	रु० 1300-60-1600-100-1800*
महानिदेशक आयुध कारखाना	रु० 1300-60-1600-100-1800*
उप-महाप्रबन्धक/सहायक	रु० 2000-125/2-2250
महानिदेशक, आयुध कार-खाना, श्रेणी-I	रु० 2500-125/2-2750 पदों के 50 प्रतिशत के लिए।
उपमहानिदेशक आयुध कारखाना।	(ii) रु० 2250-125/2-2500 पदों के 50 प्रतिशत के लिए।

अपर महानिदेशक आयुध कारखाना : रु० 3000 (नियत)

महानिदेशक आयुध कारखाना : रु० 3500 (नियत)

संशोधन पूर्व वेतनमान।

संशोधन वेतनमान विचाराधीन है।

(ङ) इस प्रकार भर्ती किए गए परिवीकाधीन को सेवा ग्रहण करने से पहले एक बांद भरना होगा।

12. भारतीय डाक सेवा

(क) चुने हुए उम्मीदवारों को इस विभाग में प्रशिक्षण लेना होगा जिसकी अवधि, आम तौर पर, दो वर्ष से अधिक नहीं होगी। इस अवधि में उन्हें निर्धारित विभागीय परीक्षा पास करनी होगी।

(ख) यदि सरकार की राय में, किसी प्रशिक्षणाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्य कुशल होने की संभावना न हो तो सरकार उसे तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है।

(ग) परखावधि के समाप्त होने पर, सरकार अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर पक्का कर सकती है, या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा तो सरकार उसे या तो सेवा-मुक्त कर सकती है या उसकी परखावधि को, जितना उचित समझे, बढ़ा सकती है, परन्तु अस्थाई रूप से खाली जगहों पर की गई नियुक्तियों के सम्बन्ध में, पक्का करने का दावा नहीं किया जा सकेगा।

(घ) यदि सरकार ने सेवा में नियुक्तियां करने की अपनी शक्ति किसी अधिकारी को सौंप रखी हो तो वह अधिकारी ऊपर के खण्डों में उल्लिखित सरकार की कोई भी शक्ति का प्रयोग कर सकता है।

(1) कनिष्ठ समय वेतनमान :—

रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300

(2) वरिष्ठ समय वेतनमान :—

रु० 1100-50-1600

(3) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड :—

रु० 1500-60-1800-100-2000

(4) वरिष्ठ प्रशासनिक (लेवल 2)

रु० 2250-125/2-2500

(5) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (लेवल 1)

रु० 2500-125/2-2750

(6) सदस्य

पी० एण्ड टी० बोर्ड—रु० 3000

(च) जो सरकारी कर्मचारी परिवेश के आधार पर नियुक्ति से पूर्व मौलिक आधार पर सावधिक पद के अतिरिक्त किसी स्थाई पद पर नियुक्त या उसका वेतनमूल नियम 22-ख (1) की व्यवस्थाओं के अधीन विनियमित होगा।

(छ) परखाधीन अधिकारियों को यह भली भांति समझ लेना चाहिए कि उनकी नियुक्ति भारत सरकार द्वारा भारतीय डाक सेवा श्रेणी I के गठन में किए जाने वाले किसी भी ऐसे परिवर्तन में प्रभावित हो सकेंगी जो कि समय-समय पर उचित समझे जाने के बाद, भारत सरकार द्वारा किया जाएगा, और वे इस प्रकार के परिवर्तनों के फलस्वरूप प्रतिकार का दावा नहीं कर सकेंगे।

(ज) चुने गए उम्मीदवारों को, सरकार के निदेशानुसार संन्य डाक सेवा के अन्तर्गत भारत अथवा विदेश में कार्य करना होगा।

13 भारतीय रेलवे सेवा सेवा

(क) नियुक्ति परख पर की जाएगी जिसकी अवधि 2 वर्ष की होगी। इस अवधि में दोनों में से किसी भी और से तीन महीने का नोटिस देकर सेवा समाप्त की जा सकेगी। परख-अवधि बढ़ाई जा सकेगी, यदि परखाधीन अधिकारी निर्धारित विभागीय परीक्षाएं पास करके अपने आपको पक्का करने के योग्य सिद्ध नहीं करेगा।

सरकार ऐसे परखाधीन अधिकारी की नियुक्ति खत्म कर सकती है जो अपनी नियुक्ति की तारीख से तीन वर्ष के भीतर सभी विभागीय परीक्षाएं पास नहीं कर लेता।

(ख) भारतीय रेलवे सूखा सेवा के परखाधीन अधिकारियों को भी रेलवे स्टाफ कालेज, बड़ौदा में प्रशिक्षण लेना होगा और कालेज प्राधिकारियों द्वारा निर्धारित परीक्षा पास करनी होगी। इस काम्पस में परीक्षा देनी अनिवार्य है और एक बार असफल होने पर दूसरा अवसर तभी मिल सकता है जब कि अपवाहिक परिस्थितियां हों और अधिकारी, का कार्य ऐसा हो कि उसे यह छूट दी जा सकती हो। हालांकि, दो वर्ष का प्रशिक्षण संतोषजनक रूप से पूरा करने पर, उन्हें किसी कार्यकारी पद (Working Post) पर लगाया जा सकता है परन्तु उन्हें तब तक पक्का नहीं किया जाता जब तक कि वे रेलवे स्टाफ कालेज, बड़ौदा की परीक्षा और ऊंची तथा नीची विभागीय परीक्षाएं पास नहीं कर लेते।

(ग) परखाधीन अधिकारियों को देवनागरी लिपि में हिन्दी की अनुमोदित स्तर की एक परीक्षा पहले ही या परखावधि में पास कर लेनी चाहिए। यह परीक्षा या तो गृह मन्त्रालय की ओर से शिक्षा निदेशालय, दिल्ली द्वारा संचालित 'प्रवीण' हिन्दी परीक्षा हो या केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता-प्राप्त कोई समकक्ष परीक्षा हो। किसी भी परखाधीन अधिकारी को तब तक पक्का नहीं किया जा सकता या उसका वेतन 780 रु. नहीं किया जा सकता जब तक कि वह यह परीक्षा पास नहीं कर लेता। ऐसा न करने पर सेवा समाप्त की जा सकती है। इसमें कोई छूट नहीं दी जा सकती।

(घ) इन नियमों के अनुसार भर्ती किए गए भारतीय रेलवे सेवा-सेवा के अधिकारी (परखाधीन) भी (क) पैशन के लाभों के पात्र होंगे, और (ख) समय-समय पर संगोष्ठित राज्य रेलवे भविष्य निधि (अंशदान रहित) के नियमों के अन्तर्गत इस निधि में अभिदान कर सकेंगे।

(ङ) इन नियमों के अधीन जो अधिकारी भर्ती किए जायेंगे वे समय-समय पर लागू होने वाले छुट्टियों के सुविधा-जनक नियमों के अनुसार छुट्टी लेने के पात्र होंगे।

(च) यदि किसी ऐसे कारण से जो कि उसके बाहर न हों, भारतीय रेलवे लेखा सेवा का कोई परखाधीन

अधिकारी परख या प्रशिक्षण में ही छोड़ना चाहे तो उसे अपने प्रशिक्षण का सारा खर्च और परख-अवधि में उसे दी गई सब रकमें वापस करनी होगी।

(छ) यदि सरकार की राय में, किसी परखाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्यकुशल होने की संभावना न हो, तो सरकार उसे तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है।

(ज) परख अवधि के समाप्त होने पर, सरकार अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर पक्का कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा तो सरकार उसे या तो सेवा-मुक्त कर सकती है या उसकी परख-अवधि को, जितना उचित समझ बढ़ा सकती है, परन्तु अस्थाई रूप से खाली जगहों पर की गई नियुक्तियां के सम्बन्ध में पक्का करने का दावा नहीं किया जा सकेगा।

(1) वेतनमान

कनिष्ठ वेतनमान : रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300

वरिष्ठ वेतनमान रु० 1100 (छटे वर्ग या उससे कम)-50-1600 कनिष्ठ प्रशासनिक रु० 1500-60-1800-100-2000 वरिष्ठ प्रशासनिक :

(1) रु० 2250-125/2-2500
(2) रु० 2500-125/2-2750

(ख) यदि परखाधीन अधिकारी अपनी दो वर्ष की परख अवधि में, निर्धारित विभागीय परीक्षाएं पास नहीं कर सकेगा तो रु० 740 से रु० 780 तक की उसकी वेतन-वृद्धि रोक दी जाएगी और परख-अवधि बढ़ा दी जाएगी। जब वह विभागीय परीक्षाएं पास कर लेगा और उसके बाद जब पक्का कर दिया जाएगा तो अंतिम विभागीय परीक्षा समाप्त होने की तारीख के बाद अगले दिन से उसका वेतन समय मान में उस अवस्था (Stage) पर नियत कर दिया जाएगा जो उसे अन्यथा मिला होता पर उसे वेतन का बकाया नहीं मिलेगा। ऐसे भासलों में भावी वेतन-वृद्धि की तारीख पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

यदि कोई परखाधीन अधिकारी लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी, मसूरी की पाठ्यक्रमांत परीक्षा पास नहीं करता तो जिस तारीख को उसे पहली वेतन-वृद्धि प्राप्त होती उस तारीख से एक वर्ष के लिए स्थगित कर दी जाएगी अथवा विभागीय नियमों के अन्तर्गत उसे जब दूसरी वेतन-वृद्धि प्राप्त होने वाली हो और दून दोनों में से जो भी अवधि पहले पड़े तब तक स्थगित रहेगी।

नोट 1--परखाधीन अधिकारियों की सेवा जूनियर मान में कम-से-कम वेतन से प्रारम्भ होगी और वेतन वृद्धि के प्रयोजन से, वह उनकी कार्य-प्रगति की तारीख से शिरी जाएगी।

परन्तु उन्हें निर्धारित विभागीय परीक्षा या परीक्षाएँ पास करनी होगी और उसके बाद ही उनका वेतन समयमान में ₹ 740 प्रतिमास से ₹ 780 प्रतिमास किया जा सकेगा।

नोट 2— तथापि, जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षाधीन के रूप में नियुक्ति से पहले सावधिक पद के अतिरिक्त अन्य स्थाई पद पर मूल रूप से कार्य करता था, उसका वेतन नियम 2018 क (I) नियम 2 [मू० नि० 22-ख (I)] में दिए गए उपबन्धों के अनुसार विनियमित किया जाएगा।

14. सैनिक भूमि और छावनी सेवा समूह (क) तथा समूह (ख)

(क) (1) नियुक्ति के लिए चुना या उम्मीदवार परख पर रखा जाएगा जिसकी अवधि आमतौर पर 2 वर्ष से अधिक नहीं होगी इस अवधि में सरकार द्वारा निर्धारित परीक्षण लेना होगा।

(2) तथापि जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षाधीन के रूप में नियुक्ति से पहले सावधिक पद के अतिरिक्त अन्य स्थाई पद पर मूल रूप से कार्य करता था उसका वेतन एफ० आर० 22 (ख) (i) में दिए गए उपबन्धों के अनुसार विनियमित किया जाएगा।

(ख) परख अवधि में उम्मीदवार को निर्धारित विभागीय परीक्षाएँ पास करनी होंगी।

(ग) (1) यदि सरकार की राय में परखाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्यकुशल होने की संभावना न हो तो सरकार उसे सेवा मुक्त कर सकती है, परन्तु सेवामुक्ति का आदेश देने से पहले, उसे सेवा मुक्ति के कारणों से अवगत कराया जाएगा और लिख कर “कारण बताने” का अवसर भी दिया जाएगा।

(2) यदि परख अवधि की समाप्ति पर, अधिकारी ने कपर उप-पैरा (ख) में उल्लिखित विभागीय परीक्षा पास न की हो तो सरकार अपने निर्णय से या तो उसे सेवामुक्त कर सकती है या यदि मामला की परिस्थितियों को देखते हुए, उसकी परख अवधि बढ़ानी आवश्यक हो तो वह जितना उचित समझे, परख अवधि को बढ़ा सकती है।

(3) परख अवधि के समाप्त होने पर, सरकार अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर पक्का कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा तो सरकार उसे या तो सेवामुक्त कर सकती है या उसकी परख अवधि को, जितना उचित समझे, बढ़ा सकती है। परन्तु सेवा मुक्ति का आदेश देने से पहले, अधिकारी को सेवामुक्ति के कारणों से अवगत कराया जाएगा और लिख कर “कारण बताने” का अवसर भी दिया जाएगा।

(घ) इस सेवा के सदस्य को उसकी परख-अवधि में वापिक वेतनवृद्धि देय हो जाने पर भी, तब तक नहीं मिलेगी, जब तक

कि वह विभागीय परीक्षा पास नहीं कर लेगा। जो वृद्धि इस प्रकार नहीं मिली होगी, वह विभागीय परीक्षा पास करने की तारीख से मिल जाएगी।

(इ) यदि कोई परखाधीन अधिकारी लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी, मूरी की पाठ्यक्रमांत परीक्षा पास नहीं करता तो जिस तारीख को उसे पहली वेतन वृद्धि प्राप्त होती उस तारीख से एक वर्ष के लिए स्थगित कर दी जाएगी अथवा विभागीय नियमों के अन्तर्गत उसे जब दूसरी वेतन वृद्धि प्राप्त होने वाली हो और इन दोनों में से जो भी अवधि पहले पड़े तब तब स्थगित रहेगी।

(ब) वेतन-मान इम प्रकार है:—

(i) निदेशक, सैन्य भूमि और छावनियां-₹० 18 00-100-2000-125-2250।

(ii) उप-निदेशक, सैन्य भूमि और छावनियां—₹० 1300-60-1600।

(iii) सहायक निदेशक, सैन्य भूमि और छावनियां—*₹० 1100-50-1400।

समूह क

(iv) वरिष्ठ वेतनमान :

₹० 1100-(छठवां वर्ष अथवा इससे कम)-50-1600

(v) कनिष्ठ वेतनमान :

₹० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300।

यह वेतनमान 1-1-1973 के भूतलक्षी प्रभाव से संशोधित किए जायेंगे।

(छ) (i) समूह क के वरिष्ठ वेतनमान के अधिकारियों को सामान्यतया समूह-क की छावनियों में उप-सहायक निदेशकों, सैन्य सम्पदा अधिकारियों तथा कार्यपालक अधिकारियों के पदों पर नियुक्त किया जाएगा।

(ii) समूह कनिष्ठ वेतनमान के अधिकारियों को सामान्यतया समूह-क तथा समूह-ख को उन छावनियों में कार्यपालक अधिकारियों के पद पर नियुक्त किया जाएगा जिन पर छावनी अधिनियम, 1924 की धारा 13 की उपधारा (4) के खण्ड (इ) का उपखण्ड (1) लागू होता है।

(ज) सभी पदोन्नतियां, इस प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा नियुक्त की गयी विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिशों के अनुसार सरकार द्वारा चुन कर (By selection) की जाएंगी। [वरीयता (सीनियरिटी)] पर तभी विचार किया जायेगा जब कि दो या अधिक उम्मीदवारों के द्वारे गुणों की वृष्टि से बराबर होंगे।

(क्ष) इस सेवा का कोई भी सदस्य, सरकार से पहले मंजूरी लिये बिना कोई भी ऐसा काम अपने जिम्मे नहीं लेगा जोकि उसके सरकारी काम से संबंधित न हो।

(डा) सैनिक-भूमि और छावनियों के अधिकारियों से भारत में कहीं भी सेवा ली जा सकती है, और उन्हें सेवा-क्षेत्र (Field Service) पर भी भारत के किसी भाग में भेजा जा सकता है।

(ट) इस सेवा में नियुक्त किये गये उम्मीदवार को समय समय पर संशोधित सैन्य भूमि तथा छावनी सेवा (श्रेणी-I श्रेणी-II) नियम 1951 द्वारा शासित किया जाएगा।

15. भारतीय रेलवे यातायात सेवा

(क) नियुक्ति के लिए चुने गए उम्मीदवारों को भारतीय रेलवे यातायात सेवा में परखाधीन अधिकारियों के रूप में नियुक्त किया जाएगा। उनकी परख अवधि 3 वर्ष होगी। इस अवधि में उन्हें पैरा (ड) में उल्लिखित प्रशिक्षण लेना होगा और कम से कम एक वर्ष तक किसी कार्यकारी पद पर काम करना होगा। यदि किसी मामले में संतोषजनक रूप से प्रशिक्षण पूरा न करने के कारण प्रशिक्षण की अवधि बढ़ाई जाएगी तो उसके अनुसार परख की कुल अवधि भी बढ़ जायगी।

(ख) यदि किसी ऐसे कारण से जो, कि उसके बाहर न हो, भारतीय रेलवे यातायात सेवा का परखाधीन अधिकारी परख या प्रशिक्षण बीच में छोड़ा जाए तो उसे अपने प्रशिक्षण का सारा खर्च और परख अवधि में उसे दी गई सब रकमें वापस करनी होगी।

(ग) इस सेवा में नियुक्ति परख पर की जायगी जिसकी अवधि तीन वर्ष होगी। इस अवधि में दोनों भौं से किसी भी और से तीन महीने का नोटिस दे कर समाप्त की जा सकेगी। परखाधीन अधिकारियों को पहले वो वर्ष तक व्यवहारिक प्रशिक्षण लेना होगा। जो अधिकारी इस प्रशिक्षण को सफलता पूर्वक समाप्त कर लेंगे और अन्यथा भी उपयुक्त समझ जायेंगे, उन्हें कार्यकारी पद का कार्यभार सौंप दिया जायेगा, यदि उन्होंने निर्धारित विभागीय और अन्य परीक्षाएं पास कर ली हों। ध्यान रहे कि ये परीक्षाएं नियमित प्रथम प्रयास में ही पास कर ली जायें, क्योंकि विशेष (‘एक्सेप्यूनल’) परिस्थितियों को छोड़कर बाकी किसी भी हालत में दूसरा अवसर नहीं दिया जायेगा। किसी परीक्षा में असफल होने के परिणामस्वरूप परखाधीन अधिकारी की सेवा समाप्त की जा सकती है और उसकी वेतनवृद्धि तो हर हालत में रुक ही जायेगी। किसी कार्यकारी पद पर एक वर्ष तक कार्य करने के बाद परखाधीन अधिकारियों को एक अन्तिम परीक्षा पास करनी होगी। यह परीक्षा व्यावहारिक और संदर्भात्मक दोनों प्रकार की होगी। जब परखाधीन अधिकारी सब तरह से नियुक्ति के लिए उपयुक्त समझ लिये जाएंगे तो उन्हें पक्का कर दिया जायेगा। जिन मामलों में किसी कारण से परख की अवधि बढ़ाई गई हो उनमें विभागीय परीक्षा पास करने पर और पक्का

होने पर समय-समय पर लागू होने वाले नियमों और आदेशों के अनुसार पहली और बाद की वेतनवृद्धियां ली जा सकेंगी।

(घ) परखाधीन अधिकारियों को देवनागरी लिपि में अनु-मोदित स्तर की हिन्दी की एक परीक्षा पहले ही या परख अवधि में पास कर लेनी चाहिए। यह परीक्षा या तो गृह मंत्रालय की ओर से शिक्षा निदेशालय दिल्ली द्वारा संचालित “प्रवीण” हिन्दी परीक्षा हो या केंद्रीय सरकार द्वारा मन्त्रता प्राप्त कोई समकक्ष परीक्षा हो।

किसी भी परखाधीन अधिकारी को तब तक पक्का नहीं किया जा सकता या उसका वेतन 780 रु. नहीं किया जा सकता जब तक कि वह यह परीक्षा पास नहीं कर लेता। ऐसा न करने पर सेवा समाप्त की जा सकती है। इस में कोई छूट नहीं दी जा सकती।

(ङ) इन नियमों के अनुसार भर्ती किये गये भारतीय रेलवे यातायात सेवा के अधिकारी (परखाधीन) भी :—

(क) रेलवे वेशन नियमों द्वारा अधिशासित होंगे; और

(ख) समय-समय पर संशोधित राज्य रेलवे भविष्य निधि (अंशदानरहित) के नियमों के अन्तर्गत इस निधि में अभिदान भी कर सकेंगे।

(च) कार्यग्रहण की तारीख से ही वेतन प्रारम्भ होगा। वेतनवृद्धि के प्रयोजनों से भी सेवा उसी तारीख से गिनी जायगी।

(छ) इन नियमों के अधीन जो अधिकारी भर्ती किये जाएंगे वे समय-समय पर लागू होने वाले छुट्टियों के सुविधाजनक नियमों के अनुसार छुट्टी लेने के पात्र होंगे।

(ज) अधिकारियों को आमतौर पर उनकी सेवा की अवधि पर उसी रेलवे में रखा जायगा जिसमें वे संवेद्यम नियुक्त कर दिये जायेंगे और किसी अन्य रेलवे में स्थानान्तरित होने के लिये साधिकार दावा नहीं कर सकेंगे। परन्तु भारत सरकार को यह अधिकार है कि वह उन अधिकारियों को सेवा की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए भारत में या भारत से बाहर किसी परियोजना (Project) या रेलवे में स्थानान्तरित कर सके।

(झ) वेतन मात्र —

कनिष्ठ वेतनमात्र—रु. 700-40-900-द० र००-40-1100-50-1300।

वरिष्ठ वेतनमात्र—रु. 1100 (छठवां वर्ष अथवा इससे कम) 50-1600।

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड—रु. 1500-60-1800-100-2000।

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड—(i) रु. 2250-125/2-2500, (ii) रु. 2500-125/2-2750।

नोट 1—परखाधीन अधिकारियों की सेवा जूनियर मान में कम से कम वेतन से प्रारम्भ होगी और वेतनवृद्धि के प्रयोजन से वह उनकी कार्यग्रहण की तारीख से गिनी जायगी। परन्तु उन्हें निर्धारित विभागीय परीक्षा या परीक्षाएं पास करनी होंगी। और उसके बाद ही उनका वेतनमान ₹ 740 प्रतिमास से ₹ 780 प्रतिमास किया जा सकेगा।

यदि परखाधीन अधिकारी अपनी परख और प्रशिक्षण की अवधि के पहले दो वर्षों में विभागीय परीक्षाएं पास नहीं कर सकेगा तो ₹ 740 से ₹ 780 तक की उसकी वेतनवृद्धि रोक दी जाएगी और परख अवधि बढ़ा दी जाएगी। जब वह विभागीय परीक्षाएं पास कर लेगा और उसके बाद जब पक्का हो जाएगा तो अंतिम विभागीय परीक्षा समाप्त होने की तारीख के बाद अगले दिन से उसका वेतन समयमान में उस अवस्था पर नियत कर दिया जायेगा जो उसे अन्यथा मिला होता पर उसे वेतन का बकाया नहीं मिलेगा, ऐसे मामलों में भावी वेतनवृद्धियों की तारीख पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

यदि कोई परखाधीन अधिकारी लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक एकादमी, मसूरी की पाठ्यक्रमांत परीक्षा पास नहीं करता तो जिस तारीख को उसे पहले वेतनवृद्धि प्राप्त होती उस तारीख से एक वर्ष के लिए स्थगित कर दी जायगी, अथवा विभागीय नियमों के अन्तर्गत उसे जब दूसरी वेतनवृद्धि प्राप्त होने वाली हो और उन दोनों में से जो भी अवधि पहले पड़े तब तक स्थगित रहेगी।

नोट 2—तथापि जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षाधीन के रूप में नियुक्ति से पहले सावधिक पद के अतिरिक्त अन्य स्थायी पद पर मूल रूप से कार्य करता था, उसका वेतन नियम 2018 के (i) नियम (ii) में नियम 22 खं (i) में दिए गए उपबन्ध के अनुसार विनियमित किया जायेगा।

(अ) वेतनवृद्धियों के बहल अनुमोदित सेवा के लिए ही और विभाग के नियमों के अनुसार ही दी जाएंगी।

(ट) प्रशासनिक ग्रेडों में पदोन्नति, स्वीकृत स्थापना (Establishment) में खाली जगहें होने पर ही की जायेंगी और पूर्ण रूप से चुनाव (Selection) के आधार पर ही की जायेंगी। एकमात्र वरीयता के आधार पर ही पदोन्नति के लिए दावा नहीं किया जा सकता।

(ठ) भारतीय रेलवे यातायात सेवा के परखाधीन अधिकारियों के शिक्षण का पाठ्यक्रम।

नोट 1—जिन उम्मीदवारों ने भारत में या और कहीं प्रशिक्षण या अनुभव पहले कभी प्राप्त कर रखा हो, उनके मामले में भारत सरकार को अपने निर्णय के अनुसार प्रशिक्षण अवधि घटाने का अधिकार है।

नोट 2—परखाधीन अधिकारियों को भी रेलवे स्टाफ कालेज बड़ौदा में दो दौर में प्रशिक्षण लेना होगा। इस कालेज में परीक्षा देना अनिवार्य है और एक बार असफल होने पर दूसरा अवसर तभी मिल सकता है जब कि आपवादिक

परिस्थितियां हों और अधिकारी का कार्य अभिलेख ऐसा है कि उसे यह छूट दी जा सकती है। परीक्षा में असफल होने पर परखाधीन अधिकारी की सेवा समाप्त की जा सकती, उनके प्रशिक्षण और परख की अवधि आवश्यकतानुसार बढ़ा दी जायगी और उन्हें किसी भी हालत में तब तक पक्का नहीं किया जाएगा जब तक कि वे परीक्षायें पास नहीं कर लेंगे।

नोट 3—नीचे जो प्रशिक्षण का कार्यक्रम दिया गया है वह मुख्य रूप से मार्ग-दर्शन के प्रयोजन से बनाया गया है। इसमें महा-प्रबन्धकों द्वारा अपने निर्णय के अनुसार स्थिति-विशेष को ध्यान में रखते हुए परिवर्तन किये जा सकते हैं, परन्तु सामान्यतया प्रशिक्षण की कुल अवधि घटाई जानी चाहिए।

नोट 4—प्रशिक्षण के दौरान परिवीक्षाधीन अधिकारी को, गार्ड, यार्ड मास्टर, सहायक स्टेशन मास्टर, स्टेशन मास्टर, यार्ड फोरमैन, ट्रेन परीक्षक, सहायक लोको फोरमैन, सहायक नियंत्रक आदि की हैसियत से कार्य करना होगा जिसका विवरण नीचे दिया गया है। प्रशिक्षण की समाप्ति के बाद जब परिवीक्षाधीन अधिकारी को किसी कार्यकारी पद पर तैनात किया जाता है तो उसे अपना कार्य करने के लिए यात्रा करनी पड़ती है तथा यात्रा के दौरान रास्ते के स्टेशनों पर “पड़ाव” की कोई सुविधायें उपलब्ध नहीं होती हैं। उसे दुर्घटना स्थलों की जांच के लिए किसी भी समय जाना पड़ता है तथा नियंत्रण कार्यालयों (Central offices) और स्टेशनों का नियंत्रण करना पड़ता है। इस सब के लिए बहुत परिव्रम प्रयोक्तिं होता है तथा रात को भी काम करना पड़ता है।

(उ) (i) पाठ्यक्रम की अवधि—दो वर्ष

मद	अवधि (सप्ताह)
1	2
1. लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक एकादमी, मसूरी	17
2. बड़ौदा स्टाफ कालिज (प्रथम दौर)	12
3. श्रेत्रीय स्कूल, गार्ड के कर्तव्य सीखने के लिए (प्रथम दौर)	4
4. गार्ड के रूप में कार्य करते हुए	3
5. बुकिंग/पार्सल आफिस, गुजरात शोड तथा ट्रांस-शिपमेंट रोड	10
6. यातायात लेखा तथा लेखाओं का यांत्रिक नियंत्रक	5
7. श्रेत्रीय स्कूल में सहायक स्टेशन मास्टर के कर्तव्य सीखने के लिए (द्वितीय दौर)	4
8. गार्ड मास्टर, सहायक स्टेशन मास्टर, स्टेशन मास्टर, यार्ड फोरमैन तथा ट्रेन परीक्षक के रूप में कार्य करते हुए	13

1	2	
9. सहायक लोकों फोरमैन के रूप में कार्य करते हुए	1	
10. सहायक नियंत्रक	4	
11. उप सहायक नियंत्रक, विद्युत् नियंत्रक का प्रशिक्षण	6	
12. बड़ौदा स्टाफ कालिज (द्वितीय दौर)	6	
13. पूर्वी रेलवे में प्रशिक्षण		
(क) आसनसोल डिवीजन		
(i) कोल पाइलट कार्य करते हुए 1.5 सप्ताह		
(ii) अन्दाल और आसनसोल यार्ड कम्पलेक्स का कार्य—इसमें दुर्गापुर इस्पात कारखाना भी शामिल है	2.5	
(ख) धनबाद डिवीजन		
(i) कोयला आवंटन की कार्यविधि इसमें पेह और करनपुरा जैसे यार्डों तथा पेह और दुगदा बाशीरीज तक के क्षेत्रों का दौरा करना होगा	2	
(ii) ध्रुवीय कोयला अधिकारी के कार्यालय का कार्य		
(ग) मुगलसराय मार्शलिंग यार्ड—साथ ही मन्दुग्रादी-देहरी ओन-सन तक दौरे भी करने होंगे ।		
14. विभिन्न-पूर्वी रेलवे में प्रशिक्षण		
(i) चक्रधरपुर डिवीजन—बोडमुंडा यार्ड, राउरकेला इस्पात कारखाना—इसके साथ-साथ कैप-टिव माइन्स के दौरे	1.5	
(ii) बिलासपुर डिवीजन भिलाई मार्शलिंग यार्ड, भिलाई इस्पात कारखाना तथा चीरी मीरी और महेन्द्रगढ़ कोयला खानों के क्षेत्रों का दौरा ।	1.5	
15. रेलवे जिनमें आवंटित किया गया—उसमें प्रशिक्षण		
(क) मुख्य कार्यालय (संचालन) 4.00	8.00	
(ख) मुख्य कार्यालय (वाणिज्यिक) 4.00		
विभिन्न प्रकार के परीक्षण के लिए यात्रा समय तथा अतिग्रावण्यक छुटी के लिए रखी गई समयावधि	2.5	
कुल	104.0	
	सप्ताह	
	या 24 महीने	

टिप्पणी :— 3 से 11 तक की मद्दे जिनका समय 1 वर्ष होगा आसनसोल डिवीजन में होगी ।

(2) यदि परखाधीन अधिकारी अपने दो वर्ष के प्रशिक्षण के अन्त में परीक्षा पास कर सके तो उसे अगले एक वर्ष के लिए किसी कार्यकारी पद का भार परख पर सौंप दिया जाएगा, परीक्षा आवश्यकता अनुसार पाठ्यत्रम् पूरा होने पर तथा प्रशिक्षण अवधि में निश्चित समय पर ली जाएगी ।

नोट—किसी परखाधीन अधिकारी को, स्वतन्त्र रूप से गाड़ी, सहायक स्टेशन मास्टर, स्टेशन मास्टर, यार्ड फोरमैन, सहायक लोकोमोटिव फोरमैन या सहायक नियंत्रक का काम सौंपने से पहले यह आवश्यक है कि प्रशासन के किसी जिम्मेदार अधिकारी द्वारा उक्त प्रत्येक पद के कार्य के संबंध में उसकी परीक्षा ली जाए और योग्य घोषित किया जाए ।

16. केन्द्रीय सचिवालय सेवा, अनुभाग अधिकारी ग्रेड, समूह छ

(क) केन्द्रीय सचिवालय सेवा में इस समय निम्नलिखित ग्रेड हैं :—

ग्रेड	वेतनमान
सेलैक्शन ग्रेड उप-सचिव या समकक्ष	रु 1500-60-1800-100-2000 ।
ग्रेड-I अवर सचिव	रु 1200-50-1600 ।
अनुभाग अधिकारी ग्रेड	रु 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ।
सहायक ग्रेड	रु 425-15-500-द० रो०-15-560-20-700-द० रो०-25-800 ।

सेलैक्शन ग्रेड और ग्रेड I का नियंत्रण अखिल-सचिवालय अधिकारी पर मिमिष्ठल (कार्मिक तथा प्रशासनिक विभाग) करता है और अनुभाग अधिकारी/सहायक ग्रेड, मन्त्रालयों द्वारा नियंत्रित किए जाते हैं ।

केवल अनुभाग अधिकारी ग्रेड और सहायक ग्रेड में ही सीधी भर्ती की जाती है ।

(ख) अनुभाग अधिकारी ग्रेड में सीधे भर्ती किए गए अधिकारियों को दो वर्ष तक परख पर रखा जायेगा । इस परख अवधि में उनको सरकार के द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण लेना होगा और यिभागीय परीक्षाएं पास करनी होंगी, यदि परखाधीन अधिकारी परीक्षण अवधि में पर्याप्त प्रगति न दिखा सके या परीक्षाएं पास न कर सके तो उन्हें सेवा मुक्त कर दिया जायेगा ।

(ग) परख अवधि समाप्त होने पर, सरकार अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर पक्का कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण सतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवा-मुक्त कर सकती है या उसकी परख अवधि को, जितना उचित समझे, बढ़ा सकती है।

(घ) यदि सरकार ने सेवा में नियुक्ति करने की अपनी शक्ति किसी अधिकारी को सौंप रखी हो तो वह अधिकारी उपरोक्त खण्ड में वर्णित सरकार की किसी भी शक्ति का प्रयोग कर सकता है।

(ङ) अनुभाग अधिकारियों को सामान्यतया “अनुभाग” का अध्यक्ष बनाया जायेगा और ग्रेड-I के अधिकारियों को, सामान्यतया शाखाओं का कार्यभार सौंपा जायेगा, जिनमें एक या अधिक अनुभाग होंगे।

(च) अनुभाग अधिकारी इस सम्बन्ध में समय-समय पर लागू होने वाले नियमों के अनुसार ग्रेड में पदोन्नति पा सकेंगे।

(छ) केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-I के अधिकारी, केन्द्रीय सचिवालय में सलैक्शन ग्रेड की सेवा में और अन्य ऊंचे प्रशासनिक पदों पर नियुक्ति पाने के पात्र होंगे।

(ज) जहां तक केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अधिकारियों की छुट्टी पेशन और सेवा की अन्य शर्तों का सम्बन्ध है, वे अन्य समूह-क और समूह-ख के अधिकारियों के समान हीं समझे जायेंगे।

17. भारतीय विदेश सेवा बांच 'बी०' सामान्य संबंध के एकीकृत ग्रेड II तथा III (अनुभाग अधिकारी ग्रेड)

(क) भारतीय विदेश सेवा बांच 'बी०' (समूह ख) के एकीकृत ग्रेड-II तथा III की स्थायी रिक्तियों की 16^{वीं} प्रतिशत रिक्तियों संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा भरी जाती है। इस ग्रेड का वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 है।

(ख) अनुभाग अधिकारी ग्रेड से सीधे भर्ती किए गए अधिकारी 2 वर्ष के लिए परिवीक्षा पर होंगे और इस अवधि के दौरान उन्हें सरकार द्वारा विहित की गई ट्रेनिंग तथा विभागीय परीक्षाएं पास करनी होंगी। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें पर्याप्त प्रगति न पाने अथवा विहित परीक्षाएं पास न कर सकने पर परिवीक्षाधीन अधिकारी को सेवा से अलग कर दिया जाएगा।

(ग) परिवीक्षा की अवधि समाप्त होने पर सरकार स्थायी पद उपलब्ध होने पर अधिकारी को उसके पद पर स्थायी कर सकती है अथवा उसका कार्य अथवा आचरण, सरकार की राय में, असंतोषप्रद होने पर या तो उसे सेवा से अलग किया जा सकता है या उसकी अवधि को उतना और बढ़ाया जा सकता है जितना सरकार उचित समझेगी परिवीक्षा की कुल अवधि 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी।

(घ) इस सेवा में नियुक्तियाँ करने की शक्तियाँ सरकार द्वारा किसी अधिकारी को प्रत्यायोजित किए जाने पर वह अधिकारी उपरोक्त खण्ड में विहित सरकार की किसी भी शक्ति का प्रयोग कर सकता है।

(ङ) इस सेवा में नियुक्ति किए गए अधिकारी सामान्यतः अनुभागाध्यक्ष होंगे। विदेश मंत्रालय/विदेश व्यापार मंत्रालय के मुख्यालय में नियुक्त होने पर उनका पदनाम अनुभाग अधिकारी तथा कहीं प्रशासनिक अधिकारी होगा। विदेश स्थित भारतीय मिशनों में सेवा पर होने पर उनका पदनाम रजिस्ट्रार होगा। हालांकि स्थानीय प्रयोजनों के लिये उन्हें राजनयिक हैसियत का अताशे (अटैच्ची) कहा जा सकता है।

(च) अनुभाग अधिकारी भारतीय विदेश सेवा (बी०) के सामान्य संबंध के ग्रेड-I इस सम्बन्ध में समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार रु० 1200-50-1600 पदोन्नति के पात्र होंगे।

(छ) इसी तरह भारतीय विदेश सेवा (बी०) के सामान्य संबंध के ग्रेड-I के अधिकारी, इस सम्बन्ध में समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार भारतीय विदेश सेवा (ए०) के वरिष्ठ वेतनमान में, रु० 1200 (छ: वर्ष या कम)-50-1300-60-1600-द० रो०-60-1900-100-2000 के वेतनमान में नियुक्ति के पात्र होंगे।

(ज) भारतीय विदेश सेवा, बांच (बी०) विदेश मंत्रालय तथा विदेश स्थित भारतीय मिशनों तक सीमित है और इस सेवा में नियुक्त अधिकारी विदेश व्यापार मंत्रालय के अलावा किसी अन्य मंत्रालय में सामान्यतः अन्तरित नहीं किए जाए। किन्तु उन्हें भारत में तथा बाहर कहीं भी सेवा में जाना पड़ सकता है।

(झ) विदेश में सेवा के दौरान, भारतीय विदेश सेवा (बी०) के अधिकारियों को उनके मूल वेतन के अतिरिक्त, समय-समय पर मंजूर की गई दरों पर विदेश भत्ता प्रदान किया जाता है जो सम्बन्धित देश में निवाह-खचं पर निर्भर करता है। इसके अतिरिक्त, विदेश में सेवा के दौरान भारतीय विदेश सेवा (पी० एल० सी० ए०) के अधिकारियों पर लागू किए गए हैं, के अनुसार रियायतें भी दी जाती हैं।—

(i) सरकार द्वारा निर्धारित वेतनमान के अनुसार नियुक्त सुसज्जित आवास।

(ii) सहायता प्रदत्त चिकित्सा परिचर्या योजना के अन्तर्गत चिकित्सा परिचर्या की सुविधाएं।

(iii) विशेष संकट काल में जैसे किसी निकटतम संबंधी की भारत में मृत्यु या गंभीर बीमारी की स्थिति में, जैसा कि सरकार द्वारा परिभाषित किया गया हो, अधिकारी के सेवा काल के दौरान अधिकृतम दो बार विदेश में इयूटी स्थल से भारत और वहां से वापिस इयूटी स्थल तक का वापसी हवाई भाड़ा।

(iv) भारत में पढ़ रहे 8 और 21 वर्ष के बीच की आयु के बच्चों को छुटियों के दौरान अपने मातापिता से मिलने के लिए कतिपय जगतों के अधीन वार्षिक वापसी हवाई भाड़ा।

(v) 5 और 18 वर्ष के बीच की आयु के अधिकतम दो बच्चों के लिए, सरकार द्वारा समय-समय पर विहित की गई दरों पर शिक्षा भत्ता।

(vi) सरकार द्वारा समय-समय पर नियत की गई दरों तथा विहित नियमों के अनुसार विदेश सेवा के संबंध में आऊट-फिट भत्ता। साधारण आऊट-फिट भत्ते के अतिरिक्त ऐसे देशों में पदस्था अधिकारियों को विशेष आऊट-फिट भत्ता भी मिलता है जहाँ की जलवायु अमामान्य रूप से शीतल होती है।

(vii) विहित नियमों के अनुसार अधिकारियों और उनके परिवारों को होम लीब (घर जाने की छुट्टी) भाषा।

(अ) इस सेवा के सबस्यों पर संशोधित छुट्टी नियम, 1933 समय-समय पर संशोधित रूप में सागू होते हैं जिनमें कुछ संशोधन किया जा सकता है। विदेश सेवा के संबंध में पड़ोसी देशों को छोड़ कर, अधिकारी संशोधन छुट्टी नियम, के अन्तर्गत मिलने वाली छुट्टी के 50% तक छुट्टी का एडीशनल श्रेडिट पाने के हकदार हैं।

(ट) भारत में होने पर ये अधिकारी ऐसी रियायतें पाने के हकदार होंगे जो बराबर के और मिलती-जुलती हैं। नियत के अन्य केन्द्रीय सरकारी अधिकारियों को प्राप्त हैं।

(ठ) भारतीय विदेश सेवा (वी०) के अधिकारी सामान्य भविष्य नियंत्रण (केन्द्रीय सेवाएं) नियम, 1960, यथा समय-समय पर संशोधित और उनके अधीन जारी किए गए आदेशों द्वारा शासित होंगे।

(ड) इस सेवा में नियुक्त अधिकारी लिप्लाइड पेंशन रूपमें, 1950, यथा समय-समय पर संशोधित तथा उनके अधीन जारी किए गए आदेशों द्वारा शासित होंगे।

18. सशस्त्र सेवा मुख्यालय सिविल सेवा सहायक सिविल स्टाफ अधिकारी प्रेड समूह छ

(क) सशस्त्र सेवा मुख्यालय सिविल सेवा में इस समय नियन्त्रित चार प्रेड हैं:—

प्रेड

वेतनमान

(1) चयन प्रेड (समूह क) (मंयुक्त रु 1500-60-1800 निदेशक अथवा सीनियर सिविल स्टाफ अफिसर)

प्रेड

वेतनमान

(2) सिविलियन स्टाफ अफिसर रु 740-30-800-50 (समूह क) 1150

जो वेतनमान इसमें दिखलाया गया है वह वेतनमान है जो 1-1-73 से पहले था। उपर्युक्त प्रेडों के वेतनमानों को तृतीय वेतन आयोग की सिफारिशों को ध्यान में रखते हुए, यीव्र ही संशोधित किए जाने की संभावना है।

(3) सहायक सिविलियन स्टाफ रु 650-30-740-45-अधिकारी (समूह छ राजपत्रित) 810-द० रो०-35-880-40-1000- द० रो०-40-1200

(4) सहायक (समूह छ अराजपत्रित) रु 425-15-500- द० रो०-15-560-20-700-द० रो०-25-800।

उपरोक्त सेवा सशस्त्र सेवा मुख्यालय तथा प्रतिरक्षा मंत्रालय के अन्तर्सेवा संगठनों के लिए कर्मचारियों की आवश्यकता की पूर्ति करती है।

सीधी भर्ती केवल सहायक सिविल स्टाफ अधिकारी प्रेड तथा सहायक प्रेड में ही की जाती है।

(ब) सीधी भर्ती वाले व्यक्ति सहायक सिविल स्टाफ अधिकारी प्रेड पर 2 वर्ष की परिवीक्षा पर रहेंगे। इस अवधि में उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित कोई भी प्रशिक्षण प्राप्त करना पड़ सकता है अथवा परीक्षाएं पास करनी पड़ सकती हैं। प्रशिक्षण के दौरान पर्याप्त प्रगति न होने अथवा परीक्षाओं में उत्तीर्ण न हो पाने के फलस्वरूप परिवीक्षाधीन व्यक्ति को सेवा से निकाल दिया जाएगा।

(ग) परिवीक्षा की अवधि समाप्त होने पर सरकार चाहे तो संबंधित अधिकारी को उसकी नियुक्ति में स्थायी कर दे अथवा यदि उसका कार्य, अथवा आचरण सरकार के विचार में संतोषजनक न रहा हो तो उसे सेवा से निकाल दे या परिवीक्षा की अवधि उतने काल तक के लिए बढ़ा दे जितना सरकार उचित समझे।

(घ) यदि सेवा में नियुक्ति यां करने का अधिकार सरकार द्वारा किसी अधिकारी को प्रत्यायोजित किया जाए तो वह अधिकारी उपर्युक्त अनुच्छेदों में वर्णित सरकार की शक्तियों में से किसी का भी प्रयोग कर सकता है।

(ङ) रक्षा मंत्रालय के सशस्त्र सेवा मुख्यालय तथा अन्तर्सेवा संगठनों में सहायक सिविल स्टाफ अधिकारी सामान्यतः अनुभागों के प्रमुख होंगे जबकि सिविलियन स्टाफ अधिकारी एक या एकाधिक अनुभागों के कार्यकारी होंगे।

(च) सहायक सिविल स्टाफ अधिकारी समय-समय पर तत्संबंधी प्रचलित नियमों के अनुसार सिविलियन स्टाफ अधिकारी समय-समय पर तत्सम्बन्धी प्रचलित नियमों के

(छ) सशस्त्र सेवा मुख्यालय सिविल सेवा के सिविलियन स्टाफ अधिकारी समय-समय पर तत्सम्बन्धी प्रचलित नियमों के

अनुसार सेवा के जयन ग्रेड में तथा अन्य प्रशासनिक पदों पर नियुक्ति के हकदार होंगे।

(ज) जहाँ तक छुट्टी, पेंशन तथा सेवा की अन्य शर्तों का सम्बन्ध है, उनका नियन्त्रण सशस्त्र सेवा मुख्यालय सिविल सेवा के अधिकारी, समय-समय पर रक्षा सेवाओं के व्यय में से वेतन पाने वाले अधिकारियों के लिए लागू विनियमों तथा अदेशों द्वारा शासित होंगे।

19. सीमा-शुल्क मूल्यांकन सेवा- समूह ख

(क) मूल्यांकन ग्रेड में ₹ 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में भर्ती की जाती है। नियुक्तियाँ दो वर्ष के लिए परिवीक्षा के आधार पर की जाती हैं तथा परिवीक्षा की अवधि सक्षम प्राधिकारी, यदि चाहे तो बढ़ा भी सकता है। परिवीक्षा काल में उम्मीदवारों को केन्द्रीय उत्पादन-शुल्क तथा सीमा-शुल्क बोर्ड द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण लेना होगा तथा विभागीय परीक्षाएं पास करनी होंगी। उन्हें ₹ 680 के ऊपर का वेतन तब तक नहीं लेने दिया जायेगा जब तक वे निर्धारित विभागीय परीक्षा पूर्ण रूप से पास नहीं कर लेते।

(ख) यदि परिवीक्षा की भूल अथवा परिवर्द्धित अवधि की समाप्ति पर नियोक्ता प्राधिकारी यह समझता है कि चयन किया गया उम्मीदवार स्थायी नियुक्ति के योग्य नहीं है अथवा परिवीक्षा की उक्त मूल अथवा परिवर्द्धित अवधि के दौरान, प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट हो जाता है कि उम्मीदवार परिवीक्षा की अवधि की समाप्ति पर स्थायी नियुक्ति के योग्य नहीं होगा तो वह उसे सेवा से छल्ला कर सकता है, अथवा जो उचित समझे, वह आदेश दे सकता है।

(ग) परिवीक्षा की अवधि को सफलतापूर्वक पूर्ण कर लेने पर तथा विभागीय परीक्षाएं पास कर लेने के बाद अधिकारियों को संबद्ध ग्रेड में स्थायी करने पर विचार किया जाएगा।

(घ) लागू नियमों के अनुसार भारतीय सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद सेवा समूह ख (700—1300 ₹०) में सहायक कलक्टर के प्रश्ने उच्च ग्रेड में पदोन्नति के लिए मूल्य निरूपक (एप्रेजर) पाना होगे।

(ङ) अवकाश पेंशन आदि के मामले में इन अधिकारियों पर केन्द्रीय सरकार के अन्य समूह ख अधिकारियों पर लागू होने वाले नियम ही लागू होंगे। जहाँ तक उन की सेवा की अन्य शर्तों का प्रश्न है, उन पर सीमा-शुल्क मूल्यांकक सेवा, क्लास की भर्ती नियमावली की व्यवस्थाएं लागू होंगी। इन नियमों में यह विशेष रूप से निर्दिष्ट है कि इस सेवा अधिकारियों को "केन्द्रीय उत्पादन-शुल्क तथा सीमा-शुल्क बोर्ड" के अधीन किसी भी समान या उच्च पद पर भारत में कहीं भी तैनात किया जा सकता है।

20. विल्सी, और अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह सिविल सेवा समूह ख

(क) नियुक्ति परख पर की जायेगी, जिसकी अवधि दो वर्ष की होगी और उसे सक्षम प्राधिकारी के निर्णय के

अनुसार बढ़ाया भी जा सकेगा। परख पर नियुक्त उम्मीदवार को केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण लेना होगा और विभागीय परीक्षाएं देनी होंगी।

(ख) यदि सरकार की राय में किसी परखाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसके देखते हुए उसके कार्यकुशल होने की संभावना न हो, तो सरकार उसे तत्काल सेवामुक्त कर सकती है।

(ग) जब यह घोषित कर दिया जायेगा कि अमुक अधिकारी ने संतोषजनक रूप से अपनी परख अवधि समाप्त कर ली है तो उसे सेवा में पक्का कर दिया जायेगा। यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा तो सरकार उसे या तो सेवा मुक्त कर सकती है या उसकी परख अवधि को, जितना उचित समझे, बढ़ा सकती है।

(घ) वेतनमान :—

ग्रेड-I (सिलैक्शन ग्रेड) ₹ 1200-50-1600।

ग्रेड-II (समय वेतनमान) ₹ 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200।

किसी प्रतियोगिता परीक्षा के परिणामों के आधार पर भर्ती किए जाने वाले व्यक्ति को सेवा में नियुक्ति पर समय वेतनमान का न्यूनतम वेतन प्राप्त होगा बर्ते कि यदि वह सेवा में नियुक्ति से पहले मूल रूप से सावधिक पद के अतिरिक्त स्थायी पद पर कार्य करता था, सेवा में परिवीक्षा की अवधि में उसका वेतन मूल नियम 22-ख (1) के परन्तुक के अधीन विनियमित किया जाएगा। सेवा में नियुक्त किए गए अन्य व्यक्तियों के लिए वेतन और वेतन वृद्धियाँ मूल नियमों के अनुसार विनियमित होंगी।

(ङ) सेवा के अधिकारियों को परिशोधित केन्द्रीय वेतनमान प्राप्त करने वाले कर्मचारियों पर लागू केन्द्रीय सरकार की दरों पर महंगाई भत्ता प्राप्त करने का हक होगा।

(च) महंगाई भत्ता के अतिरिक्त इस सेवा के अधिकारियों को, प्रतिकर (नगर) भत्ता, भकान किराया भत्ता और पहाड़ी स्थानों तथा मुद्रर स्थानों में रहन-सहन के बढ़े हुए खर्च को पूरा करने के लिए अन्य भत्ते दिए जाएंगे, यदि उन्हें ड्यूटी पर या प्रशिक्षण के लिए ऐसे स्थानों पर भेजा जाएगा और जिन स्थानों के लिए ये भत्ते अनुमत्य होंगे।

(छ) इस सेवा के अधिकारियों पर दिल्ली और अन्डमान निकोबार द्वीप समूह सिविल सेवा नियमावली, 1971 और इस नियमावली को लागू करने के परियोजन से केन्द्रीय सरकार द्वारा दी जाने वाली हिदायतें अथवा बनाए जाने वाले अन्य विनियम लागू होंगे। जो मामले विशिष्ट रूप से उक्त नियमों या विनियमों अथवा उनके अन्तर्गत दिए गए आदेशों या विशेष आदेशों के अन्तर्गत नहीं आते उनमें ये अधिकारी उन नियमों, विनियमों और आदेशों द्वारा शासित होंगे जो संघ के कार्यों से संबंधित सेवा करने वाले तदनुरूप (Corresponding) अधिकारियों पर लागू होते हैं।

21. गोआ, दमन तथा दियु सिविल सेवा—समूह ख

(क) नियुक्तियां दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि के आधार पर की जाएंगी तथा परिवीक्षा की अवधि सक्षम प्राधिकारी चाहे तो वहां भी सकेगा। परिवीक्षा के आधार पर नियुक्त उम्मीदवारों को गोआ, दमन और दियु संघ राज्य के प्रशासन द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा तथा विभागीय परीक्षाएं पास करनी होंगी।

(ख) यदि प्रशासक की राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का काम या आचरण संतोषजनक नहीं है अथवा उसे यह प्रकट होता है कि अधिकारी के सुयोग सिद्ध होने की संभावना नहीं है, तो प्रशासक के उसे सेवा से तुरन्त अलग कर सकता है।

(ग) जिस अधिकारी के लिए यह घोषित हो जाएगा कि उसने परिवीक्षा की अवधि संतोषजनक ढंग से पूर्ण कर ली है उसे सेवा में स्थायी कर दिया जाएगा। यदि प्रशासक की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक नहीं रहा है तो वह उसे सेवा से अलग कर सकता है अथवा परिवीक्षा की अवधि जितनी ठीक समझे आगे बढ़ा सकता है।

(घ) इस सेवा के अधिकारी को गोआ, दमन तथा दियु संघ राज्य क्षेत्र में किसी भी स्थान पर कार्य करना होगा।

(ङ) वेतनमान:—

ग्रेड-I (चयन ग्रेड) —रु० 1100-50-1600।

ग्रेड-II (समय वेतनमान) —रु० 650-30-740-35-810-
द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200।

किसी प्रतियोगिता परीक्षा के परिणामों के आधार पर भर्ती किए जाने वाले व्यक्ति को सेवा में नियुक्ति पर समय वेतनमान का न्यूनतम वेतन प्राप्त होगा बशर्ते यदि वह सेवा में नियुक्ति से पहले मूल रूप से सावधिक पद के अतिरिक्त स्थायी पद पर कार्य करता था, सेवा में परिवीक्षा की अवधि में उसका वेतन मूल नियम 22-ख (1) के परन्तुक के अधीन विनियमित किया जाएगा। सेवा में नियुक्त किए गए अन्य व्यक्तियों के लिए वेतन और वेतन-वृद्धियां मूल नियमों के अनुसार विनियमित होंगी।

इस सेवा के अधिकारी भारतीय प्रशासन सेवा (पदोन्नति द्वारा नियुक्ति) विनियम, 1955 के अनुसार भारतीय प्रशासन सेवा के सीनियर वेतनमान के पदों पर पदोन्नति के पात्र होंगे।

(च) इस सेवा के अधिकारियों पर गोआ, दमन तथा दियु सिविल सेवा नियमावली, 1967, तथा इन नियमों को कार्यान्वित करने के लिए बनाए गए अन्य विनियम या प्रशासक द्वारा जारी किए गए आदेश लागू होंगे।

22. पांडिचेरी सिविल सेवा—समूह ख

(क) नियुक्तियां दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि के आधार पर की जाएंगी तथा परिवीक्षा की अवधि सक्षम प्राधिकारी

7-511GI/75

चाहे तो बढ़ा भी सकेगा। परिवीक्षा के आधार पर नियुक्त उम्मीदवारों को पांडिचेरी संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासक द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा तथा विभागीय परीक्षाएं पास करनी होंगी।

(ख) यदि प्रशासक की राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का काम या आचरण संतोषजनक नहीं है अथवा उसे यह प्रकट होता है कि अधिकारी के सुयोग सिद्ध होने की संभावना नहीं है, तो प्रशासक उसे सेवा से तुरन्त अलग कर सकता है।

(ग) जिस अधिकारी के लिए यह घोषित हो जाएगा कि उसने परिवीक्षा की अवधि संतोषजनक ढंग से पूर्ण कर ली है उसे सेवा में स्थायी कर दिया जाएगा। यदि प्रशासक की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक नहीं रहा है तो वह उसे सेवा से अलग कर [सकता है] अथवा परीक्षा की अवधि जितनी ठीक समझे आगे बढ़ा सकता है।

(घ) इस सेवा के अधिकारी को पांडिचेरी संघ राज्य क्षेत्र में किसी भी स्थान पर कार्य करना होगा।

(ङ) वेतनमान:—

ग्रेड-I (चयन ग्रेड) —रु० 1100-50-1600।

ग्रेड-II (समय वेतनमान) —रु० 650-30-740-35-810-
द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200।

किसी प्रतियोगिता परीक्षा के परिणामों के आधार पर भर्ती किए जाने वाले व्यक्ति को सेवा में नियुक्ति पर समय वेतनमान का न्यूनतम वेतन प्राप्त होगा बशर्ते यदि वह सेवा में नियुक्ति से पहले मूल रूप से सावधिक पद के अतिरिक्त स्थायी पद पर कार्य करता था, सेवा में परिवीक्षा की अवधि में उसका वेतन मूल नियम 22-ख (1) के परन्तुक के अधीन विनियमित किया जाएगा। सेवा में नियुक्त किए गए अन्य व्यक्तियों के लिए वेतन और वेतन-वृद्धियां मूल नियमों के अनुसार विनियमित होंगी।

इस सेवा के अधिकारी भारतीय प्रशासन सेवा (पदोन्नति द्वारा नियुक्ति) विनियम, 1955 के अनुसार भारतीय प्रशासन सेवा के सीनियर वेतनमान के पदों पर पदोन्नति के पात्र न होंगे।

(च) इस सेवा के अधिकारियों पर पांडिचेरी सिविल सेवा नियमावली, 1967, तथा इन नियमों को कार्यान्वित करने के लिए बनाए गए अन्य विनियम या प्रशासन द्वारा जारी किए गए आदेश लागू होंगे।

परिचालना IV

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम

टिप्पणी—1. ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिए प्रकाशित किए जाते हैं और इसलिए प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह सुनिश्चित कर सकें कि उनका

शारीरिक स्तर अपेक्षित तक का है। इन अधिनियमों का यह भी ध्येय है कि स्वास्थ्य परीक्षकों को ऐसे उम्मीदवारों को, जो अधिनियमों में निर्धारित न्यूनतम आवश्यकताओं को पूर्ण न करते हों और स्वास्थ्य परीक्षकों द्वारा अरोग्य घोषित न हो जाएं, मार्ग दर्शी सकें। तथापि, यह जानते हुए कि उम्मीदवार इन अधिनियमों में वी हुई शर्तों के अनुसार अरोग्य नहीं हैं स्वास्थ्य बोर्ड की आज्ञा होगी कि भारत सरकार को स्पष्ट रूप से कारण सिफारिश करें जिससे वह बिना असुविधा के सेवा में भर्ती किया जा सकता है।

2. तथापि, यह भी स्पष्टतया समझ लेना चाहिए कि स्वास्थ्य बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् भारत सरकार को किसी भी उम्मीदवार को स्वीकार करने तथा अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार है।

विभिन्न सेवाओं का वर्गीकरण दो श्रेणियों “तकनीकी तथा अतकनीकी” के अधीन इस प्रकार से होगा:—

(क) तकनीकी

- (1) भारतीय रेलवे यातायात सेवा,
- (2) भारतीय पुलिस सेवा तथा अन्य केन्द्रीय पुलिस सेवा, समूह ख

(ख) अतकनीकी

आई० ए० एस०, आई० एफ० एस०, आई० ए० और ए० एस० भारतीय सीमा-शुल्क सेवा, भारतीय रेलवे लेखा सेवा के सभी अन्य पद भारतीय रक्षा लेखा सेवा, आयकर अधिकारी (समूह-क) सेवा, भारतीय ढाक सेवा, सैनिक भूमि रेलवे सुरक्षा बल में समूह-ख, पद और छावनी सेवा समूह क तथा ख के तकनीकी अधिकारी।

1. नियुक्ति के योग्य छहराएं जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उम्मीदवार में कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद दक्षतापूर्वक काम करने में वाधा पड़ने की संभावना हो।

2. (क) भारतीय (एंग्लो-इंडियन समेत) जाति के उम्मीदवारों की आयु, कद और छाती के धेर के परस्पर सम्बन्ध के बारे में मेडिकल बोर्ड के ऊपर ही यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्ग-दर्शन के रूप में जो भी परस्पर सम्बन्ध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझे, व्यवहार में लाए। यदि वजन, कद और छाती के धेर में विषमता हो तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और छाती का एक्स-रे लेना चाहिए ऐसा करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को योग्य अथवा अयोग्य करेगा।

(ख) निश्चित सेवाओं के लिए कद और छाती के धेर का कम-से-कम मान नीचे दिया जाता है जिस पर पूरा न उतरने पर उम्मीदवार को मंजूर नहीं किया जा सकता।

मेवा का नाम	कद	छाती का (फैला कर)	धेर पूरा फैलाई
(1)	(2)	(3)	(4)
(1) भारतीय रेलवे यातायात सेवा	152	84	5 (पुरुषों के लिए)
	150	79	5 (स्त्रियों के लिए)
			रेलवे सुरक्षा बल में समूह ख के पद
(2) भारतीय पुलिस सेवा तथा दिल्ली अंडमान, निकोबार द्वीप समूह पुलिस सेवा समूह ख	165	84	5 (पुरुषों के लिए)
	150	79	5 (स्त्रियों के लिए)

अनुसूचित आदिम जातियों और गोरखा, गढ़वाली, असमी, नागालैण्ड आदिम जातियों आदि से सम्बन्धित उम्मीदवारों के मामले में न्यूनतम निर्धारित कद की सम्भाई में छूट दी जा सकेगी जिनकी श्रीसत कद की सम्भाई दूसरों से छोटी होती है।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में नापा जाएगा:—

वह अपने जूते उतार देगा और उसे माप-दण्ड (स्टेंडर्ड) से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव आपस में जुड़े रहें और उसका वजन, सिवाए एड़ियों के पांवों की उंगलियों या किसी और हिस्से पर न पड़े। वह बिना अकड़े सीधा खड़ा होगा और उसकी एड़ियां, पिण्डलियां, नितम्ब और कन्धे माप-दण्ड के साथ लगे रहेंगे। उसकी ठोड़ी नीची रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (बटेक्स आफ दि हैड लेवल) हारिजेंटल बार (आझी छड़) के नीचे आ जाए। कद सेंटीमीटरों और आघे-सेंटीमीटरों में नापा जाएगा।

4. उम्मीदवार की छाती नापने का तरीका इस प्रकार है:—

उसे इस भाँति सीधा खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव जुड़े हों और उसकी भुजाएं सिर से ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्द इस तरह से लगाया जाएगा कि फीछे की ओर इसका ऊपरी किनारा असफलक (शोल्डर लैड) के निम्न कोणों (इन्फीरियर एंगलस) से लगा रहे और यह फीते को छाती के गिर्द ले जाने पर उसी आघे समतल (हारिजेंटल प्लेन) में रहे (फिर भुजाओं को नीचे किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया

जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कन्धे ऊपर फीछे नीचे की ओर न कि ए जाएं जिससे कि फीता न हिले। अब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा और छाती का अधिक-से-अधिक फैलाव गौर से नोट किया जाएगा और कम-से-कम और अधिक-से-अधिक फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा, 84-89, 86-94.5 आदि। नाप को रिकार्ड करते समय आधे सेंटीमीटर से कम के भिन्न (फ्रेक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए।

नोट :—अन्तिम निर्णय लेने से पहले उम्मीदवारों की उचाई और छाती दो बार नापनी चाहिए।

5. उम्मीदवार का बजन भी लिया जाएगा और उसका बजन किलोग्रामों में रिकार्ड किया जाएगा। आधे किलोग्राम से कम के फ्रेक्शन को नोट नहीं करना चाहिए।

6. (क) उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा :—

(ख) चश्मे के बिना नजर (नेकेड आई विजन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक केस में डेडिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में मूल सूचना (बेसिक इन्फारमेशन) मिल जाएगी।

(ग) विभिन्न प्रकार की सेवाओं के लिए चश्मे के साथ और चश्मे के बिना दूर और नजदीक की नजर का मानक निम्नलिखित होगा :—

सेवा की श्रेणी	दूर की नजर	नजदीक की नजर
अच्छी खराब	अच्छी खराब	अच्छी खराब
आंख आंख	आंख आंख	आंख आंख
(ठीक की हुई दृष्टि)	(ठीक की हुई दृष्टि)	(ठीक की हुई दृष्टि)

अ० भा० से, अ० पु० से तथा केन्द्रीय सेवाएं

समूहक और ख

(i) तकनीकी	6/6	6/12	जे० ।	जे० ॥
	या			
	6/9	6/9		
(ii) तकनीकी।	6/9	6/12	जे० ।	जे० ॥
भारतीय आईडिनेस्स	6/6	6/18	जे० ।	जे० ॥
	अथवा			
फक्टरी सेवा	6/9	6/9		

(घ) (i) उपर्युक्त तकनीकी सेवाओं और लोक सुरक्षा से सम्बन्धित कोई अन्य सेवाओं के संबंध में (सिलिंडर मिलाकर) मायोपिया कुल—4.00 डी० (प्लस) से अधिक नहीं हो। हाइ-

परमेट्रोपिया की कुल (सिलिंडर मिलाकर) 4.00 डी० (प्लस) से अधिक नहीं होना चाहिये। बशर्ते “तकनीकी” श्रेणीबद्ध सेवाओं (रेल संवालय के अधीन सेवाओं को छोड़कर) से संबंधित अति निकट दृष्टि (हाई मायोपिया) के आधार पर उम्मीदवार के अयोग्य पाये जाने के संबंध में, वह मामला तीन दृष्टि विशेषज्ञों के विशेष बोर्ड को भेजा जायेगा, जो यह घोषणा करेंगे कि क्या निकट दृष्टि रोगात्मक है अथवा नहीं। यदि यह मामला रोगात्मक नहीं है तो वह उम्मीदवार योग्य घोषित किया जायेगा, बशर्ते कि वह दृष्टि संबंधी अन्य अपेक्षाओं की पूर्ति करता हो।

(ii) आयोगिता के प्रत्येक मामले में, फंडस परीक्षा की जानी चाहिये और उसका परिणाम रिकार्ड किये जाने चाहिये। व्याधिकृत दशा मौजूद होने पर जो कि बड़े सकती है और उम्मीदवार की वक्ता पर प्रभाव डाल सकती है, उसे अंयोग्य घोषित किया जाए।

(इ) दृष्टि क्षेत्र :—सभी सेवाओं के लिये सम्मुख विधि (कन्फर्टेशन मैथड) द्वारा दृष्टि क्षेत्र की जांच की जायेगी। जब ऐसी जांच का नतीजा असन्तोषजनक या संदिग्ध हो तब दृष्टि-क्षेत्र को परिमाणी (वेरामीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिये।

(च) रत्तौंधी (नाइट ब्लाइंडनेस) साधारणतया रत्तौंधी दो प्रकार की होती है, (1) विटामिन 'ए' की कमी होने के कारण और (2) रेटीना के शारीरिक रोक के कारण रेटीनीटिस पिग-मेंटोसा होता है। जिसका सामान्य कारण ऊपर बताई गई (1) की स्थिति में फंडस में प्रसामान्य होता है, साधारणतया छोटी आमुवाले व्यक्तियों में और कम खुराक पाने वाले व्यक्तियों में दिखाई देता है और अधिक माला में विटामिन 'ए' के खाने से ठीक हो जाता है। ऊपर बताई गई (2) की स्थिति में फंडस में खराबी होती है और अधिकांश मामलों में केवल फंडस की परीक्षा से ही स्थिति का पता चल जाता है। इस श्रेणी का रोगी प्रीव्ह होता है और खुराक की कमी से पीड़ित नहीं होता है। सरकार में ऊंची नौकरियों के लिये प्रयत्न करने वाले व्यक्ति इस वर्ग में आते हैं। उपर्युक्त (1) और (2) दोनों के लिये अन्धेरा अनुकूलन परीक्षा से स्थिति का पता चल जायेगा। उपर्युक्त (2) के लिये विशेषतया जब फंडस खराब न हो तो इलेक्ट्रो-रेटीनोग्राफी किये जाने की आवश्यकता होती है। इन दोनों जांचों में (अन्धेरा अनुकूलन और रेटीनोग्राफी) में समय अधिक लगता है और विशेष प्रबन्ध और सामान की आवश्यकता होती है और इसलिये साधारण चैकिटिक जांच के लिये यह समय नहीं है तकनीकी बातों का ध्यान में रखते हुए मन्त्रालय-विभाग को चाहिये कि वे बतायें कि रत्तौंधी के लिए इन जांचों का करना अनिवार्य है या नहीं। यह इस बात पर निर्भर होगा कि पद से संबंध काम की आवश्यकता क्या है और जिन व्यक्तियों को सरकारी नौकरी दी जाने वाली उनकी ड्यूटी जिस तरह की होगी।

कलर विजन—रंगों के सम्बन्ध में नजर की जांच जरूरी है।

नीचे दी गई तालिका के अनुसार रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान : उच्चतर (हायर) और निम्नतर (लोअर) ग्रेडों में होना

चाहिये जो लैटर्न के द्वारा (एपचर) के आकार पर निर्भर हों।	
ग्रेड रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान रंग के प्रत्यक्ष का उच्चतर ग्रेड ज्ञान का निम्नतर ग्रेड	

1. लैम्प और उम्मीद-वार के बीच की दूरी 16/	16/
2. द्वारक (एपचर) का आकार 1. 3 मि० मीटर	1. 3 मि० मीटर
3. दिखाने का समय 5 सेकंड	5 सेकंड

भारतीय रेलवे ट्रैफिक सेवा के लिये जिसमें रेलवे सुरक्षा बल के समूह ख पद शामिल हैं और लोक विचार से संबंधित अन्य सेवायें, कलर विजन के उच्चतर ग्रेड आवश्यक हैं किन्तु दूसरों के लिये कलर विजन से लोअर ग्रेड पर विचार किया जाना पर्याप्त है।

लाल केतस, हरे संकेत और सफेद रंग को आसानी से और हिंकिनाड्ट के बिना पहचान लेना संतोषजनक कलर विजन है। इंजिहारा की प्लेटों के इस्तेमाल को जिन्हें एडिज प्रीन की लैटर्न जैसी उपर्युक्त लैटर्न और अन्ते रोशनी में दिखाया जाता है, कलर विजन की जांच करने के लिये विश्वसनीय समझा जायगा। वैसे तो दोनों में से किसी भी एक जांच को साधारणतया पर्याप्त समझा जा सकता है। लेकिन सड़क, रेल और हवाई यातायात से सम्बन्धित सेवाओं के लिये लैटर्न से जांच करना लाजमी है। शक वाले मामलों में जब उम्मीदवार को किसी एक जांच करने पर अयोग्य पाया जाये तो दोनों ही तरीकों से जांच करनी चाहिये। तथापि कलर विजन की जांच के लिये इंजिहारा प्लेट और एडिज की हरी लालटेन दोनों का प्रयोग भारतीय रेल यातायात सेवा में उम्मीदवारों की नियुक्ति के लिये किया जायगा। जहां तक अतकनीकी सेवाओं/पदों का सम्बन्ध है, सम्बन्धित मंत्रालय/विभाग को चिकित्सा बोर्ड को यह सूचना भेजनी होगी कि उम्मीदवार ऐसी सेवा के लिये हैं जिसके लिये कलर विजन की जांच आवश्यक है या नहीं।

(ज) दृष्टि की पकड़ से विभिन्न आंख की अवस्थाएं
(आइयुलर कंडीशन)

- (i) आंख की उस बीमारी की या बहुती ही वर्तन त्रृटि (प्रोग्रेसिव रिफेक्टर एरर) को, जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि की पकड़ के कम होने की संभावना हो, अयोग्यता का कारण समझना चाहिए।
- (ii) भैंगापन (स्लबंट) — तकनीकी सेवाओं में, जहां द्विनेत्री (बाइनोकुलर) दृष्टि का होना अनिवार्य हो, दृष्टि की पकड़ निर्धारित स्तर की होने पर भी भैंगापन को अयोग्यता का कारण समझना चाहिये। यह रेलवे सुरक्षा दल के उम्मीदवारों के लिये भी लागू होगा। दृष्टि की पकड़ निर्धारित स्तर की होने पर भैंगापन को अन्य सेवाओं के लिये अयोग्यता के कारण नहीं समझना चाहिये।
- (iii) किसी व्यक्ति की एक ही आंख हो अथवा यदि उसकी एक आंख की दृष्टि सामान्य हो और दूसरी आंख की मन्द दृष्टि हो अथवा उप-सामान्य दृष्टि हो, जिसका प्रायः प्रभाव यह होता है कि व्यक्ति में गहराई बोध हेतु त्रिविभितीय दृष्टि का

अभाव होता है। इस प्रकार की दृष्टि अनेक सिक्किम पदों के लिये आवश्यक नहीं है। इस प्रकार के व्यक्तियों को चिकित्सा बोर्ड योग्य के रूप में अनुशासित कर सकता है। बशर्ते कि सामान्य आंख का

- (i) दूर की दृष्टि 6/6 और निकट की दृष्टि जैसे-1, चश्मा लगाकर अथवा उसके बिना, हो, बशर्ते कि दूर की दृष्टि के लिये किसी मेरिडियन में त्रृटि 4 डायोप्ट्रिज से अधिक न हो।
- (ii) दृष्टि का पूरा क्षेत्र हो,
- (iii) सामान्य वर्ण दृष्टि, जहां अपेक्षित हो।

बशर्ते कि बोर्ड का यह समाधान हो जाय कि उम्मीदवार प्रणालीन विशिष्ट वार्ष्य से संबंधित सभी कार्यकलापों का निष्पादन कर सकता है।

दृष्टि तीक्ष्णता संबंधी उपरोक्त छूट प्राप्त मानक “तकनीकी रूप में वर्गीकृत पदों/सेवाओं के लिये उम्मीदवारों पर लागू नहीं होगी। सम्बद्ध मंत्रालय विभाग को चिकित्सा बोर्ड को यह सूचित करना होगा कि उम्मीदवार “तकनीकी” पद के लिये है अथवा नहीं।

(iv) कोनटेक्ट लेंस (Contact lenses) — उम्मीदवार की स्वास्थ्य परीक्षा के समय कोनटेक्ट लेंस के प्रयोग की आज्ञा नहीं होगी: आंख की जांच करते समय यह आवश्यक है कि दूर की नजर के लिये टाइप किये हुए अक्षर 15 फुट से प्रकाशित हों।

नोट:—आर० पी० एफ० के ग्रुप भी के पदों के लिए वही चिकित्सा मानक लागू होगा जो कि गैर तकनीकी सेवाओं के लिए है। किन्य चूंकि इस सेवा का संबंध जनता की सुरक्षा से है इसलिए इन पदों के लिए निम्नलिखित अतिरिक्त शर्तें भी लागू होंगी:—

- (i) कलर विजन की परीक्षा अनिवार्य होगी और उच्चतर ग्रेड की कलर विजन आवश्यक है।
- (ii) प्रत्येक आंख में दृष्टि तीक्ष्णता निर्धारित मानक की होने पर भी भैंगापन (स्लिप) को अयोग्यता समझा जाएगा।
- (iii) रेलवे सुरक्षा दल में नियुक्ति के लिए ‘एक आंख’ अयोग्यता समझी जाएगी।

7. ब्लड प्रेशर—

ब्लड प्रेशर के सम्बन्ध में बोर्ड अपने निर्णय से काम सूचा। नामल उच्चतम सिस्टालिक प्रेशर के आंकलन की काम चलाऊ विधि नीचे दी जाती है:—

- (i) 15 से 25 वर्ष के व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100+ आयु होता है।
- (ii) 25 वर्ष से ऊपर आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आंकलन का सामान्य नियम यह है कि 110 में आधी आयु जोड़ दी जाय। यह तरीका चिल्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

* ध्यान दीजिये—सामान्य नियम के रूप में 140 से ऊपर के सिस्टालिक प्रैशर को और 90 से ऊपर के जायस्टालिक प्रैशर को संबंध मान लेना चाहिए, और उम्मीदवार को योग्य या अयोग्य टहराने के सम्बन्ध में अपनी अन्तिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिये कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखें। अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से यह पता लगना चाहिये कि घबराहट (एक्साइटमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रैसर थोड़े समय रहने वाला है या उसका कारण कोई कार्यिक (आग्निक बीमारी) है। ऐसे सभी केसों में हृदय की एक्स-रेग्युलेशन (इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफी) परीक्षायें और रक्त-यरिया निकास (लोयरेंस) की जांच भी नेमी रूप से की जानी चाहिये। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने वा न होने के बारे में अन्तिम फैसला केवल मेडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रैशर (एक्स बाम) लेने का तरीका

नियमत: पारेवाले दाबमारी (मर्करी मेनोमीटर) किस्म का आला (इन्ट्रू-मेंट) इस्तेमाल कराना चाहिये। किसी किस्म के व्यायाम या घबराहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना चाहिये। रोगी बैठा या लेटा हो बर्तन कि बहु और विशेषकर उसकी भुजा शिथिल और आराम से हो। कुछ-कुछ हारिंजंटल स्थिति में रोगी के पार्श्व पर भुजा को आराम से सहारा दिया जाता है। भुजा पर से कधे पर कपड़े उतार देने चाहिये। कफ में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच की रबड़ को भुजा के अन्दर की ओर रख कर और इसके नीचे किनारे को कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिये। इसके बाद कपड़े की पट्टी को फैला कर सामान रूप से लपेटना चाहिये ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर को न निकले।

कोहनी के मोड़ पर प्रगड़ धमनी (ब्रेकिअल श्वार्टरी) को दबा-दबा कर ढूँढ़ा जाता है और तब इसके ऊपर बीचों-बीच स्टैंकोप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200 m.m.Hg. हवा भरी जाती है और इसके बाद इसमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की श्रमिक ध्वनि सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारे का कालम टिका होता है वह सिस्टालिक प्रै र दर्शाता है। जब और हवा निकाली जायगी तो ध्वनियां तेज सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर ये साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियां हल्की दबी-दुर्ई-सी लुप्त प्राय हो जाय, वह डायस्टालिक प्रैशर है। ब्लड प्रैशर काफी थोड़ी अवधि में ही लेना चाहिये क्योंकि कपल के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिये क्षोभकर होता है और इससे रीडिंग गलत हो जाती है। यदि श्रोबारा पड़ताल करनी जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ऐसा किया जाय। (कधीं-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निपिच्त स्तर पर ध्वनियां सुनाई पड़ती हैं, दबा गिरने पर वे गायब हो जाती हैं और निम्न स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं। इस “स इलैट गैप” से रीडिंग में गलती हो सकती है।)

8. परीक्षक की उपस्थित में किये गये मूत्र की परीक्षा की जानी चाहिये और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिये। जब मेडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूत्र में रासायनिक जांच द्वारा प्रकार का पता लेते हो बोर्ड इसके दूसरे सभी पहलुओं की

परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटीज) के खोतक, चिह्नों और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोज में ह (ग्लाइकोसुलिराट्रा) के सिवाय, अपेक्षित मेडिकल फिटनेस के स्टैंडर्ड के अनुरूप पाय तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है कि ग्लूकोज में ह अमधु-मही (नान डायबिटिक) हो और बोर्ड केस को मेडिसिन के किसी ऐसे निर्दिष्ट विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्तपाल और प्रयोगशाला की सुविधाएँ हों। मेडिकल विशेषज्ञ स्टैंडर्ड ब्लड शुगर टालरेंस टेस्ट समेत जो भी विलिनिकल या लेबोरेटरी परीक्षा जरूरी समझेगा करेगा और अपनी रिपोर्ट मेडिकल बोर्ड को भेज देगा जिस पर मेडिकल बोर्ड ‘फिट’ या ‘अनफिट’ की अन्तिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिये बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। अपेक्षित प्रभाव को समाप्त करने के लिये यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देख-रेख में रखा जाय।

9. जो स्वी उम्मीदवार जांच के फलस्वरूप 12 सप्ताह या उससे अधिक अवधि की गर्भवती पाई जाये उसे तब तक के लिये अस्थाई रूप से अयोग्य घोषित कर दिया जाय जब तक उसकी गर्भविस्था समाप्त न हो जाय। गर्भविस्था के समाप्त होने के 6 सप्ताह बाद यदि वह पंजांगूत चिकित्सक के स्वस्थता प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर दें तो आयोग्य प्रमाण-पत्र के लिये उसकी फिर से जांच की जाय।

10. निम्नलिखित, अतिरिक्त आतों का प्रेक्षण करना चाहिए:—

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है या नहीं और कान की बीमारी का कोई चिह्न है या नहीं? यदि कोई कान की खराबी हो तो इसकी परीक्षा कान-विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिये। यदि सुनने की खराबी का इलाज शल्य क्रिया (आपरेशन) या हिर्यरिंग ऐड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर आयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता बशर्ते कि उसके कान की बीमारी बढ़ने वाली न हो। यह उपबन्ध रेल सेवाओं के मामले में लागू नहीं होता। चिकित्सा-परीक्षा प्राधिकारी के मार्ग दर्शन के लिये इस संबंध में निम्नलिखित मार्गदर्शक जानकारी दी जाती है:—

(1) एक कान में प्रकट अथवा यदि उच्च फीवर्सी में पूर्ण बहरापन, दूसरा कान बहरापन 30 डेसीमल तक हो तो गैर-तकनीकी काम के लिये योग्य।

(2) दोनों कानों में बहरेपन का यदि 1000 से 4000 तक की स्पीच फिक्वेंसी प्रत्यक्ष-बोध, जिसमें श्रवण यंत्र (हिर्यरिंग ऐड) द्वारा कुछ सुधार संभव हो। तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के काम के लिये योग्य।

(3) सैन्ट्रल अथवा मार्जिनल (i) एक कान सामान्य हो दूसरे कान में टिम्पनिक भव्वरेन छिद्र विद्यमान

हो तो अस्थाई रूप में अयोग्य ।

कान की शल्य चिकित्सा की स्थिति सुधारने से दोनों कानों में मार्जिनल या अन्य छिद्र वाले उम्मीदवार को अस्थाई रूप में अयोग्य घोषित करके उस पर नीचे दिये गये नियम 4 (ii) के अधीन विचार किया जा सकता है ।

(ii) दोनों कानों में मार्जिनल या एटिक छिद्र होने पर अयोग्य ।

(iii) दोनों कानों में सेटल छिद्र होने पर अस्थाई रूप में अयोग्य ।

(4) एक ओर से/दोनों ओर से मस्टायड कोविटी सबनार्मल श्वण वाले कान ।

(i) किसी एक कान से सामान्य रूप में सुनाई देता हो, दूसरे कान में मस्टायड कोविटी होने पर तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिये योग्य ।

(ii) दोनों ओर से मस्ट्रायड कोविटी तकनीकी काम के लिये अयोग्य, यदि किसी भी कान की श्रवणता श्रवण-यंत्र लगाकर अथवा बिना लगाये सुधार कर 30 डेसीबल हो जाने पर गैर तकनीकी कामों के लिये योग्य ।

(5) बहुते रहने वाले कान आपरेशन किया गया/बिना आपरेशन वाला ।

तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कानों के लिये अस्थाई रूप में अयोग्य ।

(6) नासा-पट की हड्डी संबंधी विसमताओं (बोमी डिफामिटी) सहित अथवा उससे रहित नाक की जीर्ण प्रमाणक/एर्गिजक दशा ।

(i) प्रत्येक मामले की परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लिया जायगा ।

(ii) यदि लक्षणों सहित नासा-पट अपसरण विद्यमान होने पर अस्थाई रूप में अयोग्य ।

(7) टांसिल्स और/अथवा स्वर्यंत्र (लैरिक्स) की जीर्ण प्रदाहक दशा ।

(i) टांसिल्स और/अथवा स्वर्यंत्र की जीर्ण प्रदाहक दशा—योग्य ।

(ii) यदि आवाज में अत्यधिक कर्कशता विद्यमान हो तो अस्थाई रूप में अयोग्य ।

(8) कान-नाक, गले (ई० एन० टी०) के हल्के अथवा अपने स्थान पर दुर्दम्य द्यूमर ।

(i) हल्का द्यूमर—अस्थाई रूप में अयोग्य ।

(ii) दुर्दम्य द्यूमर—अयोग्य ।

(9) श्रोटास्किलिरोसिस श्रवण-यंत्र की सहायता से या आपरेशन के बाद श्रवणता 30 डेसीबेल के अन्दर होने पर योग्य ।

(10) कान नाक अथवा गले के जन्मजात दोष ।

(i) यदि कामकाज में बाधक न हो तो योग्य ।

(ii) भारी मात्रा में हक लाहू हो तो अयोग्य ।

(11) नेजल पीली अस्थाई रूप में अयोग्य ।

(ख) उम्मीदवार बोलने में हकलाता है या नहीं ।

(ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं और अच्छी तरह चबाने के लिये जरूरी होने पर नकली दांत लगे हैं या नहीं । (अच्छे तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा ।)

(घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फैलती है या नहीं तथा उसका दिल और फेफड़े ठीक हैं या नहीं ।

(ङ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं ।

(च) उसे रेस्वर (हाँनिया या फटन) है या नहीं ।

(छ) उसे हाइड्रोसील, बड़ी हुई बेरिकोसील बेरीकोज शिरा (वैन) या बवासीर है या नहीं ।

(ज) उसकी शाखाओं, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा है या नहीं और उसकी संधियां भली भांति स्वतंत्र रूप से हिलती हैं या नहीं ।

(झ) उसे कोई चिरस्थायी त्वचा की बीमारी है या नहीं ।

(ञ) कोई मजात, कुरचना या रोष है या नहीं ।

(ट) उसमें किसी उथ या जीर्ण बीमारी के निशान हैं या नहीं । जिनसे कमजोर गठन का पता नगे ।

(ठ) कारगर टीके के निशान हैं या नहीं ।

(ঢ) उसे कोई संचारी (কম্ফুনিকেবিল) রোগ হৈ যা নহীঁ ।

11. दिल और फेंडों को किसी ऐसी विलक्षणता का पता लगाने के लिये साधारण शारीरिक परीक्षा से जात न हो, सभी केसों में नेमी रूप से छाती के एक्स-रे परीक्षा की जानी चाहिए। मरकारी सेवा के लिये उम्मीदवार के स्वास्थ्य के संबंध में जहां कहीं सन्देह हो चिकित्सा बोर्ड का अध्यक्ष उम्मीदवार की योग्यता अवश्य अप्रीयता का निर्णय किये जाने के प्रश्न पर किसी उपयुक्त अस्पताल के विशेषज्ञ से परामर्श कर सकता है, जैसे यदि किसी उम्मीदवार पर मामसिक तुटि अवश्य विपथन (ऐबरेशन) से पीड़ित होने का संदेश होने में बोर्ड का अध्यक्ष अस्पताल के किसी मनोविकार विज्ञानिक/मनोवैज्ञानिक से परामर्श कर सकता है।

जब कोई रोग मिले तो उसे प्रमाणपत्र में अवश्य ही नोट किया जाये। मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार से अपेक्षित दमतापूर्ण इयूटी में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।

12. जहां तक मिली जुली प्रतियोगता परीक्षा के उम्मीदवार का संबंध है, इसके लिये ऊपर पैरा 11 के नीचे की टिप्पणी में नतायी गई अपील करने की कार्य विधि लागू नहीं होती। इस परीक्षा के उम्मीदवारों की अपील की शुल्क 50 हॉ भारत सरकार के संबंध में निर्धारित ढंग से जमा करना होता है। यह फीस केवल उन उम्मीदवारों को वापस मिलेगी जो अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा अयोग्य घोषित किये जाएंगे। शेष दूसरों के मामलों में यह जब्त कर ली जायगी। यदि उम्मीदवार चाहे तो अपने आरोग्य होने के दावे के समर्थन में स्वस्थता प्रमाण पत्र संलग्न कर सकते हैं। उम्मीदवारों को प्रथम स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा भेजे गये निर्णय के 21 दिन के अन्दर अपीलें पेश करनी चाहिए। अन्यथा दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा के लिये अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा केवल नई दिल्ली में ही होगी और इसका खर्च उम्मीदवारों को ही देना पड़ेगा। दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा के संबंध में की जाने वाली यात्राओं के लिये कोई यात्रा भत्ता या दैनिक भत्ता नहीं दिया जायगा। अपीलों के निर्धारित शुल्क के साथ प्राप्त होने पर अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा की जाने वाली स्वास्थ्य परीक्षा के प्रबंध के लिये मंत्री मंडल (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जायगी।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षक के मार्गदर्शन के लिये निम्नलिखित सूचना दी जाती है:—

1. शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिये अपनाए जाने वाले स्टैण्डर्ड में संबंधित उम्मीदवार की आयु और सेवा काल (यदि हो) के लिये उचित गुंजाइश रखनी चाहिए।

किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिये योग्य नहीं समझा जायगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपाइंटिंग अथारिटी) को यह तसल्ली नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक दुर्बलता (बाइली इन-फर्मिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिये अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की संभावना हो।

यह आत समझ लेनी चाहिए कि योग्यता का प्रश्न भविष्य से भी उतना ही संबंध है जितना वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मूल्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवार के मामले में अकाल मृत्यु होने पर समय पूर्व वैष्णन या अवायवियों को रोकना है। साथ ही यह भी नोट किया जाए कि जहां प्रश्न केवल निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की सलाह उस हालत में नहीं दी जानी चाहिए जब कि उसमें कोई ऐसा दोष हो जो केवल बहुत कम स्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो।

महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिये किसी लेडी डाक्टर को मेडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोगित किया जायगा।

भारतीय रक्षा लेखा सेवा (इंडियन डिफेंस अकाउन्ट्स सर्विस) के उम्मीदवारों को भारत में और भारत से बाहर क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) करनी होगी। ऐसे उम्मीदवार के मामले में मेडिकल बोर्ड को इस बारे में अपनी राय विशेष रूप से रिकार्ड करनी चाहिए कि उम्मीदवार क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) के योग्य है या नहीं।

डाक्टरी बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहिए।

ऐसे मामलों में जब कि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिये अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे सौर पर उसके अस्वीकार किये जाने के आधार उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं किन्तु डाक्टरी बोर्ड ने जो खराबी बतायी हो उनका विस्तृत व्यूहा नहीं दिया जा सकता।

ऐसे मामलों में जहां डाक्टरी बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिये उम्मीदवार को अयोग्य बनाने वाली छोटी मोटी खराबी चिकित्सा (प्रीष्ठ या शल्य) द्वारा दूर ही सकती है वहां डाक्टरी बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए। नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार की बोर्ड की राय सुचित किये जाने में कोई आपत्ति नहीं है और जब वह खराबी दूर ही जाय तो दूसरे डाक्टरी बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कहने में संबंधित प्राधिकारी स्वतंत्र है।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थायी तौर से अयोग्य करार दिया जाये तो दुबारा परीक्षा की अवधि साधारणतया कम से कम 3: महीने से कम नहीं होनी चाहिए। मिथ्रित अवधि के बाद जब दुबारा परीक्षा हो तो ऐसे उम्मीदवार को और आगे की अवधि के लिये अस्थायी तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिये उनकी योग्यता के संबंध में अथवा वे इस नियुक्ति के लिये अयोग्य हैं ऐसा निर्णय अन्तिम रूप से दिया जाना चाहिए।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अपेक्षित स्टेटमेंट देना चाहिए और उनके साथ लगी हुई घोषणा (जिक्लेरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिये गये नोट में उल्लिखित चेतावनी की ओर उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए।

1. आपना पूरा नाम
(साक अधिकारों में) !

2. आपनी आयु और जन्म स्थान बताएं

“2(क) क्या आप गोरखा, गढ़वाली, असमी, नागालैण्ड आदिम जातियों आदि से संबंधित हैं जिनका श्रौत कद दूसरों से छोटा होता है। ‘हाँ’ या ‘नहीं’ में उत्तर दीजिए और यदि उत्तर ‘हाँ’ में है तो उस जाति का नाम बताइये।”

3. (क) क्या आपको कभी चेचक, रुक-रुक कर होने वाला या कोई दूसरा बुखार ग्रंथियों (ग्लैण्ड्स) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, थूक में खून आना, दमा, दिल की बीमारी, फेफड़ों की बीमारी,

यदि पिता जीवित हो तो उसकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था

यदि पिता की मृत्यु हो चुकी हो तो मृत्यु के समय पिता की आयु मृत्यु का कारण

मूर्छा के दौरे, रुमैटिज्म, अपेंडिसाइटिस हुआ है।

अथवा

(ख) दूसरी कोई बीमारी या दुर्घटना, जिसके कारण श्रव्या पर लेटे रहना पड़ा हो और जिसका मेडिकल या मर्जिकल इलाज किया गया हो, हुई है ?

4. आपको चेचक आदि का अन्तिम टीका कब लगा था ?

5. क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण से किसी किस्म की अधीरता (नर्वसेनेस) हुई है --

6. आपने परिवार के संबंध में निम्नलिखित व्यौरा दें।

आपके कितने भाई जीवित हैं, उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था

आप के कितने भाईयों की मृत्यु हो चुकी है मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण

यदि माता जीवित हो तो उसकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था

यदि माता की मृत्यु हो चुकी हो तो मृत्यु के समय उसकी आयु मृत्यु का कारण

आपकी कितनी बहनें जीवित हैं उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था

आपकी कितनी बहिनों मृत्यु हो चुकी है मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण

7. क्या इससे पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है ?

8. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर ‘हाँ’ हो तो बताइए किस सेवा/सेवाओं के लिए आपकी परीक्षा की गई थी।

9. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था ?

10. कब और कहाँ मेडिकल का परिणाम ।

11. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो।

मैं घोषित करता हूँ कि जहाँ तक मेरा विश्वास है, उपर दिए गए सभी जवाब सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर

मेरे सामने हस्ताक्षर किए।

बोर्ड के चेयरमैन के हस्ताक्षर

नोट :—उपर्युक्त कथन की यथार्थता के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होगा। जानबूझकर किसी भूचना को छुपाने से वह नियुक्ति खो देने की जोखिम लेगा और यदि वह नियुक्त हो भी जाए तो वार्षिक निवृत्ति भता (सुपरएन्युएशन अलाउस) या उपधान (ग्रेचुटी) के सभी दावों से हाथ धो देंगा।

(ब) की
शारीरिक परीक्षा की।

मैडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

1. सामान्य विकासः अच्छा..... बीच का..... कम..... पौष्णः पतला..... औसत..... मोटा..... कद (जूते उतारकर)..... वजन..... अत्युत्तम वजन..... कब्या?	वजन में कोई हाल में ही हुआ परिवर्तन	तापमान
छाती का घेर		
(1) पूरा सांस खींचने पर..... (2) पूरा सांस निकालने पर.....		
2. त्वचा—कोई जाहिरी बीमारी..... 3. नेत्र		
(1) कोई बीमारी..... (2) रतोधी		
(3) कलर विजन का दोष..... (4) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड श्राफ विजन)..... (5) दृष्टि की पकड़ (विजुअल एक्विटी)		
(6) फंड्स परीक्षा		
दृष्टि की पकड़	चश्मे के बिना	चश्मे से चैश्मेकी पावर
		गोल सिली० अक्ष
दूरी की नजर	दा० ने०	
	वा० ने०	
पास की नजर	वा० ने०	
	वा० ने०	
हाइपरमेट्रोपिया (व्यक्त)	वा० ने०	
	वा० ने०	
4. कान निरीक्षण	सुनना :	
दायां कान	वायां कान	
5. ग्रंथियों	थाइराइड	
6. दांतों की हालत		

7. श्वसन तंत्र (रेस्पिरेटरी सिस्टम) क्रा शारीरिक परीक्षा करने पर सांस के अंगों में किसी विलक्षणता का पता लगा है? यदि पता लगा है तो विलक्षणता का पूरा व्योरा दें?

8. परिचरण तंत्र (सर्क्यूलेटरी सिस्टम)

(क) हृदय : कोई आंगिक क्षति (आर्गानिक लीजन) ?

गति (रेट)

खड़े होने पर :

25 बार कुदाए जाने के बाद

कुदाए जाने के 2 मिनट के बाद

(ख) ब्लड प्रैशर सिस्टालिक.....
डायस्टालिक.....

9. उदर (पेट) : घेर दांब वेदना
(टैंडरनेस)

हानिया

(क) दबा कर मालूम पड़ना, जिगर..... तिल्ली.....
गुदे द्यूमर

(ख) बावासीर के मस्से फिस्थुला

10. तांत्रिक तंत्र (नर्वस सिस्टम) तांत्रिक या मानसिक अशक्तता का संकेत

11. चाल तंत्र (लोकोमोटर सिस्टम)

कोई विलक्षणता

12. जनन-मूत्र तंत्र (जेनिटो यूरिनरी सिस्टम)/हाइड्रोसील बेरिकोसील आदि का कोई संकेत।

मूत्र परीक्षा :

(क) कैसा दिखाई पड़ता है?

(ख) स्वेसिफिक ग्रेविटी (अपेक्षित गुरुत्व)

(ग) एल्व्यमेन

(घ) शक्कर

(ङ) कास्ट

(च) केशिकाएं (सेल्स)

13. छाती की एक्स-रे परीक्षा की रिपोर्ट

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई बात है जिससे वह उस सेवा को दक्षतापूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है जिसके लिए वह उम्मीदवार है?

नोट :—महिला उम्मीदवारके मामले में, यदि यह पाया जाता है कि वह 12 सप्ताह की अवस्थिति अथवा उससे अधिक से गम्भीरी है तो उसे अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए, देखें विनियम 9।

15. (1) उन सेवाओं का उल्लेख करें जिनके लिए उम्मीदवार की परीक्षा की गई :—

- (क) भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय विदेश सेवा।
- (ख) भारतीय पुलिस सेवा और दिल्ली और अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह पुलिस सेवा।

(ग) केन्द्रीय सेवाएं, समूह क तथा ख

(ii) क्या वह निम्नलिखित सेवाओं में दक्षतापूर्वक और निरन्तर काम करने के लिए सब तरह से योग्य पाया गया है :—

- (क) भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय विदेश सेवा।
- (ख) भारतीय पुलिस सेवा और दिल्ली और अंडमान तथा निकोबार द्वीपसमूह पुलिस सेवा, (कद, छाती का थेर, नजर, रंग दिखाई न देना और चाल, खास तौर से देखें)।

(ग) भारतीय रेलवे यातायात सेवा (कद, छाती, नजर, रंग दिखाई न देना, खास तौर से देखें)।

(घ) दूसरी केन्द्रीय सेवाएं समूह क और ख।

(iii) क्या उम्मीदवार क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) के लिए योग्य है?

नोट :—बोर्ड को अपना जांच परिणाम निम्नलिखित तीन वर्गों में से किसी एक वर्ग में रिकार्ड करना चाहिए।

- (i) योग्य (फिट)।
- (ii) अयोग्य (अनफिट) जिसका कारण.....

(iii) अस्थाई रूप से अयोग्य, जिसका कारण.....

स्थान अध्यक्ष (प्रेसीडेंट)

तारीख सदस्य

सदस्य

उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(श्रौद्धोगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 6 मार्च 1976

संकल्प

सं० 2 (11) / 74 सी० जी० फी० (.)—श्री जे० के० आर० मूर्ति, छिप्टी चैयरमैन इंडियन रिफेक्टरोज मेर्स एशोसिएशन

को एतद्वारा इस मंत्रालय के समसंबंधिक संकल्प दिनांक 13 दिसम्बर, 1974 के द्वारा पुर्णगठित रिफेक्टरी इंडस्ट्री की नामिका का संदर्भ श्री के० एन० मरवाहा के स्थान पर नियुक्त किया जाता है।

आदेश

आदेश किया जाता है कि इस संकल्प को सभी संबंधित व्यक्तियों की भेजा जाए।

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सर्वसाधारण के सूचनार्थ भारत सरकार के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

एस० आर० कपूर
उप सचिव

(भारी उद्योग विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1976

संकल्प

(छलाई उद्योग के लिए नामिका का गठन)

सं० 26/8/76-एच० एम० II —छलाई उद्योग के संबंध में विश्व बैंक की रिपोर्ट में उद्योग के ढांचे को सुधारने की आवश्यकता पर बल दिया गया है। विश्व बैंक की सिफारिशों के कार्यान्वयन में तेजी से प्रगति करने के लिए यह समझा जाता है कि एक विशेषज्ञ सलाहकार दल द्वारा उद्योग की समस्याओं की निरन्तर समीक्षा की जानी चाहिए, तदनुसार सरकार ने छलाई उद्योग के लिए (इस्पात की छली हुई वस्तुओं को छोड़ कर जिनके लिए पहले से ही एक नामिका है) एक नामिका गठित करने का निश्चय किया है।

नामिका में निम्नलिखित व्यक्ति होंगे :—

(1) श्री हरि भूषण, तकनीकी सलाहकार, भारी उद्योग विभाग अध्यक्ष

(2) श्री एस० के० सिन्हा, उप-महानिदेशक (इंजी०) तकनीकी विकास का महानिदेशालय सदस्य

(3) श्री आर० दत्ता, अपर निदेशक, रेल मंत्रालय सदस्य

(4) श्री श्रीनिवासन, मुख्य अभियंता, योजना आयोग सदस्य

(5) श्री त्रिलोचन शिंह, उप-सचिव, भारी उद्योग विभाग।	सदस्य
(6) श्री एस० सी० ढींगरा, संयुक्त निवेशक, भारी उद्योग विभाग	सदस्य
(7) श्री एस० आर० टाटा, विकास अधिकारी, इस्पात विभाग।	सदस्य
(8) विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का प्रतिनिधि।	सदस्य
(9) श्री आर० एम० बालानी, विकास अधिकारी, तकनीकी विकास का महानिदेशालय।	सदस्य-सचिव
(10) मेसर्स सर्वन अलॉय, मद्रास का प्रतिनिधि।	सदस्य
(11) मै० इण्डियन स्मेलिंग एण्ड रिफाइनिंग बम्बई।	सदस्य
(12) मै० मैलिएबल आयरन एण्ड स्टील कार्स्टिंग, बम्बई।	सदस्य
(13) मै० इंशोर फाउन्ड्रीज, मद्रास।	सदस्य
(14) डक्टरोन कार्स्टिंग, हैदराबाद	
(15) मै० टैल्को	
(16) मै० शिवाजी वर्क्स, शोलापुर	
(17) मै० बीको इंजीनियरिंग, बटाला	
(18) ए० आई० ई० आई० का प्रतिनिधि	
(19) एन० आई० एफ० एफ० टी०, रांची का प्रतिनिधि।	

3. नामिका के विचारार्थ विषय निम्नलिखित हैः—

- (क) क्षमता का इष्टतम उपयोग।
- (ख) प्रौद्योगिकी संबंधी सुधार लागू करना।
- (ग) उद्योग का ढांचा सुधारना जिसमें उत्पाद मिश्र को युक्तिसंगत बनाने की आवश्यकता, प्रणिक्षण, संतुलन उपकरण निवेश, प्रौद्योगिकी का समान स्थानान्तरण आदि शामिल है।
- (घ) निर्यात में सुधार करना, प्रतियोगिता में वृद्धि करना आदि।
- (ङ) उद्योग के विकास और वृद्धि से संबंधित अन्य मामले।

4. यह सलाहकार नामिका तीन महीने में एक बार या यदि आवश्यकता हुई तो अधिक बार ऐसे स्थानों पर जिनका निश्चय चेयरमैन द्वारा किया जाएगा, स्थिति की समीक्षा करने के लिए बैठक करगी।

5. नामिका का कार्यकाल दो वर्षों का होगा।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प की एक-एक प्रति सभी संबंधित व्यक्तियों को भेजी जाये।

यह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

एस० एम० बोप, संयुक्त सचिव

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(ग्राम विकास विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 6 मार्च 1976
संशोधन

सं० एन० 17012/7/75-ऋण—राष्ट्रीय सहकारी खेती सलाहकार बोर्ड के पुनर्गठन के बारे में इस मंत्रालय के 22 नवम्बर, 1975 के संकल्प संख्या एन० 17012/7/75-ऋण में निम्न संशोधन किए जाते हैंः—

(1) क्रम संख्या 21 के बाद निम्न क्रम संख्या जोड़ी जाएः

“22. श्री आर० एन० आजाद, संयुक्त सचिव, ग्राम विकास विभाग।”

(2) क्रम संख्या 22 को क्रम संख्या 23 पढ़ा जाए।

आदेश

आदेश है कि इस संकल्प की प्रति सभी संबंधितों को भेजी जाए। यह भी आदेश है कि यह संकल्प भारत के राजपत्र में ग्राम जातकारी के लिए प्रकाशित किया जाए।

आर० के० भुजवल, उप सचिव

शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च 1976

सं० फा० 4-118/75-यू०-२—दिल्ली विश्वविद्यालय अधिनियम, 1922 (1922 का 8) के खण्ड-46 के उप खण्ड

(2) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषणा करती है कि भविष्य निधि अधिनियम-1925 (1925 का 19) के उपबन्ध सामान्य भविष्य निधि-व-पेन्शन तथा दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा अपने अधिकारियों, अध्यापकों, लिपिक वर्ग और कर्मचारियों के लाभ हेतु संघटित अंशदायी भविष्य निधि पर उसी प्रकार लागू होंगे जैसे कि वे सरकारी भविष्य निधियां हों।

एम० एन० सिन्हा, अवर सचिव

CABINET SECRETARIAT
(DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE REFORMS)
RULES

New Delhi, the 27th March 1976

No. 12/18/75-CS.II.—The rules for a limited departmental competitive examination for inclusion in the Select List for Grade II of the Central Secretariat Stenographers Service, Grade II of the Stenographers' Sub-Cadre of Indian Foreign Service (B) and Grade II of the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service to be held by the Institute of Secretariat Training & Management (Examination Wing) in 1976, are published for general information.

2. The number of persons to be selected for inclusion in the Select List will be made for candidates belonging to the Institute.

Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes in respect of the vacancies to be filled in the Central Secretariat Stenographers' Service, as may be fixed by the Government.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Scheduled Castes/Tribes Lists (Modification) Order, 1956, read with the Bombay Reorganisation Act, 1960, and the Punjab Reorganisation Act, 1966, the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1956, the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956 the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962 the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968 and the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970.

3. The examination will be conducted by the Institute of Secretariat Training and Management (Examination Wing) in the manner prescribed in Appendix to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Institute.

4. *Conditions of eligibility.*—Any permanent or temporary regularly appointed officer belonging to Grade III of the Central Secretariat Stenographers Service/Stenographers' Sub-Cadre of the Indian Foreign Service (B)/Armed Forces Headquarters Stenographers' Service who satisfies the following conditions shall be eligible to appear at the examination and compete for vacancies in his service only i.e. Grade III Stenographers of the Central Secretariat Stenographers' Service will be eligible for vacancies in Grade II of that Service, Grade III Stenographers of the Stenographers' Sub-Cadre of the Indian Foreign Service (B) will be eligible for vacancies in grade II of the Stenographers' Sub-Cadre of the Indian Foreign Service (B) and the Grade III Stenographer of the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service will be eligible for vacancies in Grade II of the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service.

(a) *Length of service.*—He should have, on the crucial date, i.e. on 1-1-1976 rendered not less than three years' approved and continuous service in Grade III of the Service.

NOTE.—Grade III officers who are on deputation to ex-cadre posts with the approval of the competent authority, and those having a lien in Grade III of the Central Secretariat Stenographers' Service Stenographers' Sub-Cadre of the Indian Foreign Service (B)/Armed Forces Headquarters' Stenographers' Service will be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible.

(b) *Age.*—He should not be more than 45 years of age on the 1st January, 1976 i.e. he must not have been born earlier than 2nd January, 1931.

(c) The upper age limit prescribed above will be further relaxable :—

(i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;

- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from Bangladesh (erstwhile East Pakistan) and has migrated to India on or after 1st January, 1964 (but before 25th March, 1971);
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from Bangladesh (erstwhile East Pakistan) and has migrated to India on or after 1st January, 1964 (but before 25th March, 1971);
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is a resident of the Union Territory of Goa, Daman and Diu;
- (vii) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar);
- (viii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (ix) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (x) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof;
- (xi) up to a maximum of eight years in the case of Defence Service personnel disabled in operation during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof, and who belongs to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.
- (xii) up to a maximum of three years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during the Indo-Pakistan hostilities of 1971 and released as a consequence thereof; and
- (xiii) up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during the Indo-Pakistan hostilities of 1971 and released as a consequence thereof, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE LIMITS PREScribed ABOVE SHALL IN NO CASE BE RELAXED.

(d) *Stenography Test.*—Unless exempted from passing the Institute's Stenography Test for the purpose of confirmation or continuance in Grade III of the Central Secretariat Stenographers' Service/Stenographers' Sub-Cadre of Indian Foreign Service (B)/Armed Forces Headquarters Stenographers' Service, he should have passed the Test on or before the date of notification of this examination.

NOTE.—Grade III Stenographers who are on deputation to ex-cadre posts with the approval of the competent authority and those having a lien in Grade III of the Service will be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible.

4. This, however, does not apply in a Grade III Stenographer who has been appointed to an ex-cadre post or to another Service on "transfer" and does not have a lien in Grade III of the Central Secretariat Stenographers' Service/Stenographers Sub-Cadre of Indian Foreign Service (B)/Armed Forces Headquarters Stenographers Service.

5. The decision of the Institute as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

6. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Institute.

7. Candidates must pay the fee prescribed in para 5 of the Institute's Notice.

8. A candidate who is or has been declared by the Institute to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means in the examination hall, or
- (viii) misbehaving in the examination hall, or
- (ix) attempting to commit or, as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable :

- (a) to be disqualified by the Institute from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Institute, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) to disciplinary action under the appropriate rules.

10. After the examination, the candidates will be arranged by the Institute, in three separate lists, in the order of merit, as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate; and in that order so many candidates as are found by the Institute to be qualified by the examination shall be recommended for inclusion in the Select List of Grade II in the Central Secretariat Stenographers' Service, Stenographers' Sub-Cadre or Indian Foreign Service (B) and Armed Forces Headquarters Stenographers' Service up to the required number.

Provided that the candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may to the extent the number of vacancies in the Central Secretariat Stenographers' Service reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes can not be filled on the basis of the general standard to be recommended by the Institute by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these Candidates for inclusion in the Select List of Grade II of the Central Secretariat Stenographers' Service irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

NOTE.—Candidates should clearly understand that this is a competitive and not a qualifying examination.

The number of persons to be included in the Select List for Grade II of the Central Secretariat Stenographers' Service Stenographers' Sub-Cadre of Indian Foreign Service (B) and Grade II of the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service on the results of the examination is entirely within the competence of Government to decide. No candidate will, therefore have any claim for inclusion in

the Select List on the basis of performance in this examination as a matter of right.

11. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Institute in its discretion and the Institute will not enter into correspondence with them regarding the result.

12. Success in the examination confers no right to selection unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate is eligible and suitable in all respects for selection.

13. A candidate, who after applying for admission to the examination or after appearing at it resigns his appointment in the Central Secretariat Stenographers' Service or Stenographers' Sub-Cadre of Indian Foreign Service (B) or Armed Forces Headquarters Stenographers' Service or otherwise quits the Service or severs his connection with it, or whose services are terminated by his Department or who is appointed to an ex-cadre post or to another service on "transfer" and does not have a lien in Grade III of the Central Secretariat Stenographers' Service or Grade III of Stenographers' Sub-Cadre of Indian Foreign Service (B) or Armed Forces Headquarters Stenographers' Service will not be eligible for appointment on the results of this Examination.

This, however, does not apply to a Grade III Stenographer who has been appointed on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority.

K. B. NAIR, Under Secy.

APPENDIX

The subjects of the written examination and the maximum marks for each subject will be as follows :—

PART A—WRITTEN TEST

Subject	Time allowed	Maximum Marks
(i) General English	1½ hours	50
(ii) Essay	1½ hours	50
(iii) General Knowledge	3 hours	100

Part B.—SHORTHAND TEST IN HINDI OR IN ENGLISH (FOR THOSE WHO QUALIFY AT THE WRITTEN TEST). 200 Marks.

NOTE.—Candidates will be required to transcribe their shorthand notes or typewriters and for this purpose they will be required to bring their own typewriters with them.

Part C.—Evaluation of record of service of such of the candidates as may be decided by the Institute in their discretion carrying a maximum of 100 marks.

2. The syllabus for the Written Test and the scheme of the Shorthand Tests will be as shown in the Scheduled to this Appendix.

3. Candidates are allowed the option to answer the papers (ii) Essay and (iii) General Knowledge, either in Hindi or in English and the medium opted (i.e. Hindi or English) should be the same for both the papers mentioned above. Candidates who opt to answer both these papers in Hindi will be required to take the shorthand tests also in Hindi and those who opt to take them in English will be required to take the shorthand tests also in English. Papers (i) General English must be answered by all the candidates in English.

Question papers will be set in English only. However, the question paper on 'Essay' will also contain Hindi version of the English caption of essays.

NOTE 1.—Candidates desirous of exercising the option to answer papers, (ii) Essay and General Knowledge, of the Written Test and take Shorthand Tests in Hindi (Devanagari), should indicate their intention to do so in Col. 6 of the application form otherwise, it will be assumed that they will take the Written Test and Shorthand Tests in English.

The option once exercised shall be treated as final, and no request for alteration in the said column shall be ordinarily entertained.

NOTE 2.—Candidates who opt to take the Shorthand tests in Hindi will be required to learn English Stenography, and vice versa after their appointment.

NOTE 3.—A candidate wishing to take the examination at an Indian Mission abroad and exercising the option answer papers. (ii) Essay and General Knowledge, and take the Stenography Tests in Hindi in terms of para 3 above, may be required to appear at his own expense, for the Stenography Tests at any Indian Mission abroad where necessary arrangements for holding such tests are available.

NOTE 4.—No credit will be given for answers written or Shorthand test taken in a language other than the one opted by the candidate.

4. Candidates who satisfy the minimum qualifying standard in the dictation at 120 words per minute will rank above the candidates who obtain the same standard in the dictation at 100 words per minute, persons in each group being arranged *inter se* in order of their merit as disclosed by the aggregate marks awarded to each candidate (c.f. part B of the Schedule below).

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.

6. The Institute have discretion to fix qualifying marks in any or all subjects of the examination.

7. Only those candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written test as may be fixed by the Institute in their discretion will be called for shorthand test.

8. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

9. Deduction up to 5 per cent of the maximum marks for the written subjects will be made for illegible handwriting.

10. Credit will be given for orderly, effective and exact expression, combined with due economy of words in all subjects of the examination.

SCHEDULE

Standard and syllabus of the written test

PART-A

NOTE.—The standard of the question papers in Part A will be approximately that of the Matriculation Examination of an Indian University.

English.—The paper will be designed to test the candidates knowledge of English Grammer and Composition, and generally their power to understand and ability to write correct English. Account will be taken of arrangement of general expression and workmanlike use of the language. The paper may include question on precise writing, drafting; correct use of words, easy idioms and prepositions; direct and indirect speech, etc.

Essay :—An essay to be written on one of the several specified subjects.

General Knowledge.—Some knowledge of the Constitution of India, Five Year Plans, Indian History and Culture, General and Economic Geography of India, current events everyday science and such matters of every day observation as may be expected of an educated person. Candidate's answers are expected to show their intelligent understanding of the questions and not detailed knowledge of any text book.

PART-B

Scheme of Shorthand Tests

The Shorthand Tests in English will comprise two dictation test, one at 120 words per minute for seven minutes and another at 100 words per minute for ten minutes which the candidates will be required to transcribed in 45 and 50 minutes respectively.

The Shorthand Tests in Hindi will comprise two dictation tests, one at 120 words per minute for seven minutes and another at 100 words per minute for 10 minutes which the

candidates will be required to transcribe in 60 and 65 minutes respectively.

No. 13018/1/76-AIS(I).—The rules for a combined competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1976 for the purpose of filling vacancies in the following services/posts are, with the concurrence of the Ministries concerned and the Comptroller and Auditor General of India in respect of the Indian Audit and Accounts Service, published for general information :—

Category I

- (i) The Indian Administrative Service, and
- (ii) The Indian Foreign Service.

Category II

- (i) The Indian Police Service,
- (ii) The Delhi, and Andaman & Nicobar Islands Police Service, Group B, and
- (iii) Posts of Assistant Security Officer/Assistant Commandant/Adjutant, Group B in the Railway Protection Force.

Category III

(a) Group A Services :

- (i) The Indian P & T Accounts & Finance Service.
- (ii) The Indian Audit & Accounts Service.
- (iii) The Indian Customs and Central Excise Service.
- (iv) The Indian Defence Accounts Service.
- (v) The Indian Income-tax Service (Group A).
- (vi) The Indian Ordnance Factories Service, Group A (Assistant Managers—Non-Technical).
- (vii) The Indian Postal Service.
- (viii) The Indian Railway Accounts Service.
- (ix) The Indian Railway Traffic Service.
- (x) The Military Lands and Cantonments Service, Group A.

(b) Group B Services :

- (i) The Central Secretariat Service, Section Officers' Grade, Group B.
- (ii) The Indian Foreign Service, Branch 'B' Integrated Grade II and III of the General Cadre (Section Officers' Grade).
- (iii) The Armed Forces Headquarters Civil Service, Assistant Civilian Staff Officers' Grade, Group B.
- (iv) The Customs Appraisers' Service, Group B, and
- (v) The Delhi and Andaman & Nicobar Islands Civil Service Group B.

1. A candidate may compete in respect of any one or more of the categories of Services/posts mentioned above (Please see Rule 4). He should clearly indicate in his application the Services covered by the category/categories concerned for which he wishes to be considered in the order of preference.

A candidate belonging to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe or a woman candidate competing for the I.A.S./I.P.S. should clearly indicate in his/her application the order of preference for the State Cadre in case he/she is selected for the I.A.S./I.P.S.

A male candidate not belonging to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and competing for the I.A.S./I.P.S. should indicate in his application if he would like to be considered for allotment to the State to which he belongs in case he is selected for the I.A.S./I.P.S.

NO REQUEST FOR ALTERATION IN THE PREFERENCES INDICATED BY A CANDIDATE IN RESPECT OF SERVICES COVERED BY THE CATEGORY/CATEGORIES FOR WHICH HE/SHE IS COMPETING OR IN RESPECT OF THE STATE CADRES TO WHICH HE/SHE WOULD LIKE TO BE CONSIDERED FOR ALLOTMENT WOULD BE CONSIDERED UNLESS THE REQUEST FOR SUCH ALTERATION IS RECEIVED IN THE OFFICE OF

THE UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION WITHIN 15 DAYS OF THE DATE OF DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. NO COMMUNICATION EITHER FROM THE COMMISSION OR FROM THE GOVERNMENT OF INDIA WOULD BE SENT TO THE CANDIDATES ASKING THEM TO INDICATE THEIR REVISED PREFERENCES, IF ANY FOR THE VARIOUS CADRES/SERVICES AFTER THEY HAVE SUBMITTED THEIR APPLICATIONS, FOR SENDING THE REVISED PREFERENCES, IF ANY, THE CANDIDATES SHALL USE THE SAME FORMS AS GIVEN IN COLUMNS 21 AND 22 OF THE APPLICATION FORM. "PROVIDED THAT WHERE A REQUEST IS MADE AFTER THE EXPIRY OF THE PERIOD AFORESAID. THE CABINET SECRETARIAT (DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE REFORMS) MAY, IF IT IS SATISFIED THAT THE CANDIDATE WILL BE PUT TO UNDUE HARDSHIP IN REMAINING IN THE SERVICE FOR WHICH HE HAS INDICATED HIS PREFERENCE AND IN CONSULTATION WITH THE UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, CONSIDER SUCH REQUEST."

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission.

Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951; The Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951; (as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971, the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956, the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968, and the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970.

3. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix II to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. The combined competitive examination for recruitment to I.A.S. etc. is to be treated as comprising three separate and distinct examinations for three categories of Services/posts viz., (i) IAS and IFS, (ii) IPS, Delhi and Andaman & Nicobar Islands Police Service and posts of Assistant Security Officer/Assistant Commandant/Adjutant, Group B in Railway Protection Force and (iii) Central Services, Delhi and Andaman & Nicobar Islands Civil Service, Goa, Daman and Diu Civil Service and Pondicherry Civil Service.

5. No candidate who does not belong to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe or is not a migrant from Kenya, Uganda, and the United Republic of Tanzania shall be permitted to compete more than three times at the examination for each of the three categories of Service/posts mentioned in Rule 4 above but this restriction is effective from the examination held in 1961.

NOTE 1.—If a candidate actually appears in any one or more subjects he shall be deemed to have competed at the

examination for each of the categories of Services/posts to which he is admitted by the Commission.

NOTE 2.—The existing scheme of examination the syllabi for the various subjects and the number of times for which a candidate can compete at the examination are liable to be revised for the examinations to be held after 1976.

6.(1) For the Indian Administrative Service and the Indian Police Service a candidate must be a citizen of India.

(2) For other Services, a candidate must be either—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and the East African Countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to category (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Provided further that candidates belonging to categories (b), (c) and (d) above will not be eligible for appointment to the Indian Foreign Service.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also provisionally be appointed subject to the necessary certificate being given to him by the Government.

7. (a)(i) A candidate for the Indian Administrative Service, the Indian Foreign Service and for all the remaining Services, excepting the Indian Police Service Delhi, and Andaman & Nicobar Islands Police Service and posts of Assistant Security Officer/Assistant Commandant/Adjutant, Group B in the R.P.F. mentioned in paragraph I above must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of 26 years on the 1st August, 1976, i.e., he must have been born not earlier than 2nd August, 1950 and not later than 1st August, 1955.

(ii) A candidate for the Indian Police Service, Delhi and Andaman & Nicobar Islands Police Service and posts of Assistant Security Officer/Assistant Commandant/Adjutant, Group B in the R.P.F. must have attained the age of 20 years, and must not have attained the age of 26 years on the 1st August, 1976 i.e., he must have been born not earlier than 2nd August 1950, and not later than 1st August, 1956.

(b) The upper age limit prescribed above will be further relaxable :—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India on or after 1st January 1964 but before 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Schedule Tribe and is also a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and had migrated to India on or after 1st November 1964 under the India-Ceylon Agreement of October, 1964;

- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and had migrated to India on or after 1st November, 1964, under the India-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda or United Republic of Tanzania;
- (vii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.
- (viii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963.
- (ix) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;
- (x) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof who belongs to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.
- (xi) up to a maximum of three years in the case of Border Security Force Personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof; and
- (xii) up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force personnel, disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.

**SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS
PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.**

8. A candidate hold a degree of any of the Universities enumerated in Appendix I or must possess any of the qualifications mentioned in Appendix I-A.

NOTE 1.—Candidates who have appeared at an examination the passing of which would render them educationally qualified for the COMMISSION'S examination but have not been informed of the result as also the candidates who intend to appear at such a qualifying examination will NOT be eligible for admission to the Commission's examination.

NOTE 2.—In exceptional cases the Union Public Service Commission may treat a candidate who has not any of the foregoing qualifications, as a qualified candidate provided that he has passed examinations conducted by other institutions, the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

NOTE 3.—A candidate who is otherwise qualified but who has taken a degree from a foreign university which is not included in Appendix I, may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

9. A candidate who is appointed to a Service in Category I (I.A.S. or I.F.S.) on the results of an earlier examination will not be eligible to compete at this examination.

A candidate who is appointed to a Service mentioned in col. (ii) below on the results of an earlier examination will

be eligible to compete at this examination only for Services mentioned against that Service in col. (iii) below :—

Sl. No	Service to which appointed	Service for which eligible to compete
(i)	(ii)	(iii)
1.	Indian Police Service	(i) Category I (I.A.S. and I.F.S.). (ii) Central Services Group A in Category III.
2.	Central Services Group A	(i) Category I (I.A.S. and I.F.S.). (ii) I.P.S. in Category II.
3.	Central Services, Group B (including Civil and Police Services, in Union Territories)	(i) Category I (I.A.S. and I.F.S.). (ii) I.P.S. in Category II. (iii) Central Services, Group in A Category III.

10. Candidates must pay the fee prescribed in Annexure I to the Commission's Notice.

11. Persons already in Government Service, whether in a permanent or a temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily rated employees, must submit their applications through the Head of their Department or Office concerned who will complete the endorsement at the end of the application form and forward the same to the Commission. Such candidates should in their own interest, submit advance copies of their applications direct to the Commission. These, if accompanied by the prescribed fee, will be considered provisionally but the original application should ordinarily reach the Commission within a fortnight after the closing date. If a person already in Government Service does not submit an advance copy of his application along with the prescribed fee or if the advance copy submitted by him is not received in the Commission's Office on or before the closing date, the application submitted by him through the Head of his Department or Office, if received in the Commission's Office after the closing date will not be considered.

12. The decision of the COMMISSION as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

13. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

14. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means in the examination hall, or
- (viii) misbehaving in the examination hall, or
- (ix) attempting to commit or, as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission, from the examination for which he is a candidate; or

(b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 (ii) by the Central Government from any employment under them; and
 (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

15. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

16. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that the candidates belonging to the Scheduled Castes/Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Caste and the Scheduled Tribe candidates cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency of the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the services irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

17. The form and manner of communication of the results of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the results.

18. Due consideration will be given at the time of making appointments on the results of the examination to the preferences expressed by the candidate for various Services.

Provided that a candidate who is appointed to a Service in Category I (I.A.S. or I.F.S.), on the results of an earlier examination, will not be considered for appointment to any other Service on the results of this examination.

Provided further that a candidate who is appointed to a Service mentioned in col. (ii) below on the results of an earlier examination will be considered only for appointment to Services mentioned against that Service in col. (iii) below on the results of this examination.

Sl. No.	Service to which appointed	Services to which appointment will be considered
(i)	(ii)	(iii)
1.	Indian Police Service	(i) Category I (I.A.S. and I.F.S.) (ii) Central Services Group A in Category III.
2.	Central Services, Group A	(i) Category I (I.A.S. and I.F.S.) (ii) I.P.S. in Category II.
3.	Central Services, Group B (including Civil and Police Services in Union Territories)	(i) Category I (I.A.S. and I.F.S.)

(ii) I.P.S. in Category II.
 (iii) Central Services Group A in Category III.

19. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate, having regard to his character and antecedents is suitable in all respects, for appointment to the Service.

20. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such medical examination as Government or the appointing authority as the case may be may prescribe, is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Any candidate called for a Personality Test by the Commission may be required to undergo medical examination. No fee shall be payable to the Medical Board by the candidate for medical examination.

NOTE.—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which the candidates will be subjected before appointment and of the standard required are given in Appendix IV to these Rules. For the disabled ex-Defence Services personnel and the Border Security Force personnel disabled in operations during the Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof, the standards will be relaxed consistent with the requirements of the Service(s).

21. No person :—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
 (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person shall be eligible for appointment to a service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and to the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

22. Candidates are informed that some knowledge of Hindi prior to entry into service would be of advantage in passing departmental examinations which candidates have to take after entry into service.

23. Brief particulars relating to the Services/posts to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix III.

B. S. BASWAN, Under Secy.

APPENDIX I

List of Universities approved by the Government of India (vide Rule 8)
INDIAN UNIVERSITIES

Any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India and other educational institutions established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956.

UNIVERSITIES IN BURMA

The University of Rangoon.
 The University of Mandalay.

ENGLISH AND WELSH UNIVERSITIES

The Universities of Birmingham, Bristol, Cambridge, Durham, Leeds, Liverpool, London, Manchester, Oxford, Reading, Sheffield and Wales.

SCOTTISH UNIVERSITIES

The Universities of Aberdeen, Edinburgh, Glasgow and St. Andrews.

IRISH UNIVERSITIES

The University of Dublin (Trinity College).
 The National University of Ireland.
 The Queen's University, Belfast.

UNIVERSITIES IN PAKISTAN

The University of Punjab.
 The University of Sind.

UNIVERSITIES IN BANGLA DESH

The Rajshahi University.
 The Dacca University.

UNIVERSITY IN NEPAL

The Tribhuvan University, Kathmandu.

APPENDIX I-A

List of qualifications recognised for admission to the examination (vide Rule 8).

1. Shastri of Kashi Vidyapith, Varanasi.
2. French Examination "Propedeutique".
3. Diploma in Rural Services of the National Council of Rural Higher Education.
4. Diploma in Rural Services of the Visva Bharati University.
5. National Diploma in Commerce of All India Council for Technical Education.
6. National Diploma in Engineering or Technology of the All India Council for Technical Education recognised by the Government for recruitment to superior Services and posts under the Central Government.
7. 'Higher Course' of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry, provided that the Course has been successfully completed as a "full student".
8. Diploma in Mining Engineering of the Indian School of Mines, Dhanbad.
9. Diploma in the field of Humanities and Natural Sciences attesting graduation from a Higher Educational Establishment in the U.S.S.R. without defending first scientific thesis but having passed the State Examinations.
10. Shastri (with English) or Old Shastri or Sampurna Shastri examination with special examination in additional subjects with English as one of the subjects i.e. Varishtha Shastri of Varanaseya Sanskrit Vishwa Vidyalaya, Varanasi.
11. Alankar degree of Gurukul Vishwa Vidyalaya, Kangri Hardwar.
12. Bachelor of Arts. (B.A.) and the Bachelor of Science (B.S.) degrees awarded by the American University of Beirut, Beirut, Lebanon.
13. Bachelor of Arts/Bachelor of Science and Bachelor of Arts (Hons)/Bachelor of Science (Hons) degrees awarded by the University of Kent at Canterbury, England.
14. Navin Acharva (with English at Shastri Stage) Examination of the Kameshwar Singh Darbhanga Sanskrit University, Darbhanga.

APPENDIX II**SECTION I****Plan of the Examination**

The competitive examination comprises:—

(A) Written examination in—

- (i) three compulsory subjects (for all Services/posts). Essay, General English, and General Knowledge, each with a maximum of 150 marks [see Sub-Section (a) of Section II below];
- (ii) a selection from the optional subjects set out in Sub-Section (b) of Section II below. Subject to the provisions of that Sub-section, candidates may take optional subjects up to a total of 600 marks for all Services except the Services/posts under Category II (cf. Rules 1 and 4) for which optional subjects

up to a total of 400 marks only may be taken. The standard of these papers will be approximately that of an Honours Degree Examination of an Indian University; and

- (iii) a selection from the additional subjects set out in Sub-Section (c) of Section II below. Subject to the provision of that Sub-Section, candidates may take additional subjects up to a total of 400 marks for the Indian Administrative Service and Indian Foreign Service (Category I). The standard of these papers will be higher than that prescribed for the optional subjects under Sub-section (A)(ii) above.

(B) Interview for Personality Test (vide Part D of the Schedule to this Appendix) of such candidates as may be called by the Commission, carrying maximum marks as follows:

Category I :

Indian Foreign Service	400
Indian Administrative Service	300

Category II & III

All Services Posts	200
--------------------	-----

SECTION II**Examination Subjects**

(a) *Compulsory subjects* (vide Sub-Section A (i) of Section I above) :—

	Maximum marks
Essay	150
General English	150
General Knowledge	150

Note :—The syllabi of the Subjects mentioned above are given in Part A of the Schedule to this Appendix.

(b) *Optional Subjects* (vide Sub-Section A (ii) of Section I above) :—

Candidates for Services/posts under category II (of Rules 1 and 4) may offer any two, and for all other Services any three of the following subjects :—

Subjects	Code No.	Maximum Marks
1	2	3
Pure Mathematics	01	200
Applied Mathematics	02	200
Statistics	03	200
Physics	04	200
Chemistry	05	200
Botany	06	200
Zoology	07	200
Geology	08	200
Geography	09	200
English Literature	10	200
<i>One of the following :</i>		
Assamese	11	200
Bengali	12	200
Gujarati	13	200
Hindi	14	200
Kannada	15	200
Kashmiri	16	200
Malayalam	17	200
Marathi	18	200
Oriya	19	200
Punjabi	20	200
(a) Sindhi-Devanagari	21	200
(b) Sindhi-Arabic	22	200
Tamil	23	200
Telugu	24	200
and		

1	2	3
Urdu	25	200
<i>One of the following :</i>		
Arabic	26	200
Chinese	27	200
French	28	200
German	29	200
Pali	30	200
Persian	31	200
Russian	32	200
Sanskrit	33	200
Indian History	34	200
British History	35	200
European History	36	200
World History	37	200
General Economics	38	200
Political Science	39	200
Philosophy	40	200
Psychology	41	200
Law-I	42	200
Law-II	43	200
Law-III	44	200
Applied Mechanics	45	200
Sociology	46	200

Provided that the following restrictions shall apply to particular optional subjects :—

- (i) Of the subjects with codes 01,02, and 03 not more than two can be offered for any category of Services/ posts.
- (ii) Candidates for Services/posts other than the Indian Foreign Service may not offer more than one of the languages with codes 26 to 33 mentioned above. For the Indian Foreign Service only, candidates are allowed to offer any two of these languages but no candidate shall be allowed to offer both Pali (code 30) and Sanskrit (code 33).
- (iii) Of the History subjects with codes 34, 35, 36 and 37 not more than two can be offered for any category of Services/posts but no candidate shall be allowed to offer both European History (Code 36) and World History (code 37).
- (iv) Of the subjects with codes 40 and 41, not more than one can be offered for any category of Services/posts.
- (v) Of the Law subjects with codes 42, 43 and 44, not more than two can be offered for any category of Services/ posts.
- (vi) Subject with code 45 must not be offered for the Services posts under Category II.

Note :—The syllabi of the subjects mentioned above are given in Part B of the Schedule to this Appendix.

(c) *Additional subjects* [vide sub-Section A(iii) of Section I above]

Candidates competing for the Indian Administrative Service/ Indian Foreign Service (Category I), must also select any two of the following subjects :—

Subjects	Code No.	Maximum Marks
1	2	3
Higher Pure Mathematics	50	200
OR		
Higher Applied Mathematics	51	200
Higher Physics	52	200

1	2	3
Higher Chemistry	53	200
Higher Botany	54	200
Higher Zoology	55	200
Higher Geology	56	200
Higher Geography	57	200
English Literature (1798-1935)	58	200
Indian History I (From Chandragupta Maurya to Harsha)	59	200
OR		
Indian History II (The Great Mughals (1526-1707))	60	200
OR		
Indian History III (From 1772 to 1950)	61	200
OR		
British Constitutional History (From 1603 to 1950)	62	200
OR		
European History (From 1871 to 1945)	63	200
Advanced Economics	64	200
OR		
Advanced Indian Economics	65	200
Political Theory from Hobbes to the present day.	66	200
OR		
Political Organisation and Public Administration	67	200
OR		
International Relations	68	200
Advanced Metaphysics including Epistemology	69	200
OR		
Advanced Psychology including experimental Psychology	70	200
Constitutional Law of India	71	200
OR		
Jurisprudence	72	200
Medieval Civilisation as reflected in Arabic Literature (570 A.D.-1650 A.D.)	73	200
OR		
Medieval Civilisation as reflected in Persian Literature (570 A.D.-1650 A.D.)	74	200
OR		
Ancient Indian Civilisation and Philosophy	75	200
Anthropology	76	200
Advanced Sociology	77	200

Provided that the following restrictions shall apply to particular additional subjects.

(1) No candidate shall be allowed to offer both Indian History I (code 59) and Ancient Indian Civilisation and Philosophy (code 75).

(2) No candidate shall be allowed to offer both European History (code 63) and International Relations (code 68).

NOTE.—The Syllabi of the subjects mentioned above are given in Part C of the Schedule to this Appendix.

SECTION III

General

1. (a) The question papers in 'Essay' and 'General Knowledge', vide items (1) and (3) respectively of Sub-Section (a) of Section II above, may be answered in English, or in any one of the languages mentioned in the Eighth Schedule to the Constitution, viz. Assamese, Bengali, Gujarati, Hindi, Kannada, Kashmiri, Malayalam, Marathi, Oriya, Punjabi, Sanskrit, Sindhi, Tamil, Telugu and Urdu. Candidates exercising the option to

answer both the papers in a language other than English must choose the same language for both the papers. The option will apply to a complete paper and not to a part thereof.

(b) Question papers in all other subjects must be answered in English, except question papers in languages, with codes 11 to 33 vide sub-section (b) of Section II above, which, unless specifically required otherwise, may be answered in English or in the language concerned.

NOTE I.—A candidate desirous of answering the question paper(s) mentioned in para 1(a) above in a language other than English must clearly indicate in column 12 of the Application Form, the code number of that language against the paper(s) concerned. If no entry is made in the said column in respect of either or both of the papers, it will be assumed that the paper/papers will be answered in English. *The option once exercised shall be treated as final; and no request for alteration or addition in the said column shall be entertained.*

NOTE II.—Candidates exercising the option to answer the paper(s) in para 1(a) above in any of the languages mentioned in the Eighth Schedule to the Constitution will be required to write their answers in the respective script indicated below:—

Language Script	Code No.
Assamese-Assamese	11
Bengali-Bengali	12
Gujarati-Gujarati	13
Hindi-Devanagari	14
Kannada-Kannada	15
Kashmiri-Persian	16
Malayalam-Malayalam	17
Marathi-Devanagari	18
Oriya-Orlyā	19
Punjabi-Gurmukhi	20
Sanskrit-Devanagiri	33
*(a) Sindhi-Devanagari	21
*(b) Sindi-Arabic	22
Tamil-Tamil	23
Telugu-Telugu	24
Urdu-Persian	25

*Candidates exercising the option to answer the paper(s) referred to in para 1(a) above in Sindhi must also indicate in column 8 of the application form the name of the particular script (Code 21 or code 22) which they will adopt.

2. The duration of each of the papers referred to in Sub-sections (a), (b) and (c) of Section II above will be 3 hours.

3. Candidate must write the papers in their own hand. In no circumstances, will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

4. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

5. For the Indian Administrative Service and the Indian Foreign Service (Category I), the two additional papers of only such candidates will be examined and marked as attain such minimum standard as may be fixed by the Commission in their discretion at the written examination in all the other subjects.

6. If a candidate's handwriting is not easily legible, a deduction will be made on this account from the total marks otherwise accruing to him.

7. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

8. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words in all subjects of the examination.

9. Candidates are expected to be familiar with the metric system of weights and measures. In the question papers, wherever necessary, questions involving the use of metric system of weights and measures may be set.

SCHEDULE

PART A

[Vide Sub-Section (a) of Section II of Appendix II]
ESSAY

Candidates will be required to write an essay. A choice of subjects will be given. They will be expected to keep closely to the subject of the essay to arrange their ideas in orderly fashion, and to write concisely. Credit will be given for effective and exact expression.

GENERAL ENGLISH

Candidates will be required to answer questions designed to test their understanding of English and workmanlike use of words. Some of the questions will be devised to test also their reasoning power, their capacity to perceive implications and their ability to distinguish between the important and the less important. Passages will usually be set for summary or precis. Credit will be given for concise and effective expression.

GENERAL KNOWLEDGE

Including knowledge of current events and of such matters of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study, and questions on the teachings of Mahatma Gandhi.

PART B

[Vide Sub-Section (b) of Section II of Appendix II]
PURE MATHEMATICS (Code-01)

The subjects included will be (1) Algebra, (2) Infinite Sequences and Series, (3) Trigonometry, (4) Theory of equations, (5) Analytic Geometry of two and three dimensions, (6) Analysis and (7) Differential Equations.

(1) *Algebra.* Sets, Union, Intersection, difference and complementation properties. Venn Diagram. Properties of natural numbers. Real numbers and their representation by decimals. Complex numbers. Argand Diagram, Cartesian Products, Relation, Mapping, Function as a mapping, Equivalence relations, Groups, Esomorphism of groups, Sub-groups, Normal subgroups. Lagranges Theorem. Frobenius theorem.

The definitions and illustrations of Rings and Fields. Divisors of Zero and Homomorphisms. Vector spaces.

Determinants Addition, subtraction, multiplication and inversion of matrix. Linear homogeneous and non-homogeneous equations. Cayley-Hamilton theorem.

Elementary number theory. Fundamental theorem of arithmetic. Congruences. Theorems of Fermat and Wilson.

Inequalities, Arithmetical and Geometrical means. Inequalities of Cauchy, Schwaiz, Holder and Minkowsky.

(2) *Infinite Sequences and Series* :—Concept of limit, Infinite series. Convergent, divergent and Oscillatory series. Cauchy's general principle of convergence. Comparison and ratio tests, Gauss' test, Absolute convergence and derangement of series.

(3) *Trigonometry* : De Movire's theorem for rational index and its applications. Inverse Circular and hyperbolic functions. Expansions and summation of trigonometrical series. Expressions for sine and cosine in terms of infinite products.

(4) *Theory of Equations* : General properties of polynomial equations. Transformation of equations. Nature of the roots of cubic and biquadratic. Cardan's solution of the cubic. Resolution of biquadratic into quadratic factors. Location of roots and Newton's method of divisors.

(5) *Analytic Geometry of two and three dimensions* :—Straight line, Pair of straight lines, circle, system of circles, Ellipse, Parabola, Hyperbola, Reduction of a second degree equation to a standard form.

Planes, straight lines, sphere, cone, coincides and their tangent and normal properties (Vector methods will be permissible.)

(6) *Analysis*: Concepts of Limit, Continuity, Derivation, differentiability of a function of one real variable. Properties of continuous functions. Characterisation of discontinuities. Mean value theorems. Evaluation of indeterminate forms. Taylor's and MacLaurin's theorems with Lagrange's and Cauchy's forms of remainders. Maxima and minima of function of one variable. Plane curves, singular points, curvature, curve tracing. Envelopes. Partial Differentiation. Differentiability of a function of more than one real variable.

Standard methods of integration. Riemann's definition of definite integral of continuous functions. Fundamental theorem of integral calculus. First mean value theorem of integral calculus. Rectification, quadrature, volumes and surfaces of solids of revolution and their applications.

(7) *Differential Equations*: Formation of ordinary differential equation. Order and degree. Geometrical demonstration of the existence theorem for $\frac{dy}{dx} = f(xy)$

First order linear and non linear equations. Singular points. Singular solutions. Linear differential equations and their important properties. Linear Differential Equations with constant co-efficients. Cauchy-Euler type of equations. Exact differential equations and equations admitting integrating factor. Second order equations. Changing of dependent and independent variables. Solution when one integral is known. Variation of parameters.

APPLIED MATHEMATICS (CODE-02)

The subjects included will be (1) Vector Analysis, (2) Statics (3) Dynamics and (4) Hydrostatics.

(1) *Vector Analysis*: Vector Algebra, Differentiation of vector function of a scalar variable. Gradient, divergence and curl in cartesian, cylindrical and spherical coordinates and their physical interpretation. Higher order derivatives. Vector identities and Vector equations. Gauss and Stokes theorems.

(2) *Statics*: Fundamental laws of Newtonian Mechanics. Theory of Dimensions. Plane statics. Equilibrium of system of particles. Work and Potential Energy. Centre of mass and Centre of gravity. Friction. Common Catenary Principle of virtual work. Stability of equilibrium. Equilibrium of forces in three dimensions.

Attraction and Potential of rods, rectangular and circular discs, spherical shells, sphere. Equipotential surfaces and their properties, properties of potentials. Green's equivalent stratum. Laplace's and Poisson's equations.

(3) *Dynamics*: Velocity vector, Relative velocity. Acceleration. Angular velocity. Degrees of freedom and constraints. Rectilinear motion. Simple harmonic motion. Motion in a plane. Projectiles. Constrained motion. Work and energy. Motion under impulsive forces. Kepler's laws. Orbits under central forces. Motion of varying mass. Motion under resistance. Moments and products of inertia. Two dimensional motion of a rigid body under finite and impulsive forces. Compound pendulum.

(4) *Hydrostatics*: Pressure of heavy fluids. Equilibrium of fluids under given system of forces. Centre of pressure. Thrust on curved surfaces. Equilibrium of floating bodies. Stability of equilibrium. Pressure of gases and problems relating to atmosphere.

STATISTICS (CODE-03)

I. Probability

Classical and Statistical definitions of probability. Simple theorems on probability with examples. Conditional probability and statistical independence. Bayes' theorem. Random variables—Discrete and Continuous. Probability functions and probability density functions. Probability distributions in one or more variates. Mathematical expectations. Chebyshev's inequality. Weak law of large numbers. Simple form of Central Limit theorem.

II. Statistical Methods

Compilation, classification, tabulation and diagrammatic representation of various types of statistical data.

Concepts of statistical population, and frequency curve. Measures of Central tendency and dispersion. Moments and cumulants. Measures of Skewness and Kurtosis. Moment-generating functions.

Study of standard probability distributions—Binomial, Poisson, Hypergeometric, Normal, Negative-Binomial, Rectangular and lognormal distributions. General description of the Pearsonian system of curves.

General properties of a bivariate distribution, bivariate normal distribution. Measures of association and contingency. Correction and Linear regression involving two or more variables. Correlation ratio. Intraclass correlation. Rank correlation. Non-linear regression analysis.

Curvefitting by methods of free-hand curves, moving averages, group averages, least squares and moments. Orthogonal Polynomials and their uses.

III. Sampling distribution and statistical inference

Random sample, statistics, concepts of sampling distribution and standard error.

Derivation of sampling distribution of mean of independent normal variates x^2 , t and F Statistics, their properties and uses. Derivation of sampling distributions of sample means variances and correlation coefficient from a bivariate normal population. Derivation (in large samples) and uses of Pearsonian x^2 .

Theory of Estimation: Requirements of a good estimate—unbiasedness, consistency, efficiency and sufficiency. Cramer-Rao lower bound to variance of estimates. Best linear unbiased estimates.

Methods of estimation—general descriptions of the methods of moments, method of maximum likelihood, method of least squares and method of minimum x^2 . Properties of maximum likelihood estimators (without proof). Theory of confidence intervals—simple problems of setting confidence limits.

Theory of Testing of Hypotheses; Simple and composite hypotheses. Statistical tests and critical regions. Two kind of error, level of significance and power of a test.

Optimum critical regions for simple hypotheses concerning one parameter. Construction of such regions for simple hypotheses relating to a normal Population.

Likelihood ratio tests: Tests involving mean variance correlation and regression coefficients in univariate and bivariate normal populations. Simple non-parametric tests—sign, run, median rank and randomisation tests.

Sequential test of a simple hypotheses against a simple alternative (without derivation).

IV. Sampling techniques

Sampling versus complete enumeration. Principles of sampling. Frames and sampling units. Sampling and non-sampling errors. Simple random sampling. Stratified sampling. Cluster sampling. Systematic sampling. Description of multi-stage and multiphase sampling. Ratio and regression methods of estimation. Designing of sample surveys with reference to recent large-scale surveys in India.

V Design of Experiments

Analysis of variance and covariance with equal number of observations in the cells.

Transformation of variates to stabilise variance.

Principles of experimental designs. Completely randomised block and latin square designs. Missing plot techniques. Factorial experiments with confounding in 2^s ($s=2(1)5$), 3^2 and 3^3 designs. Split-plot design. Balanced incomplete designs and simple lattice.

PHYSICS (CODE-04)

General Properties of matter and Mechanics.—Units and dimensions. Rotational motion and moments of inertia. Gravity, Gravitation, planetary motion. Stress and Strain relationship, elastic moduli and their inter relations. Surface tension, capillarity. Flow of incompressible fluids. Viscosity of liquids and gases.

Sound.—Forced vibrations and resonance. Wave motion. Doppler effect. Vibrations of strings and air columns. Measurement of frequency, velocity and intensity of sound. Musical scales. Acoustics of halls. Ultrasonics.

Heat and Thermodynamics.—Elements of the kinetic theory of gases. Brownian motion. Van der Waals equation of state. Measurement of temperature, specific heat and thermal conductivity. Joule-Thompson effect and liquefaction of gases. Laws of thermodynamics. Heat engines. Black body radiation.

Light.—Geometrical optics and simple optical systems. Telescope and microscope. Defects in optical images and their corrections. Wave theory of light. Measurement of velocity of light. Interference, diffraction and polarization of light. Simple intertometers. Elements of spectroscopy, Raman effect.

Electricity and Magnetism.—Calculation of field and potential in simple cases. Gauss's theorem. Electrometers. Electrical and magnetic properties of matter and their measurement. Magnetic field due to electric current galvanometers. Measurement of current and quantity of electricity. Potentiometer. Resistance, inductance and capacitance; and their measurement. Thermoelectricity. Elements of alternating currents. Dynamos and motors. Electrolysis, Electromagnetic waves. Radio valves and their simple applications, transmission and reception of wireless waves. Television.

Elements of Modern Physics.—Elementary properties of electron, proton and neutron. Planck's constant and its measurement. Bohr's theory of the atom. X-rays and their properties. Elements of radio-activity and properties of alpha, beta and gamma rays. Nuclei of atoms. Elements of the special theory of relativity, mass and energy. Fission and fusion. Cosmic rays.

CHEMISTRY (CODE-05)

Inorganic Chemistry.—Structure of the atom. The periodic Law, Radioactivity, Isotopes, Artificial transmutations of elements. Nuclear fission. Nature of chemical bonds. The inert gases of the atmosphere. Chemistry of the more common and useful elements and their compounds. Rare earth elements. Hydrides, oxides, oxyacids, peracids and persalts and carbides. Inorganic complexes. Basic principles of chemical analysis.

Organic Chemistry.—Petroleum and petroleum products. Chemistry of the following classes of aliphatic compounds: Saturated and unsaturated hydrocarbons, alcohols, ethers, aldehydes. Ketones, mono and dicarboxylic acid, esters, substituted carboxylic acids, thio, nitro and cyano compounds; amines, urea and ureides, organometallic compounds, monosaccharides (including structures) carbohydrates and proteins (general ideas). Simple acyclic compounds. Strain theory.

Aromatic.—Benzene, naphthalene and anthracene and their principal derivatives; coal-tar distillation, phenols aromatic alcohols, aldehydes, ketones. Aromatic acids and hydroxy-acids. Stoichiometry. Arylamines. Diazo, azo and hydrazo compounds. Quinones, Heterocyclic compounds, pyrrole, pyridine, quinoline, indole and indigo. Azo, triphenylmethane and phthalein dyes.

Simple molecular rearrangements. Isomerism, stereoisomerism and tautomerism, polymerisation.

Physical Chemistry.—The kinetic theory. Properties of gases. Equations of state (Van der Waals Dieterici). The critical state. Liquefaction of gases. Physical properties of liquids in relation to their chemical constitution. Elementary Crystallography.

The first and second laws of thermodynamics and their application to simple physical and chemical processes. Chemical equilibrium and Law of Mass Action. Le Chatelier's Principle. The Phase Rule and its application to one-component systems and to the iron-carbon system.

Rate and order of a reaction. First and second order reactions. Chain reactions. Photochemical reactions. Catalysis. Adsorption.

Electrolytic dissociation. Ionic equilibria. Acid-base equilibria and indicators. Study of electrolytic conductance and its applications. Electrode potentials. E.M.F. of cells. Measurements of E.M.F. and their applications.

BOTANY (CODE-06)

Form, structure, habit, economic importance, life histories and inter-relationships of the important representatives of the various groups and sub-groups, or families and sub-families of cryptogams (including bacteria with viruses) and phanerogams, with special reference to Indian plants.

The fundamental principles and processes of plant physiology.

A general knowledge of important diseases of crop plants in India and methods of their control and eradication.

The basic facts relating to ecology and plant geography, with special reference to Indian flora and the botanical regions of India.

Basic knowledge about evolution, cytology, genetics and plant breeding.

Economic uses of plants specially flowering plants in relation to human welfare, particularly with reference to such vegetable products as food-grains, pulses, fruits, sugars and starches, oil-seeds, spices, beverages, fibres, woods, rubber, drugs and essential oils.

A general familiarity with the development of knowledge relating to the botanical science.

ZOOLOGY (CODE-07)

The classification, bionomics, morphology, life-history and relationship of non-chordates and chordates, with special reference to Indian forms.

Functional morphology (form structure and function) of the integument, endoskeleton, locomotion, feeding, blood-circulation, respiration, osmoregulation, nervous system, receptors and reproduction. Elements of vertebrate embryology.

Evolution: evidences, theories and their modern interpretations. Mendelian inheritance; nutation. Structure of animal cell; basic principles of cytology & genetics. Adaptation and distribution.

GEOLOGY (CODE-08)

Physical Geology and Geomorphology.—Origin, structure, interior and age of the Earth. Geosynclines and mountains. Isostasy. Origin of continents and oceans. Continental drift. Seismology. Volcanology. Geological action of surface agencies.

Structural and Field Geology.—Common structures of igneous, sedimentary and metamorphic rocks. Study of folds, faults, unconformities, joints and thrusts. Elementary ideas of methods of geological Surveying and Mapping.

Crystallography and Mineralogy.—Elements of crystal forms and symmetry. Laws of Crystallography; Crystal systems and classes; Crystal habits; twinning. Stereographic projections. Physical chemical and optical properties of minerals. Study of more important rock-forming and economic minerals regarding their chemical and physical properties, crystallographic and optical characters, alterations, occurrence and commercial uses.

Stratigraphy and Palaeontology.—Principles of Stratigraphy. Indian Stratigraphy. Lithological and Chronological subdivisions of Geological record. Fossils—nature and mode of preservation; bearing on Organic evolution. Invertebrate and plant fossils.

Economic Geology.—Theories of Ore genesis; Classification, geology, occurrence, localities and resources of chief metallic and non-metallic minerals of India. Mineral industries in India. Principles of Geophysical prospecting and ore dressing.

Petrology.—Origin, constitution, structure and classification of igneous, sedimentary and metamorphic rocks. Study of common Indian Rock types.

GEOGRAPHY (CODE-09)

Physical and Human Geography of the world with special reference to India. Principles of Physical Geography comprising a detailed study of the lithosphere; hydrosphere and atmosphere leading up to the modern views regarding cyclo-

concepts, isostasy, process of mountain formation, weather phenomena, surface and subsurface movement of ocean waters, etc.

Principles of Human Geography comprising a detailed study of the distribution of man on the basis of culture, race, religion, etc. environment and mode of life, population trends, population movements.

Candidates are expected to have a detailed knowledge of physical, human and economic geography of India.

ENGLISH LITERATURE (CODE-10)

Candidates will be expected to show a general knowledge of the history of English Literature from the time of Chaucer to the end of the reign of Queen Victoria, with special reference to the works of the following authors:—

Shakespeare, Milton, Dryden, Johnson, Wordsworth, Keats, Dickens, Tennyson, Arnold and Hardy.

Evidence of first-hand reading will be required. The paper will be designed also to test the candidates' critical ability.

ASSAMESE (CODE-11) BENGALI (CODE-12), GUJARATI (CODE-13), HINDI (CODE-14), KANNADA (CODE-15), KASHMIRI (CODE-16), MALAYALAM (CODE-17), MARATHI (CODE-18), ORIYA (CODE-19) PUNJABI (CODE-20), SINDHI (CODE-21 OR 22), TAMIL (CODE-23), TELUGU (CODE-24) AND URDU (CODE-25).—Candidates will be expected to show a knowledge of the language and its literature. They must have first hand knowledge of the best known works with which they deal, though questions on works of lesser importance may also be set. They will also be expected to possess such knowledge of the historical and cultural background, of intellectual and artistic movements and of linguistic developments as will enable them to understand the literature. Questions may be set on literary history and on language. Candidates will be required to translate/explain and may be asked to comment on passages.

NOTE.—A candidate offering any of the subjects mentioned above with codes 11 to 25 may be required to answer some or all the questions in the language concerned. The scripts required to be used for these languages are indicated below:

Language Script

Assamese—Assamese.

Bengali—Bengali.

Gujarati—Gujarati.

Hindi—Devanagari.

Kannada—Kannada.

Kashmiri—Persian.

Malayalam—Malayalam.

Marathi—Devanagari.

Oriya—Oriya.

Punjabi—Gurmukhi.

Sindhi—Devanagari or Arabic.

Tamil—Tamil.

Telugu—Telugu.

Urdu—Persian.

ARABIC (CODE 26), CHINESE (CODE 27), FRENCH (CODE 28), GERMAN (CODE 29), PALLI (CODE 30), PERSIAN (CODE 31), RUSSIAN (CODE 32), AND SANSKRIT (CODE-33).—Candidates will be expected to show a knowledge of the principal classical authors and to be able to translate from and compose in the language.

NOTE.—Candidates for Arabic, Persian and Sanskrit may be asked to answer some questions in Arabic, Persian or Sanskrit as the case may be. Answers required to be written in Sanskrit must be written in the Devanagari Script.

INDIAN HISTORY (CODE 34)

From the beginning of the reign of Chandragupta Maurya to the establishment of Indian Republic. The paper will include questions on political, constitutional, economic and cultural developments.

BRITISH HISTORY (CODE 35)

The period of study will be from 1485 to 1945. The paper will include questions on political, constitutional, economic and cultural developments.

EUROPEAN HISTORY (CODE 36)

The period of study will be from 1789 to 1945. The paper will include questions on political, diplomatic, economic and cultural developments.

WORLD HISTORY (From 1789 to 1945) (CODE 37)

Candidates will be expected to possess round knowledge of the major political and economic developments in world, with special reference to Europe, the U.S.A., the Far East, the Middle East and the African Continent. There will be special emphasis on international events of world importance.

Candidates will also be expected to be familiar with cultural developments as reflected in contributions to civilization as a whole, in the fields of science, literature and art.

GENERAL ECONOMICS (CODE 38)

Candidates will be expected to have a general knowledge of (a) the principles of economic analysis; and (b) the history of economic doctrines.

They should be able to apply their knowledge of theory to an analysis of the current economic problems of India.

POLITICAL SCIENCE (CODE 39)

Candidates will be expected to show a knowledge of political theory and its history political theory being understood to mean not only the theory of legislation but also the general theory of the State. Questions may also be set on constitutional forms. (Representative Government, Federalism, etc.) and Public Administration, Central and Local. Candidates will be expected to have knowledge of the origin and development of existing institutions.

PHILOSOPHY (CODE 40)

The candidates will be expected to be familiar with History and Theory of Ethics, Eastern and Western, with special reference to the problems of Moral Standards and their application. Moral Judgment, Determinism and Free Will, Moral Order and Progress, relation between Individual, Society and the State, theories of Crime and Punishment, and relation of Ethics to Religion.

They will also be expected to be familiar with History of Western Philosophy, with special reference to nature of philosophy and its relation to Science and Religion, theories of Matter and Spirit, Space and Time, Causation and Evolution, and Value and God, and with History of Indian Philosophy (including orthodox and heterodox systems) with special reference to theories of God, Self and Liberation, and causation, Evolution and Appearance.

PSYCHOLOGY (CODE 41)

Psychology: its nature, scope and methods, experimental method in psychology.

Factors in human development heredity and environment.

Motivation, feelings and emotions: their nature and development; theories of emotions; development of character.

The cognitive processes, sensation, perception, learning, memory and forgetting, and thinking.

Intelligence and abilities—Concepts and measurement, Personality-nature, determinants, theories and assessment.

Group processes and group effect: crowd behaviour; leadership and morale; attitudes and prejudice; social change.

Concept of abnormality symptoms and etiology of the main forms of psychoneurotic and psychotic disorders, social pathology and juvenile delinquency—causes and prevention; Main forms of therapeutic techniques.

LAW I (CODE-42)

1. Jurisprudence; Concept of Law; Kinds of law; Positive law; Administration of Justice; Sources of law; Elements of law including legal rights and duties; Liability Ownership, possession; Legal personality; Property.
2. Constitutional Law; Constitutional Law of India including Administrative Law; basic principles of the English Constitution.
3. Law of Torts including State liability for Torts.
4. Law of Crimes (Indian Penal Code).
5. Law of evidence: Relevancy and presumptions; Kinds of Evidence—oral and documentary evidence; primary and secondary evidence; Burden of proof; Estoppel; judicial notice.

LAW II (CODE-43)

1. General Principles of the Law of Contract (Sec. 1 to 75 of the Indian Contract Act).
2. Law of Indemnity, Guarantee, Bailment, Pledge and Agency, with special reference to the Indian Contract Act.
3. Law of Sale of Goods, Law of Partnership and Negotiable Instruments and Banking (General Principles), with special reference to the Indian Law.
4. Company Law.

LAW III (CODE-44)

Nature and Sources of International Law. History of International Law. The School of International Law. International Law and Municipal Law.

States as persons of International Law. Acquisition and loss of international personality. State recognition. State succession.

Rights and duties of States. Principle of equality. Jurisdiction of States.

Treaties.

Agents of International intercourse. Privileges and immunities of diplomatic agents. The individual and International Law. Aliens Nationality. Naturalisations, Statelessness, Extradition. War Criminals.

Modes of settlement of International disputes.

War: Declaration; Effects.

Laws of land, sea and aerial warfare.

War in self-defence. Collective security. Regional pacts. Outlawry of war. Laws of belligerent occupation. Belligerency and insurgency.

Methods of warfare. Prisoners of war. Right of visit and search. Prize courts.

Blockade and contraband.

Neutrality and neutralisation. Rights and duties of neutral states in war. Unneutral service. Neutrality under the Charter of the U.N.

The Charter of the U.N. and covenant of the League of Nations. Principal organs of the United Nations. Specialised International Organisations.

Candidates will be expected to show familiarity with cases including the pronouncements of the International Court of Justice.

APPLIED MECHANICS (CODE-45)**BUILDINGS**

Considerations of materials used in the construction of roof-trusses. Steel and Timber. Determination of stresses in trusses by various methods. Dead-loads and wind pressure. Factors of safety and working stresses.

Designs of roof-trusses. Various types of roof-trusses and roof-coverings; collar beam and hammer beam trusses.

Use of Euler's, Gordon's, Ranking's, Fidler's, Johnsons and straight line formulae in the design of struts. Buckling factor of struts; curves showing comparative strength of struts obtained by various formulae. Choice of size of Sections. Finish of Steel work. Joints. Designs of endbearings; methods of fixing and supporting ends.

Application of circles and ellipse of stress and Clayepron's theorem to design of structures.

Cast Iron and Steel Columns—Flange and web connections to steel Columns, caps, bases; transverse bracing of columns.

Foundations.—Safe pressures; foundations for columns. Slab foundations, cantilever foundations; grillage foundations. Wells, Piles.

Retaining Walls and Earth Pressures.—Rankine's theory, Wedge theory, Winkler's and Blight's graphical constructions, with corrections. Design of various types of retaining walls in masonry.

Tall Masonry and Steel Chimneys.—Theory and design.

Design of Steel and Masonry Reservoirs; with considerations of wind-pressure.

Deflection of framed structures and determination of stresses etc. in redundant frames.

Influence diagrams for bending moment and shear for uniformly distributed and irregular loads on trusses, built in beams and three pinned parabolic; semi-elliptic and semi-circular arches.

General principles of dome design.

Principles of Building Design; consideration of loads on buildings; Steel-work girders, etc., for buildings.

BRIDGES

Design of superstructure. Determination by graphical and analytical methods of bending moment due to moving loads wind pressures.

Design of masonry bridges and culverts.

Plate-web girders. Analysis of stresses.

Warren and lattice girders.

Three pinned arches; doubly pinned and rigid arches.

General considerations on the design of suspension cantilevers and tubular bridges.

Steel arched bridges.

Swing bridges.

REINFORCED CONCRETE

Shear, bond and diagonal tension. its nature evaluation and location of reinforcement.

Design of simple and doubly reinforced beams and continuous beams.

Theory and design of reinforced concrete columns and piles.

Design of slab foundations.

Design of simple cantilever and counterfort retaining walls.

Equivalent moments of inertia for reinforced concrete sections.

Theory of elastic deflections and outline of investigation of stresses in reinforced concrete arches.

GENERAL

Analysis of stress, analysis of strain, elastic limit and ultimate strength. Relation between the elastic constants. Launhardt-Weyrauch formula for working stresses in a structural member and determination of its cross sectional area. Repetition of stresses. Bending moment and shearing force diagrams for dead loads. Graphical determination of stresses in frames; effect of wind pressure method of sections. Stress in the cross-section of a beam due to bending ($M/I - F/Y-E/R$); compound and conjugated stresses. Rankine's theory of earth-pressure; depth of foundations; strength of footings. Grillage foundations; Coulomb's theory of earth-pressure, modification due to Rebahn.

Bending moment and shearing force diagrams for live loads. Analysis of uniform and uniformly varying stress. Elastic theory of bending of beams, bending and shear stresses in beams. Modulus of section and equivalent areas. Maximum and minimum stresses in a joint due to eccentric loading. Stresses in dams and chimneys. Stability of block work structures. Design of reveted joints and stresses in boiler shells. Euler's theory concerning struts, modifications due to Rankine, Gordon and others. Torsion, Combined torsion and bending deflections. Encastre beams. Continuous beams and theorem of three moments. Elastic theory of arches. Masonry arches.

SOCIOLOGY (CODE-46)

Nature, scope and antecedents of sociology—Relation between sociology and other social sciences.

Race and society—Geographical environment and society—Population and society—Culture; the concept, its importance, and its relation to society and personality.

Basic concepts in sociology Groups—primary, secondary and reference groups—Role—Social structure—Social function—Social organisation—Norms and values—socialization—Social control—Social sanctions.

Basic social institutions; Family and kinship—The joint family—Economic, political, religious and legal institutions.

Social stratification; Castes estate and class—Social processes—Cooperation and conflict.

Types of societies: Primitive and civilized—Simple and complex—Traditional and modern.

Social change: Theories of social change—Planned social change—Social evolution.

Rural and Urban Communities—Urbanization.

NOTE :—The candidates will be expected to illustrate theory with facts, and to analyse problems with the help of theory. They will be expected to be particularly conversant with Indian Problems.

PART C

[Vide Sub-Section (c) of Section II of Appendix II]

HIGHER PURE MATHEMATICS (CODE-50)

The subjects included will be (1) Modern Algebra and Topology, (2) Analysis of functions of real variables, (3) Functions of a complex variable, (4) Geometry and (5) Differential Equations.

(1) *Modern Algebra*: Groups. Sub-groups. Normal Sub-groups. Factor groups. Homomorphism and isomorphism. Theorems on isomorphism. Permutation groups. Groups of transformation. Groups of automorphism. Inner automorphism. Normaliser, Centre and Commutator. Theorems of Cayley and Sylow. Decomposition theorem for finitely generated abelian groups. Invariants, Normal series, Composition series. Jordan-Hölder theorem. Rings, Integral domains, Division ring. Fields, Ideals, Prime, primary and maximal ideals, sums and products of ideals. Quotient ring. Isomorphism theorems for rings. The field of quotients of an integral domain. Euclidean domains. Principal ideal domains. Unique factorisation domains. Ring of polynomial over a commutative ring. Polynomials with co-efficients from a unique factorisation domain. Neotherian rings.

Vector spaces. Basis of a vector space. Dimension. Orthogonality. Scalar product. Orthonormal basis.

Field extension. Splitting fields. Separable and inseparable extension. Galois theory of finite extensions. Application to solution of equations by radicals. Finite fields.

Topological space, maps and neighbourhoods, closed sets, open sets base for a topological space, subspaces, quotient spaces. Different ways of defining a topology and strength of topologies. Metric spaces. Euclidean spaces, and other examples of metric spaces. Connectivity. Cartesian product of two topological spaces, local connectivity. Pathwise connectivity. Compact spaces. Product of compact spaces, locally compact spaces. Separation axioms. Hausdorff, normal and regular spaces.

10—511GI/75

(2) *Analysis of functions of real variables*. Dedekind's theory of real numbers. Bounds and limits, Sequences, Continuity and uniform continuity. Differentiability. Implicit functions. Maxima and minima of functions, Riemann Integration. Mean value theorems. Improper integrals. Line surface and multiple integrals. Green's and Stokes theorems.

Uniform convergence of series and properties of uniformly convergent series. Convergence of infinite products. Orthogonality and completeness of sets of functions. Fourier series and Fourier theorem. Weierstrass approximation theorem. Lebesgue measure. Measurable functions and Lebesgue integral of bounded functions.

(3) *Functions of a complex variable*.—Representation of complex numbers on Gauss's plane and on Riemann's sphere. Bilinear transformations. Analytic functions. Cauchy's theorem and its converse. Cauchy's integral formula. Taylor's and Laurent's series. Liouville's theorem. Singularities. Zeros. Theory of Residues and its application to evaluation of integrals. Fundamental theorem of algebra and roots of algebraic equations. Conformal representation. Analytic continuation. Mittag-Leffler's theorem. Weierstrass' factorisation Theorem. The maximum modulus principle Hadamard's three-circle theorem.

(4) *Geometry*: Plane sections and generating lines of quadrics. The quadric surface and its analysis. Confocal quadrics. Elementary theory of pencils of quadrics. Curves in space. Curvature and torsion. Frenet's formulae. Envelopes. Developable surfaces. Developable associated with a curve. Ruled surfaces. Curvature of surfaces. Lines of curvature. Conjugate lines. Asymptotic lines. Geodesics.

(5) Differential Equations :—

Ordinary differential Equations : Picard's existence theorem. Initial and Boundary conditions. Linear differential equations with variable coefficients. Integration in series. Bessel and Legendre functions. Total and simultaneous differential equations.

Partial Differential Equations : Formation of partial differential equations. Types of integrals of partial differential equations. Partial differential equation of first order. Charpit's method. Partial differential equations with constant coefficients. Monge's methods. Classification of partial differential equations of second order. Laplace Equation and its boundary value problems. Solution of wave equation and equation of heat conduction.

HIGHER APPLIED MATHEMATICS (CODE-51)

The subjects included will be (1) Dynamics. (2) Hydrodynamics, (3) Elasticity (4) Electricity and Magnetism, (5) Special theory of Relativity.

(1) *Dynamics* : Particle Dynamics. Motion in three dimensions. Rigid Dynamics : Motion in two dimensions. Momentum and Energy. Motion relative to the moving earth. Foucault's pendulum. Generalized coordinates. Holonomic and non-holonomic systems. Lagrange's equations of motion for holonomic systems. Small oscillations. Euler's geometrical and dynamical equations. Motion of a top. Hamilton's principle of least action. Hamilton's canonical equations and their integral invariants. Contact transformations.

(2) Hydrodynamics :

General : Equation of continuity, momentum and energy.

Inviscid Flow Theory : Two-dimensional motion. Streaming motion. Sources and sinks. Method of images and its application. Motion of cylinder and sphere in a fluid. Vortex motion. Waves.

Viscous Flow Theory : Stress and Strain analysis. Navier Stokes Equations. Vorticity. Dissipation of energy. Flow between parallel plates. Flow through pipe. Slow streaming motion past a sphere. Boundary layer concept. Boundary layer equations for two dimensional flows, boundary layer along a plate. Similarity solutions. Momentum and energy integrals. Method of Kármán and Pohlhausen.

(3) *Elasticity* : Cartesian Tensors. Stress and strain analysis. Work and energy. Saint Venant's principle. Bending of beams and plates. Torsion.

(4) *Electricity and Magnetism*: *Electrostatics*. Conductors and condensers. Systems of conductors. Dielectrics. Method of images and its application. Flow of electric currents in net works. Magnetism. Electromagnetism Induction. Alternating currents. Maxwell's equations. Oscillatory circuits.

(5) *Special Theory of Relativity*: Galilean principle. Michel son-Morley experiment. The principles of theory of relativity. Lorentz transformation and its consequences. Lorentz invariance of Maxwell's equations. Electrodynamics of a Vacuum Matter and energy.

HIGHER PHYSICS (CODE-52)

General Properties of Matter and Sound: Mechanics of deformable bodies. Helical springs. Capillary phenomena. Viscosity. Acoustical measurements. Ultrasonics.

Heat and Thermodynamics: Brownian motion. Kinetic theory of gases. Transport phenomena in gases at low pressures. Thermodynamic function and their applications. Specific heat of solids and gases. Production and measurement of low temperatures. Radiation of Planck's law of energy distribution.

Optics: Theory of co-axial symmetrical optical systems. Experimental spectroscopy. Electro-magnetic theory. Scattering of light. Raman effect. Diffraction. Polarisation.

Electricity and Magnetism: Gauss's theorem. Electrometers. Magnetic hysteresis. Theory of permanent magnets. Measurement of electrical quantities. Alternating current theory. Cyclotron and other methods for production of high voltages. Transmission and reception of wireless waves. Television.

Modern Physics: Special theory of relativity. Dual nature of light and matter. Schoedinger's equation and its solution in simple cases. Hydrogen and helium spectra. Zeeman & Stark effects. Pauli's principle and periodic classification of elements. X-rays and X-ray spectroscopy. Compton effect. Conduction in metals. Supraconductivity. Thermionics. Thermal ionization. Properties of atomic nuclei. Mass spectroscopy. Elementary particles and their properties. Nuclear reactions. Cosmic rays. Nuclear fission and fusion.

HIGHER CHEMISTRY (CODE-53)

Inorganic Chemistry.—The structure of the atom. Radioactivity, natural and artificial. Fission and fusion of nuclei. Isotopes. Radioactive indicators. Radioactive series. Transuranic elements.

Chemistry of the elements and their principal compounds with special reference to Be, W, Ti, V, Mo, Hf, Zr and rare earth elements.

Co-ordination compounds. Interstitial and non-stoichiometric compounds. Free radicals. Advanced Physicochemical methods of analysis.

Organic Chemistry.—Theories of organic chemistry, including resonance and hydrogen bond formation. Mechanism of important organic reactions. Stereo chemistry, including conformation.

Chemistry of different classes of organic compounds with special reference to the following. Polysaccharides, terpenes, natural colouring matters, alkaloids, vitamins, important hormones, antimalarials, chlorine insecticides, principal antibiotics and synthetic polymers.

Physical Chemistry.—The kinetic molecular theory. The three laws of thermodynamics and their application to physical chemical processes. Physico-chemical properties in relation to and elucidating molecular structure. Quantum theory and its application to chemistry.

The mechanism and kinetics of chemical and photochemical reactions. Catalysis Adsorption. Surface chemistry. Colloids. Electrochemistry.

HIGHER BOTANY (CODE-54)

Plant Kingdom.—Advanced knowledge of the main groups of the vegetable kingdom both living and extinct (viz. Algae. Fungi. Bryophyta. Pteridophyta. Gymnosperms and Angiosperms) with special reference to the Indian flora.

Systematic Botany.—Principles of classification and a general knowledge of the more important families of angiosperms.

Anatomy.—Origin, nature and development of plant tissues and their distribution from the ecological and physiological points of view.

Plant pathology.—An advanced knowledge of the important diseases of plants caused by bacteria, fungi, viruses and physiological diseases. Methods of control.

Physiology.—An advanced knowledge of the important physiological processes in plants including plant biochemistry.

Ecology.—Principal types of vegetation of India, their distribution and the importance of eco-physiological studies. Principles of plant geography.

Economic botany.—A study of the important economic plants of tropical and sub-tropical areas, with special reference to India.

General Biology.—Knowledge of the fundamentals of and recent developments in variation, heredity, evolution, cytology genetics and principles of plant breeding.

HIGHER ZOOLOGY (CODE-55)

The classification, bionomics, morphology, life-history and relationship of non-chordates and chordates, with special reference to Indian fauna.

Functional morphology (form, structure and function) of the organ systems. Outlines of vertebrate embryology.

The Classification, ontogeny, phylogeny, adaptive divergence and convergence of animals, animal ecology, migration and colouration.

Evolution: evidences, theories, and their modern interpretations. Adaptation; distribution of animals in space.

Recent advances in the knowledge of the cell, cytology genetics, sex determination and endocrinology.

Modern concept of the environment as a complex of physical, chemical and biological factors and of the organisms as individuals, population and communities.

An essay relating to any of the following topics. Protozoa and disease; Insect and man; Parasitology. Fresh-water and marine biology; Limnology and fishery biology; Contribution of great biologists to knowledge and civilization.

HIGHER GEOLOGY (CODE-56)

General Geology.—History and development of the Science of Geology, its different branches and contacts with other sciences. Origin evolution, structure, constitution, interior and age of the Earth. Geomorphology; Radioactivity and its application to Geology; Seismology; Volcanology; Geosynclines; Isostasy. Evolution of continents and ocean basins. Geological action of surface and subterranean agencies. Continental drift.

Structural and Field Geology.—Diastrophism; Rock deformation; Origin of mountains; Structures in relation to topography and mining. Tectonic history of India. Methods of Geological Surveying and Mapping.

Stratigraphy and Palaeontology.—Principles of Stratigraphy, and correlation. Detailed study of Indian Stratigraphy and outline of World Stratigraphy. Distribution of land, sea, faunas and floras in different periods. Theories of organic evolution. Fossils—their importance. Index fossils and correlation. Detailed study and geological history of the invertebrate fossils and the principal groups of vertebrate and plant fossils with special reference to India.

Crystallography and Mineralogy.—Crystal Morphology. Laws of crystallography; crystal systems and classes; habits, twinning. Goniometric and X-ray study of crystals. Atomic structure. Detailed study of rock-forming minerals and of economic minerals with special reference to their occurrence in India.

Petrology.—Origin and evolution, structure, mineral constituents, texture and classification of igneous sedimentary and

metamorphic rocks. Petrogenesis including metamorphism Petrochemistry. Study of meteorites. Important Indian rock-types.

Economic Geology.—Ore-genesis; classification of economic minerals and controls of ore localization. Geology of economic mineral deposits with particular reference to India. Location of mineral industries. Evaluation of properties; Mineral economics; conservation and utilisation of minerals. National mineral policy. Strategic minerals. Geological, geophysical and geochemical prospecting techniques and their applications. Principal methods of mining, sampling, ore dressing and ore beneficiation. Soils and ground water. Application of Geology to common engineering problems.

HIGHER GEOGRAPHY (CODE-57)

The paper will consist of two parts:—

The first part will comprise an advanced study of Physical, Human and Economic Geography, with special reference to India.

The second part will comprise advanced study of the following special subjects, and a candidate will be expected to have knowledge of at least two of these subjects:—

Geomorphology. Climatology (including modern methods of weather forecasting and analysis). Cartography (including solution of right-angled spherical triangles, use of Theodolite, advance projections like the oblique zenithal nets, etc.). Historical geography. Political geography. History of geographical thought and discoveries.

ENGLISH LITERATURE (1798—1935) (CODE-58)

The paper will cover the study of English Literature from 1798 to 1935, with special reference to the works of Wordsworth; Coleridge, Shelley, Keats, Lamb, Jane Austen, Carlyle, Ruskin, Thackeray, Robert Browning, George Eliot, G. M. Hopkins, Shaw, W. B. Yeats, Galsworthy, J. M. Synge, E. M. Forster and T. S. Eliot.

Evidence of first hand reading will be required. The paper will be designed to test not only the knowledge but also critical evaluation of the main literary trends during the period. Questions having a bearing on the social and cultural background of the period may be included.

INDIAN HISTORY I (FROM CHANDRA GUPTA MAURYA TO HARSHA)—(CODE-59)

The Mauryas. The rise and consolidation of the empire. Administration and economy. Decline of the empire.

The eclipse of Magadha. The Shungas and the Kavas.

The Cholas, Cheras and Pandyas.

Contacts with the West. North India—the Indo-Greeks. South India—Roman trade.

Central Asia and India. The Shakas. The Kushanas. The Satavahanas.

Indian contacts with Asian countries—The spread of Buddhism.

The Imperial Guptas—The Creation of Classical Indian Culture. Further Indian contacts overseas. The decline of the Guptas. The Hunas.

Changing economic patterns in north India and their impact on politics.

The rise of the Vakatakas and the Chalukyas.

The emergence of the Pallavas.

Harshvardhana.

INDIAN HISTORY II THE GREAT MUGHALS (1526—1707) (CODE-60)

Political History

Establishment of the Mughal Empire in India; its consolidation and expansion. The Sur interregnum. Mughal Empire at its zenith. Akbar, Jahangir and Shahjahan. Mughal relations with Persia and Central Asia. The development of administrative system. Europeans at the Mughal Court; early Portuguese, French and English settlements. The beginning of the decline of Aurangzeb, his wars and policies.

Cultural, Religious, Economic and Social life.

Cultural life, and promotion of art, architectural and literature

Religious movements; Bhakti Movement. Sufism. Dini-Islahi. Religious policy of the Mughal Emperors.

Economic life: Agrarian life. Systems of land tenure. Industry. Trade and Commerce. Exports, imports. Means of transport. Wealth of India.

Social life: Court life; Urban life; Rural life. Dress, manners, customs, food and drink; amusements, recreations and festivals. Position of women.

INDIAN HISTORY III (FROM 1772 TO 1950) (CODE-61)

Consolidation of British power in Bengal and South India. Expansion of British power in India. The East India Company and the British state. Evolution of the Civil Service. Judicial system, the police, and the army. Development of new land revenue system and agrarian relations. British Commercial policy. Economic impact of British rule in India. The revolt of 1857. Relations with Indian States. Foreign policy, and relations with Burma and Afghanistan. Development of modern industry, and means of communication. Development of modern education. Growth of the Press.

Indian Re-awakening; Raja Rammohan Roy. Brahmo-Samaj and Vidyasagar; the Arya Samaj, the Theosophists; Ramakrishna and Vivekananda; Syed Ahmed Khan. Social Reform. Development of modern Indian literature. The rise of Indian National Movement: The Indian National Congress (1885—1905), Dadabhai Naoroji, Ranade and Gokhale. Growth of militant nationalism, anti-partition agitation. Swadeshi and Boycott. Tilak and Aurobindo Ghosh, the Home Rule League and the Lucknow Pact.

Constitutional Development: Acts of 1861 & 1892; Minto Morley Reforms; the Montford Reforms, the 1935 Act.

Emergence of Mahatma Gandhi and the struggle for freedom. Transfer of Power: The Cripps Mission; the Cabinet Mission; Independence Act and Partition. The Constitution of 1950. Independent India; Foreign Policy. Non-alignment; Secularism; and Planning.

BRITISH CONSTITUTIONAL HISTORY (FROM 1603 TO 1950) (CODE-62)

Crown versus Parliament

Relations between James I and Parliament. Petition of Rights. Charles I and the issue of prerogative versus common Law. Civil war.

The Constitution makers.—

Government by Long Parliament. The Little Parliament.

The Protectorate. The Restoration. The Glorious Revolution. The Bill of Rights.

The Crown, the Executive and Parliament.—

The King and his Ministers. Influence of the Crown. The Cabinet and Parliament. The Monarchical Crisis of 1936.

The Reform of Parliament.—

Reforms Acts and the House of Commons. The House of Commons and the House of Lords. The Reforms of the House of Lords.

The Commonwealth.—

Origin and growth of the Commonwealth. The Statute of Westminster. The Machinery of Commonwealth Co-operation. The position of the Crown in the Commonwealth.

EUROPEAN HISTORY (1871—1945) (CODE-63)

The Industrial Development of Europe—Growth of nationalism, and democratic and socialist movement.

The German Empire; the Third French Republic, the Habsburg Monarchy. Imperial Russia.

The policy of alignment and ententes.

The Eastern Questions.

The rise of imperialism and European imperial interests in the Near East, the Middle East, Africa and the Far East.

The origin and consequences of the First World War.

The Russian Revolution and its consequence.

The Versailles settlement; the League of Nations; efforts at World Disarmament; the search for security, rise of Fascism and Nazism and their international implications.

The Second World War.

ADVANCED ECONOMICS (CODE-64)

Functions of economic analysis.

The theory of price. The theory of consumption and demand. Organization of production. Theory of the firm and industry. Imperfect competition. Theory of monopoly. Control of monopoly.

The theory of distribution. Rent. The theory of capital. The theory of money and interest. Savings and investments. Banking and credit regulations. The theory of wages and employment. Collective bargaining and industrial peace.

National income. Economic progress and distributive justice.

The theory of international trade. Foreign exchanges. Balance of payments.

Business cycles and their control. Economic role of Government. Economic welfare. Public utilities, pricing and regulation.

Theory of taxation. Incidence of taxation. Effects of Government taxation and expenditure. Deficit financing and inflation.

Planning for economic development.

ADVANCED INDIAN ECONOMICS (CODE-65)

Economic developments during the War and Post-War period. Natural resources. Social institutions. Agricultural production and finance. Pricing and distribution of foodgrains and other agricultural products. Land reform. Place of cottage and small scale industries in developing economy. Growth of modern organized industry. Regulation of public companies. Industrial relations and problems of labour. Mixed economy. Scope and efficiency of the public sector. Indian monetary and credit system. Role of the Reserve Bank. Population problems and population policy. Unemployment and under-employment. Computation of Indian national income. Regulation of foreign trade. Balance of payments. Indian taxation system. Federal finance. Planning for economic development. Size and structure of successive plans. Problems of resources and of implementation.

POLITICAL THEORY FROM HOBBS TO THE PRESENT DAY (CODE-66)

Theories of Contract and Natural Rights—Hobbes, Locke and Rousseau. Development of the idea of Sovereignty. The Historians—Vico, Montesquieu and Burke. The Utilitarians. The Evolutionists. The Idealists—Kant, Hegel, Green, Bradley and Bosanquet. Conservatism and Liberalism. Marxism and Schools of Socialism and Communism. Pluralism, Fascism. The Impact of Psychology. Trends of twentieth century thought in the East.

POLITICAL ORGANISATION AND PUBLIC ADMINISTRATION (CODE-67)

Political Institutions. The rise of Modern National States. Parliamentary and Presidential forms of Government. Unitary and Federal Governments. The Legislature. The Executive and the Judiciary. Methods of Representation. The Communistic and Totalitarian forms of Government.

Public Administration. Public Administration in the Modern State. The formulation of policy and higher control—the Legislature and the Executive. Organisation, Management, Methods and Tools, Regulatory Commission and Public Corporations. Personnel Administration—The Civil Service and its Problems. The Budget and Financial Administration. Administrative Powers, Control by the Courts. The Public Services and the Public.

INTERNATIONAL RELATIONS (CODE-68)

Part I

Foundations and limitations of national power.

The place of power, ideology and ethics in International Relations.

The role of International Law in International Relations.

The role of national interest in the formulation of foreign policy.

The theory of Balance of Power.

The nature and functions of International Organisation.

The United Nations: purposes, structure and functioning.

Part II

The origins of the First World War and the nature of the peace Settlement.

The League of Nations and the efforts for the establishment of a collective security system in the inter-war years.

The origins of the Second World War.

The Nuclear age and its impact on traditional international Relations.

The Cold War and its effect on World Politics.

The Birth of New Nations and the changes in the pattern of International Relations.

The Foreign Policies of the United States, the U.S.S.R. China, India and one of the following :

Great Britain, Japan, Germany and France.

ADVANCED METAPHYSICS INCLUDING EPISTEMOLOGY (CODE-69)

Candidates will be expected to be familiar with the views of prominent philosophers from Kant to the present day e.g. Kant, Hegel, Bradley, Royce, Croce, Moore, Russel, James, Schiller, Dewey, Bergson, Alexander, Whitehead, Wittgenstein, Ayer, Heidegger and Marcel.

Questions may be set on any of the following topics.

The sources, materials, varieties, limits criteria and sociology of knowledge.

Truth, falsehood, error.

Theories of reality. Reality, subsistence and existence. Monism, dualism and pluralism. Naturalism, agnosticism, atheism, absolutism and mysticism. Post-Hegelian idealism. New realism, Radical empiricism. Pragmatism.

Instrumentalism. Humanism—naturalistic and religious.

Logical positivism. Existentialism—atheistic and theistic. Recent trends of the philosophy of science in regard to the problems of induction, laws of nature, relativity, indeterminacy and God.

ADVANCED PSYCHOLOGY INCLUDING EXPERIMENTAL PSYCHOLOGY (CODE-70)

Subject-matter scope and methods of psychology; its relation with other sciences.

Heredity and environment controversy—Experimental studies on the relative influence of the two on human development.

Problems of motivation and emotion. Frustration and conflict; types of conflict; defence mechanisms—Studies in expressive movements; P.G.R., lie detection.

Sensation and Perception—Psychophysical methods; space perceptions, factors of perceptual organization; role of dynamic personality and social factors; inter-personal perception. Experimental methods in the study of learning, memory, forgetting and thinking—Theories of learning and forgetting. Theories of sign-process—nature of meaning.

Psychology of personality—determinants, traits, types, dimensions, and theories; assessment of personality—behavioural measures of personality—rating scales, nominating techniques, questionnaires and inventories, attitude scales, projective tests.

Individual differences; nature and measurement of intelligence and aptitudes. Test construction—Item analysis. Test scales and norms—Reliability and validity of measures—Factor analysis—Theories.

Schools and systems of psychology—Traditional Schools and the main contemporary systems of psychology; Freudians, neo-Freudians, neo-Behaviourists, Gestalt and field theories.

CONSTITUTIONAL LAW OF INDIA.—(CODE-71)

Historical Background; The growth of the Indian Constitution with special reference to the development of representative and responsible Government from the Indian Councils Act of 1861 down to the Indian Constitution of 1950.

General Features: Welfare State Ideal; Preamble to the Indian Constitution and Directive Principles of State Policy; Concepts of Unitary and Federal Government, Cabinet System, Due Process of Law, Judicial Review, Constitutional Conventions; Comparison of the Salient Features of the Indian Constitution with those of the U.K. and the U.S.A., Canada and Australia.

Division of Powers: Theory of separation of powers.

The Legislature—Legislative procedure; Privileges of Legislature; Delegation of legislative power.

The Executive—Presidential and Parliamentary Executives; Provisions relating to Services and Public Service Commissions; The doctrine of Rule of Law.

The Judiciary—Judicial control of administrative and quasi-Judiciary authorities; Scope of Writ Jurisdiction; Independence of the Judiciary.

Distribution of Legislative Powers; Principles of distribution of powers with special reference to Treaty Power; Commerce Power. Taxing Power. Constituent (Constitution-Amending) Power and Residual Power, Judicial doctrines relating to distribution of powers.

Fundamental Rights. Nature and scope of the various fundamental rights guaranteed under the Constitution.

Note.—Candidates will be expected to be conversant with the text of the Indian Constitution amendments thereto, and leading decisions of the Supreme Court.

JURISPRUDENCE—(CODE-73)

Jurisprudence: Definition and scope; various Schools of Jurisprudence; Concepts doctrine regarding Sovereignty.

Law: Law and Morals; Evolution of Law, Law of Nature, Law of State; Imperative theory of Law; Puric theory of Law, Sociological theory of Law; Kinds of Law; Civil Law; Criminal Law; Substantive Law and Adjective Law; Private Law and Public Law, International Law; Law and Justice; Law and Equity; Justice according to Law; Administration of Justice.

Sources of Law: Customs, Judicial Precedent Legislation; Codification.

Elements of Law; Analysis and classification of jurisdictional concepts; Personality Right, Duty, Liberty, Power, Immunity, Disability, Status, Possession, Ownership; Lease, Trust, Easement, Security; Wrong Liability, Obligation; Act, Intention, Motive, Negligence; Title; Prescriptions; Inheritance and Wills.

Evolution of Legal Concepts; Evolution of Contract, Tort, Crime, Property and Wills. Current trends in Juristic thought.

MEDIEVAL CIVILISATION AS REFLECTED IN ARABIC LITERATURE (570 A.D.—1650 A.D.)—(CODE-73)

The paper will test the candidate's knowledge of geography, history and social, political and religious evolution and developments.

MEDIEVAL CIVILISATION AS REFLECTED IN PERSIAN LITERATURE (570 A.D.—1650 A.D.)—(CODE-74)

The paper will test the candidate's knowledge of geography, history and social, political and religious evolution and developments.

ANCIENT INDIAN CIVILISATION AND PHILOSOPHY (CODE-75)

The history of the Civilisation Philosophy and Thought of India from 2000 B. C. to 1200 A. D.

Note.—The paper will test the knowledge of geography, history and social, political and religious evolution and developments. Questions may be set which require an acquaintance with archaeological discoveries.

ANTHROPOLOGY : (CODE-76)

(A) Physical Anthropology.—Definition and scope. The relation of Physical Anthropology to other sciences. The evolution of Man his exact place among the Primitive Group—his relationship to Prehuman and Protohuman forms from Parapithecus to Australiothecus. Early types of Man—Palaeonthropic man—Pithecanthropus, Synanthropus and Neanderthal. Neanthropic man—Cro Magnon, Grimaldi and Chanceladie—Homo Sapiens.

Racial differentiation of Man and bases of racial classification—Morphological, serological and genetic. Role of heredity and environment in the formation of Races. Principles of human genetics—Mendelian laws as applicable to Man.

Human Biology—The effects of nutrition inbreeding and hybridisation.

History of distribution of Man in India from the lithic ages to the Indus Valley civilisation and Megalithic cultures of Central and Southern India. Racial types and their distribution in India.

(B) Social (Cultural) Anthropology.—Scope and functions. Relation with Sociology. Social Psychology and Archaeology. Different schools of Cultural Anthropology—Evolutionary Historical, Functional and Kultu Kreis. The structure and development of Human Society.

Economic Organisation—Early stage of hunting and food gathering, domestication of animals, agriculture shifting cultivation, terracing intensive cultivation, implements used.

Political Organization—Clan, tribe and dual organization, tribal council, function of headman or chief.

Social Organization—Marriage and kinship forms, matriarchy, patriarchy, polygyny. Polyandry, exogamy and endogamy. Position of women, inheritance and divorce.

Primitive religion—Totemism, Taboo, magical and fertility rites, head hunting and human sacrifice.

Art Music, Folk dance and sports.

Group relationship, adjudication of disputes, concept of Justice and punishment.

Intelligence level, special aptitudes and abilities, emotional needs underlying primitive behaviour and ethnocentrism.

Structure of personality and development of personality and its role in primitive society.

Acculturation and the effects of contact on primitive tribes. Depopulation and its causes. Economic and psychological frustration. Decline of primitive tribes in America, Africa and Oceania. Depopulation among Indian tribals and remedial measures.

(C) Intensive study of any one of the ethnic division of tribal India;

1. The tribes of the N.E.F.A. or North Eastern Frontiers of India.
2. The tribes of the Naga Hills—Tewansang Area.
3. The autonomous tribes of Assam—the Khasis, the Garos, Mikirs and the Lushai.
4. The Australoid tribes of Chhotanagpur and Central India.
5. The tribes of Southern India including the tribes of the Nilgiri Hills.
6. The tribes of the Andaman and Nicobar Islands.

Note.—Candidates will be required to answer questions on (C) and (A) or (B).

ADVANCED SOCIOLOGY—(CODE-77)

Divergent views regarding the nature, scope and methods of sociology.

Major sociological thinkers: Marx, Weber, Durkheim and their modern interpreters.

Theories of social structure and function—Progress, evolution and change—Conflict and integration—Status, role, roleset and role conflict—Social network—Social norms, control, sanctions and derivation—Rewards and punishment.

Major social structures and institutions; Family and Kinship.

Economic, political, legal and religious institutions—Education Bureaucracy—Social stratification (including caste, class and elites).

Research methods in Sociology; Surveys, questionnaires and interviews—Sampling and scaling techniques—Participant and non-participant observation—Micro and Macro methods—Experimentation in sociology—Small group research methods.

Role of sociologists in social change.

Sociology of India:

Family kinship and marriage—Caste—Role of caste in politics—Rural and urban communities—Problems of national integration; regionalism, linguism, communalism and nationalism.

Schedule Castes, Scheduled Tribes and backward classes. The problem of inequalities.

Social aspects of economic development, planning, industrialization and urbanization.

Panchayati raj and local politics.

Social movements in modern India; social reform movements, backward classes movement, bhoodan and gramdan and "revivalist" movements—Agrarian and student unrest.

Note.—The candidates will be expected to illustrate theory with facts and to analyse problems with the help of theory. They will be expected to be particularly conversant with Indian problems.

PART D

[Vide Sub-Section (B) of Section I of Appendix II]

Personality test.—The candidate will be interviewed by a Board who will have before them a record of his career. He will be asked questions on matters of general interest. The object of the interview is to assess the personal suitability of the candidate for the Service or Services for which he has applied by a Board of competent and unbiased observers. The test is intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also social traits and his interest in current affairs. Some of the qualities to be judged are mental alertness, critical powers of assimilation, clear and logical exposition, balance of judgment, variety and depth of interest, ability for social cohesion and leadership, intellectual and moral integrity.

2. The technique of the interview is not that of a strict cross examination but of a natural, though directed and purposive conversation which is intended to reveal the mental qualities of the candidate.

3. The personality test is not intended to be a test either of the specialised or general knowledge of the candidates which has been already tested through their written papers. Candidates are expected to have taken an intelligent interest not only in their special subjects of academic study but also in the events which are happening around them both within and without their own state or country as well as in modern currents of thought and in new discoveries which should rouse the curiosity of well educated youth.

APPENDIX III

Brief particulars relating to the Services to which recruitment is made through I.A.S. etc. Examination.

1. *Indian Administrative Service.*—(a) Appointments will be made on probation for a period of two years which may be extended subject to certain conditions. Successful candidates will be required to undergo probation at such place and in such manner and pass such examinations during the period of probation as the Government of India may determine.

(b) If, in the opinion of Government, the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

(c) On the conclusion of his period of probation Government may confirm the officer in the Service or if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period subject to certain conditions as Government may think fit.

(d) An officer belonging to the Indian Administrative Service will be liable to serve anywhere in India or abroad either under the Central Government or under a State Government.

(e) *Scales of pay* :—

Junior Scale—Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.

Senior Scale :—

(i) Time Scale Rs. 1200 (6th year or under)—50—1,300—60—1,600—EB—60—1,900—100—2,000.

(ii) Selection Grade Rs. 2,000—125/2—2,250.

In addition there are super-time scale posts carrying pay between Rs. 2,500 and Rs. 3,500 to which Indian Administrative Service Officers are eligible for promotion.

Dearness allowance will be admissible in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time under the All India Services (Dearness Allowance) Rules, 1972.

A probationer will start on the junior time scale and be permitted to count the period spent on probation towards leave, pension or increment in the time scale.

(f) *Provident Fund*.—Officers of the Indian Administrative Service are governed by the All India Services (Provident Fund) Rules, 1955.

(g) *Leave*.—Officers of the Indian Administrative Service are governed by the All India Services (Leave) Rules, 1955.

(h) *Medical Attendance*.—Officers of the Indian Administrative Service are entitled to medical attendance benefits admissible under the All India Services Medical Attendance Rules, 1954.

(i) *Retirement Benefit*.—Officers of the Indian Administrative Service appointed on the basis of Competitive examination are governed by the All India Services (Leave) Rules, 1955. Retirement Benefits, 1958.

2. *Indian Foreign Service*.—(a) Appointment will be made on probation for a period of two years which may be extended. Successful candidates will be required to pursue a course of training in India for approximately twenty-one months. Thereafter they may be posted as Third Secretaries or Vice-Consuls in Indian Missions whose languages are allotted to them as compulsory languages. During their period of training the probationers will be required to pass one or more departmental examination before they become eligible for confirmation in Service.

(b) On the conclusion of his period of probation to the satisfaction of Government and on his passing the prescribed examinations, the Probationer is confirmed in his appointment. If, however, his work or conduct has in the opinion of the Government been unsatisfactory, Government may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such period as they may think fit or may revert him to his substantive post, if any.

(c) If, in the opinion of Government, the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is not likely to prove suitable for the Foreign Service, Government may either discharge him forthwith or may revert him to his substantive post, if any.

(d) *Scales of pay* :—

Junior Scale—Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.

Senior Scale—Rs. 1200 (6th year or under)—50—1300—60—1,600—EB—60—1,900—100—2,000.

In addition there are super-time scale posts carrying pay between Rs. 2,000 and Rs. 3,500 to which I.F.S. Officers are eligible for promotion.

(e) A probationer will receive the following pay during probation :—

First Year—Rs. 700 per mensem.

Second Year—Rs. 740 per mensem.

Third Year—Rs. 780 per mensem.

NOTE 1.—A probationer will be permitted to count the periods spent on probation towards leave, pension or increment in the time-scale.

NOTE 2.—Annual increments during probation will be contingent on the probationer passing the prescribed test, if any, and showing progress to the satisfaction of Government. Increments can also be earned in advance by passing the departmental examinations.

NOTE 3.—The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provision of F.R. 22-B(1).

(f) An officer belonging to the Indian Foreign Service will be liable to serve anywhere inside or outside India.

(g) During service abroad I.F.S. officers are granted foreign allowances according to their status to compensate them for the increased cost of living and of servants and also to meet their special responsibilities in regard to entertainment. In addition, the following concessions are also admissible to I.F.S. officer during service abroad :—

(i) Free furnished accommodation according to status.

(ii) Medical attendance facilities under the Assisted Medical Attendance Scheme.

(iii) Return air passage to India up to a maximum of two, for special emergencies such as the death or serious illness of an immediate relation in India or marriage of daughter.

(iv) Annual return air passage for children between the ages of 8 and 21 studying in India to visit the parents during the long vacations, subject to certain conditions.

(v) An allowance for the education of children up to maximum of two children between ages of 5 and 18 at rates prescribed by Government from time to time.

(vi) Outfit allowance at the time of departure for training abroad and on confirmation in the service. Outfit allowance is also granted at various stages of an officer's career in accordance with the prescribed rules. Special outfit allowance is admissible in addition to the ordinary outfit allowance to officers posted in countries where abnormally hard climatic conditions exist.

(vii) Home leave passages for officers, their families and servants after a minimum of 2 years service abroad.

(h) The Revised Leave Rules, 1933, as amended from time to time, will apply to Members of the Service subject to certain modifications. For service abroad I.F.S. Officers are entitled under the I.F.S. (PLCA) Rules, 1961; to an additional credit of leave to the extent of 50 per cent of leave admissible under the Revised Leave Rules.

(i) *Provident Fund*.—Officers of the Indian Foreign Service are governed by the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960.

(j) *Retirement Benefits*.—Officers of the Indian Foreign Service appointed on the basis of competitive examination are governed by the Liberalised Pension Rules, 1950.

(k) While in India officers are entitled to such concession as are admissible to other Government servants of equal and similar status.

3. *Indian Police Service*.—(a) Appointment will be made on probation for a period of two years which may be extended. Successfull candidates will be required to undergo probation at such place and in such manner and pass such exa-

minations during the period of probation as Government may determine.

(b) & (c) As in clauses (b) and (c) for the Indian Administrative Services.

(d) An officer belonging to the Indian Police Service will be liable to serve anywhere in India or abroad either under the Central Government or under a State Government

(e) *Scales of pay* :—

Junior Scale :—Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.

Senior Scale :—Rs. 1200 (6th year or under)—50—1700.

Selection Grade. Rs. 1,800.

Deputy Inspector General of Police.—Rs. 2,000—125/2—2,250.

Commissioners of Police, Calcutta and Bombay.—Rs. 2,250—125/2—2,500.

Inspector General of Police.—Rs. 2,500—125/2—2,750.

Director, Intelligence Bureau.—Rs. 3,500.

Dearness allowance will be admissible in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time under the All India Services (Dearness Allowance) Rules, 1972.

(f) (g) { As in clauses (f), (g), (h) and (i) for the Indian Administrative Service.

(4) *Delhi and Andaman & Nicobar Islands Police Service Group B*.—(a) Appointments will be made on probation for a period of two years which may be extended at the discretion of the competent authority. Candidates appointed on probation will be required to undergo such training and pass such departmental tests as the Central Government may prescribe.

(b) If in the opinion of Government the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

(c) The officer who has been declared to have satisfactorily completed his period of probation may be confirmed in the service. If his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit.

(d) *Scales of pay* :—

Grade I (Selection Grade)—Rs. 1,100—50—1,500.

Grade II—Time Scale—Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1,000—EB—40—1,200.

A person recruited on the results of competitive examination shall, on appointment to the Service, draw pay at the minimum of the time-scale, provided that if he held a permanent post, other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment to the Service, his pay during the period of his probation in the Service shall be regulated under the proviso of Fundamental Rule 22B(I). The pay and increments in the case of other persons appointed to the Service shall be regulated in accordance with the Fundamental Rules.

(e) Officers of the Service are entitled to get dearness allowance at the Central Government rates applicable to employee's drawing pay in revised Central scales of pay.

(f) In addition to dearness allowance officers of the Service are entitled to draw compensatory (city) allowance, house rent allowance and allowances to compensate for higher cost of living in hill stations, expensiveness incidental in remote localities etc. if they are posted at places, either for training or on duty, where such allowances are admissible.

(g) Officers of the Service are governed by the Delhi and Andaman and Nicobar Islands Police Service Rules, 1971, and such other regulations as may be made or instructions issued by the Central Government for the purpose of giving effect to those Rules. In regard to matters not specifically

covered by the aforesaid Rules or by regulations or orders issued thereunder or by special orders, they are governed by the rules, regulations and orders applicable to corresponding officers serving in connection with the affairs of the Union.

5. Posts of Assistant Security Officer/Assistant Commandant/Adjutant, Group 'B' in the Railway Protection Force.

(a) The Railway Protection Force (Superior Officers) consists of the following :

Scale of pay :

- (i) Deputy Chief Security Officer.—Rs. 1300—60—1600. (As)
- (ii) Assistant Inspector General/Security Officer/Commandant.—Rs. 1100 (6th year or under)—50—1600.
- (iii) Asstt. Security Officer/Assistant Commandant/Adjutant, Group B—Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

*The scale of pay is also likely to be revised in the light of the recommendation of the Third Pay Commission.

(b) Appointment will be made on probation for a period of 2 years during which the service will be liable to termination on three months' notice on either side. The period may be extended if the Officer on probation does not qualify for confirmation by passing the prescribed departmental and other tests. The selected candidates will be required to undergo training at such place and in such manner and pass such examinations during the period of probation as Government may determine.

(c) The Officer who has been declared to have satisfactorily completed his period of probation may be confirmed. If, however, in the opinion of Government, the work or conduct of an Officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith or may extend his period of probation for such further period as it may deem fit.

(d) An Officer, so recruited, will be liable to serve anywhere on the Indian Railways.

(e) Officers so recruited shall :

- (i) be governed by the Railway Pension Rules;
- (ii) Subscribe to the Railway Provident Fund (Non-contributory) under the rules of that fund as amended from time to time;
- (iii) be governed by the provisions contained in the R.P.F. Act 1957 and the R.P.F. Rules 1959; and
- (iv) exercise the powers vested in the superior officers of the Force under the said Act and Rules.

(f) If for any reason not beyond his control, a probationer wishes to withdraw from training or probation he shall be liable to refund the whole cost of training and any other money paid to him during the period of his probation.

(g) If in the opinion of Government the work or conduct of an Officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to be efficient, Government may discharge him forthwith.

(h) Group B Officers will be eligible for promotion as Security Officer/Commandant/Assistant Inspector General in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(i) Officers will start their service on the minimum of the time-scale and will count their service for increment from the date of joining.

(j) In all matters not specifically provided herein the Officers will be governed by the provisions of the Indian Railway Establishment Code and extent orders as amended/issued from time to time.

6. Indian P. & T. Accounts & Finance Service

(a) Appointments will be made on probation for a period of 2 years provided that this period may be extended if the officer on probation has not qualified for confirmation by passing the prescribed departmental examination. Repeated failure to pass the departmental examination within the prescribed period will involve loss of appointment.

(b) If, in the opinion of Government, the work and conduct of an officer on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient, the Government may discharge him forthwith.

(c) On the conclusion of his period of probation Government may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has, in the opinion of the Government been unsatisfactory, Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit.

(d) The Indian P&T Accounts & Finance Service carries with it a definite liability for service in any part of India.

Indian P & T Accounts & Finance Service

Scales of pay—

- (i) Junior Time Scale—Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.
- (ii) Senior Time Scale.—Rs. 1100—50—1600.
- (iii) Junior Administrative grade.—Rs. 1500—60—1800—100—2000.
- (iv) Senior Administrative grade (Level II).—Rs. 2250—125/2—2500.
- (v) Senior Administrative Grade (Level I).—Rs. 2500—125/2—2750.

2. The pay of a Government servant who held a permanent post, other than a tenure post, in a substantive capacity prior to his appointment as probationer will, however, be regulated subject to the provisions of F.R. 22B(1).

7. Indian Audit and Accounts Service.

8. Indian Customs and Central Excise Service.

9. Indian Defence Accounts Service.

(a) Appointments will be made on probation for a period of 2 years provided that this period may be extended if the officer on probation has not qualified for confirmation by passing the prescribed departmental examinations. Repeated failure to pass the departmental examinations within a period of three years will involve loss of appointment.

(b) If in the opinion of Government or the Comptroller and Auditor General, as the case may be, the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

(c) On the conclusion of his period of probation Government or the Comptroller and Auditor General as the case may be, may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has, in the opinion of Government or the Comptroller and Auditor General as the case may be, been unsatisfactory, Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit, provided that in respect of appointments to temporary vacancies there will be no claim to confirmation.

(d) In view of the possibility of the separation of Audit from Accounts and other reforms the constitution of the Indian Audit and Accounts Service is liable to undergo changes and any candidate selected for that Service will have no claim for compensation in consequence of any such changes and will be liable to serve either in the separated Accounts Offices under the Central or State Government or in the Statutory Audit Offices unless the Comptroller and Auditor General and to be absorbed finally if the exigencies of service require it in the cadre on which posts in the separated Accounts Offices under the Central or State Government may be borne.

(e) The Indian Defence Accounts Service carries with it a definite liability for service in any part of India as well as for field Service in or out of India.

Indian Audit and Accounts Service

(i) Scales of Pay :—

- 1 Junior Scale—Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.

- 2 Senior Scale.—Rs. 1100 (6th year or under)—50—1600.

3. Junior Administrative Grade.—Rs. 1500—60—1800—100—2000.

4. Accountants General (i)—Rs. 2,500—125/2—2,700 (50% posts),
(ii) Rs. 2,250—125/2—2,500 (50% posts)

5. Additional Deputy Comptroller and Auditor General—Rs. 2,500—125/2—3,000.

6. Deputy Comptroller & Auditor General of India.—Rs. 3,000—100—3,500.

NOTE 1.—Probationary Officers will start on the minimum of the time scale of I.A. & A.S. and will count their service for increments from the date of joining.

NOTE 2.—The Officers on probation will not be allowed the pay above the stage of Rs. 700 unless they pass the departmental examination in accordance with the rules which will be prescribed from time to time.

NOTE 3.—In the case of probationers who do not pass the end-of-the Course-Test at Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie, the first increment raising their pay to Rs. 740 would be granted in accordance with such instructions as Government of India may issue. The failed candidates will not be required to take the test again.

NOTE 4.—The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as probationer will however, be regulated subject to the provision of F.R. 22(B)(1).

Indian Customs and Central Excise Service

Superintendent of Central Excise, Group A	Rs. 700—40—900—EB —40—1100—50—1300.
Assistant Collector of Central Excise and/or Customs (Junior Scale)	
Assistant Collector of Central Excise and/or Customs (Senior scale)	Rs. 1100 (6th year or under) 50—1600.
Deputy Collector of Customs and/ or Central Excise.	
Addl. Collector of Customs and/ or Central Excise	Rs. 1500—60—1800 —100—2000
Appellate Collector of Customs and/or Central Excise	
Collector of Customs and/or Central Excise	(i) Rs. 2,250—125/2—
Director of Inspection	2,500 (50% of the posts)
Narcotics Commission	(ii) Rs. 2,500—125/2—
Director of Training	2,750 (50% of the posts)
Director, Statistics & Intelligence.	

(a) Appointments will be made on probation for a period of 2 years provided that this period may be extended if the officer on probation has not qualified for confirmation by passing the prescribed departmental examinations. Repeated failures to pass the departmental examinations within a period of two years will involve loss of appointment.

(b) If, in the opinion of the Government, the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

(c) On the conclusion of his/her period of probation Government may confirm the officer in his/her appointment or if his/her work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him/her from the service or may extend his/her period of probation for such further period as Government may think fit, provided that in respect of appointments to temporary vacancies there will be no claim to confirmation.

(d) The Indian Customs and Central Excise Service, Group A carries with it a definite liability for service in any part of India.

NOTE 1.—A probationary officer will start at the minimum of the time scale of pay of Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300 and will count his/her service for increments from the date of joining.

NOTE 2.—The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer in the Indian Customs and Central Excise Service, Group A, will be regulated subject to the provisions of F.R. 22-B(1).

NOTE 3.—During the period of probation, an officer will undergo departmental training at the Directorate of Training (Customs and Central Excise), New Delhi and also a foundational course training at the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie. At the end of the training at Mussoorie he/she will have to pass the "End of the Course" test. He/she will have to pass part I and part II of the Departmental Examination. On passing the 'end of the course test' at the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie and one of the parts of the Departmental Examination the pay will be raised to Rs. 740. On passing the departmental examination in full the pay will be raised to Rs. 780. The pay beyond Rs. 780/- will not be allowed unless he/she has completed 3 years of service subject to such other conditions as may be found necessary. In case he/she does not pass the 'end of the course test' at the Academy, the first increment will be postponed by one year from the date on which he/she would have drawn it or upto the date on which under the departmental regulations the second increment accrues, whichever is earlier.

NOTE 4.—It should be clearly understood by the probationers that the appointment would be subject to any change in the constitution of the Indian Customs and Central Excise Service Group A which the Government of India may think proper to make from time to time and that they would have no claim for compensation in consequence of any such change.

Indian Defence Accounts Service :

Junior Time Scale.—Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1,300.

Senior Time Scale.—Rs. 1100 (6th year or under) 50—1600.

Junior Administrative Grade—Rs. 1500—60—1800—100—2000.

Senior Administrative Grade, Level II.—Rs. 2,250—125/2—2,500.

Senior Administrative Grade, Level I.—Rs. 2,500—125/2—2,750.

Controller General of Defence Accounts.—Rs. 3,000 (fixed).

NOTE 1.—Probationary officers will start on the minimum of the junior time scale and will count their service for increments from the date of joining. The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as probationer will, however be regulated subject to the provisions of F.R. 22-B(1).

NOTE 2.—The Officers on probation will not be allowed the pay above the stage of Rs. 700 unless they pass the departmental examination in accordance with the rules which will be prescribed from time to time.

NOTE 3.—In the case of probationers who do not pass the end-of-the Course-Test at Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie, the increment raising their pay to Rs. 740 would be granted in accordance with such instructions as Government of India may issue. The failed candidates will not be required to take the test again.

10. *Indian Income-tax Service Group A.*—(a) Appointments will be made on probation for a period of 2 years provided that this period may be extended if the officer on probation

has not qualified for confirmation by passing the prescribed departmental examinations. Repeated failures to pass the departmental examinations within a period of 3 years will involve loss of appointment.

(b) If, in the opinion of Government the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become an efficient Income-tax Officer, the Government may discharge him forthwith.

(c) On the conclusion of his period of probation, Government may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit provided that in respect of appointment to temporary vacancies there will be no claim to confirmation.

(d) If the power to make appointments in the service is delegated by Government to any officer that officer may exercise any of the powers of Government described in the above clauses.

(e) Scales of pay :—

Income-tax Officer, Group A

Junior scale

(i) Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.
Senior scale

(ii) Rs. 1100—50—1600.

Assistant Commissioner of Income-tax.—

Rs. 1500—60—1800—100—2000.

Commissioner of Income-tax.—

(i) Rs. 2250—125/2—2500—(Level II).

(ii) Rs. 2500—125/2—2750 (Level I).

(f) During the period of probation an officer will undergo training at Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration Mussoorie, and the Indian Revenue Service (Direct Taxes) Staff College, Nagpur. At the end of training at Mussoorie, he/she will have to pass the 'end-of-the-course' test. In addition, I and II departmental examinations will also have to be passed during the period of probation. On passing the 'end-of-the-course' test and the 1st Departmental Examination, his/her pay will be raised to Rs. 740. On passing the 2nd departmental examination, the pay will be raised to Rs. 780. The pay beyond the stage of Rs. 780 will not be allowed unless he/she is confirmed and has completed 3 years of service subject to such other conditions as may be found necessary.

In case he/she does not pass the end of the course test at the Academy, the first increment will be postponed by one year from the date on which he/she would have drawn it or up to the date on which under the departmental regulations, the second increment accrues, whichever is earlier.

NOTE.—It should be clearly understood by probationers that their appointment would be subject to any change in the constitution of the Income-tax Service, Group A, which the Government of India may think proper to make from time to time and that they would have no claim for compensation in consequences of any such changes.

11. *Indian Ordnance Factories Service, Group A (Non-Technical Cadre).*—(a) Selected Candidates will be appointed as Assistant Managers (Probationers). The period of probation will be two years which may be reduced or extended by the Government on the recommendation of the Director General Ordnance Factories. An Assistant Manager (Probationers) will undergo such training as shall be provided by Government and may be required to pass such departmental and language tests as Government may prescribe. The language tests will include a test in Hindi.

On the conclusion of his period of probation, Government will confirm the officer in his appointment. If, however, during or at the end of the period of probation his work or conduct has, in the opinion of Government been unsatisfactory Government may either discharge him or extend his period of probation for such period as Government may think fit, provided that before orders of discharge are passed

the officer shall be appraised by competent authority of the grounds on which it is proposed to discharge him and be given an opportunity to show cause against it.

(b) The Assistant Managers (Probationers) in the Indian Ordnance Factories Service would draw pay in the prescribed scale of pay of Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300. During the period of probation, they will be required to undergo training in the various branches of the Department and in the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration Mussoorie, in a foundational course of training.

(c) (i) Selected candidates shall, if so required, be liable to serve as Commissioned Officers in the Armed Forces for a period of not less than four years including the period spent on training, if any; provided that such person (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment and (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(ii) The candidates shall also be subject to Civilians in Defence Services (Field Service Liability) Rules 1957 published under S.R.O. No. 92 dated 9th March 1957 as amended. They will be medically examined in accordance with the medical standards laid down therein.

(d) The following are the rates of pay admissible :—

Assistant Manager	Junior Scale :
Technical Staff Officer	Rs. 700—40—900—E.B. 40—1100—50—1300.

Deputy Manager	Deputy Assistant	Junior Scale :
Deputy Director General, Ordnance	Director General, Ordnance	Rs. 1100—(6th year or
Factories	Factories	under)—50—1600.

Manager	Senior Deputy Assistant	Rs. 1100—50—1,400*.
Deputy Director General, Ordnance	Director General, Ordnance	Factories
Factories	Factories	

Deputy General Manager	Assistant Director General, Ordnance	Rs. 1,300—60—1,600—
Manager	Manager/Assistant Director General, Ordnance	100—1800*.
Factories	Factories, Grade II	

Assistant Director General	Ordnance Factories Grade I	Rs. 2,000—125/2—2250.
Deputy Director General	Ordnance Factories	

(i)	Rs. 2,500—125/2—2750 for 50% of the post.
(ii)	Rs. 2250—125/2—2500 for 50% of posts.

Additional Director General	Ordnance Factories	Rs. 3,000 (fixed).
Director General	Ordnance Factories	

Pre-revised scale of pay.	Revised pay scales are under consideration.
---------------------------	---

(e) A probationer so recruited shall have to execute a bond before joining the service.

12. *Indian Postal Service.*—(a) Selected candidates will be under training in this department for a period which will not ordinarily exceed two years. During this period they will be required to pass the prescribed departmental test.

(b) If in the opinion of Government the work or conduct of an officer under training is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

(c) On the conclusion of his period of training Government may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory Government may either discharge him from the service or may extend his period of training for such further period as Government may think fit provided that in respect of appointment to temporary vacancies there will be no claim to confirmation.

(d) If the power to make appointment in the Service is delegated by Government to any officer, that officer may exercise any of the powers of Government described in the above clauses.

(e) Scales of Pay :—

- (i) Junior Time Scale—Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.
- (ii) Senior Time Scale—Rs. 1100—50—1600.
- (iii) Junior Administrative Grade—Rs. 1500—60—1800—100—2000.
- (iv) Senior Administrative Grade—Rs. 2250—125/2—(Level II) 2500.
- (v) Senior Administrative Grade—Rs. 2500—125/2—(Level I) 2750.
- (vi) Member P&T Board—Rs. 3000.

(f) The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as probationer will be regulated subject to the provisions of F.R. 22-B(1).

(g) It should be clearly understood by the officers on probation that their appointment would be subject to any change in the constitution of the Indian Postal Service which Government of India may think proper to make from time to time and that they would no claim for compensation in consequence of any such changes.

(h) Selected candidates will be liable to serve in the Army Postal Service in India or abroad as required by Government.

13. *Indian Railway Accounts Service*.—(a) Appointments will be made on probation for a period of 2 years during which the service will be liable to termination on three months' notice on either side. The period of probation may be extended if the officer on probation has not qualified for confirmation by passing the prescribed departmental examinations.

Government may terminate the appointment of a Probationary Officer who fails to pass all the Departmental Examinations within three years of the date of appointment.

(b) Probationers of the Indian Railway Accounts Service will also be required to undergo training in two phases at the Railway Staff College, Baroda, and to pass the tests prescribed by the College authorities. The tests in the College are compulsory and a second chance in the event of failure will not be given except in exceptional circumstances and provided the record of the officer is such that such relaxation may be made. They may, however, be put on to a working post on satisfactory completion of two years' training but they may not be confirmed till they have passed the tests at the Railway Staff College, Baroda and passed the higher and lower departmental examinations.

(c) Probationers should have already passed or should pass during the period of probation an examination in Hindi in the Devanagari script of an approved standard. This Examination may be the 'Preyen' Hindi Examination conducted by the Directorate of Education, Delhi, on behalf of the Ministry of Home Affairs or one of the equivalent Examinations recognized by the Central Government.

No probationary officer can be confirmed or his pay in the time scale raised to Rs. 780 p.m. unless he fulfils this requirement; and failure to do so will involve liability to termination of service. No exemption can be granted.

(d) Officers (including probationers) of the Indian Railway Accounts Service recruited under these rules—

- (a) will be governed by the Railway Pension Rules; and
- (b) shall subscribe to the State Railway Provident Fund (non-contributory) under the rules of that Fund; as amended from time to time.
- (c) Officers recruited under these rules shall be eligible for leave in accordance with the liberalised leave rules as in force from time to time.

(f) If for any reason not beyond his control, a probationer in the Indian Railway Accounts Service wishes to withdraw from training or probation, he will be liable to refund the whole cost of his training and any other moneys paid to him during the period of his probation.

(g) If, in the opinion of Government, the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

(h) On the conclusion of his period of probation, Government may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit.

(i) Scale of pay :—

(a) Junior Scale : Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.

Senior Scale : Rs. 1100 (6th year or under)—50—1600.

Junior Administrative Grade : Rs. 1500—60—1800—100—2000.

Senior Administrative Grade :

(i) Rs. 2250—125/2—2500.

(ii) Rs. 2500—125/2—2750.

(b) Increment from Rs. 740 to Rs. 780 will be stopped if they fail to pass the prescribed Departmental Examination within the two years' probationary period. The probationary period will be extended and on their passing the prescribed Departmental tests and being subsequently confirmed their pay will, from the date following that on which the last departmental examination ends, be fixed at the stage in the time scale which they would have otherwise attained but no arrears of pay would be allowed to them. In such cases the date of future increments will not be affected.

In case, any of the probationers does not pass the 'end-of-the-course-test' at Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie, his first increment will be postponed by one year from the date on which he would have drawn it or up to the date on which under the departmental regulations, the second increment accrues, whichever is earlier.

NOTE 1.—Probationary officers will start on the minimum of the Junior Scale and will count their service for increments from the date of joining. They will, however, be required to pass any departmental examination or examinations that may be prescribed before their pay can be raised from Rs. 740 p.m. to Rs. 780 p.m. in the time scale.

NOTE 2.—The pay of a Government servant who held a permanent post, other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as probationer will, however, be regulated subject to the provisions of Rule 2018A-(I)RII [F.R. 22-B(1)].

14. Military Lands and Cantonments Service (Group A)

(a) (i) A candidate selected for appointment shall be required to be on probation for a period which shall not ordinarily exceed 2 years. During this period he shall be required to undergo such course of training as may be prescribed by Government.

(ii) The pay of a Government servant who held a permanent post, other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as probationer will, however, be regulated subject to the provisions of F.R. 22-B(1).

(b) During the period of probation a candidate will be required to pass the prescribed departmental examination.

(c) (i) If in the opinion of Government, the work or conduct of an Officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him after apprising him of the grounds on which it is proposed to do so, and after giving him an opportunity to show cause in writing before such order is passed.

(ii) If at the conclusion of the period of probation an Officer has not passed the Departmental Examination mentioned in sub-para (b) above, Government may, in its discretion, either discharge him from service, or if the circumstances, of the case so warrant, extend the period of probation for such period as Government may consider fit.

(iii) On the conclusion of the period of probation Government may confirm an officer in his appointment, or if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him after apprising him of the grounds out of which it is proposed to do so and after giving him an opportunity to show cause in writing before such order is passed or extend the period of probation for such further period as Government may consider fit.

(d) No annual increment which may become due will be admissible to a member of the Service during his probation unless he has passed the departmental examination. An increment which was not thus drawn will be allowed from the date of passing of the departmental examination.

(e) In case, any of the Probationers does not pass the 'end-of-the-course-test' at Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie, his first increment will be postponed by one year from the date on which he would have drawn it or upto the date on which under the departmental regulations, the second increment accrues, whichever is earlier.

(f) The scales of pay are as under:—

Administrative Posts

(i) Director, Military Lands and Cantonments	*Rs. 1,800—100—2,000—125—2,250.
(ii) Deputy Director, Military Lands and Cantonments	*Rs. 1,300—60—1,600.
(iii) Assistant Director, Military Lands and Cantonments	*Rs. 1,100—50—1,400.

Group A

(iv) Senior Scale	Rs. 1,100—(6th year or under)50—1,600.
(v) Junior Scale	Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300—.

*These scales will be revised retrospectively with effect from 1-1-1973.

(g) (i) Group A Senior Scale Officers will normally be appointed as Deputy Assistant Directors, Military Estates Officers and Executive Officers of Class I Cantonments.

(ii) Group A Junior Scale Officers will normally be appointed as Executive Officers to Class I Cantonments and Class II Cantonments to which sub-clause (i) of Clause (e) of sub-section (4) of Section 13 of the Cantonments Act, 1924 is applicable.

(h) All promotions will be made by selection (seniority being considered only when the claims of two or more candidates are equal on merits) by Government on the recommendations of a Departmental Promotion Committee appointed in this behalf by the Government.

(i) No member of the Service shall undertake any work not connected with his official duties without the previous sanction of Government.

(j) The Military Lands & Cantonments Service carries with it a definite liability for service in any part of India as well as for Field Service in India.

(k) A candidate appointed to the Service shall be governed by the Military Lands and Cantonments Service (Group A and Group B) Rules, 1951, as amended from time to time.

15. *Indian Railway Traffic Service.*

(a) Candidates selected for appointment will be appointed as probationary officers in the Indian Railway Traffic Service for a period of three years during which they will undergo the training as indicated in para (m) and put in a minimum period of one year's probation in a working post. If the period of training has to be extended in any case due to the training having not been completed satisfactorily the total period of probation will be correspondingly extended.

(b) If for any reasons not beyond his control a probationer in the Indian Railway Traffic Service wishes to withdraw from training or probation, he will be liable to refund the whole cost of his training and any other moneys paid to him during the period of his probation.

(c) Appointments to the service will be on a probation for a period of three years during which the service of the officers will be liable to termination by three months notice on either side. Probationary Officers will be required to undergo practical training for the first two years. Those who complete this training successfully and are otherwise considered suitable will be placed in charge of a working post, provided they have passed the prescribed departmental and other examinations. It must be noted that these examinations should as a rule be passed at the first chance and that save under exceptional circumstances a second chance will not be allowed. Failure to pass any of the examinations may result in the termination of service and will, in any case, involve stoppage of increment.

At the end of one year in a working post the Probationary Officers will be required to pass final examination both practical and theoretical, and will, as a rule, be confirmed if they are considered fit for appointment in all respects. In cases where the probationary period is extended for any reason the drawal of the first and subsequent increments on their passing the departmental examinations, and on being confirmed, will be subject to the rules and orders in force from time to time.

(d) Probationers should have already passed or should pass during the period of probation an examination in Hindi in the Devanagari script of an approved standard. This examination may be the 'Praveen' Hindi Examination conducted by the Directorate of Education, Delhi, on behalf of the Ministry of Home Affairs or one of the equivalent examination recognised by the Central Government.

No Probationary Officer can be confirmed or his pay in the time scale raised to Rs. 780 p.m. unless he fulfils the requirements; and failure to do so will involve liability to termination of service. No exemption can be granted.

(e) Officers (including probationers) of the Indian Railway Traffic Service recruited under these rules:—

(a) will be governed by the Railway Pension Rules and

(b) shall subscribe to the State Railway Provident Fund (non-contributory) under the rules of that Fund; as amended from time to time.

(f) Pay will commence from the date of joining service. Service for increments will also count from that date.

(g) Officers recruited under these rules shall be eligible for leave in accordance with the liberalised leave rules as in force from time to time.

(h) Officers will ordinarily be employed throughout their service on the railway to which they may be posted on first appointment and will have no claim as a matter of right to transfer to some other Rail-

way. But the Government of India reserve the right to transfer such officers in the exigencies of service to any other railway or project in or out of India.

(i) Scales of pay :—

Junior Scale : Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.

Senior Scale : Rs. 1100 (6th year or under)—50—1600.
Junior Administrative Grade : Rs. 1500—60—1800—100—2000.

Senior Administrative Grade :

(i) Rs. 2250—125/2—2500.
(ii) Rs. 2500—125/2—2750.

NOTE 1.—Probationary officers will start on the minimum on the Junior Scale and will count their service for increments from the date of joining. They will, however, be required to pass any departmental examination or examination that may be prescribed before their pay can be raised from Rs. 740 p.m. to Rs. 780 p.m. in the time scale.

Increment from Rs. 740 to Rs. 780 will be stopped if they fail to pass the Departmental Examination within the first two years of the training and probationary period. The probationary period will be extended and on their passing the prescribed Departmental tests and being subsequently confirmed, their pay will from the date following that on which the last departmental examination ends be fixed at the stage in the time scale which they would have otherwise attained but no arrears of pay would be allowed to them. In such cases the date of future increments will not be affected.

In case any of the probationers does not pass the 'end-of-the-course-test' at Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie, his first increment will be postponed by one year from the date on which he would have drawn it or up to the date on which under the departmental regulations, the second increment accrues, whichever is earlier.

NOTE 2.—The pay of a Government Servant who held a permanent post, other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as probationer, will, however, be regulated subject to the provision of Rule 2018A(1) R.II[F.R.22-B.(1)].

(j) The increments will be given for approved service only and in accordance with rules of the Department.
(k) Promotions to the administrative grades are dependent on the occurrence of vacancies in the sanctioned establishment and are made wholly by selection; mere seniority does not confer any claim for such promotion.
(l) Courses of training for probationers in the Indian Railway Traffic Service.

NOTE 1.—The Government of India reserve the right to reduce at their discretion the period of training in the case of candidates who have had previous training or experience either in India or elsewhere.

NOTE 2.—Probationers will also have to undergo training at the Railway Staff College, Baroda, in two phases. The test in the Staff College is compulsory and a second chance in the event of failure will not be given except in exceptional circumstances and provided the record of the Officer is such that such a relaxation may be made. Failure to pass the test may involve the termination of service and in any case the officers will not be confirmed till they pass the tests, their period of training and/or probation being extended as necessary.

NOTE 3.—The programme of training given below has been drawn up chiefly for the purpose of guidance it may be varied at the discretion of General Managers to suit particular cases provided that the total aggregate period of training is not ordinarily curtailed.

NOTE 4.—During the period of training, the probationer has to work as a Guard, Yard Master, Assistant Station Master, Station Master, Yard Foreman, Train Examiners, Assistant Loco Foreman, Assistant Controller etc. as detailed

below. After completion of training when the probationer is posted against a working post, his duties involve travelling with no facilities for camping at way side stations. He has to visit sites of accidents at odd hours and inspect Control offices and stations. The work is arduous and will involve night duties.

(m) (1) Length of course—Two years.

S. No.	Item	Period (Weeks)			
			1	2	3
1.	Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration Mussoorie	17			
2.	Railway Staff College, Baroda (First Phase)	12			
3.	Area School to learn Guard's duties (Phase I)	4			
4.	Working as Guard	3			
5.	Booking Parcels Office, Goods shed and Transhipment shed	10			
6.	Traffic Accounts and Travelling Inspector of Accounts	5			
7.	Area School to learn duties of Assistant Station Master (Phase II)	4			
8.	Working as Yard Master, Assistant Station Master, Station Master, Yard Foreman and Train Examiner	13			
9.	Working as Assistant Loco Foreman	1			
10.	Assistant Controller	6			
11.	Deputy Chief Controller, Power Controller	6			
12.	Railways Staff College, Baroda, Phase II	6			
13.	Training on the Eastern Railway				
	(a) Asansol Division				
	(i) Coal Pilot Working 1.5 Weeks				
	(ii) Working of Andal & Asansol Yards Complex including Durgapur Steel Plant	2.5			
	(b) Dhanbad Division				
	(i) Coal allotment procedure, including field trip to yards, such as PEH and Karanpura including washeries such as PEH & Dugda				2
	(ii) Working of coal area Supdt's organisation				
	(c) Mughalsarai Marshalling Yard including visits to Manduadih-Dehri-on-sone	1			
14.	Training on South Eastern Railway				
	(i) Chakradharpur Division Bonda-munda Yard, Rourkela Steel Plant, including visit to Captive Mines.				1.5
	(ii) Bilaspur Division				
	Bhillai Marshalling Yard, Bhillai Steel Plant and visit to Chirimiri and Mahendragarh colliery areas				1.5
15.	Training in allotted Railways				
	(a) Headquarters office (Optg.) 4.00				8.00
	(b) Headquarters office (Commercial) 4.00				
	Period set apart for journey time for taking up various items of training and inescapable leave				
	Total				104 weeks or 24 months

(2) Provided he passes the examination at the end of his two years' training, a probationer will be given charge of a working post on probation for a further year.

(3) Examination will be held as may be required at the close of courses as well as at intervals during the period of training.

Note—Before a probationer is put to work independently as a Guard, Assistant Station Master, Station Master, Yard Foreman, Assistant Locomotive Foreman or Assistant Controller he must be examined by a responsible officer of the administration in the respective duties for each of these posts and declared qualified.

16. *The Central Secretariat Service, Section Officers' Grade, Group B*—

(a) The Central Secretariat Service has at present, the following grades :—

Grade	Scale of Pay
Selection Grade Deputy Secretary or equivalent	Rs. 1500—60—1800—100—2000
Grade I Under Secretary	Rs. 1200—50—1600
Section Officers' Grade	Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1,000—EB—40—1,200.
Assistant's Grade	Rs. 425—15—500—EB—15—560—20—700—EB—25—800.

Selection Grade and Grade I are controlled by the Cabinet Secretariat (Department of Personnel and Administrative Reforms), on an all-Secretariat basis. Section Officer/Assistants' Grades, however, are controlled by the Ministries.

Direct requirement is made to the Section Officers' Grade and to the Assistants' Grade only.

(b) Direct recruits to the Section Officers' Grade will be on probation for two years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests will result in the discharge of the probationers from service.

(c) On the conclusion of his period of probation Government may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory. Government may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit.

(d) If the power to make appointments in the Service is delegated by Government to any officer, that officer may exercise any of the powers of Government described in the above clauses.

(e) Section Officers will normally be heads of Sections while officers of Grade I will normally be in charge of Branches consisting of one or more sections.

(f) Section Officers will be eligible for promotion to Grade I in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(g) Officers of Grade I of the Central Secretariat Service will be eligible for appointment to the Selection Grade of the Service and to other higher administrative posts in the Central Secretariat.

(h) As regards leave, pension and other conditions of Service Officers of the Central Secretariat Service will be treated similarly to other Group A and Group B Officers.

17. *The Indian Foreign Service Branch 'B' Integrated Grade II and III of the General Cadre (Section Officers' Grades)*—

(a) 16-2/3% of the substantive vacancies in the Integrated Grade II & III of the Indian Foreign Service, Branch 'B' (Group B) are filled by direct recruitment through the U.P. S.C. The scale of pay attached to this grade is Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

(b) Direct recruits to the Section Officers' Grade will be on probation for two years during which period they will be required to undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the prescribed tests may result in the discharge of probationers from service.

(c) On the conclusion of the period of probation, Government may confirm an officer in his appointment subject to availability of permanent post or if his work and conduct have, in the opinion of Government been unsatisfactory, may either discharge him from the service or may extend the period of his probation for such further period as Government may deem fit. The total period of probation will not exceed 3 years.

(d) If the power to make appointment in the Service is delegated by Government to any officer that officer may exercise any of the powers of Government prescribed in the above clause.

(e) Officers appointed to this service will normally be Heads of Sections. While employed at the Headquarters of the Ministry of External Affairs/Ministry of Foreign Trade they will be designated as Section Officers and sometimes Administrative Officers. While serving in Indian Missions abroad, their designation will be Registrars, although for local purposes they may be called Attachés with diplomatic status.

(f) Section Officers will be eligible for promotion to Grade I of the General Cadre of the IFS (B) in the scale of Rs. 1,200—50—1,600 in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(g) Officers of the Grade I of the General Cadre of the IFS (B) will in turn be eligible for appointment to posts in the senior scale of IFS (A) in the scale of pay of Rs. 1200 (6th year or under)—50—1,300—60—1,600—EB—60—1,900—100—2,000, in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(h) The Indian Foreign Service Branch (B) is confined to the Ministry of External Affairs and Indian Missions abroad and the officers appointed to this service are not normally liable to transfer to other Ministries except the Ministry of Foreign Trade. They are however, liable to serve anywhere inside or outside India.

(i) During service abroad, IFS (B) officers are granted foreign allowance in addition to their basic pay at rates which may be sanctioned from time to time, depending upon the cost of living etc. of the countries concerned. In addition, the following concession are also admissible during service abroad, in accordance with the IFS (PLCA) Rules, 1961, as made applicable to IFS (B) Officers :—

(i) Free furnished accommodation according to the scale prescribed by the Government.

(ii) Medical Attendance Facilities under the Assisted Medical Attendance Scheme.

(iii) Return air passage to India and back to the place of duty abroad up to a maximum of two throughout an officer's service for special emergencies such as the death or serious illness of an immediate relation in India as may be defined by the Government.

(iv) Annual return air passage for children between the ages of 8 and 21 studying in India to visit their parents during vacation subject to certain conditions.

(v) An allowance for the education of children up to a maximum of two children between the ages of 5 and 18 at rates prescribed by Government from time to time.

(vi) Outfit allowance in connection with service abroad, in accordance with the prescribed rules and at rates fixed by Government from time to time. In addition the ordinary outfit allowance, special outfit allowance is admissible to officers posted in countries where abnormally cold climatic conditions exist.

(vii) Home leave passage for officers and their families in accordance with the prescribed rules.

(j) The Revised Leave Rules, 1933 as amended from time to time will apply to members of the service subject to certain modifications. For service abroad, except in some neighbouring countries, officers are entitled to an additional credit of leave to the extent of 50 per cent of leave admissible under the Revised Leave Rules.

(k) While in India officers are entitled to such concessions as are admissible to other Central Government servants of equal and similar status.

(l) Officers of the IFS (B) are governed by the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960 as amended from time to time and by orders issued thereunder.

(m) Officers appointed to this service are governed by the Liberalised Pension Rules, 1950, as amended from time to time and by orders issued thereunder.

18. The Armed Forces Headquarters Civil Service, Assistant Civilian Staff Officers Grade Group B—

“(a) Armed Forces Headquarters Civil Service has at present grade as follows:—

Grade	Scale of Pay
(1) Selection Grade (Group A) . ¹ Joint Director or Senior Civilian Staff Officer	Rs. 1500—60—1800.
(2) *Civilian Staff Officer (Group A)	Rs. 740—30—800—50—1150.
(3) Assistant Civilian Staff Officer (Group B Gazetted)	Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1,200.
(4) Assistant (Group B Non-Gazetted)	Rs. 425—15—500—EB—15—560—20—700—EB—25—800.

The above Service caters for the Armed Forces Headquarters and Inter-Services Organisations of the Ministry of Defence.

Direct recruitment is made to the Assistant Civilian Staff Officers' Grade and to the Assistant Grade only.

(b) Direct recruits to the Assistant Civilian Staff Officers Grade will be on probation for 2 years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests will result in the discharge of the probationers from service.

(c) On the conclusion of his period of probation, Government may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further periods as Government may think fit.

(d) If the power to make appointment in the Service is delegated by Government to any officer, that officer may exercise any of the powers of Government described in the above clauses.

(e) In the Armed Forces Headquarters and Inter-Service Organisations of the Ministry of Defence, Assistant Civilian Staff Officers will normally be heads of Sections while Civilian Staff Officers will normally be incharge of one or more Sections.

(f) Assistant Civilian Staff Officers will be eligible for promotion to the Grade of Civilian Staff Officer in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(g) Civilian Staff Officers of the Armed Forces Headquarters Civil Service will be eligible for appointment to the Selection Grade of the Service and to other administrative posts in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(h) As regards leave, pension and other conditions of service officers of the Armed Forces Headquarters Civil Service will be governed by the rules, regulations and orders in force from time to time, in respect of civilians paid from the Defence Services Estimates.

19. Customs Appraisers Service, Group B

(a) Recruitment is made in the grade of Appraiser in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1,000—EB—40—1,200. Appointments are made on probation for a period of two years which may be extended at the discretion of the Competent Authority. During the period of probation, the candidates will be required to undergo such training and pass such departmental tests as the Central Board of Excise and Customs may prescribed. They will not be allowed to draw pay above the stage of Rs. 680 unless they pass the prescribed departmental Examination in full.

(b) If on the expiration of the period of probation or any extension thereof the appointing authority is of the opinion that the selected candidate is not fit for permanent employment or if at any time during such period of probation or extension thereof he is satisfied that the candidate will not be fit for permanent appointment on the expiration of such period of probation he may discharge him from the service or pass such orders as he thinks fit.

(c) On the successful completion of the period of probation and after passing of the departmental examination the officers will be considered for confirmation in the grade.

(d) Appraisers will be eligible for promotion to the next higher grade of Assistant Collector in the Indian Customs and Central Excise Service Group A (Rs. 700—1,300) in accordance with the rules in force.

(e) Regarding leave and pension the officers will be treated like other Group B officers in Central Government departments. As regards other terms and conditions of their service they will be governed by the provisions in the Recruitment Rules for the Customs Appraisers' Service Group B. These rules particularly provide that the members of the Service will be liable to posting in any equivalent or higher posts under the Central Board of Excise and Customs anywhere in India.

20. Delhi and Andaman & Nicobar Islands Civil Service Group B—

(a) Appointments will be made on probation for a period of two years which may be extended at the discretion of the competent authority. Candidates appointed on probation will be required to undergo such training and pass such departmental tests as the Central Government may prescribe.

(b) If in the opinion of the Government the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient the Government may discharge him forthwith.

(c) The officer who has been declared to have satisfactorily completed his period of probation may be confirmed in the Service. If his work or conduct has in the opinion of the Government been unsatisfactory, Government may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as the Government may, think fit.

(d) Scales of Pay—

Grade I (Selection Grade)—Rs. 1200—50—1600.

Grade II—Time Scale—Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

A person recruited on the results of competitive examination shall on appointment to the Service, draw pay at the minimum of the time-scale, provided that if he held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment to the Service, his pay during the period of his probation in the Service shall be regulated under the provisions of Fundamental Rule 22-B(T). The pay and increments in the case of other persons appointed to the Service shall be regulated in accordance with the Fundamental Rules.

(e) Officers of the Service are entitled to get dearness allowance at the Central Government rates applicable to employees drawing pay revised Central scales of pay.

(f) In addition to dearness allowance officers of the Service are entitled to draw compensatory (city) allowance house rent allowance and allowances to compensate for higher cost of living in hill station expensiveness incidental in remote localities etc. if they are posted at places either for training or on duty where such allowances are admissible.

(g) Officers of the Service are governed by the Delhi and Andaman & Nicobar Islands Civil Service Rules, 1971 and such other regulations as may be made or instructions issued by the Central Government for the purpose of giving effect to those Rules. In regard to matters not specifically covered by the aforesaid Rules or by regulations or orders issued thereunder or by special orders they are governed by the rules, regulations and orders applicable to corresponding officers serving in connection with the affairs of the Union.

21. *Goa, Daman and Diu Civil Service Group B*

(a) Appointments will be made on probation for a period of two years which may be extended at the discretion of the competent authority. Candidates appointed on probation will be required to undergo such training and pass such departmental tests as the administrator of the Union Territory of Goa, Daman and Diu may prescribe.

(b) If in the opinion of the administrator the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, the administrator may discharge him forthwith.

(c) The officer who has been declared to have satisfactorily completed his period of probation may be confirmed in the Service. If his work or conduct has in the opinion of the administrator been unsatisfactory, he may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as the administrator may think fit.

(d) An officer belonging to the Service will be required to serve at any place in the Union Territory of Goa, Daman and Diu.

(e) Scales of Pay—

Grade I (Selection Grade)—Rs. 1100—50—1600.

Grade II (Time Scale)—Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

A person recruited on the results of competitive examination shall on appointment of the Service draw pay at the minimum of the time-scale.

Provided that if he held a permanent post, other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment, to the Service his pay during the period of his probation in service shall be regulated under the provisions of sub-rule (1) of rule 22-B of the Fundamental Rules. The pay and increments in the case of other persons appointed to the service shall be regulated in accordance with the Fundamental Rules.

Officers of the Service will be eligible for promotion to posts in the senior scale of the Indian Administrative Service in accordance with the Indian Administrative Service (Appointment by Promotion) Regulations, 1955.

(f) Officers of the Service are governed by Goa, Daman and Diu Civil Service Rules, 1967 and such other regulations as may be made or instructions issued by the administrator for the purpose of giving effect to those rules.

22. *Pondicherry Civil Service, Group B*

(a) Appointments will be made on probation for a period of two years which may be extended at the discretion of the competent authority. Candidates appointed on probation will be required to undergo such training and pass such departmental tests as the administrator of the Union Territory of Pondicherry may prescribe.

(b) If in the opinion of administrator the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient the administrator may discharge him forthwith.

(c) The officer who has been declared to have satisfactorily completed his period of probation may be confirmed in the Service. If his work or conduct has in the opinion of the administrator been unsatisfactory, he may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as administrator may think fit.

(d) An officer belonging to the Service will be required to serve at any place in the Union Territory of Pondicherry.

(e) Scales of Pay—

(i) Grade I (Selection Grade)—Rs. 1100—50—1600.

(ii) Grade II (Time Scale)—Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

A person recruited on the results of competitive examination shall on appointment to the Service draw pay at the minimum of the time-scale :

Provided that if he held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment to the Service, his pay during the period of his probation in Service shall be regulated under the provisions of sub-rule (1) of rule 22-B of the Fundamental Rules. The pay and increments in the case of other persons appointed to the Service shall be regulated in accordance with the Fundamental Rules.

Officers of the Service will be eligible for promotion to posts in the senior scale of the Indian Administrative Service in accordance with the Indian Administrative Service (Appointment by Promotion) Regulations, 1955.

(f) Officers of the Service are governed by Pondicherry Civil Service Rules, 1967 and such other regulations as may be made or instructions issued by the administrator for the purpose of giving effect to those rules.

APPENDIX IV

[These regulations are published for the convenience of REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES]

candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to the required physical standard. The regulations are also intended to provide guide lines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations, cannot be declared fit by the medical examiners. However, while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.

2. It should, however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.

The classification of various Services under the two categories, namely "Technical" and "Non-technical" will be as under :—

A. TECHNICAL

(1) Indian Railway Traffic Service.

(2) Indian Police Service and other Central Police Services, Group B.

B. Non-TECHNICAL

IAS, IFS, IA & AS, Indian Customs Service, Indian Railway Accounts Service, Indian Defence Accounts Service, Income Tax Officer (Group A) Indian Postal Service, Military Lands and Cantonments Service Group A, Group B posts in the Railway Protection Force and other Central Civil Services Group A & B.

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

(2) (a) In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race it is left to the Medical Board to use whatever correla-

tion figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth the candidate should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

(b) However for certain services the minimum standard for height and chest girth without which candidates cannot be accepted, are as follows:—

	Height	Chest girth fully expanded	Expansion
(1) Indian Railway Traffic Service and Group B posts in the Railway Protection Force.	152cm	84cm	5 cm (for men)
	150cm	79 cm	5cm (for women)
(2) Indian Police Service, and Delhi and Andaman & Nicobar Islands Police Service. Group B	165cm	84cm	5 cm (for men)
	150 cm	79 cm	5cm (for women)

The minimum height prescribed is relaxable in case of candidates belonging to Scheduled Tribes and to races such as Gorkhas, Garhwali, Assamese, Nagaland Tribals etc., whose average height is distinctly lower.

3. The candidate's height will be measured as follows:—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidates' chest will be measured as follows:—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres, 84—89, 86—93.5 etc. In recording the measurements fractions of less than half a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidates should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in Kilograms; fractions of half a kilogram should not be noted.

6. (a) The candidate's eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded.

(b) There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall, however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

(c) The following standards are prescribed for distant and near vision with or without glasses for different types of Services.

12—511GI/75

Class of Service	Distant vision		Near vision	
	Better eye (Corrected vision)	Worse eye	Better eye (Corrected vision)	Worse eye
I.A.S. I.P.S. and Central Services Group A & B				
(i) Technical	6/6 or 6/9	6/12 6/9	J/I	J/II
(ii) Non-Technical	6/9	6/12	J/I	J/II
(iii) I.O.F.S.	6/6	6/18 or 6/9	J/I	J/II

(d) (i) In respect of the Technical Services mentioned above and any other Services concerned with the safety of public, the total amount of Myopia (including the cylinder) shall not exceed—4.00 D. Total amount of Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed +4.00 D.

Provided that in case a candidate in respect of the Services classified as "Technical" (other than the Services under the Ministry of Railways) is found unfit on grounds of high myopia the matter shall be referred to a special board of three ophthalmologists to declare whether this myopia is pathological or not. In case it is not pathological, the candidate shall be declared fit, provided he fulfills the visual requirements otherwise.

(ii) In every case of myopia fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of pathological condition being present which is likely to be progressive and affect the efficiency of the candidate, he/she should be declared unfit.

(e) *Field of Vision*: The field of vision shall be tested in respect of all services by the confrontation method. When such test gives unsatisfactory or doubtful results, the field of vision should be determined on the perimeter.

(f) *Night Blindness*: Broadly there are two types of night blindness; (1) as a result of vit. A deficiency and (2) as a result of Organic disease of Retina a common cause being Retinitis pigmentosa. In (1) the fundus is normal, generally seen in younger age group and in nourished persons and improves by large doses of Vit. A in (2) the fundus is often involved and mere fundus examination will reveal the condition in majority of cases. The patient in this category is an adult and may not suffer from malnutrition. Persons seeking employment for higher posts in the Government will fall in this category. For both (1) and (2) dark adaptation test will reveal the condition. For (2) specially when fundus is not involved electro-Retinography is required to be done. Both these tests (dark adaptation and retinography) are time-consuming and require specialized set up, and equipment; and thus are not possible as a routine test in a medical check up. Because of these technical considerations, it is for the Ministry/Department to indicate if these tests for night blindness are required to be done. This will depend upon the job requirements and nature of duties to be performed by the prospective Government employees.

(g) *Colour Vision*: The testing of colour vision shall be essential in respect of the Technical Services mentioned above. As regards the non-Technical Services/posts, the Ministry/Department concerned will have to inform the Medical Board that the candidate is for a service requiring colour vision examination or not.

Colour perception should be graded into a higher and lower grade depending upon the size of aperture in the lantern as described in the table below:—

Grade	Higher Grade of Colour perception	Lower Grade of Colour Perception
1. Distance between the lamp and candidate	16'	16'
2. Size of aperture	1.3mm	13 mm.
3. Time of exposure	5 seconds	5 seconds

For the Indian Railway Traffic Service, Group B posts in the Railway Protection Force and for other Services concerned with the safety of the public, higher grade of colour vision is essential but for others lower grade of colour vision should be considered sufficient.

Satisfactory colour vision constitutes, recognition with ease and without hesitation of signal red, signal green and white colours. The use of Ishihara's plates, shown in good light and a suitable lantern like Edridge Green's shall be considered quite dependable for testing colour vision. While either of the two tests may ordinarily be considered sufficient in respect of the Services concerned with road, rail and air traffic, it is essential to carry out the lantern test. In doubtful cases where a candidate fails to qualify when tested by only one of the two tests both the tests should be employed. However, both the Ishihara's plates and Edridge Green's lantern shall be used for testing colour vision of candidates for appointment to the Indian Railway Traffic Service.

(h) *Ocular conditions other than visual acuity*—

(i) Any organic disease or a progressive refractive error, which is likely to result in lowering the visual acuity, should be considered a disqualification.

(ii) *Squint* : For technical services where the presence of binocular vision is essential, squint, even if the visual acuity in each eye is of the prescribed standard should be considered a disqualification. For other services the presence of squint should not be considered as a disqualification if the visual acuity is of the prescribed standards.

(iii) If a person has one eye or if he has one eye which has normal vision and the other eye is amblyopic or has subnormal vision the usual effect is that the person lacks stereoscopic vision for perception of depth. Such vision is not necessary for many civil posts. The medical board may recommend as fit, such persons provided the normal eye has

(i) 6/6 distant vision and J/i near vision with or without glasses provided the error in any meridian is not more than 4 dioptres for distant vision.

(ii) has full field of vision.

(iii) normal colour vision wherever required:

Provided the board is satisfied that the candidate can perform all the functions for the particular job in question.

The above relaxed standards of visual acuity will NOT apply to candidates for posts/services classified as 'TECHNICAL'. The Ministry/Department concerned will have to inform the medical board that the candidate is for a "TECHNICAL" post or not.

(iv) *Contact Lenses* : During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses is not to be allowed. It is necessary that when conducting eye test the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 foot-candles.

N.B.—The medical standards applicable to Group B posts in Railway Protection Force are those for the non-technical services. Since however, this service is concerned with the safety of the Public, the following additional conditions shall also apply to these posts :—

(i) Testing of colour vision shall be essential and higher grade of colour vision is necessary.

(ii) Squint shall be considered as a disqualification even if the visual acuity in each eye is of the prescribed standard.

(iii) 'One eye' shall constitute a disqualification for appointment in Railway Protection Force.

7. *Blood Pressure*

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

(i) With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.

(ii) With subjects over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 mm. and diastolic over 90 mm. should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalization report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc., or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electrocardiographic examinations of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the medical board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient, and particularly his arm is relaxed, he may be either living or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from the clothes to the shoulder. The cuff completely deflated should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Rechecking, if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes, as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This 'Silent Gap' may cause error in reading).

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the results recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate fit subject to the glycosuria being non-diabetic and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialist will carry out whatever examinations clinical and laboratory, he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test, and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over, should be declared temporarily unfit until the confinement is over.

She should be re-examined for fitness certificate six weeks after the date of confinement, subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed :—

(a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist : provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid a candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. This provision is not applicable in the case of Railway Services. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard :—

(1) Marked or total deafness in one ear, other ear being normal.	Fit for non-technical jobs if the deafness is upto 30 decible in higher frequency
(2) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid.	Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness is upto 30 Decible in speech frequencies of 1000 4000.
(3) Perforation of tympanic membrane of Central or marginal type.	(i) One ear normal other ear perforation of tympanic membrane present— Temporarily unfit. Under improved conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4 (ii) below. (ii) Marginal or attic perforation in both ears—Unfit. (iii) Central perforation both ears—Temporarily unfit.
(4) Ears with mastoid cavity subnormal hearing on one side/on both sides.	(i) Either ear normal hearing other ear Mastoid cavity — Fit for both technical and non-technical jobs. (ii) Mastoid cavity of both sides. Unfit or technical jobs. Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 Decibels in either ear with or without hearing aid.
(5) Persistently discharging ear-operated/unoperated.	Temporarily Unfit for both technical and non-technical jobs.
(6) Chronic inflammatory/allergic condition of nose with or without bony deformities of nasal septum.	(i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases. (ii) If deviated nasal Septum is present with Symptoms— Temporarily

(7) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx.

(i) Chronic inflammatory conditions of tonsil and/or Larynx—Fit.
(ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then-Temporarily unfit.

(8) Benign or locally malignant tumours of the E.N.T.

(i) Benign tumours— Temporarily unfit.
(ii) Malignant Tumours— Unfit.

(9) Otosclerosis.

If the hearing is within 30 Decibels after operation or with the help of hearing aid—Fit.

(10) Congenital defects of ear, nose or throat;

(i) If not interfering with function—Fit.
(ii) Stuttering of severe degree—Unfit.

(11) Nasal Poly

Temporarily Unfit.

(b) that his speech is without impediment;

(c) that there is no evidence of any abdominal disease; provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound);

(d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound;

(e) that his teeth are in good order and that he is

(f) that he is not ruptured;

(g) that he does not suffer from hydrocele, varicose veins or piles;

(h) that his limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his joints;

(i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;

(j) that there is no congenital malformation or defect;

(k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution.

(l) that he bears marks of efficient vaccination; and

(m) that he is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs, which may not be apparent by ordinary physical examination.

In case of doubt regarding health of a candidate the Chairman of the Medical Board may consult a suitable Hospital Specialist to decide the issue of fitness or unfitness of the candidate for Government Service, e.g. if a candidate is suspected to be suffering from any mental defect or aberration, the Chairman of the Board may consult a Hospital Psychiatrist/Psychologist, etc.

When any defect is found it must be noted in the certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

12. The candidate filing an appeal against the decision of the Medical Board have to deposit an appeal fee of Rs. 30.00 in such manner as may be prescribed by the Government of India in this behalf. This fee would be refunded if the can-

dicate is declared fit by the Appellate Medical Board. The candidates may, if they like enclose medical certificate in support of their claim of being fit. Appeals should be submitted within 21 days of the date of the communication in which the decision of the Medical Board is communicated to the candidates; otherwise requests for second medical examination by an Appellate Medical Board, will not be entertained. The medical examination by the Appellate Medical Board would be arranged at New Delhi *only* and no travelling allowance or daily allowance will be admissible for the journeys performed in connection with the medical examination. Necessary action to arrange medical examination by Appellate Medical Boards would be taken by the Cabinet Secretariat Department of personnel and Administrative Reforms on receipt of appeal accompanied by the prescribed fee.

MEDICAL BOARD'S REPORT

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner:—

1. The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy Government, or the appointing authority as the case may be, that he has no disease constitutional affection, or bodily infirmity, unfitting him or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

Candidates appointed to the Indian Defence Accounts Service are liable for field service in or out of India. In the case of such a candidate the Medical Board should specially record their opinion as to his fitness or otherwise of field service.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government Service the grounds for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Boards' opinion to the effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared "Temporarily Unfit" the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(a) Candidate's statement and declaration.

The candidate must make the statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the warning contained in the Note below:—

1. State your name in full (in block letters).
2. State your age and birth place.
3. (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese Naga and Tribals etc. whose average height is distinctly lower ? Answer "Yes" or "No" and if the Answer is "Yes" state the name of the race.
3. (a) Have you ever had small-pox intermittent or any other fever enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks, rheumatism, appendicitis ?
- (b) any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment ?
4. When were you last vaccinated.....
5. Have you suffered from any form of nervousness due to over work or any other causes ?
6. Furnish the following particulars concerning your family

Father's age, if living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state at death	No. of brothers dead, their ages at death and cause of death
---	--	---	--

Mother's age, if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state at death	No. of sisters dead, their ages at death and cause of death
---	--	--	---

7. Have you been examined by a medical Board before ?
8. If answer to the above is "Yes.", please state what Service/Services you were examined for ?
9. Who was the examining authority ?
10. When and where was the Medical Board held ?
11. Result of the Medical Board's examination, if communicated to you or if known ?

I declare all the above answers to be, to the best of my belief true and correct.

Candidate's Signature
Signed in my presence.

Signature of the Chairman of the Board.

NOTE:—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statements. By willfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed of forfeiting all claims to Superannuation Allowance or Gratuity.

(b) Report of Medical Board on (name of candidate) physical examination.

4. General development : Good.....Fair
poor
Nutrition : thin.....Average.....Obese
Height (Without shoes).....Weight
Best WeightWhen ?.....any recent changes
in weightTemperature
Girth of Chest.

(1) After full inspiration
(2) After full expiration

2. Skin : Any obvious disease

3. Eyes :

- (1) Any disease
- (2) Night blindness
- (3) Defect in colour vision
- (4) Field of vision
- (5) Visual acuity
- (6) Fundus examination

Acuity of vision	Naked with eye glasses	Strength of glass sph. Cyl. Axix
------------------	---------------------------	-------------------------------------

Distant vision R.E.
L.E.

Near vision R.E.
L.E.

Hypometropia R.E.
(Man fest) L.E.

4. Ears : Inspection.....Hearing Right Ear

Left Ear

5. Glands.....Thyroid

6. Condition of teeth

7. Respiratory System : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs.....
If yes, explain fully.—

8. Circulatory System :

(a) Heart : Any organic lesions ?Rate
Standing
After hopping 25 times
2 minutes after hopping

(i) blood pressure : SystolicDiastolic

9. Abdomen : GirthTenderness

Hernia

(c) Palpable : liverSpleen

KidneysTumours

(b) HaemorrhoidsFistula

10. Nervous System : Indication of nervous or mental disabilities

11. Loco-Motor System : Any abnormality

12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele

Varicocele etc.

Urine Analysis

(a) Physical appearance

(b) Sp. Gr.

(c) Albumen

(d) Sugar

(e) Casts

(f) Cells

13. Report of X-Ray Examination of Chest.

14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate ?

NOTE :—In the case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit, *vide* Regulation 9.

15. (i) State the Service for which the candidate has been examined :

(a) I.A.S. & I.F.S.

(b) I.P.S. and Delhi and Andaman & Nicobar Islands Police Service,

(c) Central Service, Group A & B

(H) has he been found qualified in respects for the efficient and continuous discharge of his duties in :

(a) I.A.S. & I.F.S.

(b) I.P.S. and Delhi and Andaman & Nicobar Islands Police Service

(see especially height, chest girth, eye sight, colour blindness and locomotive system)

(c) Indian Railway Traffic Service
(see especially height, chest, eye sight, colour blindness).

(d) Other Central Services Group A/B

(III) Is the candidate fit for FIELD SERVICE

NOTE :—The Board should record their findings under one of the following three categories :—

(i) Fit

(ii) Unfit on account of

(iii) Temporarily unfit on account of

Place

Date

Chairman

Member

Member

MINISTRY OF INDUSTRY & CIVIL SUPPLIES

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

New Delhi, the 6th March 1976

No. 2(11)/74-CGP(.—Shri J. R. Murthy, Deputy Chairman, Indian Refractory Makers Association is hereby appointed as a Member of the Panel for Refractory Industry, re-constituted in this Ministry's Resolution of even number dated the 13th December, 1974, in place of Shri K. N. Marwaha.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

S. R. KAPUR, Deputy Secy.

DEPARTMENT OF HEAVY INDUSTRY

New Delhi, the 4th March 1976

RESOLUTION

(Constitution of a Panel for Foundry Industry)

No. 26-8/76-HM(I).—The World Bank report on the foundry Industry has stressed the need for improving the structure of the Industry. In order to make quick progress on the implementation of World Bank recommendations, it is considered that the problems of the Industry should be kept under constant review by an expert advisory body. Government has accordingly decided to constitute a Panel for

(Chairman)

Foundry Industry (excluding Steel Castings for which a Panel already exists) :

The Panel will consist of :

Members

- (i) Shri Hari Bhushan, Technical Adviser, Department of Heavy Industry.
- (ii) Shri S. K. Sinha, DDG (Engg.) DGTD.
- (iii) Shri R. Datta, Additional Director Ministry of Railways.
- (iv) Shri Srinivasan, Chief Engineer, Planning Commission.
- (v) Shri Tirlochan Singh, Deputy Secy., Department of Heavy Industry.
- (vi) Shri S. C. Dhingra, Joint Director, Department of Heavy Industry.
- (vii) Shri S. R. Tata, Development Officer, Department of Steel.
- (viii) Representative of DC(SSI) Nirman Bhavan.

Members (Secy.)

- (ix) Shri R. M. Balani, Dev. Officer, DGTD.

Members

- (x) Representative of M/s. Southern Alloy, Madras.
- (xi) M/s. Indian Smelting & Refining, Bombay.
- (xii) M/s. Malleable Iron & Steel Castings, Bombay.
- (xiii) M/s. Ennore Foundries, Madras.
- (xiv) Ductron Castings, Hyderabad.
- (xv) M/s. Telco.
- (xvi) M/s. Shivaji Works, Sholapur.
- (xvii) M/s. Boco Engg. Batala.
- (xviii) Representative of AIEL.
- (xix) Representative of NIFFT, Ranchi.

3. The terms of reference of Panel are :

- (a) Optimum utilisation of capacity.
- (b) Introduction of technological improvements.
- (c) Improving the structure of the Industry, including needs of product—mix rationalisation, training, balancing equipment investments, horizontal transfer of technology etc.
- (d) Improving exports, increasing competitiveness etc.
- (e) Any other matters relating to health and growth of the industry.

4. This Advisory Panel will meet to review the position once in 3 months or more frequently if occasion warrants, at such places, as may be decided by the Chairman.

5. The term of the Panel will be for two years.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution may be communicated to all concerned.

ORDERED also that a copy of the Resolution be published in the Gazette of India.

S. M. GHOSH, Jt. Secy.

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

New Delhi, the 6th March 1976

AMENDMENT

No. N.17012/7/75-Credit.—The following amendments are made in this Ministry's Resolution No. N.17012/7/75-Credit dated the 22nd November, 1975 regarding the reconstitution of the National Advisory Board on Cooperative Farming.

(1) After serial No. 21, add the following serial No.

"22 Shri R. N. Azad, Joint Secretary, Department of Rural Development".

(2) Read serial No. 22 as serial No. 23.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

ORDERED that in Resolution be published in the Gazette of India.

R. K. BHUJABAL, Dy. Secy.

MINISTRY OF EDUCATION & SOCIAL WELFARE

(DEPARTMENT OF EDUCATION)

New Delhi, the 5th March 1976

No. F.4-118/75-U2.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 46 of the Delhi University Act, 1922 (8 of 1922), the Central Government hereby declares that the provisions of the Provident Funds Act, 1925 (19 of 1925) shall apply to the General Provident Fund-cum-Pension and the Contributory Fund constituted by the University of Delhi for the benefit of its officers, teachers, clerical staff and servants, as if they were Government provident funds.

M. N. SINHA, Under Secy.